नर्वकरें बारवर रामि कृष्टिकरकः (अरबक्त चाव क्रम माय-मारवर करूना ; व्यवदेश कार मा :

बक्क करिया बाद्यर समय प्रता साविक्य वरेरताक । समयक्रिये wan diplag un fen aifes percent : was diplos un de काशकीय नकि । कालाखर प्रकाश किय, बीविक । विवि: कालाब नाम Mania minia maan minian bingraa blata falati fatutun i mita. utu. aideren, curates es nun um mirg, wiele Giele den; mir Catala minte fama feat es nun not atfes ubrure, minte dinte व्यवस्थाः चारका चारक (रह. चारक (रहाक । चारक (रहाक, चारक कारन त्रिक क्रेट्ट : अत्रक मधा-अवक कार्म आविक्रक क्रेट्ट : (वस्त्रक्रम) त्यव रहेवा विदाहक, दर बहन, दन महित मानक वरण मानक बहन माहे। चामि (वह विशान (Revelation) हे शामि, याहा चनववादन चनव वास्तित क्किन विशे क्रांतिक क्रेट्रा । अक् पुन्तक वालिएक गाँचा वास मुन्दर्क Til Afric eife al. de primite aim bferm nibel muin na-र्गटक खेरणका कतिएक शांति ना - बक्की शहराबुटकर शांति वह । मखा कर-सार्वित शास्त्र किमिन । जकालक किस्त्र क्वेटक मकावना वा बाद्यत प्रकल क्रीं(कर्छ । क्या क्या क्रिनिशाई जामक क्रेरण श्रेरकरू । जावि यमि, दक्षम बाहरद बरह, वाक्षिक अकरमह विकाद विकाद वक प्रतिपाद # 1 अपन किहरे थरे पृथितीरक करे का मारे, बाबाब दकान दिएक मारे। व्यामि धमन विनयरक लाल वांका, बाहारक बाह्यरवर काक्यवंशाहारक (self-respect) Beifel cee i minatini-oca maticani utilet i nocent fouca निकार विभिन-क्षत्रारम् अस्य नका विश्वारक । केरनकार करा, कालास्व क्यो : एमात्र क्यो , प्रधानरवर मात्र । क मात्र प्राप्ति यानि मा । ८वर्ष प्रका ज्ञारक बलिया, त बला, वाहेरबस्य मका माहे, तम विवास बरवा नका व्यवस का नमरवर्षाम । अकरमर नरक विकास कर मका केनकारी बरव । बालाव दिशाला मकरणह केलकक मका त्यान कविरक्षक । आवान नाहरवरमहे

अकन वर्षक्या नुकातिक, ता गरन करत. ताक चनवारनव वाकियक विधारनव बृहत कृते।बाचा क करव, तम विश्वांका विश्वाम मार्टम मा । आह Revelation स्थारहेरे बादम मा । तम महीकृत या क्षकृतित्वरे चारीकांत करते । कृत्म क्या कह, करन गान गाह, चाकाम देखिक करत, छर्मन माछ्य चर्रा छैर्छ. ध nun (n (red nit) aistane finia, tang Gielas des : wat-करब, बानब करके शक्तित जिलत विद्या जारन जारन करित महर्स्ड रके रचन क्या विकाशका नवाम, कराम, केमारानाम, जमान दम कमा यात्र। ८म कथा ८व अध्य मा, ८म बाक्ष्यके मह । माक्ष्य ८क १ माक्ष्य एक्यन कीशांव अत्यक्षत् भावन बावन वाक्षयाक करा श्राकृतिहरू दर वाक्षि कशवास्तित सारकत किमिन बरम कविटा भारत माहे. तम भाषा ट्यामन पाळाच दनम दनमारक लीका नाम करन माहे। कैरगोबाल पाहाब हाटकंब गुरुत, महाचा ब्रीहें कीहा-्य^{े प}्रत्व : महत्वमक डीवाव, नाकाच ठीवात, मसूत डीवात, (वाही कवी, मांके भमान, भावि कृषि नक्नरे छातात । (याप्त श्रविषत सम्र दश्यन मछ। e श्रीकृष क्षेत्राक्रिया, व्यामास्यत कक्क स्माहेक्य महा e श्रीकृष्ट क्हेरफट्छ । वर्षा कहे कह, पूर्व यूर्व विविध हरेबाएक । भागी भूगान्ताव (क्रमारक्र, व्यवका-वड वार्षका मात्र । वकरवत कक्ष धकतव विधान नरह । जकत कारवत क्षम अक्षण विश्वान वरेटल भारत नी । विश्वालात विश्वान समस्य । काशास्त्रक (कार्य (क क्या केंक्रिक नरह । जानी जुनाचा, नकत्वत किक्द्र क्या काळ्य न সভা প্রেটিত চ্টডিচে: পাপ পুণা অবস্থার সীমারেখা মাত্র,-অপুর্বভার कारन पूर्वकात किय बाब, नीयात नार्ष भनीय (तथा मोखा) · त्यारमह चनावरे भाग: (शामत चनावरे चवनाविक कातन त्याम वित्र वेशक्रिक भरवत चात्र स्मका नाहे । चयमिकहे भाग, छेब्रेक वास्तित निकटि ; छेब्रेक वाकि,--भारता केवल वाकित मिक्टे खरनल। छत्तार मानी मक्टन्टे। पूर्वका बाहरव नाहे । अपनक (वं, त्मक केविकारक वाहरव) केविक कहेरक डेंबटिटड -- बाटना डेंबविटड, बाटना डेंबडिटड । পूर्वडा नांड क्वेंबन्डे बहिटन ना । गय गुरुक गुंबक; बंदे बाख ब्यालक। (कह ब गरंब बाब, (कह ब नाव वाह । ८वर क मका बाद, दकर अस मठा व्यवहरू करह । दकर काल बाब, (कह कड़ी बाब। (कह (वह भारत, एक एकावांव भारत, एकह

a "There is no virtue which is final; all are initial. The virtues of society are vices of the saint." - Emerson.

चानमात्र निरम्क मारम १. नजरनत्रहे सका बीयम मारक। नतन्तर्रक त्य पुना चरक, तम मोरवह विशास,बृद्ध मा । "रक्षमारकम रेव जरन, रम लूर्व रक्षम-नदी व्यवस्थाने कारकीत्व तृत्व महि। त्वत्वत्र क्रिक्टरहे केहात महिमा, कीशाहरे त्योदन, कीशांदरे मीमा-एडक केविक बहेत्करक । दवक गढ़, बाई-त्वतः गड़, त्वातान,गड़—माञ्च द्वत यह गड़,--क्कि दर्शवदर्व करू के Chinis विका अवन्तृर्व पविवादम । 'स्थामात प्रत आदश स्वत कि छात्र । भाव, मारवा नारेटक रेका वरेटन । निन, मारक निनिट्ड रेक्ट्र क्टेटन मा सक्त ८वन द्वमान क्षत्र का कवित्त ह स्थामान क्रमा मिल्लिन स्थे। स्थामान क्षत्र स्थ असक का शादत पात मूक, फाराटक ट्रामाटक कृतिएक है हरेटन । तरमद्वत উপর বংসর, ইবের উপর মুগ, কোটা যুগেও ভোমার শিক্ষা-ভূকার নিযুদ্ধি वरेदर सा । अनस विश्वान, अनस नाम, अनवादनय क्षेत्राक अनस महा खारा त्तर रव नारे, त्तर रहेरर मा । कीरक भनक न हनक त ना मासिस त्र वक्षे लाख । त्वशंत्वशास्त्र गठा आंत्रत्वत्र, त्रस्त्रेवत्वन, गटमक मार्कतः किस दन मकेन दम मसद्यत्र दनारकत्र अक्षा अध्यक्तत्र विधान, अध्यक्तात्र सक । बुद्धव श्रुद्धव भक्कव, सक्दवव भटक और छक्का पुनाब भटक केनाव was I carea are cause; Old Testament as are New Testament, न्त्रम कार्ण मुक्त त्यारका अस मुक्त मुक्त मुक्त हिं। विव्रवाग दिशाकात अध्या काशरे वरेवा व्यागितकत्व । युट्य युट्य तक वट्यंत व्यक्ताचान क्रेबार्क। প्रोक्न बारेर्वन, প्राक्रम क्ष्यांन महेत्रा मासूर विवकान केविकार कृतिया बाकिएक भारत मा। मुक्तम विक ठावारक मासूब हा भारत. करन माध्य काहात आहत कतिरन सा। त्य मध्यक त्यांचे बतीविरण्ड भव कर करमत छतिका निवादक—Stettes मेरदक्त केमत कर्क भक्त हुन बुनारका मरच बालिक्छ रहेवा शक्तिवाह, द्व लक्ष्माक छेरलका कविशा Cक टकरम केशिक्यक महेबाई अधितत १ मक्सरकहे आहुव छात्र। नकरतात क्रिक्टबरे नृहनक-चनवकार; चनक निका;-चनक कृता। बैटडेव केंब्र के कांबरक व्यक्तिकत कविटक गाँवती महत्यांवड कीवनाक कुछकान कतिरक पाति ना । काशांत दक्ष क्षेत्र, धशका क्षेत्र, किन्न काल कृत्यव প্ৰভাৱেও নুক্তনত আছে; কাছাকেই বা কে ভূলিয়া থাকিবে y পুথিৱী

Montesquieu said :-- The love of study is in us the only eternal phosion."

काश नारत माहे, नृष्ति काश नातित्व मा । आवात नृषिवीत नक्त সাৰ্দিগকে মানিতে বাইয়া নিৰেও কর ভগবাহনত বে বিধান আসিডেচে, काशक केरनका कडिएक लादि मां। प्रना निरुद्द, ट्यायब माद्दि माहें। क्षाण प्रमा, समात कृष्टित्र--(ऋषूत्रित निकृत समान) मास कृष्टेक, काम क्षेत्रक, गृक्षियों वा मछः वृद्धित्व े वृक्षित्व ्य,-- शरण्यात्वेत किछत्वरे क्षाशांत प्रकृत मुक्त मुक्त आफ हिंछ इटेटलट । जेक बातुकामय मक्तिराष्ट्रभ वार्तिव कृत्रम प्रकृतिक वरेरकाव । प्रकृति मृहार्ति, विरन् किटम, दश्मात बर्गरत, क्यार्श गृत्भ काश्वत महा मक्स मान। (बर्म, मामाशास काकानिक (Revealed) क्षेत्रका किमि म्लेड कवा बरनम-वार्ड विनाश-विश्वष्ठ आकृष्टिक कारन कारन । त्छामाव आरम छै।कारके छापा. आधाब शार्त कांबाक्कर लागा। कृत्त कांबायक त्रीतक, करण कांगाहरू क्रिका । बायु काबाबहे कथा बरल, मलीएक काबाबके कला आठाँव करता । ठले पूर्वा डीहावरे महिया छाटन । ७६६ कोनाव १ क्यांनीनच कार्यात १ क्ष्मण महत्र क्षांत. (क्ष्मण मरीस (श्रायत काश्मि) । मकरणत किन्त विज्ञ वित्राई সেই অনস্ত মভানের গঞীর প্রোমের শাস্ত ফুটিয়া পভিতেত্তেই একজন কর্ত্তব্য ्मन कविद्या. मारवर कथा काराव कदिना, नवीव मिर्छर्ड, चातु खेक स्ट्रस्त्र উপস্থার হইতেতে। একের শরীরের বেমন পত্রন অনিবার্যা, অন্তের উত্থান (अपने किसीयां। नदीव (लाइकर वाकि, डेका दिक्के नयू,--- डेका cattयत (भवार काछ । भवीर किंद्रहें सब, डेंडा खरवात वांत्र मांख । भवीर किंद्रहें নত. কেবণ সভা প্রতানৰ অবলয়ন মাত্র। এক সভা প্রতানর সভিত 🐯 क्षणां क्षति छ वहेश चार्क गठा अन्तर्गत क्षता अञ्चल करा चारता कर, चारती ংর। ধরতে ৬ইতে ক্রম-উরতিতে ধার। ইয়া অস্থীকার করিবার বো माहे। पश्चिमी दर विमे निम कंठ देशक क्टेट्टए, क्लांब महिमान्छ इस লাঃ বে পুৰিবীর উন্নতিত দিকে জক্ষেণ না কবিলা, কেবল আচীমন্ত गहेरा गड़िश वाकिन, काशंद गढ़िनाम (क विनय्छ भारत १ स्थात (व ट्कबन वर्तमान गुरुव विवाद मेकिया, व्याठीन, व्यक्तियेत नुकनएक्ट क्रिकेट मिनक ষ্ট্রা, বর বাহিত কবিলে পারিল না, উল্লোভ পরিধান্ত বা কে বলিতে लारक र मगरका जार वृत्तिका (व अतिक, धनिक, अवान), त्मकान-मन्त्रकात क्टिटतहे स्कन्य व्यक्ति, त्यहे त्यास्यतं माञ्च युक्तिमः। त्यहे छेत्रकित अद्यक्त इतिन : आशाद वृति, भाग वृति थात्य, उत्तर बाहा बाह्यत्य विभाग-विक्रीक

त्वाव वहेरक विकार करता. जाहाहे गाँग। भाग पति किंह बाटक, करव tietes esmace get office fenten manfes ere armece men यांत, काशरे गांग। किस सदनिखंदे क्षेत्रक्ति (मागान : गागरे गुगासारकत ति कि व व दिनाद्य गान धनतिहादी । धनविहास विनहार नान नुविक नत्द । भाग द्वाराय व भावत--किष्ट । तम विष्टुरक पविश्व योश्य पावप खाख इत.-विनम, तथनी, मान, कान, मक्टलत विटनपक मुनक आहत काशांव निक्रे लाग भार । असन चार्डन हक्ट्ड रचन चाराह (अप-हमया मःचक्र बहेटव, क्रथनके व्याचात देवकिया सबुसक्ष बहेटका, दव दंशक-क्रमा পরিল, দে সকল বস্তুতেই ভগবানের অত্যান্ত লাভ পাঠ করিয়া যোভিত रहेडा गाहेल। त्य त्याहिक रहेत, त्मरे अनत्त्वत अवनिक्ति छेलात छेत्रिल। ८कायत क्रमा कर्ष भतिका त्यम, मक्नरे कायात निक्के यह्मक बनिवा त्याव क्टेंद्व । (अम-50क (मथ, मक्सरे क्ष्मत, मक्तरे न्छन (मथिदा । नहिन्<u>क क्षे</u> धनवाक पूर्व बना टकामात्र निक्षे मूटकन कान । ट्यायन माटकरे क्रिन म्राह्म वरक निलिबंध रहेबाटक । त्क्षय त्य काशांत्कंश भूतान करह या, कुर्रान्द करव मा. (म ७३ क्या (व. माध्य मकानव विकास जारवन्त्रके दिवा जवः मकानव क्षिण्डात मुकादिक विरम्पायक अधिकादी श्रेट्य । किरमत सक्ष स्था, वृष्टि, वृष्टि ध मकरन आयात छेशकारबद किছ ना वाक्टित ? किरमद सक्ष मकरनहे चामारक चार्यम चार्यमे बर्ग स्वाहेर्ड चास्ताम करत, यति छात्रारेत आछा-হৰি প্ৰাচীন তত্তে আমি নৃতন্ত্ব না পাইব ? কিলের মঞ্চ চকু, বহি এই কৰিছ-মন্ত্ৰী প্ৰকৃতিকে দেখিব। আমাৰ উন্নতির কিছু না প টব ? স্কৃত্ৰীর গভীর র০ছ ±डे -- এकरथ बर्ड रहर कह गृहे । धक, बाह्य कर-- निक्क ; धक, बाह्य जेनकारी । (यम द्रमाख--- दम चार्यावरे कछ ; मेना मुना--चार्यावरे कंछ ; बाहे-द्वम (कातान-कामांतरे सन ; ठक्क एरा-कामांतरे सन ;- पृष्तिरिक वाहा किछ छात्रव, य'हा किछ केनासारनव, त्य मक्सरे त्यन भाषाव कछ। भाषा स्वाबित्यकि मक्त्रहे आयात कता: इपि कादित्यक्- शक्तिन मक्त्रहे त्यायात क्ष । कर १६ महत्त्व क्षेत्र महत्त्व क्षेत्र महत्त्व क्षेत्र

^{*} Siffs: *CHR—"Man sins through an exposure which is designed to carry him forward to perfection; so that the cause of his guilt points to a continued and improved existence."

অব্যক্তিবার। আমার মন্ত ভূমি, চোমার বস্ত আমি। ভূমি বৈবন ভোষার क्ष मत्र, जादिन :करन जायार क्षक्र महे । जामादक परिवा कृषि हमिदन, (शाबारक शृबिया आणि हिन्दू। वाशा किष्टू एडे वहेबारक्-टन नकनेहैं সুকলের কল্প। কের বের, কের নের। কের বিরা উপকার করে, কের এরণ क्षिता क्षेत्र कक्क करता गांधीत वर्ष्ट चत चारह, विद्य चांचात वर्ग मा বাৰিবে, তাল আমি ভনিভাষ না : ফুলে নৌরত আছে, কিছ আমার মাণ-विक वा मानिका ना चाकिरम काबि काइ। नावेलाय ना । अहे अछ, के चढ बार के त्रीत्रावतः मुझैत गृहिक भामात कर अवर नात्रिकात मुझै इंदेशारक । भाषात वदद्द पत्रा माहक, विक ता नवावृत्ति कृति भावक ना-विन भूतिवीद কাদান বরিজ না থাকিত। একের সহিত অপরের কেমন বৈরিল, দেখা। স্কলের সহিত্র সকলের বোগ। অণু অধুতে, মাজুবে মাজুবে, চক্তা, ক্ষা ও -शृह्मण्डत (महे त्यान विकृष्ठ : त्रहे (तान-मानाकर्यन महात्यान । अत्कत क्षा बारह, बनटबर क्रा निवातरनंद अकि बारह,-- अक बनतरक छेत्रब्र करिया छैप्रक्रिय गर्थ शक्किएका शांकरंगी विवाहका, क्यां नियाहका-क्षां मिनावानव कारक्षिमक विश्वादक । मना मानिना निवादकत, काहा পরিচালনার ক্ষেত্রক দিরাছেন। কেমন অপক্ষপ প্রেমের বোগ দাস্ত। वाक्षा किছु रमवा यांत्र या रमक यादिरव, रंग मक्त हे भवन्मरतन अस मुहे । গভীর বেংগ-সকলের সহিত সকলের ৷ তণুল অবীয়রই জন্ত হুট, আমি ভপুনের হল্প-সৃষ্ট। তথুন আমার উন্নতির কারণ, আমি তেপুনের উন্নতির কাৰণ। আৰি তৃষি মা থাকিলে ততুলের বাহা পরিবাম, তাহা আইক্স मা, भारात क्षणून मा बाकिटन, मामात ও তোमात मूना निवृध्वि महेक मा, অভবাং আমধা পৰিপানেৰ পৰে চাটতে পাৰিতাম নীয় ভাবের নাম इत्तरनी बाझ्तवश दुना कर्क् करा,--बाबारतत बिनिन, बाझ, बाहन, छाछेन, वंत्र कि रहात्रात चारांत एक १ रशरमंत न्युर्य चनीकिन्छ माह्य मरम करते. ৰ্ভাই বুনি প্টুৰক বা জীবের লেব পরিশক্তি ৷ আহো, কি যুক্তান্য ৷ যুক্তার नद पृथिवीर नमक बीर क्रव, चारत त्य कछ जीना दिनाद, काक् दक बुंबिरव १ पारेव चैनकाळ क्रमांगठ प्रिटाइक वीक महिरहरू, ताह केंद्रिरक्षकः, माह बहिरक्षहः, शैक बहिशा गाँहरक्षकः। शिक के नाह जातात नश्चान मखिक दाविशा माहिएक विचारेशा सत्त्रीकृत प्रकारका। लक्ष्यानुव वाका-ममक विकृत, मविनयत, साम-विका मोदा एके व्हेबाटक,

क्रन-पत्तिवर्क्टलरे छार्राव साथ दव ना । दिल्लान, अ क्या माडे अमान करि-प्तारकः। किष्टुतरे बारण शहर ० । बारण अर्थर युद्धां मारव (यु.जको। केपा चारफ, कांका समें वा चत्रकाव गर्डिवर्कन जीवा। चारियाजीक कथा चारित गरिय मा। मारक्क संस्था मारे-कीशाबीलडे भशाविषक साथ मारे। Cमारमा शम elette mit de ment eter mie dement will Greie mit विषया, चार्कि बहे। चहे। वहि । केन काह नाह विश्वता, चार्की क्रीत रमया . কংগ, স্ত্ৰী সামীর দেখা করে। সুয়ের মাজ মুখক, বুবকের মাজ বালক। प्रत्यवं बक्त जी, जीव बक्त भूतव । वाब्युव बक्त वाबाद विकास विकासका, धनीय बक्त वृत्तिज्ञ, वृत्तिज्ञत बक्त धनी। व्यत्भव चाल्य--- मनदाय बक्त । वर्णस्मव * क्रम कारा, क्रीराप क्रम विकास, विकासिय क्रम कार्या ;-- मक्सके सकरणह कत । नवामां के विद्राहर क्षेत्र । जान मा चाकित्म, वस काम वर्ष मा मन मा बाकिरन जान चार्रश जीन इव मा । जनरवत ककरे नामाहरू alarm etra, minia was meiere cee fanden fire etra i fema कर्तवा त्वरं बहेत्व, विकायक जारम भागम जानक विकास वह । त्यर विमर्कात मा किरत त्वारमत सब त्याविक इत मां। नकत्वत संय मुकू नकरनत्र देविक कक्ष । ब्रिडेटक चानारमंत्र सक्षरे वास्त्रित वासिता कृतिरक क्रेगाड : क्षत्रावमस्य काबीयन दिवा करिया दक्षात्राव कावाव क्रस्ट विद्या वा क्रमान्द्रव विदेश करेगार । वहाँ अत्यत्वेद ज्ञाव मक वीत्वव वक्र माडीरक लिकारक, करव रमने माडीन केर्मात्रता करेरच आब लार्रन महालकि-केषिक क्षेत्रा चावरनारक मदवून केमलिक कडिएक माहिएकरक । 'माहिनिमि थवि नवीरवर्त प्रमुख कविरस्त्रम्, कटन देवे। नि साम नामीनकात मून दानिक का। और महीत्वय वंशका मां किं जिल्ल युवि या श्रीवरी जान जीवार difen i fo nota cutu bein bifme ebnibena, avain wie i Catab वर्ष: Catab (तक, Catab (तकास । Cattat चाकर्वरन, सकसन, व्यन्तित क्षेत्र (वहविनर्कात अकडे ७ कृष्ठिक स्थ मा । (व्यन्ति पक्ति, व्यान्ति चारीमछा, (श्रवह जीवन । चानक पृथिवीएक त्यान चारक वनित्रा, पृथिवी बार महका करे करेरे विका नृत्ता-मानुद मत्य। शत्म अक त्मर विम-काल दर कृष्टिक, दन पूर्व । चार्वकारमहे चार्वनिक । दरहदिनकारनहे दरह-नाक । श्रक श्रक व्यवका गतिकाल कडित्मरे व्यवक व्यवका आखि । अव

^{. &}quot;There is no end in nature but every end is a baginning." - Emerson.

wien ere etent wer win wire wert une men ware: werte gleeder gred trif au : "June minifeliere माजार केरदारे नव-नवारमंत केवान । पृत्रकित प्रश्नके अन क्षा करत कृत व्यक्तिक । निका नहिन्किरै इक्ष्य । नृशक्त नव का नृक्तिन स्वस भरबंद काम क्षेत्र मा, मुख्य भवा केंद्रक मा क्षेत्रम श्रूबाक्य भरबंद शतिगीय-थय थाडे जा: नखारमह क्षत्र श्रीवम क्षत्र मां कतिरम माकात मव-कीवम वा শ্বর্ধ লাভ বঁটে না। এবল বাচিছে লাখ বাবে, ভাই, অপরের অন্ত বাঁচিয়া বাক। বনি বাঁচিতে সাধ বাবে, এক কর্তব্য শেষ করিব। অপর কর্তব্যের चक्र वाष्ट्रच हरू । वर्षमान ममस्यत कर्षना छाती कीनस्य केरेनाव । बार । विवि वैक्टिक रेक्षा थारक, कारे, व्यनस्वत सम्र त्वर क्रिक्टरन क्रिक हरे<u>ता । 'काश्रक्त यसम</u> माथन कतिएक वर्षि वामना शास्त्र, करन शकीत त्याय पुनिता वाक । किन्क नातवान ! त्नावान ठीव खैरणीकारणव असीत ्रश्चमक त्रिण् रनवात केनेकान सरण वावश्वत स्टेटलटक ! वश्वका contag খণকুট খৰ। নাভামাভিতে আকৃত বোমের কোন চিচ্ট নাই। বে যাতা-ষাভিতে জ্ঞান চৈত্ত লোপ করে,--তাহা কখন্ও প্রকৃত প্রেমের পরিচয় क्टेरफ भारत मा । ंट शास्त्र भविष्ठच---- संग्रह । वीकात स्वय स्वभटतत स्व ना कैंबिन, क्रीहाद क्यान, क्यामह नव । दर चानदात हरण कन दिविज्ञाक ভাষা মোচৰনর কল প্রীবের মনতা চাড়িতে পাবিল না,---মৃত্তের ভার মোহে भक्तित्र विकास एक विवासिक एक उन वा त्थाम-तरक किन्ने वृत्त माते। डांशाः अर्थिक वेतिशां पून कतिक ना । छात्रछत्र प्रकारपत बात बाकी कि चारक ह शह, खबूब छात्राज्य नवनाती खेलातीन । इत्वीव इत्य दक् (बाहम कतिरव १ विश्वतात अन्ति एक नुकारेरव १ त्यांतासम् ध गांभवद वा রোপদ্লীই লাভা ভন্নীর অধরকে কে অর্গের দিকে টানিবা আনিবে 🤊 জাই, কোষে বলি দলিকে চাও, বাটা প্রেমের সাধনা কর: প্রেমই বর্গ প্রেমই क्षेत्रतः । ८शायरहे दिवाम-चानव व्यक्षितः व्याप्ततः हाकृतिहे जनस्यक नका । (१७, ८१७, ८१७, ८४४म ८४० । वांका विवास, ८४७ । व्यक्तीय ८४७, वन जान त्रवे,--- नर्कप चनत्वत्र चन्न छ।निया त्रवः । त्रवः विमुक्तिम ना क्टेटन এত সংস্তৰ ব্যাগাৰ খাটবা মহিতেছ কেন ? কিসের আশাৰ ? অন্তৰ্জৰ कीनम हात व कीनम (नव: काशाव अपन्य कर्केक व्हें कमा---काशमारक

Beiren den effengere : eine betere des eine feiter ern : चरका कर पहिरामे पर्व मार्क । यक्त पुक्तिकार अवका प्रतिहारका। बारबात क्यारे विकास वर्रेटर । देखा कडिटबरे वन्नार कांच कवान वान कां । कृषि मुख ना मा पूर, त्यामात कड़ी कारकेत कका। अकावन कवाने न कारके क्षण । अब व्यवद्यां वन्द्र व्यवद्यात क्षा -- अब क्षांचे वन्द्र साचित क्षत्र । हेत-वित नव विश्व बाष्ट्रवेश साथ नवे नारे, जरे सब बढिएक छन कहिएमं पूछा करिए मा । क्या व मुक्- व क्रे के बनातक क्या,- वाबाव बहुर क्या हुन আৰু আৰু সকলের। " ভূষি আমি কৰিয়াছি -- আমাধ্যের উন্নতির পাধে বাই-नात कक, बन्द जानात एकख्रात केत्रकित नशक्कात कक्ष ; बन्द जानहा महित बाबाई मनशीरम नाटकत सक अवः शतकारतेत केंद्रकित करा । (आवत কি গভীৰ শান্ত। বোণেখাৰেৰ কি গভীৰ বোগণাত্ৰণ স্বায়ীৰ কি গভীৰ रक्ष विहे बजरे ८ शर-नेवनस्वरे मुख्य (श्वादा) वाहा अब स्राप्तक िंडरक देवबाद, व्यदेशक किंकरक काना द्वाबार मा। विकास वानुरवन्न गरिक विनाहेटक विनाहेटक-मलीव अनक छेप्रकित किएक महेवा रात्र। त्म उद्गिष्ठ- पूर्वका । (अप, चपूर्वका क्वेंटक अमानक मानुसरक पूर्वकांत्र बिटक गरेवा बारेटकटक । क्याँकि हरेटक केव्रकि, बादबा केव्रकि, बादबा छेत्रकि, भारता मूर्नजा, भारता मूर्नकां—केहाके महीत मका । अस बुद्धा कुन क्या-यम् । नारे, पृक्ष वारे-मानिवर्तनीत नक्ति भाषाक आवारक ल्डे मानूर बनः नमस सन् नदमान् वक सन्ता हरेला सक सन्दाप राह-(फाइ । क्षेत्र व्यवस्थात समायत स्वदादन-व्यवस्थात पृक्षा वाल, व्यवस पारन बीरन गांठ ररग । अवस्कृत बाद किहुरे नरह । वाहा बाहत कांच ছিল, ভাছাই অনস্ত ভালের পৰে চলিবাছে। আনুন বার, ভল্লে মূরে, अनकत क्यात (कानह वर्ष माहे; (करत अक वर्ष उहै, मुख्यव आंध करता। मक्त भरावरि, मकत कीवरि वक करता स्टेट्ड कर्मत करणात गॅरिटल्ड । अक अवद्यात कर्तवा त्मव क्वेरण, अमत अवद्या-व्यांति विविध इन का निष्टव । नकरमहरू समझ कर्तना, नकरमहरू समझ स्ववनास्त्र व्यक्ति। त्वान अवहारे दात्री मरह। अनल मनन, अनल कीवनमाछ, 'नकरमध्ये-मका। अस्पन्ने समस्यान अमन्ये कतिया विकासिक वरेरकरका। चरेबछराव पुक्तिय बरेबछ (व. मक्नरे खनाडी, मक्नरे अनुन. (क्यम फिनिडे पाडी, जिनिडे मूर्ग ;-- जिनिडे म्गांगांव, किनिडे जाता ।

Canality with playing after co-word stri, with their went uten utent ein aber eine ann feret fing Aumirit wiet au embrunte o Comein -- a pent mit mitte auffe fest at-feld niet, o'n'e ger ffeige ver gen val : for witht full ... not be werter wat. a ay faul wat a at west micawatten mit itream tiet. व्याचात वर्ग्या, वातात हान क्यारे केलात तरका तकारे वर्ग् fei etes Minis fece phinis | Bates femm-net finde-बार बन, बन्न बन, वा मुक्त बन, काशाय क्रिकृष्टे न्याजि जाव मा । त्व पूर्वका प्रवर अपविवर्धनीय तथा। किनिये त्वाम ऋत्न, क्रिक्शेत्रका अवन नकन बाहे विश्वासन । दबसारन दक्षम, उनेहें बारनहें किनि । वेश्वादक मुख्या आबिर (किमिके दर्शिक । conिक भावते श्रेषा । इस सूर्या, कुक नका, नहीं नागर, पक्षणकी, कोंग्रे पठल- अक्छित शहार किछाद ध्यायत छड् ংখিৰে, ভাতাকেই আৰ্বাঞ্চবিদিদের স্তাম ভক্তির সঞ্জিত প্রাণাম করিবে । খাৰী ত্ৰীৰ প্ৰচীৰ জালবালা, আতাভগীৰ অকৃতিৰ প্ৰেছ, পিতাৰাতাৰ প্ৰাপাঢ় बादनना, व मक्तरे प्याद सिनिम ; व मक्तित छिउदारे माकः प्रविनान ঞ্চৰান। ক্লেনের পরিচয়—বার্থত্যাগে। প্রেমিক নাত্রই স্বার্থপুক্ত। শরীরের ময়স্তা নির্কাণ না ছইলে, প্রেক্তিক হওবা যায় নাঃ একের অঞ্চ चन्द्रक मन्य विमर्कात्मक अकट्टे केरकाः नाहे द्ववादन, द्वहेशादनहें द्वान ।-बहेबारकृत (श्रव रमध---रम काननारक द्योरक मध्य कृतिवाञ निर्वकरक तका करतः। भरीतः, विमर्कासदे (अध्यत्र-भन्। द्यश्यातः अञ्चल दश्चमः अधिकः, त्महे बात्महे स्थवान विद्यामान । अप नकृत्य ठीहात छेटकृत अवास कृति । विवास विश्वास, प्रया विराय पूर क्लेक-अस, कीतक त्मतलारक कीवल আঞ্জিঃ দৰ নৰ ভাবে কেবি, আর জাহাতে ভূবি, ভূবি আর মলি, মঞ্জি आव आवश्वा हहेता अश्वतत हरिक सिवाहेवा ध्याचक हहेता याहे। २¢ কোনী ক্লানত স্থান বলি একপ্লাণ, একস্কন্য না ২ইতে পাৰে, তবে স্থান कानरकः भवन नारे। मारबः नकान मारबः नारम माकः। मा-छित स्कनः। অঞ্জিকে জিনিই বিভণিত। আৰু চিব নুড়ন—কোৰ। প্ৰেমট্ট স্ক্ৰীয় पठीव रहण । धरे रहनावत (सारवह रहात छनिया नकामुक्तकवार पादबस्थात क्ष । प्रवा, प्रक्रिक्ता, क्रका क्षवर चारीमका कावटक कारात करकीर्व बहेटत ।

चनरस्त्र मीमां।

"This Universe, the me, what could the wild man know of it; what can we get know? That it is a Fores, and thousanifold Complexity of Porces, a Fores which is not see."

"How every object still verily is a window through which we sand look into Listaitude Rast!"—Cortost.

भीवननात्र कर बाक्या अरहनिका कि बायाने बाहि सामि ना : कि कर्तना नागरनंत कहा चानिकाहि, जाता किहरे चानिका। अवह नमत नात्व (व এक्ट्री यनकुछत, क्यानात चलीक यावस नवार्व मधार efente-ein alagi coant pfereft : pfereft uit, fou unie (व এই खनाइ कारवह अहे नहीं नहेंदा छनिएक नाहित, क्षांता एक विकास कतिया बनिएक नारव ? कता कहे नदीव पाकिरव कि मा, काहां सामि मा :-- किन्न कर्न आमात महित्र द्वाप माहे-- अवित्रक्ष हित्रहि । आना बतिब्रा लाक बाहिया बाटक, खडे कवा टैंगाटक्या बरन ; दिख किरमध काना १-- (काथाव काना १ नका त्व बाटन ना, कर्डश निर्दाहर बाबाब भटक कबना रहे बाब कि हुई नटक भतिनाय पादाब (बाह बाँधारेत छाना, ए।शत सारात साना किरनत ? बाखिक रकांस किंद्रहे साना लाहे !---े भागा, क्षेत्रा वहे बाद किंदूहें न्यूए के क्ला वाहिया बाहिय कि मा, फाबाहे (व कारम मा, जाबाद कावाद काला किरमर र काला-पश्च बरेशा e मास्य वाहिएकाम-के समय-गांव इतिरहात । एक अभिकार के कार्य-(कटकं, बाक्ष्य दिक्क्ष कानिट्रांक ना, कब्द क्रिकेटकंड क्रुक्तिं क्रुक्ति। क्रुक्ति निक बानकाव : वानक वृतकाव : बुवक, बुकाव : पुत्र, मुकात्क त्नीकि-(श्रष्ट । विद्रामा-चाँवाद कृतित्व, माध्य कक चश्वार की व्यक्त कृति-(करहा क्रमकरक मध्याय कडिहा, कृष कीरम-बहुना एकवम क्रीहरनाम इडिट्यट । आनजाटक विशक्ति विवाद कता, चौथाट प्रवादेशत क्रक माशुर्वत कक्ष दे देवान, कक्ष बहदाद, कठरे नविषा । श्रीयन माम कि de wieft diefer it

স্কলই বেন আনভা। উচ্ছেও বা পরিবাদ, যাতুর কিছুট বুৰিতে পারিল না। আরু বরিবাবে চলিল, সেও আনতে ভূবিয়া হাব্ডুব্ বাইল, किन्द्रहें कृतकिनाता कतिएक लाजिन ना ;—हिन्द्रत लेकि वरियो एवं हिनन, स्वड आकृत्म महिया निर्माक करेबा (भग । आत, विकान, विमान्दि, महित्वत मुक्त भवाक रहेवा (भना। विकासित महिन कराउन नामकरन कविराटने (मह इडेल, -- मनेस अध्यानाशद सिनिश सिनिश दिखा। विकास, मर्भन काब कि १--- क्यम करवन नामगृक, (करन माका-मानद। नामकारनरे বিজ্ঞান ধৰ্ণন বাছিবান্ত ছিল, আজন্ম ডাঙা করিয়াও অনব্তের শেব করিতে मार्टिन मा. - समझ वाक्षित (भव भविशाम द्वितीकृष्ण इतेन ना । मास्ट्रावत कारणात किर्मा १०-का प्राप्त-- कार्यात,-- कार्यात, कारत कार्कि-कार्यात किक्ष माध्या करिएक मादिन सा । (कर कम किनाबा करिएक ना महित्या, भवाक भवाक कविषा, विश्वय मागद निमय कडेल । भागदिशमा-छत्त्रशास अम्ब निका विषय आविषा मानुष हमकिए बहेश -- मस्तरक विद्राप कर-सक.कतिण । (कह वां अमनशे श्रेत्रा प्रश्चित (व. किछ्डे दिवाएं ना लादिशाप वर्णन-विकारनव बुवा शतिका, नाटनव छेलटक कटकृत नाम छेछात्रन कतिका कड़के विकास का अवसारका श्रीतान किया विवास कथा आह कि वालव र वेंकाना किए मा द्विशीख विक्र, किए मा लाहेशांख वस, किए मा शामियाक विधान । वारात्मत्र मणक विषाद श्रवनक इकेन,---छाकादा चननवनशैमः क्रानिता कानिता, चनुक्र चमक्र न्यत्र-नाग्रस्त कृतिस्तमः। मयस वर्षिका चितिशन, अनस्य वाह्नव cकारक कृतिशन । अध्यक्षे कृतिश्री क्छ के 5 त्माक अनत्त्व कृषित, आत कि तम ना। भृतिगीत सृष्टि के हेट अ निक त अमन मानत किना किनाएक, जारा तक कि निजान अधिक भारत ? बीमा, चतीरम विभिटलाक : कल, सकल मकिटल तीन क्टेटबारक । कृष त मरुष, मकतर दिल्ल रहेंद्रा वाकेट्ड ह । अवता मीमहि शाकि, कफ़कें वा कि. फुत्रवे वा बि, मक्दके वा कि १--मक्त्रके समीत्मत (देता, - मक्त्रहे विकित धाकि ह करण मुख। कुछ विका, क्रमंत्र विकित्मागर विकित्करहा। अमनित, इतिन करिशा गाठ पिन प्रतित मलाह देव, छाति मलाह शाम, कांक महरम वेष्त्रत, राव वेष्त्रद्व एता । वृहंक पुरंत विविद्या कर्क कानक पूर्व र है (करफ, र मेरम मारा मानून निरात नारिएक का ।- अरक मानिस सरिका, मकन मरका कारक परिवक वर्षेट्डाइ । अन्, हुई कतिया प्रतिरक्ष प्रतिरक्ष (बार का व केंद्रिक गाँचा। कहा बाद मा-मकल काम बनिदा (बाद क्या)

अब मार्गरत कड क्यावना, अक कनारक कछ चत्रमानू । भहमानुहक्के था त्मव क्लाबाव ने—टक मनिका वाक्रमा केविटक मारव ह अवसामुक स्वय column, बाह्य काविटक गारह मा, कहनांच कविटक गारव नां। शक्य कहरे विकाला, किस प्रवाहित नाकि चात विकास क्य मा, हैना क्यमहे नश्रक व्हेटक गारव मा। भक्षापुत्र शिकरत (य व्यविकाका कान्य नक्षित्र शका, बाह्य काम प्रिम मा। धारे आकात कतिशाद धकरात संगिद्ध कांत्रक्ष कतिवारक, त्मरे इलाव कानरक गारेवा उलाविक करेगारक । अक वचन गठ ६इ, गठ वथन नहत्त दह, जहक वचन गण ६इ, शक वचन (कांक्री es, क्षत्र ८म मक्सरक क्षेत्रम कविष्ठा मासूरवृत मणक कात किंदूरे बावना कविरक भारत ना .-- उथन गर्केनरे कानव वित्रा मान स्त्राः एवं व्यक्तात व भारत bिशाह, त्महे मिलबारक। दा कब्नु किकूहे सानिएक coë। कदक नाके, त्र व चुन चाहक: क्यि त्य अवनात सामित्क ना नुविद्य cold: विवाहक, ति छेडे दान काम ल्लाव अन्दर्कत कीट्ड विषया, निवालाव मुझीटक सर्पराक पृष्टिया, समारक का सन्तीयाक विश्वकर्त विषय वाद्य वहेत्राह्य । कृति জামি কোন ছার ছীৰ ় গণিবায় সাধ থাকে, একবার এন, নিশ্চর জোনার भश्यात हुन श्रेटन । वे भाकारण हाहिया बन्छ, क्छ नंक्य धावारण,---প্ৰভোক নক্ষৰে কন্ত জীব--গ্ৰভোক জীবে কন্ত প্ৰমাণু ! পুৰিবীয় পালে চাर्रिया रेगल, बदारन क्ष कृष्ण, धक दूरम क्ल भवा,-बाक धक लहांब क्ष कीते। পরিমাণ করিবে १- গণনা করিবে १ का । বালক মানুষ, ভোষার भश्यात भाव कडकर। शनिएक भावक कतिया एक्य-समित संतक एठामारक आम कतिया (कांगर्व) मासूच व्यवस्था वाहेबा छुवि-COLE,---गवरणत चानाः गवरणत चर्थात, चनवकानगानत साक 1 #3635] #

গণিতে বনিষ্ঠা আমনা মনিষ্ঠাছি। এক বংসর দেন, ত্রংগর
গেশ,—কত বিন গেল,—কত সমন্ত কাট্যা গেশ,—এক প্রই করিয়া,
অনক কালের সংখ্যাই কৃষ্ণি হইটে লাসিল। যে সমন্ত গেল বা বে
সকন আসিল, নে সকলই আমতে নিশিন্তা হহিল। প্রিধীয় সৃষ্ঠিকা
হইছে বিন্দু বিন্দু বাপা কত কি অপু তুলিয়া বেমন গাহাকের কালে প্রকাশ মেন ইইয়া লাগিয়া বাকে, আমানের জীবন স্তিকা কইলে নিন, মান,
১২সর বাগিক সমন, কত কি লইয়া অনতে যিনির্ছা বাকিল, আন্তর্ভা ভাৰা কিছুই গণিতে পারিলাম না। গড় বৎসর তে ঘটনা, বি বেশিলাম, ভি ত্রিলাম, কি পাইলাম,—কি বাঁণিতে পারি ? বাংগ পেল—কো সংলই অনতে নিশিদ। গড় বংসর, কত কি উপার্ক্তন করিয়া, অনভত বুড়ি করিল। প্রত্যেক বংসরই করিতেছে। আনরা অবাধ হইরা অনভাশতি সাগরের জীলা বেশিতেভি, আর বিশ্বরে নিম্প হইতেছি।

कि सानि .पं. फाक्शव कतिव ? क्या क्ट्रेश जैनिशाकि-क्यारे तीरवाछि, अमक्क व कि इंडे क कामि मा, करव किरमह अवसात कहिया अवसात क्षित्रोत किहरे नारे: छारे, विक प्रकृत-नकान, नापाल कानवानित वैदि অসীম সময় স্থিতকে পরিমাণ-শৃত্তলে আহত কবিবীর শক্তি ভোষার ভাতাৰে বিছু থাকে, ভূমি অংবার কর,—হাসাত, মাতাও, কালাও। "आधारमद किंग्रहें मोहे---अमरखंत निक्र मामता (यन किंग्रहें नहें ! किंग्रहें भवे ताते. किन्न भारात किन्न हते । अक्यांत नाते,-- भारात चाहि । चन-**एक गरिक कुलमांड आ**मडी (यन नाहें, श्रीबाद गरिक कुलमांड आहि। "नाष्ट्रे मारे" मिनिवारे अनक "हरे हरे" छेर्पा व्हेट्ट्र । कृत कृत बिनियारे समस स्टेटिट । अनु अनु विनियारे महामानत करेटिट । अ এক গভীর শান্ত। অমন্তের সহিত ভ্রনমায় কৃত্র কীনের অভিত্ব কে স্বীকার कतिएक हात १-- वक वक्षत्र कथा विश्वात इतेता, एक ह्यांके वश्वत साम सहेटल চাৰ গ চল্লকে ভূলিয়া কে জোনাকীকৈ গণিতে চায় গ বভর কাছে ভোটব चामत माहे। चनरश्वत निकृष्ठ कृत्स्यत चामत माहे बटहे, किन्द कृत्स मा पाकिरत्य अनव बारक मा, अमक्ष पूर्व हत मा। प्रत्यानु मा बाकिरत कर रह मा,--वादि मा पाकित कृति १७ मा, अवः वादि । कृति, वहान न। पाकित्न नमांक कर ना,-- नमांक ना शाकित्व (वन देश मा, देशेल ना थावित्त रामा वय मा, रामा मा थाकित्त टाक्नकि प्रशूवे मृत्र--कश्वमा---कांडा। अरू नमदब वाका कानावृत्त, कांब अक मसदब कावाबरे कांवड करे. cute । बहे वाकारत 'नाहे' जमरत 'क्हे' क्हेटलरक् । मृत्राःकथा, श्रामता चित्र क्षेत्र व्हेरनक,--'माहेब' यक त्यांव व्हेरनक, चामकः चाहि। त्यम चाहि, कानि मा, कड दिन वाकिन, सानिन। -- कपुढ चाहि। चाहि रनिकार सामात्व कार्याक साहक, त्रक्ति साहक। केरकजनिकीस विकृत अकृषित कालात मारे । मक्तरे केरबळ शूर्व । बागारात कीवन क केरबळ-ण्री। कि উष्पत्र भाषात्वत्र, जारा भाषता कि भावि ! भूवि वक्, coinia

भीतान सर्वेद चेरहें हैं, स्थानात मारक चांबारत चर्चिक चनाहक, किस कृति चार महिति कि कावश शहेन, कारा किहुने कावश कानि वा। कानि वा, कृतिहे सर्विक कार्या कविदव, जा चामका कविष १---वहेमान चानि, वक दक्षके नक्नई केरक्कपूर्व, मकरमहरू कार्या चारह । काराह वाशा कि कार्या मादिक ক্টতেতে, আনি না,—ত অনস্বতৰ বৃদ্ধিতে বাইবা আমরা বিশ্বতে তুনিবা বিষাতি—ও পতীৰ পাল্লের কুল্ কিনারা পাই না ৷ আনুরা বাধা স্থানি, णाश धरे,—वड़ (हांडे नक्नरे चार्ड—(क्वम चनक्क वाठांड कडिएक)— रैकायताव कतिरक्त, चायताव कतिरक्षि । शिला विरुष कृष्टिम कारे कि वरेरव ? रकावात गारचे जावि ना पाकित्य, शतित प्रक्रीत केरवर्त शक्त शक्त शु वत करे १ वकत बारव दक्षणे ना बाकिरन हरन करे १ वक बीविक बाबिरन एकाष्ट्रे महित्य, त्व मत्म करव, त्य मूर्व ! मकात्वोत्तव-क्रीक हेरनथ कारक বলিরা ভারত সমাজ মরিলা বাইবে, তুমি ভারিতেছ ? ইংলাজি ভাষার नसंबानिनी नक्तित निकटि नामाञ्च वाणामा जाता निवित्रा वाहेदन, महन काविटकक !- काठे दकाटठेव काकृताव वृक्ति ठावव केकिया'बाईरव, काविटकक् -- प्रमण देश्नात्वत अखित्व यात्रामी विमुख स्टेत, महत कतित्वह ह राव, कामात काव मूर्व चात दव चाटक। हैश्मरकत यनि वारवासम बाटक, **फटन कांत्रकार बादक, देश्वाकि कामांत वृष्टि बानक्रक**ा बादक, कटन राकांना कारावय चारह; वाष्टे (कारतेत कारतावस वाकिरत गुरि हामदबंद चारक । चाम हाईफ ट्याय माई---वैद्या हाईफ ट्यामन हा प हारे ;--कारा हारे छ माक्रिक नारे। -माञ्चर (क्षतम युद्ध कविटन ना, त्यांश-नारन छ कतिरम । मासूम दक्षम कामा कामाय मा, विश्वामक कतिरम । বাছৰ কেবল শীতে মজিৰে না, ৰীয়ও ভোগ করিছে। একের ছাড়িছে मात्रक माथिक नाम ना, -का वक्ष्म क्षेत्रक मात्र दशावेर क्षेत्रक। मेळ-व्यथान बक्त-निनास देशमराख्य साम्रेटकार्छ, बीम्बलबान व्यानवर्ष-मानाहित कारा क्यमहे दित कामन अविशेष कविर वे गाविर मा। हेर्मक वृति बाहबरन बाका विकास कडिया थाँकी, करन कायक काशाक्तिक वरन नामियं। अक केरफक क्यमहे इनेरबंद बनेटक गांदर मा । वाश कांत्ररका प्रवृत्ति माई----काश क्याने न्देरन ना । क्याने न्देरन मा,--प्रकृषिणामा क्याने कांत्रकत ८कारण्यं विश्ववाधियतं बृदकः काल न्युद्धेद्यं ना । कांद्रदक्षत्रं वीत्रव क्षत्रतः ; भारत्वेत निक स्वरत् । क्षानिकेश्च (अवेटक राहेगांड सक्षरे शक्ष १०,चाहनुटन

अभिनी कृष्णिने कर,--शाम नृक नश्च-कृषि छात्राचन गमा नाव । व्याहित्कि miace Blace at-my amace mism aven wante annim aface milace at i wieles miwa simt ... welt : con paiete cost office !-(का क्ष्मेंबिक प्राप्त नामवनकि अधिकेत कविरेक अविरेक ? व माकामें क्ष्मय त्रेष्ट्रंग बार्त्रमा क्ष्मम्हे जुन क्ष्मेद्रात्मा । श्रद्धारम्ब विद्यमम् मूहिद्द मा-बद्धके अक्षित्व अद्धान अक्षित्र विमुख १३८व ना। छान्छ वाकिरन-छान्नछन काहि बाकित्व, क्षांब्रहेव बन्न लाकित्व । क्षांब्रहेक वावा बाकित्व। क्षांब्रहेक थना कांद्रशं देशव व्यक्ति त्क्व गाविक मा ; कांद्रक्ति वर्षक विद्यव्यव प्रकार एक्थ, -- कार्राटक अकिनव कार्याटक कुछ करिया दर्शनहा त्कांनहा हाथ. किछ कानिक, दैविता वीर पष्टिक शका क्या, अवन वद्याउदे विश काञ्चाल मुखा बारक, मक्न मळाडे बहायुक्त इंड्या यांच विधित्र निवस इस, उटव निन्छत वानिक, धकरिन धह भन्नभरिक ভारत्वत वर्ष,--भूना, श्रुविक्का, भावि क दर्शन, अभवतक कह कतिएक भावित्व, --कान्नटक मिलन, काना, अक विन আপন ক্রোচের প্রাধিত সভারত্বের ধারা ক্রগৎকে আর্ক্ট করিতে পারিতে। तुर्दे के अंका चार्ड, क्रिय अका चार्ड ,—मेक्श्यन स्माप चार्ड, औष-वारान (शामक चारक,---नकन विशिक्षक सक्षेत्रिक् । कृष्ककविरण हार्गाद क्न १ पूर्वा कवित्वहे वा शहरद त्कन १ हुहद क्छ, दक्षा वक्र---वक्ष विनि-त्राहे--- अनस्य । अनत्स्वाहे लेति। -- कृत्यः, अनत्स्वत्रहे लीला -- वृहत्ते । अस्ताव भूध वा ८क, दृबर वा ८क १ नमव ८७८४, উटमण ८७८४, क्यारे दृबर द वृहर हे कृष्ठ : वाश्रव रव केरमक (minion) हाकारल र त कृष्ट । त्यवक, त्यवात सक दृश्यः, वक्ता, वक्तुवाव श्राम वृत्यः। वाला, वाला नातमः कविवाद नाजिएक दूर ; थाका कृति कार्यात कक दूरर । अक करवत कार्या चगरकः हाता महिन्छ इत्र मा यहन, क्रथन क शांक (कांग्रे काशांक यक्क विशाद ? आलन भागन शास्त्रा, मकरणहे बुक्द । बुक्द क्हेबाब, मनरवड महिक कुनमाप्त नक्शहे अकि कृत्र । फालक्याः Сक्षाटक्त, कृतक्त टक्यन कृते दृष्टि शति-वानमात्र क्याः वाराव स्वरत क्या चारक्रके त्यक चारतकः सावात नाहरक रन भारक, त्मक भागरवत : स्थानी, स्थानीटकरें तक बटन करत, ट्यांबक त्विमन्दरू वक त्याच । त्याका त्याकार के किन शृक्षा करत, वालिक वाधिकरकरे व्यविक जानुवारम् । वाशाह्य वन रह विरक्त, रन काशास्त्रहे वक् cक्टब । वडीव काटव काविता द्वित्तिन, क्षक द्वाडे व दक्कारक विट्यक

ভাবাশ্য বিলেব বিলেব বছবোৰ চিবার বিকৃত কল বার ;--বাভবিক বড় cers, क दक्षीरक बाद बाद का-जक्तरकरे कानम बानम विश्वरह व्यथान यनिया त्याव स्य । जक्तके त्यम बामत्वव क्ता । बामत्वव निकत्ते वृहर् क क्ष्म, क्ष्म व क्ष्म है। क्ष्म वारव कानक पूर्व क्ष्म मा, कृष्य वारवक क्ष मा १ काशात शाता कि कारी। इतेरन, . एक कारन १ काशात कि केरकात, एक कारन ? मकनरकरे बाबत कडिएक हरेटन । जनम नकरकरे लेकित कीका । लक्षि भावरे चानाालकि-अपूर्व । जक्त घटाँ के कर्मन विकासान । नव-न्तर्वत बावर करिटक करिएक, अनल नेकिमाग्रद बाहेका अधिकटक कुना-केटल क्षेट्रव ।---वाकेटल वाकेटल, भाकेटल भाकेटल, कामसदक सिमग्र कहेटल व्हेरन । आमहा मकरनहे अनरक्षत्र नरब ,चना रग नरक्षत्र । आमना भारत करिर्ट्रिक महत्त्व मनरक्षे समरक्षेत्र करा। ट्यामान -विकटत वक समस्क आका, चामात बुट्कत किस्टरत चात्र क्रक चनरस्त ताचा । स्थानिया, विसा क्रतिसा, (क त्यव कविटल भारत १ अजीवजारत यथन व्यक्ति-लब किया कविटल वर्षित. তখন একবারে বিশ্বরে নিষয় হই। অকটা বালুক্শা,বা অকটা ভুত্ত সামার की हे वहें एक, श्रुवंद भक्षेष्ठ वा महाम माध्य-माभव, व मकरमंत्र विकाद हे वक या क,-- राहे वें दुरिस्त---(मवास्तव अबक, आत कृत किनाता नाहे : मास्य विकट्ड वाक्रेया, विटिंड वाक्र्या, त्यट्य यदार्ग्य चीकात कट्या दकाल कटकार्थ त्यव कर माश्रतक वृद्धि का काम, विशा का विशा विविध नारक मार्थ मा । माश्रक चानन एक बारन मा. नवठक कारन मा । किरमत ना अवकात, किरमत वा व्याचा लगान ! काचारवाव वा लग्नरवाव रकति । वारत्वके रुवंच मात्र । वात्र बाहर क्य क्या शहर माहर रीश सामिशाह या सामित, खाला क्य महीता माक्ष चनवर्गाक-गागर्व चन्द्रमात चन्न, संकृतक कामादेश निकृति मह कविरलहरू । वसमये बीलहरूव व्याहन क द्वान ,सम्बद्धहरू दा, किसूदे सामा का त्वा वर्षेत्राना, प्रथमहे नजीत क्षेत्र क्षेत्र ;-- छथ्महे (१०८के छात्र विद्या (नाव देश : माल्य सबेन देका करिया मानीक कान विशा बात । ' गर्कक सबन देका कविद्यां चास्त्रत्म नहीहरक रमाजाहेवा खबी एवं। वैक विस सम्बद्ध प्रदास सा . वरेरकाई :--वड निम बाइरवर व्यान विनावविष्कृत्व माकारण ना केंद्रि-(कार,--वड क्रिम केशावकांत विक-निकृष्ण (कारक सहरवाय मा स्वेटकट्या;---छ क्षित कृष्ट नहीं इ-वाश्त कृष्ट वाक्ष क्षित्करक, क्षितिकरक, --क्षेत्रिरकरक,

विक्रिक्ट । काराहे का कक किया । अमरकात गरिक कुमानात केक प्रश्ने सार । बाह्य-एक वस रहाई कीरम बहेश मांकामांक वीकाकार-नार Chara puttu frace | asus vittore, viele will क्षत्रक व्यक्तिकार, काशाव मन्त्रास्य कांत्र क्षत्रकार्य कांत्री करिया कांत्र can sar of excess; do, st. fan, affice affice care man क्षेत्रा बारेएक्टक् । यक विम वर्षे शकीय अम्बद्धक समस्याय मा क्षेत्र, कर्य विवाहे बारबार या मधीर्यका, अन्य ककविनारे मायुक्त अधिनीएक विकि। क्षकान क्षारित-नाकृष कार वाकिएक हार ना-कश्वि श्वा (एहे कृतिश ৰাণ বিষা পঢ়িয়া মরে। জানী নিউটন এখন করিয়া মুরিয়াছেন, uma कि समारे अथन कतिहा बील निवासना अनवक त्वा छात्र, भमक कार्या गल्या क्या कहिन, भमक कर्वना शासन क्या अशाधा, व বোধ- ক্ষতিশ মানুৰ কার টিকিতে গারে না। বে কুল বাগক নিমাই वाह विवा माठाटक वानाकारन कछ जावरत बुटक शृतिएक ठाहिक, त्महे (अभिन-त्नीराथ प्रथ प्रेशा कठ सनक क्लान विश्व क्लार्स स्टेल्न । क्षित्र वर्षम दृष्टितम-द्रशानाक समास अमादिक मा कविएक नावितन আৰু চলে না, সীঝাৰত ভাগবাদাতে বখন আৰু তীহার ভূতি হটল না, তথন তিনি অনত্ত্ব দহীবকে বিস্ঞান দিলেন ৷ কোধায় ইনিযৌর্জ १— খলিলা দেই হইতে আৰু পৰ্যাত নরনাবী কত কাৰিতেছে, কিছ সোণার हैं। वे बाद निवाद किंद्रितन ना,--मीनाहरन बाहेना बानक नीनियान বিশিষা গেলেই। পবিভাষা বিভক্তীই জুশকাই ছইতে নামিলেন না কেন :—ডোৰঙা জান কেছ : জনত কৰ্মব্য শেব ভুৱা তাৰতে পক্ষে धनक्षत, हेश वृत्रिक गातिकाहे किनि धनात विभागतन, किर्वितन मा। আণা ডডকণ মাছৰকে ভ্লাইতে পারে, বডকণ মাছৰ সীমাবক স্থানে चारक। चाना रथनरे कन्नना वनिता त्वार कत्. चाचा सम रथनरे चनीरव भविवादि इत, क्थन चात्र चार्थभून् वानना चारक मा,--क्थम (क्यन विश्वत, (क्वनह निवाना-क्वनह क्ठान-मनीठ बानम-नदवावत क्हेटल केलिंड स्टेट्ड बाटक । प्राप्त ककविमने गडीटड रह करन, रकविम गडीटड অতীত কোন ডৰ সেু জাত না হয় ; – মাহৰ ভত্তিনই পরিবার অভিশালন करक, वक्षिम समस्त्रत कम्र ट्यांन किङ्ग अकि कर्कता नागरनत पृत्र करकद পাৰে। আপন শৰীর এবং পরিবারের প্রতি কর্তব্য পালন করিতে করিতে

the states and party for a second state and appropriate

with others recommit afficial convenience are refugice con-AN CHARGE STREET, O'ES WERE MADE AND AND STREETS ST. THE WHITE engle sten from many the feet and char after the we Calca en elected - un femine centen affence : and want - wire green unt wienten corten fran man eine eifermen : wa fen en mam cein al escoce, wie fen biet milatene com affere भारत ता : वीवन-मार्थ दिवय महा। :-- (कवरे शतिकांत करेगटक हात ता। यविटक कांकात महिन्दुः यक्रानने बारनन, नक्रानक्षे प्रक्रिक समाव :---विक् अक नगरत चार्यात नक्षणहे पतिएक्ष्मता अक नगरत देखा कार्बाक जाहर मनिटक शादत मा,---काव अक ममदत बीकित वाकिटकर कात है कहा बाद मा। नीमा त्याव दछविन, ७७विन बाबा, ७७विन त्याक :-- मनख त्वाव प्रवस् छवनहें मशोदेशांशा--- फंथनहें- (पह-दिन श्रीत ! आमत्रा आक्र त आहि, ठास्त्रव कार्रव, आंत्रक आस्ट्रांटर अन्यक्ष - द्वाव अटल नाहे शिक्षक द्वार कर्तवा चारक पनिवा बत्त वहेटहरक ; - चावक एवन गाहेटक हेकी वहेटलरक, --- मिटा हें को क्टेटकाइ : -- वाक्छ आकाद आकाद मिनिटक हें को क्टेटकाइ, --- आज अ अत्रक्षक वास्त्र वीतिष्ठ हेन्द्री स्ट्रेफ्ट्स वनम अवस्थान वाकित्व मा,--- छाडळ इटेटळ कर्तवा तामाजिळ हरेड्ड व्यथम स्वाटक विविधास ছইবে—তখন আসমা কৃণকিনাতা ভূলিয়া <mark>অ</mark>কৃণ অনম্ব কালসাগ্যে বিদীন क्तेत्रा वाहेव:--- तक्क विद्वास स्वित्ति ना । ट्यांमात वेस्टाटकरे , सामग्रा वित्र मा,-- त्करहे प्रतिद्व मा । यतिवात लच शालमा वरेटकरे लेक्सिक क्टेबा व्यानित्व। एवं नाटे--व्यनक कांन व बीवननीमा वाकित्व मा --- के करवार पृथिवीत किंदूरे थाकिएक गार्रेस मा । जनगरे क्रमेरिकारणंत भवीत, नकरनहे देवचित्र वाकी । भास भाहि वनिता भास कांग श्रद्धादम व कारत बाहित मां १७ काम गीमात गुमा कतिरकहि वनिता हिनकांगहे कतिन मा । जानाह जनव कान वाकित मा वनिता, जाकर माता दिस वृद्धित् गार्वि सा । कीयम-महानाव धक चान्त्री वादिनका । अक कुछ कीवर नहें कठ केर्रिकड--कथ समय कार। सबरा कुछरे समरका वर्णन प्रवन । क्य-त्वाव चारक विवादि चेनच-त्वाव हदेरफरक--विश्ववर्ग छक्तिरफ मात्रक पूर्व हरेवा, पार्व दिशक्षन विवा, समारक कृतिरक कृतिरकार । सूत्र

केरका महेता, नायास कर्यता लागरमा करू, आंक क्य व्याममा दे व्यास महितास के व्यास कर्यता लीला पहे व्यास कियू है तरह । व्यास करितास करितास

मिक्करल ।

ছুটা বস্ত বেস্থানে বিশিত হয়, তাথাকৈ সন্ধিয়ন কছে। এই বিলনের জান অতি উপ্রিয়ে বস্তা। সংসার-মকর করেসিস্, বিস্থান্তরের জালা-তরা, তিক পৃথিবীর স্বীত্রন বট-ছায়া,—এই বিশ্বনের জাল। জোবার অবত্ব আর্থ্জিকটোর হইবাছে,—বিজ্ঞান দর্শনের কৃট আলের অটিশ করে মীলাংসার মজিক বিশুক হইলা সিরাছে,—সোণার বর্ণ কালিয়ালয় হইলা সিরাছে। জাই, কণকাল জোলভঞ্জ পর্যান্তরে উচ্চভানে আলেহত্ব কর,—বেব, চকুনিকে কেবলই পাহাজ্জেন কোলে লাহাড় উন্নান্তর করিছেছে, বুলের পালাজে বুল পোঁতিয়া বারু ছিলিছেছে, বার্বার বার্বার কিবলেই আর্থ্জির উল্লেখ্য কর্মার স্থানি ক্রিয়া ক্রিয়া ক্রিয়া ক্রিয়ার ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্

करवरे कानियांत्रक एरेएकरक,--वेकक, वेक्कतेष कविका बाहेरकरक, कावकि पृत्रवर्धी गाराहक चन लाटक एक विश्व वहेंगा शक्तिकहरू -- वक्त लाका निरमरण मामा कारामण करेवा कानिरकरका बारमाक कात कार्यात. चानच बात छत्र, छेरनार चात विशेष,-चानकि चात देवताना,-विशेष चार क्यानी। अवसारन विविद्यात । !-- धरे महा नविद्याल श्रीवाहेश अध-राह बनक, के बिनन केनारवह किना, क्षवह-अनुसक्त किया है द्वीपाक (प्रविटि **ंहे कीकियाना भागरण विका**त करेशा, लाबी तब कुनाइ काकिया, नवन कारेता. त्यापत त्यारण क्रकिता केळवार्च कान्तिकाक.--नेक मुक्त অভবান্ত দ্বতেতে,--বেদ সকল ক্ৰত চলিৱা বিস্তাৎ চালিৱা পাণাকের गारव माञ्चय नरेटल्टक,--यवन। इतेटक व्यक्तिक बाला केंद्रिया, विक प्रवाहेशा. भागत्मारगार मक स्टेरक्टक,-त्यांनालाय नक वन्ते। केळब्रद यांकिक्टक.--वंदनाती विशिष्ठ कर्छ त्यार्भचत्वत्र अन शहिरक्छ.--कि व्यानक, कि बरहार्यर, कि चर्लात हवि बताबार्य व्यवशीर्व हरे-टिंग क्राप्तित, क कवि विश्विता, — क्रका, करशेवका के निवानकारक सबस श्रेटि पूर्विश प्रानिश,-मनिशान, मट्टान, मस्कि,-दिन्त श्रामा,-गःगारतः विनवकागरक परत (ठेनिया ताविया, ककिन्यवनय हिटक वर्षे मरशारणत्व क्रमकारमञ्ज क्रम स्थान क्रियां क्रमार्थ क्रेटलाक्ष्म ! । नाकानमन जरन, माका-नमीवन रायन कड़िशां, अयन रमान नायक नुविधीरक आरक. ट्य वक्षकी उ कविशा विगटिक भारत, आशांत ख्रमदत दकाम श्रविवर्धन बरके नाहै, यन मानत्म माटक माडे,--क्वीबन स्वचंद्र बनिया त्याव माडे १

আৰ একছানে এব। এজকুক, বইতে এজুগুৰ,উৎসহিত্ হইনা জীবনলীলা বেলিতেছে,—বত দেশের বলিনতা বিধান করিতেছে, কড বেদপরিতাক বারিয়ালি বা পাহাক-চাত বর্ণা-আলিকে প্রাথ উবার বোল
পাতিছা ভান বিতেছে,—কি নগুরু প্রেবের বেলা বেলিতেছে। কড ইাদের
কিন্তুল বলিতেছে,—কড ভাব-ভরগ তুলিয়া হানিতেছে, নাচিতেকে, আর
চলিতেছে। চলিতে চলিতে, দ্রদেশ করতে আগত, প্রেবে-বিজ্ঞান, রজাবন্নার ঘনীভূত বিশ্ন--- উভালতরক্ষরী, উপ্তর্গী গ্রার স্থিত বল্পই
লাক্ষাং ছইন, অহলি কোলে খোল বিনাইলা, এল্যে ক্লান চালিয়া,—লীবনবালা বিস্ত্রিন বিলয়; চই এক কইনা সেল।।—নাতা জ্বাীর এনন বলিই
বিশ্ব-আর কেক্সবে বেলিয়ায়ে। উল্লেখ্যতে আনো উল্লেখ্য বিশ্বি, প্রশ্ব

ं बहे (व प्रश्चित्रत्वत बाहाचा अध्यन परिवा और छावात की रून कतिनान, - अर्दे महिद्दम श्रीवसमझ, कृतमस्त । अनुत्व अनुत्व महित काल काल प्रक्ति, जीरव जीरव प्रक्ति, वासूरव वासूरव प्रक्ति : विगत्यव सक्क अंगेर किस-(नाम्म । इति वर्ष विनिधा अक वहेटलटक, इति मनी विनिट्टटक, इति मुर्जी अन निविश्व क्षेट्रकटक, क्री क्षत्र विनिष्करक, कृष्टि दबन विदास विज्ञबास विष्ठाचेश विनिश्चाक, सुष्ठे बार्कि युद्ध विश्वत् विष्ठादेश महित क्षक नार्गीविक इटेटकाण: इकि मध्यमात वय-गार्थकारक खुनिता, वाक्तिपटक खबाहेबा खक व्हेवात क्षेत्र (pg) कविरक्षक् । विरक्षत्र, क्षत्रिमन, गुलिबीत अकहे क्षत्रकः। वानी और मानामानित्क वो लगका विवादन मेथियीत बाय स्विक इदेरक्टक ; किंद्र काम मासूद धामन चारहन, धारे जरून विविद्या श्रीमहा, दमनीय जिल्ह बिनिज इटेंटि वैश्वाब विक्रका वा अनिका बिखिशाइ ? (जामाटक बांमाटक केल विश्वान, मरकत भार्यका एक के के कामहाव, किन्त समावता मारता छविन्ना अप्रनकान कर, देवित, आमात्र महिल विकित हरेवार कल (लाबार क्षरकर अक गजीह क्रकी वहिहारक। नान्धनातिकता, नृषितीह धरे विनंत्मत्र आदन नामभारक चानकचैननिम कविता किनियाक पाउँ ; गुनिरीत व्यक्त नाक हेका, बार्किक अधिकार हेका, त्यान त्यान मध्यानम लाकानिक कविशा विमासिक श्रीक बानवाटक महत्तकारान निमुख कतिएक नमर्थ व्हेबाटक वाछ ; क्षित्र चित्र चारत चन्नमञ्चान करे, गरीका करिया (नव, द्विएक गाहित्य,-अपनक विज्ञासक कक्क त्कामन अक चलीवकाय महनाहीत त्यानिएक मध्य संवादिक श्रेरकरक । आकार नहनाहीत मृत्य वा स्वरह, मृथितीत आकारक বস্তুতে এখন এক খুলীয় জিনিব, এখন এক আন্তর্যা অমৃত ভাঞার, এইব धक विरवयं निविक विवादम, यात्राव ममताव मानुव मानुद्राप्त मिन्क निवितिक वहेबाँड कम्र नर्सवाहे नानाडिक । द्य सन, विनहता खर्डे खब्क राममात मृत्ये बादि-विरवय-कथ हानिएक अधानी, कावाव कार्य मुविधीय नक भार नारे । महींच गृह तरकरे (यन-विज्ञान । अल्डाक रक्षण, बारहाक भीरवहें, करे कछ, विरावय गंकिन्छ रहा। विरावय गारक्षक कछ, नहण्लह शक-न्मारवंद महिक विमानद कक किर त्यानुन । विरूपयंद वारकत कक्ष वाकृष ककरे वेरम्क्रेड (वे. क्रिकान कवनहें अक कारशांत वाकित्क (व् कांसवारन वा । त्र इररवत्र क्याबाटक कावारमत स्वात प्रतिस्थात क्या त्राविक स्केश वाहे-(करक, किय-खबीकन त्वरे कावरक चालिकेस कविवाद **वकरे** स्वन्छानातिक ।

চিবৰ্মালোক বাছৰ নক কৰিছে লাবে বা বলিয়াই, এজালিয় দীগতে বাবে निर्माण कतिया बाट्य । अक अवका बाह्यक अवनह कार्म माटन मान बाहक कुरक कडेटक ठांत्र । पूरके गुक्तका कक नामाहिक । कृतिक वस काक वसी वास्तिकार क कामवारम । करवह बारम कृत्व मा विभिन्त, क्रव क्रवह मह । बरमक नार्ष् शहित्वात वर्षरक्षी कार्छमात्र समिक वा क्षेत्रा: बदव टकाव छुक्के नावता वाह मा। महीरक कीकिएक कहत मी वान्टिन, महीर वान्त देव ना,-- मतरना - विष्यमध्य मां चीकिरन मतना काननारन मा ;---वक्रमीरक চল্লের কুন্তুত্বৰং ক্যোতির কেন্দ্র অধিক সা ভাষিলে কৰ্মৰ চল্লবার-আনর হট্ট না। এক অবহা, এক ভাব পৃথিবীর অস্কৃ। ভাই এত विरागरापत्र स्त्री : नारमैद नार्थ मीम, मीरनव रकारण नाका, नाकाव बुरक नवृत्त, नवृत्त्वत्र वाद्य कान, कारनाएक कनून विनिधा विनिधा कक्षत्रे कृति উৎপাদন ক্রিতেছে ৷ বলি পৃথিবীয় দ্ব একাকার ক্রক--বুক ন্ডা, চঞ সূৰ্ব্য, আব্দৌক অক্ষাত, পৰ্যত নৰী, নৱনাৰী, তুবি আৰি,--ৰালভ সুদ্ধ, नक्न्हें यत्रि व्काकाद इहेछ, पृथिवीरछ विगरमत बहे रव गडीत नारक्षत कथा वनिरक्षक, करन क नाम बाकिक मा :--गृथिनी मननातीक नारमन करमाना इटेंबा मंक्रिक : अचेटतत्र दिवान, मासूब मृथिबीटक ताम कविटन, **कींहे अवशांव** नदर नृजनकर चनका चानिटलटक,--नृथिनी द्वन चनक देवविधानक देवांकांव সক্ষিত ভুটবা চৰিয়াছে। সংখ্য বিলিতে নিৰ্ণিটিভ, ক্লমাগত বহা-বিলবের विटक चार्त्रतं हरेटल्डा । चवशाव नट्ड चवशा, त्याटकड नट्ड त्याक, व्यक्तित शदत कार्कि, जारवरे चानिया बाक्रवय मृत्र कृषक चानियम अविरक्षकः। काबीय बाद वर्ति कवचात्र देवगाँतरकात्र कानामही अन्तक मा बादिक, साव कंट्यी क्यम के वीरमचात्र रहिष्ठ मा । द्यारक्षत्र मृत्यत्र मृत्रत्र केन्द्र स्टम्स मृत्य বলি দক্ষিত আশা না লাগিত, তাৰে কেচ' কেচ বিনৰ্জন বিভে বুছে ধাইড मा । माल्यवह कीवन वेहकित विटक क्रमांगक क्षतानत बहेदर, के विद्यान विव मनमातीय केरत मा चाकिक. बाह्य क्वमक सीवम-गातास्य व्यवस करेरक नाविक ना.-वाचवाकी व्हेन्ना गाँउक। "त्व विरक् त्यवं, नवाबहे विनातव विधान, शक्ति निर्मृत्र शारन श्वरणार्थ विश्वतिक । अहे विश्वत्य सका कहि-गरे, वरे विमनुदय पतिशये मासूब समितकार । पुनिदी समेतक विमानत साथ केर्डिश बाबेटकरफ, त्व करन करफ, त्य मुक्किकांत्रव, विवासित सामा ना धाकिरण निरमे दकान कीरमारशांत पृष्टि रहेक मा । जामका वृत्तिवाहि, मुक्तिरी

man ein fer mfema mfen mules fancen ferme pfettere : कारकार बार देखारका महिल क्य यक ब्रम्म शुर्क (व नवक विन मा, त मध्य मास सरेशस्य। बारमा वानिका अधिदीरक क्रमानक क्षेत्र नकीत कातिया, काक्रिका आदिविका, काक नकरमहे मिनन, नकरमहे लाउसरवर de minifes secure , mitielle eineren eine Aferere .- Acht-बारत चार महत्रात, माकामनि चार विकश्चीति महिल शकीय मियानत जाव ু বেলা বাইতেছে ৷ জাৰত কোৰাৰ আদিয়া উপন্থিত চইতেছে. একদেশনৰ্শী मधीर्व मर्च प्रक्रिक, क्षत्र ठाश कि वृक्षित्व ? प्रविदीय मकल एवन छेन्नछित mu. namitea farmen geren um bun sein, mit auffich uinin विका तम्म त्वनास्त्व वारेटक पाँकित्व , जात जातक विवकान वकते जात्व सबर्गंड क्लारन गढ़िया बहिर्द ? चनका सानस देवित नशील प्रतिहास्त.---त्रद नव पान है है। भी दक्ष चाराव वी शिवरी च वया- नहित ईटनव ' क्या लिखनि क्षक हरेरफाइ,-- अमला लिमा गर्सिक मचारक बाका इकेटल बाब्याखात छति-एकाक, च्यांव त्यांनात कातक किंद चक्ककारत निमय करेंगा बाकिट्ट ? विश्वाकात विधान क्षा है याता हरेंकि शास ना । अक खरवात श्रीकृत कथनते तकान জাতি চিরকাল পেরিভূম্বতে পারে না । তাই দেখ, ছঃখের পারে ক্লব-সূর্য্য केथिक स्टेंटक्ट । कारकार्य अक व्यवस्था मिक्काल मकास्थान स्टेशाह्मन, भाव भावता फोशावरे कथा वनिव। अवर्गत दकारम करेशा छाउछ रव क्रक कीवन कार देलाका कतिकाकत, काक कामता ठाहाउँ केवा बेलिया

বহুদান ধরিয়া ভারতে এই এক গ্রীর শাস্ত্র প্রচারিত ক্ট্তেক্সিল,—
আগনাধে লইনা মত্ত হও । "আগনি মাহুব হও, আগনি মহুছালাক কর,
আগনি বােই হও, আগনি মুক্ত হও, সংবারস্থা, ভোগ-বিলাস্ পরিত্যালক
করিয়া বিজন জরণা, গ্রুম কর, বােগ সাধনার করা চালিরা রেও,—
নিকাণে বুকি লাভ করিয়া মোক্ষরাথে চলিরা বাও।" আর্যভ্রিতে মহুত্রের
আলব বহিল না, আনকাও—বিজান কর্পন; কর্মকাও—বাগবজানি,
সকলেরই উংকর্ম সাধিত হইল,—বােগ্ বর্মের জন্তু পৃথিনীর উজ্জন স্থামুক্ট ভারতের মন্তরে পোভিড হইল। কিন্তু জন্তের ভুক্ত সে সকল
কিন্তুই হর মাই, স্বভায় ধাহিল নাং। ভারতের ক্রীভিকলাণ বে আলা বিশ্বভির আধানে,—ক্রনার ক্রোড়ে শ্রিত রহিবাডে, ভারতে একথানা ভারণ,

कारका बाठीन राष्ट्र विदा गरका का काविरकत मा --कावारक वर्ष क्षेत्ररम् कविरतने मा । "कृषि भाव बात्र मा भाव, बाजात प्रक्रि वहेश । कार पुरिवा चक्रमान कडिएक एक, कह, चाहि बाबाद कक्ष कार्यक मा. चामि चार्यावरे कम्र गायी, चांबावर कम्र क्रिया सहित." अहे स्वतकात समि-काथा युनिवविविद्यत्र वर्ष-कर्षा । मध्यात-मादन वर्षक, विवाद भान-कनक,-प्रविधीयव कारणाक्त,-- रेनारकत क्षत्रत श्रदेनमञ्जू-क्षत्रमञ्जू ल्यारकतः कमनार हरक देश जाविषा औछ बहेशा, मानाव शक्तिशाय अदिशा, विकास भारती भगावन कतिरेखन । कावरकत करु वृत्ति, करु दानि, कर दानि अधिक नाव नगर-विभागतार निक्छ विश्वति कवात मुखादिक व्हेश निशाद. छात्रा (क ग्रन्स) केतिए भारत ? खबसकाई खावते बके--- निकास धर्म सावस क्त-करनद श्रामी रहेड ना - चाम्रत क्षेत्र कार्रित ना -- चाम्रति (श्री १७, चार्गान, चित्र १७ । याश किङ्क कलन नायन, यात्रवक्त, (यात्रवान, नक्-लहें नित्यत क्षत्र कर । करेक्टरांप, यात्रारांप,--बाराएव कारी केंद्रकित मूरण करें लाकारत केंग्रहाबाक अक्रिया करें द्वाम बर्ग्यंत काव आकास अजी-फ्फ इरेन चन्द्रनारा-नाकाम्बित नेम्द्रत् काळन्त्रत्व मध्या क्यम विनाम-णुश जातम कतिरक्षिण, त्यांन धार्यक्ष कांव यथम अकडे निवित स्टेटक-क्रिम, कथन नाकामित्र राज्यत्वन नविकाल कविहा करताव क्रमणाह नियक इद्देशन । श्री अनि ना, शृत कानि ना, शिका कानि ना, याका कानि ना, शुका कड़े निकास कतिया, अक्षत्रवम शतिकाश कतिया करतेव मान्यमय शत निक क्टेरनन । यात्र निगनटक महीकृष करिया गाका वश्व व्हेरगन----निजाय-यकि भाइटनन । यद्धव अक्टिकेलि, युद्धव काका स्मन दमनाबद्धव व्यथनि भविशाश्च ছইয়া লড়িল:—বোগ ধর্মে আবার ভারত নাভিয়া উট্টিল। ভারতের जारनाही चावाह, चालनाह श्रीयनत्क खेशक कविवाद कम राहिताल ছইয়া পতিল। কি উৱত ভাব। বাস্তবিক বৃত্তের শীবনে এক शकीत निका कहे गावश याद, चाननि निक्ष मा क्टेरन चरकत कक किछूहे क्षा बाद जा। वसक्त वाधि वक, करुक्त बाद करवन बहरक करनहें हालाहेटल लादि मा। बाबाद बोबम लविब ना बहेरल क्यमहे कल्यद लविक्रकाव लाब ड्रेमिट्ड लाडि मा। आयात्र श्रीवम विवादम अञ्चल ना इहेला, कथनहे आणि मक्टक विचारत मार्क्य कडि:क लावि मा viscos at minos fini. - at fifes min. - at meimie

विमुक्तिस्मयः चाक्तवा बृहेत्वः, तृत्वतः मनता एतमः विमुक्तिः विजि ছলে বলে পরিভ্রালকগণ নবধর্ষে দীক্ষিত হত্যা কঠোর সাধন मिन्स क्षेर्णम ;-- ठामाल्ड चाकान चारात धर्म विद्वार माणिया छेत्रिन ग्र-१म्हे बालिया केंद्रिन, त्कड ब्लांत नश्मात्त्रत खेत्रखित विरक् हीहिण ना বালা হও আর প্রভা হও,—বমী হও আর দ্বিত হও, সাবন ভিনু আঃ काशाह अधिकारमूत्र मच माहे. और मण कमच मेडीहेच्यर व अक ताल क्टेंटिक क्टिएक्ट अनह कास्त्र भवाद स्ट्रिक क्टेन। किस अनिविधकर्मी ভারত, স্করম ভূলিরা, সংসার ভূলিরা, কেবল কঠোর পরমার্থ জ্ঞান লটরা कार्वक वित्र गाकिए नानित ना। कार्यात छात्र विनात छेन्डिछ वरेत। सारार डाक्टर्नर साथिनला किया सनम्लाद नित्तिगा सारक ब्हेन। প্রাশ্বের প্রাণাক্ত প্রভার স্থানিত হইলে, সকল উরতি-লাতের ভার अध्यानव छेलत मधर्मन कविता, छात्रक चार्या निर्माह हरेत्रा मक्किम । चर्निक হৰ এই ভাবে অভীত হটল। কিছ চুমিন কি কথনও চির্ভায়ী হব ? शास्त्रक बाकाम कानाव मतिकात करेंग -- कान कात्यत मर्रत टेड्डरकत सर त्यामका । जातम कहेगा। त्यामत कारकात कारकी व क्रितान । "त्काचात ब्रि. क्यान वृद्धि, क्यान नावेष वृद्धिक," ब्रवे कियाब छेन्नछ। क्यानदीन मधानीत का देख्या मध्य पढ़ कहेगा वृद्ध अवः देख्या छिछ्तावह मल-बम्र मामाधान-- (क्वाटकन नाहे, मकालहे श्राच्या क्यांकिकाती। किन्न कंद कर कारी, कात कंद कर दशिक । भटन मटन दशक कात्रिका देहक-জেরী-ছরিত্তপ কীর্তনের উল্লন্তভার বোগ ছিল, সাংসার পরিবার পরিভাগি कतिया, तक गरेशा. कियारी इटेशा, देरवारीतन वाहित हटेल --- बुन्बड, "---मार्च कडि, बोर्द क्या। जरुगटक (अमानिक्रम कड, भागी भूकाासाड टक्षणालय नाहे. जकरणह करने हे देविनाय खनाख. जकशरक सोलाख, शतिवाद पविषय माहे.--वाचीत वाह्य माहे : नक्त धकांकात हरेगा हति ध्याम मक ६५।" टेफ्फरकर गडीय ट्रियम रताक कथन माजित बट्डे, किंड बट्डर त्वम-नृष्ण काम (व कावरने कार कार कारों मेकन गांधन कविरक गांदर नाहे. (महें कावरण देशकरकव काम-मूख स्थामक कावरकव नार्वरकोधिक शाही धर्म वर्षेत्र मा । नवान वच नकराव छेशराती वहेन मा, छात्ररखंत चन्द्रता नचा-राव विभिन्न। धक रहेन मा :-- नारमा क्यामा विभिन्न । टेक्करकृत मुख शार्वाद शीयक वहेग ना, हेवा वृत्तिवा, नवान व्यवकात मांगान हाम वान्यद्व

कथारिक इंदेरनम् । दूरवद त्यान्त्व कान, वार्ते रेडक्टका कान-पृक्ष किन, Goge gen main een,-macus finis sen mit corens feinen वि अक अञान किस पातारत त्यास सम्बद्ध महत्यारोप कार्या कविता । त्यारम क्ष र निवस्तिक वेश्वित्रकातिक कि स्वाविक लाग जिला । परर्वत वत्रया पृथिवीत वर्षायः यनित श्रवेतः। काथ देशकास्त्रत्र विवासका स्थापनित्रक कदश विविद्य कानान हरक है। क्षेत्र गरक है मेश्वरवन हरक सब गढ़ क भाव मा शह्क, आवरका देवीतकता अस्तरमा भावाव पुनिस्मान । भावक कावात प्रवरानं लाज वधन छनिएक माजित,---वश्च वेवन स्वथन, भूरनाव नारव व्यान भाग विक्रीक क्रिकेट मानिन,-- मदेवकवाद वर्षन महत्वाद आजिल: यांदावान वंबन कवनका वृद्धि कतियः; क्षानवान, ध्वानवान, वंबन वहांकक इडेंग ; त्योगानिक मास्क शर्यात साथ देतकत अर्थाक यसम मामा कामात প্তিগদ্ধন कमाठात नवाठात विवाद श्रांतिक स्टेट्ड शालिक, कृत्तक कांडर एवं विवाध प्रदेशक निरम्दव कांवर केंद्र भवताव अविवास कविवा विद्यासः নাপ্তবেরা নিখিল, প্লাশীর সময়ে বিখাদ-খাতকভাগ নিগাজের বিংহাদন অপক্ত হইৰ। কিন্তু ভাহা নয়; বিধানাৰ ইক্ষিতে লে কটনা কটিল। মুস্ক-ारमत्र विश्व-विनाम, देवक्षदश्यक्षंत्र शक्ति ८ अम, त्योबालिक माक्रवरवांत्र विश्वा-धनीख जाव अवर रवीक शर्यन विमुध-स्थार कानकारणत शरम कृत कारणत ांकक कात्रक ६६० । क्षत्रमदम हेश्ताक जिल्हानाम विश्व ;---विश्-(मर्वा, हनःचात, अब-८श्रम, अनः कहिन कारमत्र पटन **बिट्टेन कर्यनाव,** नासव ।। शन कविटक केमकिक करें में। बेरबाय जाकरण करेड चाल्यां कविटक bia, क्य. किस यनि कृषि विश्वासीन एक, क्षत (क्षामाटक चौकांत कविरक्के क्टेटर (म. देश्शासत्राक्षात्र महिक क्षित्रेत क्षत्र कारकर सम्बन्धन साराध्य बिनाविक श्रीरक्टक । "कृषि कक्कन पर्यात केणत्यांके श्रीरत मा, यककन ভোষাৰ জাতাৰ সহিত মিলিক মা হও"—এই গভীয় সংসাত ধৰ্মধায় ভারতে প্রজারিত হইণ। "আতার সভিত কাম বিবাধ করিব। নাভার বঞ্জে णडीरदक प्रार्थिक के देश-- मक्सरक लिखान कविया, वार्बनद्वस कांक व्यक्ति-बाक १-- वर्ग दशमात निक्वे बहेरक करनक बुद्ध । बाक करन मिनिक हरा--अश्कात्रक वनि श्रात-नाम नवस्य वित्रक्ति श्रात-वाका क्वीर

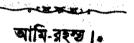
পূর্ণে ভারতে বে কর্মনাত হিল, তারা অনুত কর্মনাত নতে। বাল ম্জানি, বোম
ন্যানাত্রই একাল বিলের হিল। অনুত কর্মের ক্রানি চারতে আতীর সময়ে হিল বা।

महिल अबोक्क रहेता वैनिविक एक ।"---वर मधुत्र साति वर्ग रहेति छहाfem ales alleres ferent refere pers -alerte um ulfere esta.—water an wisteresta.—wisoco wa fico esta.—afa-बाहरक काकि मानज करिएक हरेरव ;---बामनाव महिल बरक्षामा स्वाकि क्षिटक वर्षेत्व :-- बैडेनीकिंड वर्षे कत्त्वंत्र व्यवन ह्याक व्यक्तिया व्यवज्ञासन ভাক প্ৰাণিত কৰিল। কিন্তু ভখনও বৃত্তের কঠোৰ আন, হৈতকের প্ৰোন, चार क्रैटरेंट जिसक क कर्म काल कारटेंट गुनक क्रेश बहिल। चासटक विश्वतात মৰ্থ না বুৰিয়া, এককে বিস্ক্ৰিন বিয়া অক্সকে আনিখন কৰিল, কুৰুছেব आष व नत्रवार्व साम, रेप्डटकर दिच-द्वाबदक कृतिया, करवंत बाहात्या आ मानिया शिक्षेत्र केनामक करेम । छात्राक्त तम क्ष्मेनात काहिसी आह ৰণিৰ কি গ[্]জান, প্ৰেম কুণিৱা কি ধৰ্ম হয় গু কুসংস্থাবের পদ্ধিল স্লোভ व्यवस्थित व्यवस्थ बहर के उनाहें है। किया । एकवण कर्य द्वारिक मिलवा हे श्ल-एक सबदय देव 'कम्ब, 'समब शैनक व्यदिन करिएक(क, 'कांबादमतंत्र (महे वना चडिन । त्वात्रकत प्रवा विट्यव छैर शप्त इहेन,--हिम् और्टाटन चावाद সমবানল অলিয়া উট্লিল;--ভারতে আর এক অভিনব ভাতির সৃষ্টি ভটল। ঘনীকৃত বেবে ভারত আবার আক্ষয় হইব্যা এট সমূহে মহাত্মা রাজা कामरमाहन काक--- अहे लिएनत निकारण पीछाहेवा, किमरक मिनाहेवा এक कतिएक एक्टिक वरेरमन । पृथिनीत सक्य धर्मान मुखा जिलिया धक कहेरन,---ক্ষান, প্ৰেম ও কৰা মিলিলে ভবে ভারত ককা পাইবে, এই মহামন্ত্ৰ সেট তম্পাক্ষর কিনে তিনি গল্পীর করে উচ্চারণ করিলেন ৷ সম্প্রাধার নাই---बक गार्काकोथिक कान, त्राम ७ कर्नरा मिलिए कहेंग ; এই कवा क्रिय व्याप्ति वहिर्मम । डाव्यक्ष उपम । माध्यशिक क्षण यावन वरत माहे,---উলার,—সার্অভোমিক,—ঘনীভূত মিল্নের ধর্ম ডিমি আচার করিলেন। बहुक खिन, डिर्स थक। काम जित्र (श्रम दश्य मरह; दश्य डिर्स कान क्ष ; कर्च विश्व (श्रम माहे;--क्काम, (श्रम ७ कर्च विश्व तक्त माहें। विश्वाचार कुणांव अहेकरण कावक अब चाकरी जिल्लाम मधावयान वहेरतन । चाक শিক্ষা-বিশ্বাহের বিশেষ ভাব, বিশেষ লোভ সর্বাহট প্রচারিত ছইতেছে ;----- "नृष्कि किंद्र नाज यानि ना; चावार नाज मानि वनिवारे वृक्ति सानि;---बांबात वृक्ति मानि विविद्यार दकान नाक्षाक बाताल मरन कवि ना ;--- दकान

rin Mule ste effen cerceite, eifren, ceinis, dunt dunt ? वर्षेत्रान नामाका द्याच, द्वनवंत्री त्याक्षणकीत कात्र, कावदका स्वतातीत क्षाव त्वतः कविता वानान्तिक क्षेत्रकरक/ काशाव त्रोता वेदाव कृषेना त्वनारक वात्रक्रिक কৰে চু হাৰের কথাৰাত বহু করিয়া বে ছব গাঁৱ, বে কি পুর হুয়ুব পঢ়িতে ठात ? यह परि अकवात तकू गाव, करन ट्य कि काशात कह स्टेटल वासना बारव १ निकार माहाचा रव अक्वाय बुरवाटक कि गून व्यतिकिक हरेटक हार १ --- प्रक कि बागक वहें एक छात्र १ थनी कि छित्रपतिस क्वेटफ छात्र १ सानी कि वृर्व करें छ देखा करत ? त्य करते व अवश्रक्ति एक क्वेटक कावक कृतिया . व्यानिवाद्य, मण नक्ष्य त्रहो कर, कार्यावत नावा माडे त्व, कारकटक व्यानाव সেই প্রাচীন কঠোর অবছার নট্রা ঘাট্রে। একপুর প্রার দৃশ্ভি বিশিত্ত হটবাক্লে, নাছৰ তোমান কি শক্তি আছে যে, সুবি পুন পলা গলাকে গোৰু-' बीटक, तक्षण्यत्क तक्षकृत्क किताहेता महेता सहेता मनम नक्षि ध्वाहन পরাত্ব। কামনিক নিকান ধর্মা, আর ভারতে ক্রিবে না, পৌরাণিক (unpractical t) क्यानाव वर्ष चांत याथा ज़निंदन मा ;--देवक्षवर्ष -- मधान-दर्व चात्र ज्ञान शाहेत्व ना ।--- मार्गा विनिवादक-- चनार्दात्र महिला: खान बिनिवारक-करचंत्र महिन्तुः ८०३२ विनिवारक-मार्थेत महिन्तः भूका পশ্চিম এক চইডেছে, --শাকা, চৈডক, জীই এক ক্ইডেছেন ;---এমম কুৰের भिगन छात्रिया क्रितिरा, नदीर्गयना, क्रव्यूत, क्रिक्यूत, स्नामिनासु, कृति ? कांकिटकरनद मून कांद्रक स्वत क्रेटक खेदशाकि क्रेबाटक,-नाथा কি ভোমার বে, ভূমি পুন ভাগাকে সভীপ্তার পৃথাদে বছ করিবে গ বিষয়ার भक्तं पृष्टितः,—तन्त्रां,—नान वाकिहारः,—यनमारमः, ध मनन भाव शहरत शांन भारेटन मा । आधना वर्ष चांत्र छेवात वित्वक-अवान कावटल विकिटन ता ! चार्तात प्रदेश कृति मञ्ज केळावन कतिरन, चात्र चार्ति चनन खारन वित्रश वाकिय, धर वर्ष वृक्त वर्ष बाव कांत्रस्य हान गारेटन मा। वति माह्य इस् वित (बरनद विरेक्ती हत, कहे विराम नवरत्व विराम काव- समरक्ष कह-कतिया वन, कारे-सान, कारे त्याम, कारे कर्च । मना मिनदान किटन करे वाह कृतिही जुड़ा कह, बाह बन, हाहै--बान, (बाह के कई। वह नहें। जांतरक चरनक कांग्रेगिकाम स्टेबा त्रिवारक,--- गर्चावारव मध्यवारव, कांक्रिरक वांकिए छात्राख्य पणि नका दिव किंद्र श्रेडाए.--आशार वर्णन ब्राह्म चारनक आठांत त्रक-निनामा निवृत्ति व्हेशाह । चात्र मा । त्व त्ववादम बाक.

बार : आमी, ट्राविक क कवीं मकरण अकरांद विश्वक क अकडांत कार्यद langen un und mien an i vei feren an abn. .- miles eine allefin ebu : cuique effettus ettel mate matte mile mifete. mib. curre effere wand mid porm erfere ut : minis bless plan effete, went wit, county plan win effete al in wet wit da. (कामात क्रमपुनि कामात गांचाव एक हिल्ला थान, नवल्यात नवल्यात विराधन शिरामा कार वाहन कहिन द्वाप्तिक दश्य दश्य, काली कार्य दिवाचे, कार्यी वर्ष निवाद : चाराम तारात्मी अन्य नव बृतिहा शक्क । आकृत बीवहन राहा नाहे, कारा कटकर निकड़ नाहेश ककार्य हते, बक्क कहे। केंबटबड़ नहीरक अटक्यारव नविकासा विक्रुवे माहे, दक काशास्त्र पूर्वा कतिर्द ? সঙ্গাই ভাই,—সভগের ভিতরেই বিশেষত্ব সুভাত্তিত। ভাবে এসু, মত कृतिहा, शास्त्रिक कृतिहा, अक्टब्रच कृतिहा, शहन्मह आहे वहा विवासन विस्त बिनिक वह : बिनिया, अस वहेबा मशा निश्चन विक्रम शांविक वहे। अन. कामरक्य किरम प्रशानत्क मृता कति । ध्यमम परनामुखका विशेरतात ऋस्म नवीर्गका, मास्यर, विवाध, विमुवाध (कन स्वामितकक र त्यवण सर्वातक नदेश पाक्रिय, भक्तियाक कृष्ट कतित्व १ त्वृत भक्तिम कि विश्वाचात्र सह मंत्र १ मिलाम कि वित्नवह माहे १ मिलामत कर्माटक माहत कतिए उहे हहीत । ीहे. देवजन क वृद्ध अन वृद्धारक्षत कहे जावरज. कक्वाब ठाडिया (वर्ष । यहि মঞ্বীৰ লাভের বাসনা থাকে, তবে অতো সিদ্ধি লাভের জঞ্চ নিভৃত ভ্ৰদর-मिक्टर जारबन कर, भारत मामारबर केवादिश कक्क, खानाक कार्यात ह्यारिक काशहेबा (४७। निष रहेबा, ब्लान-कर्षरक कीरामद कृष्य कतिबा, रका क्र जबकोर्न १० । स्थान, ८ धम, कर्ष, किसटक क्वरप्र, विथि ; - दुक, टेहकक, क्रिकेट हित्सव वित्मव कावत्क भवमवस कह । वित्मव ममरवत विरम्प काव बुकिता দেশের কর 5িবিত হও । পূর্ব শক্তিন মিলিরাছে, উত্তর দক্ষিণ মিলিবে त्व बत्यं, त्म बर्षात्र छाव और । भागव वस कांत्रक बारे वितरा द्वार बारे उ ভারতের বিশেষ ভার এই, ভারত জ্ঞান, প্রেম ও কর্ম্মে নিশিরা আধ্যায়িক वरम गुनिवीरक चक शहरत वीबिरक। दिश्मा विश्वय मचना आन क्रिका, कर्य-कांतरक पूरावेंका, शक्षा वस्ता, अक्षम्ब, स्ववस्त तकतः अकीकृक व्वेता, सहा-निष्ट्र क विनिद्ध : त्य दिन कटच चानित्त- द्य क्निन चात्रक, कान, ट्याक ७ ७७, वहे जित्नव मधक्षमीपृष नाधनाव जिल्ल हरेका चुनिरीव नकम सब-

मंत्रीरक तक दारत देखिता, राजवाह क्षेत्र कार्तिवृद्ध कीवस कीनादेख गांतिर । करत राज कक पुष्ट राज्या विश्व कर्म तक तक कर्म मिन्याम क्यान गांत करेगा, तांत्रा क्रि.क. कांत्राक व्यानकारीय नांत्र कीव्यंत मक्त्रकार कांत्रकार्याम, व्यान वर्माय क्रिक कृतिहा, कृत्रकारात वर्मीय व्यानकारित क्रिक्षा, कर्मवात कर्माय कांत्र कांत्र विश्वाद कर्मीय, गृथिवीरक व्यवकारित क्रिक्षाम्य केत्रकि-वामात्मक वांत्री क्यावेरत,—वरण महीन स्वयं विश्वाद क्रिक्ष्म क्ष्रियं एक्यन करिता, कार्त करी विश्विता क्षाय राज्य कार्यक व्यवकार गृथ्यं वर्षकार क्षर करेरत —करण कांत्रक विश्व वर्षकार व्यवकार करंग्य



"Orn God is an indwelling encompassing reality, present in every force and illumining all space. Not only in contemplation and prayer, but in all the secular details of our daily life, in all our social and domestic duties, yes in our eating and drinking, there is God always speaking to us and showing Himself to us. But unbelievers have over ascribed to human agency things which belong to God."

"Held fast in His encircling arms I cannot move, but am moved; I cannot speak, but I am made to speak."—Keshab Chunder Nen

আরি কি, আরি কেন ?—এ এক গতীর রহজ। অতি জয় লোক এ
গতীর বহজ তেন করিতে লাবে। অবচ মাজুহ বছট স্মান্দী চইতে বাসনা
করে, ডতই চ্চারের নিজ্ত ভানে,—বেগালৈ পৃথিবীয় োলাহ্য বা আজোল লন পৌছে না—পৃথিবীর মূল কুটে না, আকালের চান ভালে না, সেই অতি নিজ্ঞ,—মতি নিজ্ত হানে জাগিরা উঠে—আনি বি, আনি কেন, আনি কোবার ? এই চিন্তাই বন্ধ সাধনার প্রথম সোলান। এই চিন্তা ব্বন নানব্যের স্কর্মকে ব্যক্তিবান্ধ করিছে বাকে, গুবনই মাজুর স্থাপ্ত ব্যবে উপস্থিত হয়।

क्षित त्र न्त्रत कथा। जानि कि, अवयो जिठ जाते त्याकडे वृत्तिक्ष गारत। अहे शकीत विचारक नुकरण नमवात्री वहेशक्षितन, अहे जाल-हाता वहेशक्षितन, नव्यत केलांक्षत कात वहेशक्षितन। अवर त्रितिन जानांक्षत व्यक्त राज्यत क्लावक्षत त्रान कक कृष्ण-कावत वहेश अधिका- श्चित्वत १ क व को व सक्क त्कन । आश्चारपारव तर्पनु नावे त्कन १ ल्यून असूरत गतिगढ त्कन १ नीमा अमीहन नीत वव त्कन, अक्क कार्ण क वंकीय क्षय त्वव क्षया वक्की कहिन। वंकिनकि-पश्चिक गांवि मह, गांवे-गांवे-मां करित्व कैतिरकरे क्षारियो बाल्टरम कीवत त्या वर्षेत्रा निर्वाहक । अ गडीव वक्षका केवड त्यार्थय १

উত্তৰ পাণ্ডহা ঘাক বা না যাক, স্ট মানুখকে থাকা হইছা কিছু দিন
প্ৰিথাতে থাকিতেই বইবে । আনি-বোধ নাই ;—পরিপান যারপা লাই ;—
আৰচ নায়ৰ বৰিবাতে । কি ক্ষুলু বেন, মানুখ ভূতের বাগার থাটিয়া মরিতেত্বে । আমিছ ইউডেই সমালছের উৎপত্তি ;—আমিছ না থাকিলে
বন্ধম বা সমালছ, কিছুই থাকিত না । আমিছ না থাকিলে পৃথিবীর
কোলাবল বা আলা বরুণা কিছুই থাকিত না । যদি তাই হয়, তবে আমিছের-বিনাপ লাধন না করিঁয়া মানুখ কেন কট ছংখের দাসত্ খীকার করিয়া
মবিতেতে গু কেন ছাখ, কেন আলা ভূলিতেতে গু—এ কোন কথাইই উত্তর
নাই —আম্বচ মানুখ আসিল্লাত, থাকিতেতে !—থাকিবে, রহিবে ! কি
এক অধিনাশী শক্ষি প্রশানত হইতে মানুখকে ঠেলিতেতে যে, মানুখ হত্তবৃদ্ধি
বইরা, যে পথ সে আনে না, সেই পথের দিকেই ছুটিতেতে ! সে পথ অতি
ভাষণ পথ,—লে পথ মুদ্ধা !

নাহৰ কি গু মুড নাহৰের শরীরকে গণ্ড বিগণ্ড করিয়া কেল.—পাল্ড'তা বিজ্ঞানের সাহাবো সমস্ত পৃথক পৃথক করিয়া ফেল—শিরার পরে শিয়া, মাংসের পরে মাংস. আছির পরে আড়, রাহুর উপরে আয়ে—ফ্ল হইতে ফ্লা, তাহা হইতে আরো ফ্লার বাছিয়া বাছির কর;—কিন্ত এমন কিছুই বেদিতে পাইবে না, যালাতে আমিজের ক্লা বীজ—নিহিত। শোলিতই বল,আর মজ্লাই বল, জেন্তই বণ, আর বীর্যাই যল, সময় তাহালিগকে স্থানার মজ্লাই বল, জেন্তই বণ, আর বীর্যাই যল, সময় তাহালিগকে স্থানার করিয়া কি আল্ডয়া পারবর্তন সাবিভেছে, একবার ভাবিলা দেখা মুদ্ধার পরে মান্তবকে পৃথিবীর বাজারে আন্তবক করিতে বাও—ধেবিবে, আর সে মান্তবকে পৃথিবীর বাজারে আন্তবক করিতে বাও—ধেবিবে, আর সে মান্তবকে পৃথিবীর বাজারে আন্তবক করিছে বিলাই কি চইয়া গিরাছে। লার, হার, অলানে ক্লাইড্ড মৃত পরীর পঞ্জাতে বিনিয়া কি চইয়া গিরাছে। লার, হার, আলানে ক্লাইড্ড মৃত পরীরের পরিশান কে না ক্লেবিভছে গু এই জিল,এই নাই, বেণিতে ক্লেতে নিমেবের মহেয় কি হইয়া পেল া, ইহা পেলিয়া হেবিরাও মান্তব আলানাকে নাইডাই বাজা। আপনাকে ক্লাইলা যাবাডেই বেন নাইছ। আনার প্রীর

and an experience of the same - will aller out to see the see that you the the market species and cold : were come effection and esta-च्हरिक चेक रिनातिक वह । व्यवस्थान सन्दर्भ कार्यः वाद्यां त्राहः वह दस् वास्य baffere wer nen nibe girft mie genreit, mit min nian, per चार कान्ये-प्रकट्रावरे नका वेशक ...रावेशकि...चुनस्क मनावेश गरने मानद्दक अक्सावानामात्रं लच । नावेदन माद्दा नावेदक वेक्श हव, बहिदन আহিছুৰভিতে ইকা হয়। বাহুৰ জনাগত অধিয়াৰ উপভিতে নাইবার কর cbal कडिक्का अहे रा cbal-देशह त्या नाहे। निरुद्धे बाह्य अहे भृतिरीटक मारे । शामित्रा शामित्रा गास्य महित्यत्व । महिनात सक्करे मासून ভুটতেছে। শত শত বাজি বরিবাছেন—চাজ বেরিবার বাজৰ আসজি-কৃতি ছি ছিভে পারে না। সাছৰ চন্দের ধন কেনিকে কেনিকে সাহবকে ভিকার জনীভুত করে, কিন্তু জরুত আগন পরিগার ভাবে না। বে করিবারে, বে ইড ৰবিৰে, কিছ ভাষা ভাৰিয়া, ভাই, চুমি কি জীবন-নগড়া দিহ কৰিছে পায় 🤋 ---- লাগনার উরভির চেটা ভূগিটে গার ৷---তারা অসম্ভব : ফ্রবিঞ গার মা, काकिए नावि सा । ' निवानात यत्र बाह्यस्य वित्रकान कृताहरक नारत सा । मासूरवर क्या भाग गतिशूर्व ४४--मासूम गरून मिताना स्वेटक केवात नात । मंत्रियात भूकी मुद्दकी गरीका ज्यारिया जनग-केत्रवित स्थापा । मुद्दात नरवत क्या कांनि मा, वनिएक हाई मा, क्यि देश क्रिय हव, को ामक त्यम पूर्व পৰাত্ত বাস্থ্যত্ত আগের স্বদ্ধ-উম্ভিত পিপানা আলা। পিপানা আলা अरु वसीवनी गकि । scक्स कन गणिएक गणिएक क्रमारेडा वास-क्रम क्षत त्वचिट्छ द्वचिट्छ छत्रिया छेटो । त्वाक, कानः क विशव कान्यवह अक्की त्मविरक क्षित्रक वाक्ष्युक्षित्वा वाक्षाः क्ष्यत्मातः वानिरके वानिरक वाक्ष्य वृक्तरक व्यानिकन करव[े]। बाधुव निकास बंबिरन, किन्द खासान व्याना निवान-त्वाचा मन-काशार्वे थावना आहे । अकसात त्य माहत्वत्र अविवास, काश তে ভাবিতে পাৰে ? ভাবিতে পাৰিকে তি শীখন-চাত বছন কয়া খাইত ? ंक्टोब नरव हाठा राहेक।-क्याबे मार । आहे मामने माना माना काविएक मारव ना । पुत्राव स्कारक अन मा विवास माग्रव मुविदीत विएक

-

विकार काम व्यवस्था नार्षे का व्यवस्था हर प्राप्त व्यापा, हैरा कि व्यवस्था कर व्यवस्था नार्षे का का व्यवस्था कर व्यवस्था नार्षे का व्यवस्था कर व्यवस्थ

करें मानारे-निवान । एक दान वाविद्या, मनुद्रव, नन्कारक । एक दुवस नाइक्टन जिल्ला होनिएक्टर । अवान्त्रहा-हिन्ता जानिया वसम द्वार्केन्स লোণার র্টাব নিয়ার্থের জ্বয়কে মলিন করিয়া কেনিন, তথন কে যেন নীর্থ -ভূৰিৰ ভাৰিয়া ৰণিণ---"স্ভান, চাৰিয়া হেশ,খাৰি আছি।"---সিঙাৰ্থ অন-লনে অনাহানেও তীবিত চহিলেন : আলার জীবত দক্তিবলৈ মানুষ মরিয়াও क्रीतिक । मृज्य दक्षाचार १--- मृज्य अक्षेत्र कावता वाज । मृज्य विकास मारे, -- बुकात क्य माहे-- वह व्यानात निकाते । विश्वामीय निकृते व्यानात मुकात अपूरी ? धनाशांतरे दन, चांत धनिजारे दन,--- तांतरे दन चांत त्यांकरे वन-विधानीतु निकारते व नकरंतन पताव्यस नाहे । यांश व्यवक्रवानी चंडेना, ভাষাতে বিখাসী কেন ভয় করিবে ? বিখাসীর ময়পের' ভয় নাই। পুর্কো विनवादि, वैत्रवित्र कामा मादे, अमन माह्य मारे ; शक्याः कवियानी बाह-त्व विश्व वृतिवीरक नाहे। श्रृष्ठशाः मुहात कर कतिश वास्त त्वान विन क्रेबक्टिक विवृत्त हरेटक पातिन ना। क्रेना क्रमनामक बाबन नाहे। हैना मुद्रा वहें देव भूनकविक वहें वाहिएतन, रकामाता कि बान मा है है है वतनाव क्यां नटक, देश क्षीयक कथा। तुकत्वक क्षेत्राव क्षाव बृक्षाव कशान-बान हरेटक व्यविष्ठ केविष्ठ व्हेटक्टक । करे महिटककि, करे केहिटकि-वावि । केंद्रै चार्वात वति, वति चारात केंद्रि । केंद्रिक केंद्रिक स्थाप मुक् ।ই নাৰ বাৰণ কৰিব। যাত্ৰৰ অবলৰ লাভ কৰিজেতে। অবচেয় সভান हिर्द, क्रुवि, जाबारक वदः काशास्त्र शक्तिक रहिन्दी हैशे कानिरकह ? किवादि रागिता कृति जेगशान संविद्यक ? आहे, स्वनिद्य स्वरिद्य सामात ঠিব। শীল্ড একবার গড়ে, আবার উঠে। অবজের শিক্ত বাস্তবের বঁরি हरात भक्तम एवं, कटन ग्रह्मनात केचान रच,---कटन महम्मनात सीवन नीक

THE REAL PROPERTY AND THE PERSON NAMED IN TI I CON THE T AND MAINTEN AND ADDRESS OF SHIP OF CO where y which wise the party-court with court follows at or विचान, वेदांत व्यविकांकी अकामने । अर्थ काशांतक बकातिका अवस बाद । वर्ष सकास मानव मार्, मुख्यम मिनव मार, गर्का व माहनव महीय जार । বিনি আমাতে আলার পর দেবাইজেকেন, জিনিই জোবাতেও আলার পর ৰেখাইতেছেন। বিনি আমাকে ক্লবিয়াকেন, তিনিই জোলাবে ক্লবিজেছক। णावि जानाव नव नारेक्षाक्ति कृति नाव मारे, रेश जावि जीकांव क्षति मान नकरनवरे वार्षय विवान कर पहिना पानक नकिएक:---ना मानावरे व्हेक ना निवासोवर रुकेस । नामाहक निवासोव, निवासोवक नामाद । सामावक करनंत्र नमक्रि, निवासात्रक कन्ममक्रिः किङ्क मानिएक्टे क्टेटन, क्यविचानी वाकि-वात (वा मार्वे । अवियोग महेशा ८७१३ कटक मात्रे । आगमात्र अस्ति ८१ वारसः जाशात्करे मारक्य अधिक्षकंत्र श्रीकात कतिहत वकेटव । वा किस क्यारमक व्यक्तिक सगरक व्यवस्था। मन्द्रमारे शास्त्र मक्षाम । मन्द्रमारे विचानी । বারের নিকট সঞ্জীব সভান সমান। আমি বড়, ভূবি ভোট, কিছা আমি एवंडे, जूबि वड़, देश दूबि e वाबि जादि बाड़े, किन्न काराप्त निकड़े कृषि ७ चाविज्ञवान । बाद्यत मध्य मखानदे जुवान । चक्र विदय, वक्र चाव दशके কি ? তুকি বলী হইমাও উল্লভ হইতে পান, আমি কাৰাৰ মনিত চইমাও হইতে পারি। ভোষাঁর ও লক্ষা—উর্ভি, আনারও লক্ষা—এই উন্নতি। কোষাকেও দে পृथिबीटक वास्टिक बहेत्व, ब्लंबाटक शाहे पृथिबीटक वास्कि बहेरत, रव बाह् क्षांत्रात्र क्षीवन श्रांतर्पत्र कांत्रप्,—कांशरे जानाव क्षीवन बावर्षत्र कांत्रप् क्षे-(केटक् । (क्षांतावक शतिकारव मुक्का, कामांत्रक काशांवे । (क्शांतका, दक्ष्मक मुक्के र्किताएक समाम वहे बाद विकृति गार,---(करन बहसा बहेरक तार्क नान-मध्य मात्र । अ मन्य स्थादिकार किङ्क आह्म नाम मा । शहस क्रिकार पोक्तिक अक मानद देवकि वहेटच पाद्य, वाविद्याद विकास मानिक পালিত ঘটরার পারে। উরতি সকলেরই লক্ষা। বস্তার পরে বস্বাধীনল ক্ষিত্র नकरनाकरे नकिनाय । अवसाव रक्षणायक निमा दर्व कृष्टेवर्क करह, दम स्वाहे वर्ष । एतमावन प्राप्त केना अवधारन क्रानियांक व्यवस्थ नांक कृतियाहकः

चार माना नृत्य मिषार्थ क्या शस्त्र करिया । अग्रह वहेंगा नियात्क्रम । अग्रह क त्मारक त्याव चारतन क्षित्र करा, वृष्टिए शासिटर-केनी छ न्या मकन बद्ध पटनं विश्वतः सहित्फादम्य । एक स्थ्यी, एक स्थ्यी, एक वक्, एक एक्टि ए अन्यक्त প্ৰমা নিভাক অমপূৰ্ব। তে, বে অবছার পজিত, জাহাই ক্লাহার ভাল। हारव गविषाक श्लीक केप्रक्रित शिरक हरन, श्रूरक कार्तिवाक स्नाक के गरब हाटि। (नाक काटि, (नाक हान १ - क्रम क्रमा । एक एवम क्रिकेट एक एवम शामात्र । सामा क अपना, बनी थ नहिल्ल-नकरणहरू गतिवास मुकू पु चैत्रकि । हिंग देखी कर बाद ना कर, कामारक राठिया वाकिएक व्हेर्टक्षे कृति हेका का भाव ना का, श्वामारक महिटकड़े हहेरत । कृति केका का भाव ना कत्र. त्कांबाटक बतानत क्रिक्ट विश्व सर-श्रीयम बाक कतिर्क्ष केट्र । हेम्बा (काषात्र ? मासिक (काषात्र ? जकतहे छिनियः -- जकतहे छिनियद्व । कृषि हेम्बा कविवारे चान अचान रहाव कविट्ड नाव मा ;--- मनाशास बाबिटड लाव मा । ट्यांबाटक कर्ववा लालन कविटकर बरेटव । एकाबाब लबीव वायन कतियात कक्ष चरमत जान मूटच निरक्षे क्टेरव । त्नाक नास्य र्व धक्की कथा আছে, দেটা কৃষি আমি কিছু খৃষ্টী করি নাই। আহারে লা্ছা প্রভ্যেকেরই আছে---কেবল বাঁচিবার ক্ষয়। লিওর মুগে অর ভূলিচা দিতেই ছইবে; পরি-वात श्रांतिकान्त करिटकरे रहेटव ; अगराव प्रतिदेशक अक्र**ण्य**क स्कृतिरकरे ešca—পৃথিনীর মঞ্চল ডিঞা • করিজেই হইবে ৷ এ স্কল কি ক্ষিকৃ কেবল आधनार डेजबित कक्षा पुनिरीत गुक्त कर्चना द्वार, आधमात डेजबित क्षण । क्तेंवा नारम॰ (र धक्ठी कथा चारह, त्रिता स्वन्त चार्यमात **उत्र**क्ति **यस**। कृषि त्य ८०डे। कत, देश, कृषि क्रिक विगय्त गांव मां। कि **व्यक्त व्यविमान** নকি লকতে ধৰতে ঠেলিডেছে, মাহৰ অবাক ইইয়া আৰু বারা বইয়া ট্রেক bनिरक्टः । विश्राम नाहे, विज्ञाम नाहे - मार्च अमानकरे क्रिक्टिक् । হইতে উচ্চতৰ সোণানে উটিভেছে। পুৰ গভীর ভাবে মানুদ বধন ভিতার निमय हत, जननहे ,बांहर भाषशंता बहेता बात, जननहे निका शुरु अधिवान दश । उपनदे श्रव बरण "Not I, but my father in me," चानि नहि, निकारे कानाटक विकासन । कि केळ कवा। प्रवप पृतिश ८क्कन-निवृत्तः कि भाषकाश-कि वार्ववाद्यक समस वृद्देशकाः

त्नाविक क्रीवाहर त्नाविक। क्रीवाहर मन-मुहार क्रिक्ट सरे। आवि-(सर अधिष, जारहात मुनक क्या जातक बदक देश किहरे बदर। जारावर देखारक आहि, कारावर देखारक नाहेव। * बर्वनमहत्व अवन बेकावरे निवक स्वतः बाह्य कारावरे शास्त्र गुक्तिका पाता किवि रव होगारेटकाङ्ग--काववा टक्वन वक्षना मात्र । चावि ट्रा क्रमव विद्या निर्दि, त्यरे क्याब स्वयंत्र चार्थि नहि, किनि चामारवर पात्री कीशात देखा पूर्व समित्रकारका दनिवास-चारशहे, किनि मास्त । अस्ति, त्यानशा कृत नुविश्व मा । बाह्य क्रेयंत्र महत्र ; किन्तु बाह्युत क्रेन्ड । वस्तरे क्रेन्ड महत्र, क्षि वषाण--विषय । देवकवारकत क्षिप्टतः, वाकि एक कारतहे कार्रवकवृत् নুকারিক। তল্পবন্ধ লাভ করিলে, আমি-বহুর বৃতিয়া বার। সম্ম তালিয়া বার। कांका निविक्त यात्र । (सांह न्यानक्षण क्षित्र वर्षेक्षा यात्र । क्ष्पेनहे साक्ष्य वरन, नैट्र चाना, दर विचान, दर अकि, कृषिरे नसंघ, चावि किहरे वह ।" इस्त, "আনিই বে তুনি, ভাষা নক, কিছ তুৰিই সৰণ, আৰি কিছুই নই। সৰুণ ्रुमि, गर्सप द्वि. निक स्वि. रुकि स्वि. बीयन स्वि, स्वाक स्वि प्रि ।" समस অগার চত্ত্রে পড়িরা রাজ্বের অভিজ-অধি তথন চূর্ণ বিচূর্ণ কইবা বার । ওপ-নই ঈশা সন্তান বেশে পুনক্ষিত হুইছঃ পুত্ৰত প্ৰচাৱের মঞ্চ বিনৱাৰভাত वरित करत--- तृष्ठ छवन निर्माननव नात करत । छवन अकारमध्य वा प्रक গত বা সম্প্রদারগত ভেলাভেল আর পাকে নাঃ পৃথিবী তথন মূর্গ হইয়া वात्र । अमरकत महानगन अनक कर्छ छचन रक्तम बारकत मांबहे नाम করে। ভবন পিতৃত্ব এবং মাউ্ডই সর্কান্ত বলিয়া সভানের বিকট বোধ হব । অবোৰ অনভের শিক্ত নতান তখন শিল্প মাছা বই আর কিছুই ভামে না। ছবন সামূৰ বেবে; ভিনি বেন নকণ প্ৰান করিছা কেলিয়াছেন। অহিতে ভিনি, মাংগে ভিনি, মঞ্জার ভিনি, প্রভি লোবকুণে ভিনি, শোণিত বিকৃতে বিশ্বতে ডিনি—নৰ বেন ভিনিবছ,—আঝাশ চন্দ্ৰ পূৰ্ব্য নক্ষত্ৰ ভিনিবছ, আ উপৰন ভিনিমন,—তুম কল, নতী নাগর, পাহাতু পর্বত—বৰ ভিনিময়। क वरे मक्ति मक्त्य, धकरे खाव मक्य वस्तरक । खादव खाव,की समझ कीवम । আগন সভা ভখন বিখনভায় নিন্ত । ভুত বারিবিশু অধান অভনশার্প নাগরে তথ্য বিশিষ্ট গিয়াছে। পুরুত্ব, বৈচিত্রা, বৈষ্যা স্কুল খুচিয়া, धीककः, अवर मांगा मकस घटके छपले विशासातः। अक्सान कालिकाहे विकित्त, এক বইতেই বছৰের উৎপত্তি। বিভিন্ন বিদিয়া আবার এককে পরিবত।

को समाव मनन वाहन कि विषय महेना बाब, कनन नांचि पूर्वक मासिकारि शिन्या कथकाता सरेका नवन का नार्वक नामक उपना करना करना स्थाप स्थित नाम शान करिएक गाँउन । नकन प्रथम नामक जण्णक करना कालाव सिवान भागकोर्ग करा । मारकाश्वक हरेका एम करना मासिकारि कम नामक स्थाप राहर करना एउटा एवं । नकत पृथ्वित एनवक सन्त । सुक आहिक प्रशिक करा । मारवाक-एनाव वहेरक नाम-स्थापनिक सामन करना स्थाप प्रशिक हरा। नियान परम गाँवाक सामन साम सन्त करना सीमारिक यह सामहिक स्थापन स्थापन सीमारिकारिक हरेरक । सम्मान्यक महस्त रेका पूर्व हरेका।

প্ৰেম-খনি বা প্ৰকৃত ধৰা

"We are the miracle of miracles,—the great inaccutable of many of God. We cannot understand it, we know not how to appear of it, but we may feel and know, if we like, that it is verily so."—There are pro-

সচবাচৰ সকল বস্তাই হুম কিক মেকিতে লাক্ডা বাব,———বাহিত্ৰ, খার এক ভিতর। ভিতর খার বাহিরে খনীভূত বোল থাকিলে। 🕸 ভবের অকৃতি, উভরের দ্বপ ও ৩৭ সম্পূর্ণ বিভিন্ন। বছবেরে কারিরের আর্ক্তি ভিত-त्वत्र कातात्र किञ्चित नदेशन । (एकत थ वाश्ति नम्पूर्व पृथ्य : वाश्वित प्रकः রাগে আর এক কৃত্ব রাজা সর্বত্তে বিরাজিত। ভোষাকে **প্রথম ক**্ষাবিলাম, ডবৰ কেবল ভোমার স্থপ দেখিলাৰ,আকৃতি দেখিলাৰ, কৌন্দৰ্য দেখিলাৰ। करम इठावि २६मटा भविष्ठवेठा यथम समाठे रहेम, क्रम्म एकामाटक मृत्त्र्व भूधक কণ কেবিলার : যতুই জোমাতে ভূবিতে লাগিলাক, ভতুই বিন ভিত্তক হুইতে ভূবি বৰ মৰ শোভার কৃটিভে, লাগিলে,—ভোষার কডই পৃত্তি, কডই খণ, , कहरे वहा, कहरे कान टाकान नादेन ; जनना कृति यहि जन्द दर्शक वहा, ण्डब नगरव (णामांत क्याहे निर्वत्रथा, **चाटाम, क्याम-काम राजाव वि**र्जा বেৰ প্ৰকাৰ পাইল। ভিছু দিন পৰে বৃধিদাৰ, ভোষাকে একৰ সময় দেবিৰ राष्ट्रिमाय, वृति बङ्क नत्य छात्रा नह ;-- तृतियाय, त्यानात वार्वियर ननीय नत्त्,--विका चाट्कः। अहे ताकारत कीरकारः स्ट्रांक सक्काकः अकृतार रहेटक भूमाधीशकार, मर्कवरे राहित व किछत, खरे इस्कर त्वविदक शांकका वात । हृत कृष्ट्रामर एमक्यम, त्योक्षीयर, अकृतकांयक विद्यापत्रव एकर

करिया कियान तान, ट्राव्हिस, त्यवास्त्र मुक्तनावेतंत्र काव तावत् साथ, त्योदन To set, craice flacence on the walks strace; - writes Person up articles of the real about the laune of mile. fresh erry which were both with a visite with a depart canal Selfthe agest Congres Steam annibe graffit als त्कार । जार बारेना हुई का, स्तिवती बारेन विभावत वाहेरकर । स्वार colors where were the wif mit-were flentes failte. creat for cut defected, wife, waspeather all allgating out any चांनारक (सत्तव बाहीय शांनीवकांत अनिवादक, पराहर्व के अन्-र्ष व हुन । नरी-बोदार बान्यना दर दियाकि क्यानीक करता, देवर Le aint face ares de spiper degles mois epiece cuffen Betieb uffelfe eifen fo che mbeten neu guften unter नारीतिक स्टबंड श्रीवंक पृष्ठीककृत रकावतान सार्वेका हक कांद्रात विकटन चनकित बांबनिक बायन कविकार की बाद कवित्य जार ? व्यक्तक, वहन-त्वी दियानपटक एकर कड़ियां किस्टार गांध, त्वपिटर, त्वपटन नांक विभिन्न ण्डाकार्त्ते क्षेट्रकार्त्व, शहबान् विशिवा बागुकना क्षेट्रकटक, बागुकना विशिवा विभिन्न अकाश नवींक व्हेरक्टर । क्रम वक क्रम वक वह वह वह वाहरू चरवा वाहित्वत क्रम के क्रिक्टकर मक्किटक करू कारकर ।

वि कृष्टि विविद्यक्ति ? वाहित व विकास कथा विवास है एकन १—वर्णनान प्राचीत्क व्यवस्थान वाक्यान प्राचीत्क व्यवस्थान वाक्यान वाक्यान प्राचीत्क व्यवस्थान वाहित कि व्यवस्थान वाहित वाहित

वहें वाण्यवाव वा वृगवात्वत तारम त्यांक उक्षितक विश्व हरेशा
गिक्शारकः करे ताण्यवात्मत गरंजव त्यांक मानवग्रात्वत अर्थक अर्थक
करव वादित गर्याच वहेशा गिक्रकरकः । वर्षत्र ताच व्याचक व्याचक अर्थक
स्वेता केंद्रिशारकः वादित्वत वाण्यवात व्याचक, स्वित्वत्वे नाम त्यांकरक्ष वादित क्रियं वाद शांकर विश्वकारकः क्रांत्राव विश्व कार्यक्षक वृद्ध ताच जा । स्वित्वतिकारक गाविक्तकार्यः, स्वाचां वा व्याचित्रक स्वाच क्रियं ता । व्याचक व्याचक वृत्रात्वात विश्व विश्वक स्वेतारकः शः त्यांकर व्याचक व्याचक

लनपंड हर्राई (कांबन, क्षणीह, गांडवक वीक-क्षांनम वा कारकत विकृति क्षत्र भावतः वृद्धि ? त्रामयमेडीरस्त्रं क्रिकंटस् व्यवस्थाना कृतिरम्, वृत्रा सम् चार छानवामा वम, नीकियम चार भूना वन, मांहम वन चार चनावमा वन अन्तरमंत्र भविष्य कि भावमा नाम ह किन्न सोन, नामित्रम (कानाम्याम मिन्ना) वाश्य क्विड्यटक धक्वारक कृतिका वाहरकार, जीकियानक गतिवटक मानववन व्यक्तिक व्हेरजर्फ,--वेश वा दक्षरमध् बन्दन, द्वम क्रिशातान मिकिन्त क्हे-. ठाक, -- मारदर विवास धामारक जुला समाय किन किन क्राविक्केट करे (करका समाव निगटकि !--की समाव नहें कि । दशबाद नहीं व साब दशबाव हेलिब कविराज्य ? बीक किन्न क्या कविराज्य ?---क्य वा मावित्र वृक्षहेवा कविटनद १ धक्यक किन्न कन संदिदन-नकन जनाहे सर्विभवत, दम शुक्क कथा। ्ठासाव ও खासाव महोदवत खन्तिहे खनात्मद ऊच वित दक्ष तहत्व, खट्ट दम किष्ट ट्डामारक क चामारक रमनिन ना । सनक चामकरनव निविध्त , निक् निक्टिक व मुखिका स्टेबारफ, जाता बाहेरन किछु मान गांववा सहेंसे ना। त्रनाश्चरतत्र क्यां कित्र क्यां । क्रिकटत्त्र नाश क्या वाम विटन,--- क्रक वा (क्रिक किंद्रते अविव बारक ना .- जुनि बाक ना, आत्रि बाकि ना । बीवनी-नक्ति वारत, भाश्य, क्रमिकीएडेड आवामक्रमि वह आहं कि है अरक्त क्रिड्डिश मंक्टिक वान निरम, क्ष्क्र वा कि, बनिएक मात्र ? किन्न अमनह करेशा केठियाएक,---वास्टित-मर्भाष कराइत चावतके मर्भाखाः बाखरवत सहै ध्यमन्द्रे प्रगवनी स्टेटल्स्, टेल्क्स-नद् शलांक काम जिल्ला बाद किस्टर्कर त्म यानिएक ठाएए मा। यास्य, मालूरवह क्रिकटबब लेकिक ठाएए मा---काबिटतक गाविकटक व्यवसा वास्त्रि (प्रविदाहे गुक्के । यह कक्करें सिम दिन वर्षम्यास नकरन खडानक नालानाहिकछा,-वाकिन वा सम्ब लादब कंत्रिटक्टका दम राजिः, माल्लमदक (कमन शृथिबीत दकानाहनवय बाटि वाकारत. त्करण वाहिरत वाहिरत त्यविंग, निकान सुवय-गृहक अववाहत त्रिक्त मा, त्र वाकि माझ्यब बाहु त्रोक्या वा मश्यक कि नहित्व भारेदर ? देठ उद्धार दिव-वाभिनी त्यामकाविनीत निमृष्ट छह देव साहम माहे, तम श्लीबारबद बाक अन दक्षिया छै।बादक कि क्रिमिट्ब 9 विजय ভূষিত উট্টের সাম্যনীতির সূল কোপার, বে মন ভাষা না বৃদ্ধিরাছে, त्म कृत्य निर्मात-आस महात्याचैर यहाँ है कि स्नामित्य है। सिहेर मा संबंधि नक्ष माहर चांत्र माहरूक टाइड करकार विनिष्ठ गाजिएक मा :--

মায়ুদের বুকের ভিতরে মিগনের যে গানীৰ খান আছে, ভাকা ধরিতে পারি-সময়ী, সমাধান বিশু বিশু জল নিলিয়াই মহাসমুদ্র। ব্যক্তি ছাড়িয়া मधारक गाउँ. (मशासक रमनि, अक मधाम जन मधारक रक्तन नाहित (पंचित्करक, क्रम मन क्रम प्रत्यत महीत अ देखित-अच्छ क्रियन (पांच त्वविद्या प्रतिदेशक । किस्तुत्रपास, क्षेत्रेत्रपाटसत् देकवन वास्ति दनविद्या मिला कविट्रहर्भ पुनगमाननभाव, दिख्नमारकत क्वन वास्त्रि स्विता खणा किट्टिइ किक्टक आब क्रिडेटन, मुगलमारन आंत्र ट्योरफ कक विवास বিসধাৰ, কন্ত কাটাকাটি চলিতেছে। ধশ্বের নামে পুথিবীতে কন্ত রক্ষপাত क्षेट्खट्ड । अवह चूर्व हिन्का कहिबा दम्बिटन, दम्या दाव, ध्वके द्य विवास विम-শাল সোলার পুরিবাকে ছারগার করিতেছে, ইহার মুগ কারণ অতি সামাল। ्क मकत (यम किछड़े भट्ड विवश मटन इम्र :--- तम मकत व्यक्तिशत उटलहें सम्बद्ध नदीर वह मार्च नहेशा। मामास में हिनाही नहेशा त्यमन निस्त्रता मातामादि करत, अवीव (बारकदान श्वह व्यकात मानास मामाळ विषय वहेंचा काता-कांक्र कतिरक्राक्षः। मामाख अकृते शास्त्र कारेसका क्वेटलके, वा मामाख अकडे चार्भंत हानि वहेरमहे कछ धनात हरक नदन्नदरक नदन्नरत्न रहिन ভেছে। অধ্বা ভিতরে দট্ট না থাকার, ভিতরের আদর না থাকার, माध्य माध्याक आकृष्ठ करण में। 6िमिट्ड लाजिया, टक्यमहे बिट्यट्यब মাজনে পুড়িতেছে। আল কাল ধগ্রটা এক প্রকার কথা কাটাকাটির हेलाव क्वेबा डिक्किंगटका नक्किक चाककाल स्तित्त लाख्या यात्र,--समान ाहे ना, मेचहरक मानित कि ए अवह जकत्वहे (कान तक्या अकृष्टी कि ा श्रिका आह्मता । अकलन मखिल बालन,---"क्रेचबाक मुँबामुँका (क्रिक्ट्रि केइहे वृक्ति मा",--भाषक विभिन्ने माकि धक्ता धर्मातावर्षक क वर्षाताहाहरू गाम सगाउ विचाल बहेटबटहम ! दक्षेत्र किछु वृत्ति मा, अनेह बाहिटब, वृद्धि । ब्रेडिया अक्षेत्र मो अक्षेत्र कि**ष्ट्र माथ कराहेगात कक मकटकहे जान्छ। आध**-াল মাধুৰের ম্বিক-রাস্ত ধর্মই সর্বাত্ত দেখিতেছি। এইক্সনা পার্থকার ব্রেট १था वाहे: ७१६ । वृक्षि मा ८क्टडे,---व्यक्त शक्तवह धार्मिक । वार्मिक शक-नहें. व्यथ्ठ पृथिनीत (यद विश्वा, मात्रामात्रि कांग्रेसकी, व्यपादि व्यक्तम किएक एक मा। य ्व कि विवय कावका, किसा कविएक कडे क्या मालएक मनहें जनकात, जुल रहेबाब, जानगार आहम ना बुकाल, उटके ना बुक्तित

त्म क्षेत्रत्क अक्षिमक कविरवहें कविरव । वासम करेवा साक्ष्य क्रांव विरव । क्षि शंव, बाक्ष क्रीप बंबिएक वाक्षेत्र) क्यानाकी विविद्युष्ट :-- क्यांकिश्व कतिएकं नाहेबा---नाष्ट्रय आण अक त्नानात्र केवरक कछ क्रित्र क्रित विकिष्ठ कतिशरक, अक्यांत (वय: मूनशमारमद "आज्ञा" आत त्यसित "क्रेच्य" औरताबंद "गंड" चात्र रेश्वरवंद "क्षेत्रक" चोल कक विविद्यक्षान सगरक नविवित् । जुरम अक व्हेबाक बाल वर्ष कछ नुवक नुवक व्हेश निक्षित्वरह । माष्ट्रदेव करेब्दि लेबिहानमात्र कन (व हैका मारू, अबि विनास लाव र क्या-छाटन कि छ। कत्र, व्याकाणकान ना नाकित्रनान, व्यामानवान, ना कक्रनान क्षत्राहरू कि महा स्थिति मानिएलाइ, वृत्तिएल भावित्य। एक प्रक्रिएल त्य क्रेचन-विचान करता, कांकारक चामता विचान वनि ना, तम कदानात कीका-মজিকের বেলা। লোকের বৃদ্ধি শক্তির ভারতথ্য অঞ্সারে, সে বিশাস क्रमाञ्चतिक स्त्र । स्वानीत सेचन कात्र मृत्यंत्र सेचन-मृथंक स्टेबा भरका हाहाहे हहेबारक, अहे शृथिशीटक। याचे याचे, मच्चवारक मच्चवारक छाहे क्ल काठीकाडि ठलिएलएक। वाक्यविक बायुव यक्तविस क्षित्रहा हाक्षित्र। सा লবে, ভত্তবিন সাবৰল্প লে পাৰ না। বাটীর শ্বীরের ভিতরে চিল্লবী বে याचा विवासिक, या कियम माध्ययंत्र वादित महेबाहे बहिन, तम फाहा केबरण विकास, किंबरण कानित्व है। आबाद के किंबदी आबाद मुरन य शहराखात अक्षण-क्षण बाधुरी विशिश दक्षिणात्र, काशांदेश तम कि क्षिर्दर १ ७ क शास्त्र भगाव ७ मध्य सिनिष्ठ बहिबाएक। भागारवर कियरब ारबंद बनीएक (यांश बविवारक । अड नवीरव दिखबी आचा, विवाही राष्ट्रांद मत्न त्क्षाां क्षित्रं नदमाष्ट्राः व्यक्तन समित्राः त्मवात्म कल वह-करक,--मनीम चुडिका रमधारन मीमा भागेरकरक । बहित स्थावतरणत किकरत १क जानवन,--- जिल्लान । इके दावादम अक करेबाटक,--- वक जात विश्वाक यवादन मिनिशारक, (म. ८व कि जानुकों (मोन्सर्वा क मिन्दनव कन, सक्रवादी া প্রত্যক্ষরালীর চকু ভারা দেখিতে পার নাঃ প্রত্যক্ষরালী প্রয়াণু प्रविश्व मेरिय क्या, लगामिल क्या, यातिय लगीव व्यथियाचे फाखनाच करत । क्य क्रिक्रवाणी वा विचानवादी, त्याववादी वा नामावाणी, अक हिमादीसन, क महनाहबाबन गरिक-छत्रम खाटलाक वचन विकास व्यक्तिया आरब देशीकिक चारक, क्रमक स्मिन्दक मान। काराय काश कि बालिश श्वित १ वाक्षित प्रदेशक क्रिकटन क्रिकटन, मक्रानाई एम्बिटक मान, म्मारम

कि तक प्रवर केका चक्कित कार्या चारितक हिनास्टाइ, -- तम्थान कि क्ष प्रत्नात्वाहम क्षिप्रश्नित कावशाना त्थामा दिखाटक। आयात देखा माहे. अवंत महीरत वक हिनाकाइ , देखा माहे, अवंद शाक्यनीरफ, श्रीकारक सक्तक क्षत्रकृतम्, अवः क्षत्रबद्धः व्यविद्यक कम विमाखित्व । व्यामावः हेका जाहे अवह शहिरदर आज प्रखिष्ठ कान नाहरकरक । हेकाब केनरब এक प्रदर हैकान तालक विश्वक क्रेटिएट, आधार प्रत्न कि अक अविजाली শঞ্জির অন্তিত্ব অনুভার করা হাইতেছে। সকলেই কি সেই মহতী শক্তির अविष वृत्तिएक भारतन १ आश्वामनी वा जिल्लामनी वाक्तिता नकरणहे वृत्तिएक भारतम । अथवा गैरेशाता वृश्वित्क (हते। अतिहारक्षम, छांशाहाहे विविद्ध भारतम । धक्ति काठे। डिविट्डिट्स, द्य मुद्धि स्थित्य, दमहे दमस्य । मासूय अमनहे वश्चित्र द्य, ব্যাধানত নথৰ জ্ঞানের কথা গুনিভেছে, কিছুবে অবিনখর ধ্বনি গুনিভেছে म्पनः अल्लानाव क्रेडेरन मा रक्त १ मिनरमय क्रांक्ट चारम मा मिनिया मान्य কেবল বাজিরে মিলিভেছে। বাহিতের শক্তে কাথ ঝালালালা ছইয়া নিরাছে. ভাই মাছৰ দে শ্বর শুনিয়াও প্রনে না। ভিত্রের শব্দ গুনিতে পারে--अकालके : स्वतिष्ठां के कांगांक केटलेका कवित्तः भावि, माशास्त्राद्वतः वामाध আবন্ধ থাকিয়া ভাগাকে ভুজ্জ করিতে পারি, কিন্তু সকলেরই ভিতরে আবি-ठक (म सक क्टेंट्डट्ड ! अन्य अद्भाग (मधारम-द्वाग श्रृतिहा अ**क क**विट्डट्ड । কিন্তু ক্ষা মানুৰ ভাগ। মানুৰকে কি বুঝাইর। বিত্তে অক্ষম। তিনি আপুনি স্পত্ম অ-প্রকাশ, আগনি আপনাকে স্প্রকণ প্রকাশ করিতেছেন ৷ সাজু-्यत भावाँ भावे. क्षेत्रिक वाक करत । छित्रदेश विरक छाहिबा, सुट्ट विश्वा, मारधत भीवन पृत्ति व्यानन हरक ना रमवित्रा, त्य वाकि लारकत कर्व शक्ति-अभ्य मारक रहिष्टि होते. तम खास । माठाव अकुक चक्रम क्यारे हिन भावित मा। माष्ट्रस्य याका यम पाशास्य बात्या ७ कविटक मार्ड मा, काशास्य शाहर कार कि अकाम कविदय १--नादत मा, नादत माहे, नाबिदय मा । हैखि-शत गाउँ कर,---स्थारकानरमञ्जूष छड् कत एत करिया चानुमहास कत् ्व विरंग वृतिरात, प्राञ्चय मास्टरवत निक्के सेचन्छक काकि स्वाहे सामिनाटक ;---गाकः कानियादक,कावा माञ्चयतं कत्रनातं क्षेत्रतः -- मल्डिका (पर्यक्षाः कावा मात वस इडेट्स कड विख्ति, कठ भवत । अवह मास्ट्रहर्म ध्वमान वास्ट्रि, मास्य भिक्टब अक्यावत हाक्टिय मा, अक्याव**त काम माकिया ता मण कमिरव** मा। विदयपतीत अंगकन त्यवात्म विकिष्ठ. विश्वशित महामिनम त्यवात्म, त्यः विदक

करव क शस्टित ना ! वास्य वास्ट्रक चनाव कथा छन्तित,-कृतःबादवत भूका कतिरय.--वारगोकिक वा अवाखाविक क्रिया काछ मामिरव, अवह व्यिक्टन त्व किंग्यन चानच विवासिक, दम विदक कास्टिक सा। काहे दस्य, चाक गविवीत्क क्कर वित्यान, ककरे अधिनत, ककरे दिवान दिश्वान,--- दिवान, ঘণা • দাৰ্শনিক পভিতের নাম দইতে চাও, এবং আপনি সাধ্নিক পভিত বণিরা অভিযাদ করিতে চাও, কিন্তু একবার বলত, দদীম ভূরি, দে অনত-शबीत करवद कि खंडाद कहिएल भार, दन करवद कि चाकांडा खडान किएल गात ? फिनि चळकान, देश किंद्र जात छैत कि श्रमान चारक ? निरस (व भकान, त्म भनक स्नानवश्यक कि ध्यकान कविद्य १--निर्द्ध रव अनिष्क, त्म निक-शृक्ष्यक कि बारबाः कतिरक र आनी निकेष्टना आन कि वक्सन नामां अर्थ क्रवक शाक्षक सत्त अहात कतित्व भारत ? क्रवस महत । त्न अक्षिण वाहां भारत, **काहांत महिक निके**ष्टतत क्ष खरकर ! निकेष्टनरक त्म निरमा बृद्धिक शास्त्रा कतिएक शास्त्र मा । बानक मिरम बृद्धित कव-क्यों कि विनिद्ध र दर्व विनिद्ध हात त्मादक छोगादक दक्षतित मिरवामिन वटम । एक क्रम न नामा वह निक्का वर्त महकारत मात्राक बुक्टिक क्रेचरवत क्षमान দিতে চায়, দে আপনি প্রয়াণহাত্র,--্স আপনি আপনার বৃদ্ধির লাকে পুরিয়া दिकात, ताकक लेबंब-करबंद मिकड़े विद्याल बांब मा । (म बंकीय करबंद रा व्यमान किएक यांत्र, तम किन्नते सारम मा । व्यमान शैरमत व्यमान अभिन, स्नान-हीरनद स्थान व्यक्तद विचारत कीका, व्यवहीरनद व्यवकारिमी व्यक्तत क्यान (पना । अञ्च (अभिक, अञ्च क्रवक्षानी, अञ्च निष्क (पनि गुक्क परनन, "-- किम चत्र: टाकानिक ना बहेरन का कि कि के ब्रामिएक गांति मा ;"--बरमन, "कृति बर्डे अक्षात्मद कवा, किंद्र कि कृति बनिएक शाहि मा, दिन बटडे अक की बढ़ महानुक्ताक आबार मृतन विश्व कि, कि के कि दा दावि, विगटक गाति मा ;-- अकुम जानत दावि बटि, किन्न शाया। वा स्थान कडिएक गांति मा।" मुक्तिमन, ज्याम विमा, गरून त्याराम नवाच क्या । मामाख ननीय नानरबंद बराबरा रह ना, ननीय शाक्षरबंद बराबरा रह मा,--करकद बााचा दर मा, चार तारे चनावि, चनव, स्था, बहात, चनात, चनाव, चनत्याह बााबा। बहेरव १ फुन क्या । रव बााबा। करत. रन खेंबाबक । रव रम बााबा। श्रमित्रा वित्राम करत, चळाम,-निर्द्शाव । प्रत्य कि वर्ष कश्रक हैकिस ना १ क्टर कि मेचर क्रमटक खिक्किक चाकिरतम मा ? अक्याब दर महम क्रारत.

्म व मर्च । वर्ष कविनाम, कविनयत । ममक समय हुई विहुई बहेबा बहिटक नारह,-मानव नर्वारत नहिन्छ इटेस्ड नारव, अवर नर्वेष्ठ मान्द्रवेत्र दवन अविरक्त मारव -- बाबाव रावितरणामन वेनिएक मारव : किन्द्र थर्च वित्रकारी. - अविमान अविमान । जैना आपनि वास्तान, जागनिहें निक्र के, जान-विते बाहारक, जानविते कर, जानविते विता । जिनि जानवि जानवादक मसंबा लकान कविटलटकन । कीवान वर्कानवान मकक जानाद किस्टल marfen secure : en uif chau um mens vercen, macen लाव काष्ट्रक केलिएएएए। कामि क्रमि नर्सकत कारावरे प्रकान नियम बहिनाहि । बनावे विश्वत्य बांकेरफकि, कि अब महावाने श्वमिटकि । बारमक मधान वाहित्य वालिएककि वाहै, किन्न प्रथमहे किलाब बाहे, कि अक कुर्काय प्रवानक्षित क्षत्रक त्वितिक शहे । व्यानात कामान कि १--हेराहे वनक अप्रेरिक प्रित्रा क्या मया क्षत्रमात क्या मता अवक्रमात क्या मता किय तिका मका, कालक मका । कीशाक विकास स्वकारम (व स्वकारक लाव. (महे छारबहे (म ल्या करूक, विधान करूक, श्रविदीत किहते खासहै सहरव मा: (व डीशादक (बह्नादन, द्य चन्नादन दश्चिरक छ), नतन ल्यादन, व्यक्तमध जारत रम रमहे चक्करणव जुका करूक, कथमक मच्चाबारतत लक्षे बहेरब मा। स्व माधरवब कृत्म कृति, त्महे मानत्वत्र कृत्महे चामि ;---चमिनत्व श्रृष्ठीव द्यान, ंडीड विश्व ! सामी परि विचानी एड, करन (व्यक्तिकविचानीड महिक डेश्याव अधिम थाटक मा ; आव कथी यति विश्वामी इन्न. छटव अटक्स महिन्छ प्रशिम बारक मा ।--- এक माळ श्यांविचारम वहत्र मिनन मश्माविक हत्र । (र कर डेरहार हर्केड रानी छात नाहे. तम त्यम करने क्रिक हरेशा वर्षीं साथ पृत्य थान ना । दा शक्ति हा पत्र कहन नाहे, हा यह अविधान वाकिया लारक, डीशारक निका कडिब ना। जेवशरक मा वृक्तिया, मा सामिया, सामि-गक्ति, वृत्तिवाकि क्लार कुरलका चार महा लाल साहे । व वाक्ति चालस ग्रंद क तारे अञ्चल कालत जात्मादक जात्माकिक (बार बार्डे, तम त्यन काटकन्न मृत्य अवात्मप्र क्या क्रिया क्रेचरंदव कवा वरण मा। मर्न क्रवेचा त्वला र व्यास्त्रन महेबा क्षीड़ा हु मा शतिबा, मा बुजिबा, शतिबाद्धि, शाहेबाद्धि बनाव कार नशाना मात्र नाहे । शाबंद अथम केन्द्रका अहे, मासूम बाहित नहि-कार्य कविशे विकास वास्त्र कशक-नीहरत श्रष्टीय चात्र, निर्वात काफ-महर्गा वार्यम् वंक्रकः। रम्यारम् महरम् महिष्ठ माकारः व्हेटव---व्यम्रकत

नक तक रहेरव, अन्तर्गटक न्तर्न कहा पावेरव :--- नकन आह्यत महत्व स्टेटव ! कतियां, म्लानं कतियां, वाकांव कतियां, करव वर्ष वन शांक वहेरव । जरहद कि केमना वर्ष-पम शासता बाद ? अ क कमनाव कवा सब ; - निकामका, धनव मात्राव पथा। (कर दकर रामम, अकाणवाकीय पम अकरे आवास नाष्ट्रकारिकार ए, वृक्षि वो वर्ष चात्र सग्राठ हैकि मा । चामता वित्र क्य कि १ माष्ट्रदेश (क्रेड) यक, मा मेचन यक १---माष्ट्रदेश मांशा कि (व. (म प्रश्रमात्क कृताचात्र वा कृषात्म वित्रकाम वाकिश वाधित्व । श्रायात्र ভোষার ভিতৰে বাচার ককণালোভ অবিরঙ অবাহিত, ভিত্তি ভি ভগবতে क्रिका प्रक्रियात्कम १---वाकिएक कि शादकम भ क्रीकार सरक ज प्रक्रम चनश्चर । अह बाहे--- चानवारक किवि चानविहे हिन्दकास अहार कवि-हार्डम, विवशन कशिर्म । (क अमन मक्तिमानी भागी, अधियामी आरक्त (य क्रमनास्मद तक्का क्रेटक नगहन कविट्य + मर्कप्रमीव क्रिक्ट अक्सके আফালিত: তিনি সামাতে ধরিবেন, তোমাতে ধরিবেন,—লগংকে ধরি-टबम । वाहित महेशा क्षक इतेता काकि वक्षकन, फक्षकन किन्नहें व्यक्तिकि मा वाहे.-- महीदहर विकास स्तव, (काम विकास, माक्का (बाह, अविका) आकादम रठकान काहि, एठकान विश्वतिष्ठ मा बट्टे : विश्व बनमहे जिल्हात स्त्री कितिरत, अवनि वता एक्ति। विकाशीन, विकाशीन, फर्कप्रक्रिक पान क्षेत्रा চিব দিন কথনট থাকিতে, পারিব না। আঞ্চ আয়ার সামার জানে एकामारक वैविष्ठ काविरक्षक्ति वरते. किन्न वचन अनक्ष स्थान जानदर कृतिन, তৰন কার এ ভাব খাকিবে না : বৰন বাঁধা পঢ়িব, তৰন আন বাহির হইব ना । किन्न त्य विस करव काशित्व १ दश किन करव काशित्व, त्य किस विरम्भ भविक्षम्भ ममाश्र कतिहा शहर पाइता मारबद मन दमनिया दम सिम कार वामित्य. ता विन कक्ष विक-श्रमुक वश्यात्वर भूमा गरिकाम अविका. किकटा याहेवा, आसम्बदीत असस्याहारक करेवा कुछ प्रदेशक अपूछ प्रदेश बाहेब । त्म बिन करवे चामिरव त्य निन वाबिरवत्र चलतारम टमरें हिया मिकत काकिक कामक झाल राविष्ठ शाहेत । वामान गहेता, कर्क मुक्ति नाहेश काहें। will wielen mie fo velle ! nus teel fraice,-un, would note अवय-धारता क्रारण कति । क्रणावदीक क्षकाक ना व्यक्तिम क्वनहै मायतः मक्तानाह वा वन कृतिएक गातिब वा। दा क्यान विनिष्ठ कायवा विनिष्ठ इहेब, काश्र काराक शाल शाला किया के शाला प्रशा वाश्रिकत

(486वर आन, आत्माद मृत्नहे जिनि। बाइक किजाब किनि, बीदवड विश्वति । कीश्वर देखांगिकिय कारी मठक मर्बाब शरेरकहा क्षावावते तेका अध्यक्त विकास, क्षाक धवर कीरत। छोषांवर वेकाव समित्र. es et कीत । प्रक्रिय (कम १--कृतिय (कम १--क्यियांनी क्रेय (कम १ रहासाय क्रमांट कथा कृतिय (कम र यांशा ना दाविशां अ त्यंशा वांक मा विश्वात बना यात. (डामात कमनात क्षमात कांशांक कांग्राक कवित र বায়কে ক্ষেম মা দেবিয়াও স্পূৰ্ণ করা বায়, তাঁহাকেও সেইরূপ স্পূৰ্ণ করা श्रव । विकार कि नवार्स मा कामियां । दिसम छोशांत कार्या दिसा योव. त्नहे-कुन क्षेत्राहरू कृष्टित माल क्षांक दूरेगा यात्र । अशक व्हेर्गन, छाहारक कि । वाब निका महा, विद्यार निका मठा ; व्यापा इब ना वनिवा कि वेदा-দিবকে অধীকার করিতে পার ! শরীরের ভিতরে আর কিছুর অভিত না नार्किल, कृषि उ मापि जुनारनत छत्र। रत किंदू रप कि, डांश सानि না, ব্যাথা করিতে পারি না বলিয়া কি সভাকে অস্তীকার করিব গ की बच (चना, की बच नीना स्वित्रा ६ क्षाप्त (कमरन कविचानी बाकिटन १ গৃত্ব প্রবেশ করিলেই আত্মার মূলে পরমান্তার সভিত সাক্ষাবলাত হয়। Giete ce celegice, Giete ce glagice, on laging mich al. विमधानत भारत ता, धुनांक कारत ता, विषयत कारत ता। मान्कार लाक स्टेरन-- किन्त प नाहित अक स्टेश नात । जिल्ला नाहित नाहित्र ত হার নিকট ভিতর হয়। বে বধন ভিতরে যায়, এক জ্যোতিক্স জ্বপ-ত্তপ তথন দেখে। দেখে ভার তার্তে নিমর হয়, নিমর হয় আর कं गांक द्वार । कांदात्र मिक्ट प्राक्षा श्राका, भानी भूनााचा, कांकी वर्ष, विश्वी हत्यम, मक्त अकाकात बहेदा बात। अकहे ऋत, अकहे आहे. अकहे िथा। अवहे बाान, अवहे आन । अवहे वर्ष, अवहे व**र्ष**, शक्रवाह छिछात त्म (मर्व । काल सक्य मुक्रालंब किकाबर अक समारक दम (मर्व । भृषितीय वाकारत यक गरेशा दन कगड़ा विवाद करत मा, ज्ञानमात मरछा ज्ञानमि भवेग क्षेत्रा वित्रा बारक। दन महम कहन, जीवात महिन्छ माकार नाम क्हेरन कुमध्यात वा कुकान. मासूरवंत्र मत्या वाकित्य नां, कृत्य त्कन (क्षम्रात्कर मानियं । अक्टे मलिव क्रमांखव .-- नायत नवंछ, जबनाही, बीवकब, कीठे गठक, मक्त्र (कांचे वह, अ (क्शांतिक कांव क्रवन क्रीशंव बादक मा। शांती (माना, এक रहा। प्रथ छात, विनन मन्नान अक रहा :--- मास्क्राधक

वराशिने नहा भारत निवत रहेश तुष्क नाक नरहत ;--शीविकारशास्त्रहे निकारपुष्टि आधे स्म । जिनिहे देशक, किनिहे युक, वा किनिहे और मारमञ्जूषिवीरक नामावकात विवत शृक्षिक मा नवामिक दस । याक्य विव त्म वर्श्यनत्व भाव, कायहे वर्षाकत बतनातीत विकास त्मीक्या (श्विका पूर्व क्षेत्रा, नकत्वव गरिक चारकशक्षक कृतेत्व भारत, चामक्रिकीय कृतेशक ब्बारन मिक्क मारत-मनमारक कारन कृतिया स्वरूप भूतिया सुका करिएक भारत । त्थान-पनि चाराज निकडे भारिकात कर माहे, त्य बहत्यत क्यात, क्य-जात चलारमा, जर्क मुक्तित छटच निम्मत तिस्ताहरू । ट्या काशाय मर्गुन करत. त्व काशास्त्र (कार. (म के विमानव महामद भाव :---(मह कांन (अप. मीकि पूरा-अकृत वर्ष-वन पार । सेवर धहे ककृत, बायता केल्ट्राट बीनद्वत घटन मीवस मार्च द्विता अझ्ट विवासी कक वृहेद्व नाति । सेवह कहे सक्त. मध्यनावन्तर कर्कपक्ति-धानाम मरकत क्षेत्रका विशेष गृथितीत स्कृतक गृहिकाल कत्रक :-- मकटम अबल्यादवन शिकदवन त्मीव्यकी दम्बिट्स मानि :-- महीदवन ভিত্তের পূর্কারিত অনস্ত কৃষ্ম সার বস্তু দেখিছা কুডার্ব ছইছে পারি। কেবল त्यामा, टकरण चमात, टकरण वाकित, टक्सण कृष्टे प्रष्ठ, --- (कश्त सम्रक्ष) नृत्या कि क्टेंट्व र--- धरे करून, पुण लहीरबढ़ किल्डबढ़ अनक्काम, अमस अक्टिक प्रतिष्ठ लावि । ध्यक्षे कलन, नकाल बानाख प्रतिश धकाश्वक क्षेत्रा माखिव दाका मरकागाम मनव अने अनर देख्यात किराद महा देखात अन तहति. —बट्ड किट्ट टेड्डब्र थ्र दिकान दर्शन्त्र काशास निमा करे ।

স্বাধীনতা ও অধীনতা।

[&]quot;I know no wisdom but that which reveals man to himself, and which teaches him to regard all social institutions, and his whole life, as the means of unfolding and exalting the spirit within him."—W. E. Channing, D.D.

বড় খ্নবংৰ আনতা কম্প্ৰেণ্ড করিছাছি। ভারতের অকীত স্ভাতার
নির্কাশিত স্বতিচিত্ত আনাবের প্রতাতে, বর্তনান সঞ্জার চলমোংভর্মের উজ্জন চিত্র আনাবের-সমুখে। এড, প্রভাব হুইছে আনাবিপাকে
বিংলাহিড ভরিয়া বিভেন্তে,—কল, সমুব হুইছে আনাধিবাতে আকর্ষণ
করিবেছে। আনতা অতীতের স্বতিকে উনীপ্ত হুইরা, স্বাধ্য হানে

আন্তর ব্রবা, কেবনই অবিবত চলিতেছি। স্বৃতিতে আগিতেছি, সমুবের চিত্র ধরিরা চলিতেছি। এই দে আনলা, জানিরা অবিরত আনস্ক উন্নতির দিকে মুটিয়াছি, মানবা অবীন না স্বাধীন পুঞুই বিষয় সমুক্তে ভল্লাদের প্রচিত্র, আর্থা খবিগণ আনেক কলা বলিরা গিবাছেন, পান্ডাতা, মনো-বিজ্ঞানবিব প্রভিত্তপণ্ড আনক,কলা বলিরাছেন; আনেবা উভচ্চের স্থি-ভবে স্ভারমান হইলা এই কৃটপ্রায় সমুক্তে বাহা ব্রিয়াছি, সংক্ষেণে বলিতে চেয়া ক্রিডেছি।

স্বাধীনতা শক্ষা, এত বাচনাকণে এত স্থাবেশ ভাবে প্রচলিত হটা পড়িয়াছে বে, টহার মূল কি, মূল কোগার, টহা নির্দারণ করাও করিন হটার পিছিয়াছে। বাস্তবিক,নাল্য স্থানীন কি না হ—স্বাধীনতা বালিবের কোন পদার্থ, না ভিতরের বিনিস ৮—এ ভারের গভীর ভাব ভারেকম না করিয়া, স্থানেকেই "স্থাধীনতা স্বাধীনতা?" বলিয়া স্থাবি হটাজেন, এবং স্থাধীনভাকে স্থাধীনতা পানীনভাকে স্থানিতা বলিয়া নহাপ্রদেশ, বাবাইয়া তুলিভেড়েন। গভীর চিন্তালীল প্রভিত্তা আল প্রাপ্ত যে ভারের স্থান্ত মীনালা করিছে পারেন নাই, বাচলাক্ষণে সেই ভন্থ লাইয়া চিন্তাল্ভ, স্থান্তেন করা কি বিধের ৮

উইজির এই চন্দ্রম কালার পৌক্তিয়াও "মানুষ কি",—এ ডুলুর পরিকার মীমাংসা হল না । আমি কি. তুমি কি গু—বল ত ভাই, তুমি কি গু—
তুমি বকট চিন্তানীল হও না কেন, এ অতলম্পূর্ণ গভীর মানুষ-সাগরকে
মহন বঁরিবে, তোমার সে সাধা নাই। এ গগজে তুমি বাহা বলিতে পার,
তাহা নিরায়ই অকিঞিৎকর। মানুষের আদি কোগার গু—মানুষ্টান্তর শেষ
কোগার গু—কে থানে, কে খলিতে পারে গু স্পত্তী প্রকরণের ক্ষানিতে কি,
শেষে বা কি, কে দির করে ভাহা নির্ণর করিয়া বলিতে পারে গু আমার
কর আমি বলি নিক্তু কানিয়া থাকি, ওবে তাহা এই যে, আমি আছি।
আমি ভোষা ইইছে আসিরাছি, ভোল অনকে বাইব, আনি না । জোর
করিয়া, বুজি গাটাইয়া বাহা নির্ণর করি, সে স্কলই কল্পান ছারায়
চলিয়াছি,—ইং। বই আন্ধান্তর আর কিছুই কানি না। কেন আছি, কেন
চলিয়াছি, আনি না। আমি কে, তাহার কানি না। নির্ক্তন গৃহত বানিয়া
কন্ত সমরে কানিয়াছি—আমি কি গুআনার কন্ত বিনি, ভাহাকে আখামে

শাইরা বাক্স,প্রাণে কর বাব কিলাসা করিছাছি, বল বেব, ক্লামি তি দু কিন্তু আজে পর্যাত কেন্দ্রই এ গলের নীমানে করিল নিল নাব করীর অন্তান্ত্রি বে আমি নাই, তানে বুলিবাছি, কারণ শাইর মধন মাটাকে নিশাইরা বাব, তবন শাহীর কইছে আমি পুথক কই। যকি পুথক না কইব, তবে শরেপ্ত আমাতে এক বাজের কেন্দ্র মীবিত ব মৃত, এক্লই রূপ কইল না কেন্দ্র শাহীর কইতে আমি পুথক, জারা আনিয়াছি; কিন্তু বুলিকে পারি না, আমি বের, আমি শাহীরের কোন্দ্রানে আছি। আমি কে, ভারাই বলি না আনিলাম তবে আমার আমীনভা, কোলাছ, কেমনে জানিব দু পাঠক রলিতে পার, আমি কি দু

शिक्षकत्रा वरवन, माध्य, चनरकत्र विम्नः चनरकर मध्य माध्यत्व चाहकः कारखद मह्या महाराव (नव । कान क कान, कान ह दशम, -कान क महिन्द विक-कृत माध्य । माध्याक छत्र कत्र कतिका भत्रीका कतिरमञ्ज, अवस्था चाराका बढ़ाशात कात छैरवृष्ठे मरका भाहेरत ना । चाचा तम, यन वम, वा যাতা বল, দেঁ সকলই শক্তির বিন্দু মাত্র। আত্মাকে শক্তি ভিন্ন আরু কিছুট (बला। अंड दिन्हें मर्ट. (क्वल मक्तिक औड़ा। अंड किंड्डे मर्ट-- (क्वल भावार तीता। कड e बाबा, केंडवर मिकि। मिक समस्य कड बड कामक मिलित विमान बिजनके माधून। ८०नम काक मेरीद माध्य महा, ट्रावन आंचा अ माझव नटह । এই या नदीव, आधानुत्र करेंद्र आह हैना हिटक सा । জ্জপরীবের স্থিত জনতের যোগ, আশ্বার স্থিত প্রয়াশ্বার খোল। স্বাঞ্চ करकत सिवत विवास निक शहरकरक, काछार हिएव विवास नाहरलटक। क्क नहीरवह क्रम हाब, विभव मन्नव, (छार्च-दिनाम- क विकृषे हिल्कारी मद्र। वृद्धिः, चित्र वित्र कृत्र वृद्धिः, जित्र वित्र व्यक्त वृद्धिः। अप. क्षत्र मेंब : बहे छ:ब ८ छाब महा। बादका हार्व अनुद्रश्व निक्छे अब : बादका विभव, क्षमत्वत मानाव । छुवि दशामान कृत्वत दर वर्ग दर्शवत द्याविक । वहेरका, ता जान-परन केन्द्र करेरका, हेलिया अक्ट्रे कावकाता, के वर्त, चार के श्रान-प्रन, चलदार सन्दर श्राप्त द्वाप्त का किया का निकास बाहें क्ष्म (करत हेक्टिएन निकास पुनिशीत करमहे बाकसण परेंग मा । क्षेत्र क्रम यात्रात्क काम बनिएस्टाइ, क्रमार्टेक कात्रात्कर मध्य बनिएस्टाइ । क्रिमिश क्र-- वर्ष ताक कार्या गुपक गुपक । निक क्रक,--क्रम गुपक-कार

शबक। अवचात्र दान चाठहा निनित्रा परिवाद्य । विकास निर्वत कति-(७८७म -मानव-नदीरवह अप्ति माश्य चात् । तिहात मध्या नर्वाच मधाव ; भवत बाम्यत्व अन विविद्धाः कछ विचित्र धाकारततः — धक भावत छन्। इत्या ताबक श्रेडाक, माझ्य कड नृथक नृषक। मासूर्यत हे लिख-नहीकाड निश्चास्त व्यवति कतिशा भृषक भृषक त्याप क्टेंटल्ड् । कुथि वीकस्तान ৰংগা ৰে গুণ দেখিয়া তাহাকে অর্ণের উপবোধী ভাবিতেছ, আহি जाबात त्मरे अत्मव পतिवर्त्त चात्र अकृति त्माह्युत चकुत त्मिवा जाहात्क महत्क केलिएड हि.। धाककन सूधी हेहें एक भड़न वाहित कडिया शाम কৰিবা মজিতেতে, আৰু এক জন প্ৰদক্তে সুধা করিবা ধরিবা স্থাপ छेडिएक्टछ । धकरे भनार्थ, धकरे बिनिम इटेटड जिल्ल खिल कम बाहित হইতেছে। এতই বাতল্লা, এই জগতের শিরায় শিরায় বিদামান রহি-ষাছে। মাত্র একতার ভিতরে থাকিয়াই স্বাতস্ত্র রক্ষা করিতেছে। धरे बक्र मखिल्डन। बरमन, श्रामाञ्च सामक दकान किसिम भूविरीद्व बाकादन নাই। এই জন্ত পণ্ডিভেরা বলেন, পৃথিবীর কোন ক্সবাই মানবের জ্বপ-কারী নহে। ৰাজ্যৰিকও তাহাই সভ্য বলিয়া বোধ হয়। সক্লই মাঞ্ त्वत छेलकाडी--- नकनहे सकन । वाहित्यत नकनहे सकनस्थनक, सासूरवय ভিতৰেই যত কিছু প্ৰদা ভিতৰের ভাব তারতম্যে—একলনের পাপ, च भरतत्र भूगा, व्यक्तत भूगा चभरतत त्रिकते भाग विमान त्वाक इटेस्टस । যাছবের ভিচতে বেখন চন্দ্র লাগান বহিরাছে, মাছব তেমনই দেখিতেছে। किंक्ट्रा कारक्यांस्थात्त-- अक वस्, अक सीवत्तत उत्रक्तित महात स्ट्रे-ভেছে, আর অংকর বর্জনাশ সাধন করিতেছে। পাপবীল মালুবের किछदव-वास्तित मरह। हेम्हारछहे भाग-मरहर भाग मारव मान दकान भवार्व धरे भृतिवीटक नारे। वाहित्व वाहा किछू बहियाटक मक्नारे वक्त नावरमञ्जूषकः। स्कृतवरग्रहः हारमा, स्कृतकः नावरमञ्जूषकः स्कृरकान जनाहे जुड़े इत माहें। जुड़न 'क्टे रच, फनिटल, स्वनन मलनाहे जायन क्तिरक्टह । बाह्यहरे, ब्रह्मारकु नवरत्र नवरत्र अवक्त कविवा कृतिरक्टह । 👁 কেং, আনার নক্ষণ করিভেছে; কেং ভোনার বছল করিভেছে : শিকা, च्योरा, क रूप कामाहमारव, रक्ट कामावह वक्क (क्र क्रियावरे यक्त करत । भागता अधिवक स्थायत-स्था नाम स्विट्छक्ति । अकृषि, चीवरता विवृदिक श्रेत्रां, चाठकार्ग् आव्यरक टक्यनहे विरक्षत् ।

भावता मन्दिक नारेटकवि । विचार क्षक्षरे सन्दर्भ भूते, जिनाव सक्षरे त्वन चार्याव एवं । अष्टवि विरक्षक वर्षे, किस नवटव नवटव अप्रकृतित व्यक्तिकार कालत रहेता व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति (उदि। अवना टाइकि ननमरे आमात चालबाटक कुनारेटक झाँडटकटक्. छथनम् भाषात् भरतं आवि हलिएकहि । बासूरम्ब करन हरेही भारता आवश रम्बरक नारेरकति। बाज्यकित साम, चयमक मचरक, मानुन, करमक वन्त कतिराहरू, कावाह क्रांत के वेहक प्रकार ताकृतिह काहुन निवहकारी चेनशाहरू कुक्काम कहिरदाह । बाह्य बक्दाह शक्कित करीन, साह क्रमात्र, वादीन । वाक्रवित तान शहरन, बानुरस्त नक्रका ना व्यदीमका त्यक्र जिटक विक्र किएके शरिन के कहा वो बोक्टरेंच चालका क्षणा क्षणा कराएक ब्रोकर सेव चाबीमका । चुन मित्रुप्रकाल ठिका कतिया दर्शनात, वेकावे त्यान क्वेदन---प्राप्तर व्यक्षीन, भारात प्राप्तर वालीत । प्राप्त्रय व्यक्तित शान छात्र, प्राप्त्रय আপম পথও চার। বাহুব-একভাও চার, স্বাভন্নত চার। স্ট্রসিদ্ধাত पुरिवा मिनिया, তবে माश्य चाठवा भावेत्कतक। सदीमका मा शाकित्म ज्यस्त्र चाठता चाद्य मा, चाबीमठा मा बाकिटन बालम बाक्तिच विश्वस्त स्त्र । भरीमङ:--- এक ठार मृतः चारी-छ।--चाछद्रा वा वाक्रिएक स्त्रा सही-नका-- व्यम ; चारीनका-कान । ताहकित चाठका विवृत्तिक इकेश्मरे উत्रक्तित त्याक वस स्त्र। मानुब, काका महिरक लाख मा। **बा**बाव @कका ना नाकिरमञ्ज चाल्या रामेक्या बारक मा : माक्रम, रंग व्यवशास व्यक्रतित निक्र किष्ट्र देशाक्त कतिरक शास्त्र मा । ताकृतिह चालरबाटक शका कृष्टित, मानन चाठपाटक प्रावित। शक्किय महीनकां चौकांत कृष्टित. भागम वांदीन कार्टक क्रमित । द्वारमह दमराव कहित, क्रारमह भावतक" कतितः कान कृतिता, झालका कृतिता, ८ शायत या अकलात (त्रवा, कृत्र-कारतत त्रना,-- क्नाटक व्यवाच प्रशासकात मुखा - नवश्रकात । व्यानाव ८थम कृतिया, अक्का कृतिया-एड समझ्टन कृतिया, कारमप गर्स विति-कहतात (कक्काकार-सम्बद्धान । केक्ट्रिय शहिशाय अकड़े ताकार । चवीनका चीकात महिरानहे दव चयत्रम चानिहा माहरक मर्चमान करत, अ क्यांव मुख्य मधीत किया नाहे। आयांत्र शाबीन हंदेशमें द्व मकत नगरः पर्व-चय नावश शह, काशंव अक्क अकार्य मका महर । चरीमका विशेष वारीमका-रववालार; वादान वारीयका विशेष अवका-नर्दर । वेदरवर

शान, नकतरे नवाम । जानि जानन नास्त्रिय नाबित्त नारेश यक्तक स्तित मा : भावाद भट्याद मन्त्राम कविएक बाहेबाक भागमारक विश्वक करेत मा । व्यवस्त बाका करेटक, जाए व्यवस्थात एका कतिया, यथम बारवत ट्याटन, चल्किन निम् --कामि, अवधीर्व इवेताम, एवन यामि अनीन वर्तन यानिहास । अन-भीदर भागात वारीन अविश भारत (अन काजिया निर्मास सा., छोहा खानि ना । क्या शहर करिया (य शाक्ष जित्र काशावर्ग वाकाद्य व्यक्तियाम, त्मक (कातकत क्रवीम डा चीकांव कवियात सक्र। (क्रविनाम, (नदारन (करन) निविध्य इतिएक्टछ'। द्रम्थादम अञ्चान किएक ध्वरक, अदक्षत्र साम अहम कतिएक । भाकाव एकाएक निक्र मामन वार्मिन, केविन, नाठिन, नाविन, हेर्द्वित, बनिय --- नकतर अध्यद रेकिएक । क्रियन, निक चारीम :--क्रायि विश, निक क्षीन क्षवा श्रामीन-क हुई है। यां, दकन निक्र निक्ष श्राम-त्वन, रक्त निकृत्क कारण कृतिस्त्रन । निकृष्टे वा मारवात छेलव मिर्कत ना করিয়া, কেন আপনার উপর নির্ভব করিয়া বাঁচিল না ৫ ভূমি একদেশদশী चारीम डॉव चक्चांची थीतु बनिएक शांत १ निखंद मानाव विठाव-निक्ति माहे, भारत बन माहे.--तन ट्रामाब मण छाविता विश्विता, ट्रामाद खात्र छीवन भाग प्रतिदक्ष भावित मा । तम ष्यद्यान, तकवनहे भारत्व तकारण भक्तिया विक्षा ; आब मारवत देखिक वक कार्या कतिया। तकन वस क 🖎 विक्षमा 🕫 लिल विव श्रविषा मृत्य (मेंब, माकात निरमान काल इव : विकास कार बार हो हो. জ্ঞানী, উন্নত, শিক্তিত জননী ভাগাকে বক্ষা করেন। আমি অক্সজন্ধ হইতে गाति मा-सारवेत अन अमरता पवित्नांत कतिएक गाति माहे । सामात सममी धना चारबाणून पुनिनीत आछात्मद समीत क्षेत्राहे सामि छछ क्षा कहे-वाकि। बारवर निकृष्ठ लाहेशाकि, आश्वीत लखिदनद जिल्ही लाहेशाकि, नमारका निकृष्ठ भारेपाकि, खरनक बक्रु वक् वहेबाकि। मकरनके (बन सामान মশানের কল পৃথিধীর সালাধ্যক আলোকিত তবিলা বচিত্রদ্র । জোমার च न्य पात्रक, मामावर केवलिन वाल । आवात चाल्या (कामानते अल : नट्डर तातारव वेक देविका "चाकिक ना । व्यक्त देखत अटकारकेश विद्यान दि: वर छेन कात्र कवा, दकाम माख्यह स्वत्रोकात कतिएक नावित मा विश्वा, मानव माध्य ममाबन्धन हिन्न कतिरक नग्नद माहै। सरीमकाव क्छ तहै, कुनू राष्ट्रव, सालूरवत केलत निवंत कतिका तिवारक। ज्ञापि याश वृति मा, कृति ठाश वृत्त ; बाबाटक शहा नारे मा, छाश टकामाटक

भारेबा ,खेनक हरे। धरे लाबादा, मुनिवीर कम बाबू, कीट नष्टक, नक गकी, गडाइक, इस देश, नवमात्री, भावक पूर्व, विश्व वृत-मध्य कृष्टे वक, क्ष्यार वेशविका कक्राविम वक्षत त्याल मोशास्त हक्ष्मिएक बाकिका, ८क तमारे डिप्रहित नरच नतिता वारे : अर्था: अर्था कानामनान क्रेंबा, नकरणवा मान, ग्रंदर्गर मार पा परिवा छानाकरण । वदनके अके व्हेटकरण, मकरणव ferne ferne Berre, ennef, Geminte wim wlau chfein दर्गतिवा अञ्चलक करें। । साम्य वाहे(अत्क — आद्भव आह्या € विस्ववहरू भवटकत् विटिएटफ, छेपन माम-सबसे छैदलक करेशा फाइस्टक त्याव चाकताव कुनाटेटकटका नवाबटिक उक्त करिया टकान बाग्य रह कडेबाटक र शक्तिय गाराया मा अवन करिया. (क डिड्डिनाक कडिट्ड गारियाटक र मार्करवर (म मध्या नाहे, काटव मृतिह (म विश्वान नाहा। आधि आहि बतिहाहे ठळ पूर्वा, अह सम्बद्ध - सदनादी नर्केटनदे भाषात निकटि दहिशाएक। सट्टर भावि अन-কণের অভিভবে করনা বলিয়া মনে কবিভাষ। আমার উপকারের জন্তর, चारे चरी-- मामाद ठठकिटक, त्यायदा। त्यामावितरक विद्यारे अध्य करम चनरश्च प्रिटक चनामत वर्वेटक लाविटकवि । मरहरू चामक चामत निक्ते (करण पट्यर आप त्यास स्वेत । त्वापता समा, कहे मकम बच्चरे यना । आमि टकामारमब रणालाम, मात्राह्माए-- हरा । कक विलकात भावेशांकि, आरवा कठ डेमकाव भावेरककि :-- (कब्दम खावा विश्वत वहेब १ --- (कमरम अक्रवक अहेबा काहा ठिलिया स्थित व अर्थं र रूपव. यर्थं र खिरबोडाक, चर्राव विकक्षिरे-मामात befera-मामि शहामक कृता, मानाश्रमात्र । माध्य म्रष्ट-निष्ठत क्या-निकृत्मव भागाश्रमात्र । व्यवस्थी शास्त्र, सरीम ठाएक शहस (विश्वाष, खना (विश्वाष, मा न मास्त्र मास्त्र Cकबस खडीन कडिया, खालनाव वक्ष निटकास, maaia (मधा क्रमीनशाहे त्य चा १८च:३ भव भक्तिकात करिए। छ,—लाम क्रकात स्वर्धः व्यक्तिका मा बाकिता, वावि वामित्व वानित्व नाहिकाम मा, उधि कविष नाहैत्व मा । अतीमकार कार्यक शामक राज । मकारवर मकारवय अवीम । आवाम व्यक्षांन इतिरहास-नवरत पृत्रित क्रिकाक, केंद्रेंक रतिरक, मन्मारतन व्यक्षीतका क्षी बाद कहिया करी वहरकरक । क्षी, बाबीय व्यक्तीय वा बोकाद कहिरकाकत: काबी, अबानहिंदक बीव अधीनत। चीकार अधिराध्या शका लकार परीत, लका राकार परीत । लकानकिर परादि रावनकिर

चवित्र मृतिवीटक वारक मा । चारीव चकारव क्रीव वारक मां, क्रीव चकारव नामीय माहे। बाबाब बजादा कृषिय माहे, क्ष्मांत बजादे बाबिय (करनडे कहना । ठलुकिएक, त्करनरे व्यथीनजात नीनारवना (त्रिक्टिहि । ल्बल्याद्वस प्रथम मादमहे, शक्तलादाद गन्मा । कृषि वन, गन्धात्मत उनकादमत क्षत्र शकान काम हाहै। कहा केठिक नहर, अबदा मुखात्मक महत्वर विकृत्य किंद्र कहा डेडिक नरह । व्यायि वनि, वादायांधकका मा चाकित्न, व्यायाम क्षणाम मा हिमाल, केवकि गांक कहा बाह मा,--माठाव केनालन किव, बारबांव मधान मोत्रवह वहेटक शास्त्र ना । चक्र, विटब्ब कथा छनिदवहे छनिदव ; मुर्च, कातीत कथा कतिरवष्टे कतिरव : रवाका, वृद्धियारनक कथा यक इतिरवष्टे हिल्दि । बाबाद बाबा मांहे. त्य व्यत्नाद मिक्ट कहें छ छात्रा अवन कहिटक कतिरव । बाह्य, जानवात वन जनतरक ना शिवा, अवर जनरतव छानहेकू चालनि अहन ना कहिया, कवनहे सूची धहेरक लाहिर्देत ना । अमनहे चयी-नकाव व्याक व्यावहरू । जामात्र व्यक्षीन समावः समावत्र व्यक्षीन सदसाती । व्याचात्र महमात्रीत व्यक्तीन गमाव्य--- गमादकत्र क्षतीम ताका । ज्ञान्तवा, क्रमुक्तीन वन, घटेना बन, चात कार्या वन, मासूब नकत्वतहे सदीन। व्यक्षीनलाइ বিক্তব্যালী ক্লপ, ভবে মানুষ একবার ভাল করিবা দেব।*

এই বে পরম উপকারী অধীনতা, ইহা তথনই বিষতুলা হয়, যুখন থাজিভবে বিদাপ কৰে। যাধীনতা বিল্পু হইলেই, অধীনতা, নরক-তুলা
হয়। জোষানের প্রথম উপকার লইতে লইতে, যখন আমাকে আমি
এক্ষেত্রীরে জুলিয়া হাইতেছি—আপন স্বাভয়া বিস্কান রিভেছি;
ভখনই অনীনতা আমার সর্কাশপ করিভেছে,—প্রকৃতির সৌকর্ট্র বিনাপ
করিয়া কেলিভেছে। একণ ছলেই মাছ্য, একের ভাল ভাইছে, ক্রাইভ মল "
ভাবর লইভেছে;—গুল প্রেছিতের স্কাই হইভেছে;—অবতারবাহ ঘোষিত
হইভেছে;—র্ট্রার, পূক্ষর হইভেছে। প্রকৃত্র, স্বীছে মিনিভেছে;—রিন
রাজি হইভেছে, রাজি হিন হইভেছে। স্কৃত্রের, স্বীছে মিনিভেছে।
অধীনতা, এই প্রকারে এই এক সমরে পৃথিবীর সহা অনিই করিভেছে।
প্রকৃত্র, সকলের ব্যক্তির নাশ করিভেছে। অভ্যানারে কেশ পূর্ব হইভেছে।
ক্রাজি র অব্যান ব্যক্তির নাশ করিভেছে। অভ্যান অধীনতাই কেবল
ক্রাজি র অব্যান হলৈ আনি করিভেছে। অভ্যান অধীনতাই ক্রেল
ক্রাজি র অধীন,—অধীন হইরাও, আপনার প্রে চলিভে, মাছ্য লানায়িত। প্রে

गत्य, गांशांवा गांहेरकहि बाठे, किन्नु गांहरकहि द्व चावि,--वाकि गुवक । ' नवरनव नवायहर्ष कनिया, नकरनव केनायम स्वित्व स्वायि क्यांचिक क्ये-टकड़ि-कै-मानि मात्रावरे भरत চলিচেতি। पुनि क मानि गुमक। (कांश-त्रव पाछता चारक, चातावर्थ चारक। मुचिवीरक कातावर्थ काता चारक, भागांतक भारत। कामात निकेत केमकात भागांतक अपि कामात अपि कामात पृश्चि अब कविता विते, करवरे कतामक विश्व हेरावा माना आवारक माहे, जांशरे ट्यांबार निकड़ हाहिर ; यात्रा ट्यांबार माहे, जांशरे कृषि चात्रात्र निकष्ठे नहेटर । दिनियर करिया, कृषि कृषिए साहित्य, चालि অনিৰে কিনিৰ) কৃষি আমাৰ খাৱপ্তাকে নাজ কৰিবে, আৰি ভোষাৰ স্বাক্তাকে বজার রাখিয়া চলিব। নচেৎ প্রয়ানক বিশ্ব খ্রিবে—শৃষ্ট্রপ देविका पुरिवा बाहेरव-शृथिवीत चालान खरानत्वाक चाविका शहेरव :--नवात्र छेतिश वाहेरवः। ट्यामाटक चामित्र कृशहेव ना :-- मानिट्यंड ट्याबादक छविएक विव मा। ट्याबाद काल महेव विवश्वी, ट्याबाद प्रक महेव ना । अथरी वामात त्य बच्चत अलाबन्ताहे, लाहा दलाबाट निक्षे हाहेंब मा । कांग यस विहार करित आधार शामीमहाद राष्ट्रा -- वित्वक । बांग्रांड राष्ट्रा वित्वकृतक कृतिया, कामारक मिल्य मा । असि औरनीवाकर हव, बाव स्वी विश्वतिहरू के छ. ट्यायता शुविबीत स्थालन कालात करेंटल दा गवन केरणत করিয়া আপন বৃদ্ধে ব্রাবিয়াছ, জামি ভাষা শইৰ না ৷ ভাগ বই ভোষাবের वक गहेर मा : वह बारवह मामरावर चारीन जा । चाचाह रा निक मामराव बाशाबिक शरण नहेश गृहेट्डर, शंहाहे वादीनला । बाहीनला नाह-(रह द्यान चर्डा गाह, देश किकातर किनिता च्यीनका-चानकि, नारीनका-मुक्ति, जिल्हार विनित्र, अक्षेत्र नाथान्त्रिक नवका-नदीरका महित्र छ।होत महस्र स्रति स्रतः सामक्ति सामित्व मुक्तित आहासमा। আগ্ৰিক বানুবাক ভুবার, খাবীনতা বৃক্তিও পৰে দইবা বাব। আদি খানীন সেই স্থানে, বেখানে বিভাবিত দক্ষ্য কৰিব। চলিকেছি। স্থান करेवां क शांति कलकन शांतीन, बरुकन विस्तरकत कथा वक कनिएक शांति । catula fatas a minia fecen dos atula, for mems winnent; निकार डॉडक्ट्या, इति श्रेक कारमत्र गरंव शरीरक, कावि व्यक त्यायक nes billeble, auf ment feceren ule nam entant, ob en

शायव शाविवा (वथ--- धरे हिनादि नकम बायुवरे पार्वीतः) (छात्रांत्र निकटे के का माहका, आवि विदर्शकत कथायरक क्विन मानिएक मानिएकछ। विश्वकटक विमक्कित विश्वके लाल व्याधिकटको कवावेटमहे लाल । अवादन विमर्द्धान, त्यहें बादनहें लाल . अवीच का स्वत्र-किस विमर्कान सक्य नत्क। ्थर-पर्शर कि विष, कि कामिक नरह । एकाम किछुरक मामिक हरे-त्यके मिक्किक क्षेत्र । स्थाप्तराथ मा चाकित्य, मन किस काम चता यात्र मा । चाव्यविभव्यमहे भाग । भामि क्रवृत्तित्र चतीम हहेशा, वर्ग स्टूडे बच्चत्र मेशा হুইছে স্থ ও মলল বাছিল। লইছে পাথিছেছি, ভ্ৰমট আমি আধীন। अशीमका क प्राथीमका, ककात कक प्राथमहे बाग द निरुद्ध के वाहिएत. অভ ভিতৰে,--এক শ্রীবংগ ধরিয়া আছে অক্স আত্মাতে ধরিয়া বছিলাছে ১_ व्यक्षीमका त्यहे व्यक्ति, तर विक्रि माक्ष्यत्य क्रेमिका शामात्व वहेवा विका विदर्कट्ड : वाबीनका त्मड मक्ति. त्य मक्ति वाश्यत्व मानाव हतेत्व व्याचा-चिक बाटका है। निरुक्तक । ज्यानात दावि, जार्शन नावह मध्याव । अधीमका कर मध्यात वाचिया बाल्या करान्य करिएका वामीमना मेरमाव मिक्किक माध्याक वृद्धिः व्यवस् कृषित्वत्यः । अकटक कृष्टेश्वः कार्ये। वृत्तिर उद्या मामाय क चर्र, अन्द्रां माध्रमत आर्थ अवशीर्व करें डाइन आमुक्तिय लक्षारकते महिन विशेषमान । यथन क मारकार वार्तिकार प्रतिकार प्रतिकार ,- खन्न हव, मासूब चानी-मठाटक बातावेवा, मामाद्यव मुन्डलक्ष्मव सरदक आध्य विमुक्किय विशा महिन क्ष्यक मा क्य- वर्षी वजार क क्षित्र मामाव-विज्ञान मार्थेव, रचकाहाडी छ अक्षात: श्रीत स्वेश, अर्थित गतिवास क्यानाव गुला कतिया दूवा स्वीदन क्या अविटलरक.--केविकित गविवार्क व्यवनिकत रम्या कविरक्तक । व्यवीनक क्य-महे विश्वास व मात्रक्षित गर्थ माह्यद्र ग्रेड्स दाइ हरमडे सार्शासिक महिन वारीन हा फाशादक बाबा किया आणाम शृद्ध शहेशा आहेदम । आबाद श्रामीनका वयन नव कुनावेश माध्याक बावित सदेश करकारत कील करिया कुरेंस,---अमने के विका पूर्ण (म. मापूर्व मात अक शासरक मास्त्रामाक सहय दहिन्दक नाव मा, क्यम मामूच (चंकाठाती दक्षः) अहे महदद चलक्किक नक्कित क्रमन (5 के बा बड़ेमा, वह विरामस्वत किन्छत विका कृतिता, जाक्रवत अववातक हुने करत करेर कामास्तराम कतिहा निका (वस् । वाशीनका वसक्रकास्त्रस्य अक्टनर मध्ये संब (४, मापूर, ममस एडे नमार्थंत चक्का कांक्क कांग्रा करवाटन प्रश्न रह. जबनरे बाबीमकार वर्गीय कार ८ मान नार-कबन शकादा वासीमकाव

मारेज (चन्नां) विक्री विक्री वृत्त । वांक्रम फलन अक्षरे कृतिका वांक्र (व, পাৰীনকা ও বেক্ষটিটিকার পার্বকাবিচার করিবার ও আহ আন বাকে नी । बाखिक निर्मुष्ट करण किसी कविता किसी करिया करें। सरीनटा ଓ पारीनटा, केटवर मकरमत कक सुरे। सबीनवा शहराक भागातिक गांच गहेवा वाहेवा विका विरक्षक :---काक का कामिका कवाक निरंदर् मानवी बाह्यात्वर एके कहिरदर नवास विद्याह - विक (मत्र स्ट्रिक्ट विका अवस्थानक वीविद्याद प्राथीनका वास्त्रक अश्मान आम् कित तथ रहेटछ है।निवा भावाश्विक बाटका सहता बाहेटकटक, मन्त्रीव-वृक्ष कविटलटक । मासूब वयनके वाहिटलक मन्मार कराक प्रतिरक बाहेटलटक, चानीनका कवनरे किछात होनिएछहत्। सरीनका, अकडात सही कतिरकार : " वार्यानका, वाजदा दका क विटाउरक । ७० छ। त वाजदा, डेंड:व वितिदा मान-(वत ग्रम मध्य गायन कतिएक्टए । (कर्म बक्का, गाम ; (कर्म चाळेखा, महालाल । चाडका-द्वारमत्र महत्र जीकक द्वांव थाका हाहे । दक्षवत करी-नका, नदक; 'दक्ष्यम चारीनछा, विष: परीव-दिकृष्ठ याजवासात्र विषव क्यान करिएक शाबि मां। म्रशाब-विहास पामताबात स्वित्रिक क्रिबान **भठीछ। वादीनटाटक कृतिरम, अलीनका याद्वबटक माल-बामक्कित महत्व** लहेश निशा फुनाय ; अधीन आदक खुनिटन, चानी नेजा, माधूनटक ट्येंग्झाठा-तिकाव भट्य गर्देश दिस-मृत्रात क्य करत । क्के भागाभागि कावित्वहें प्रकृत । नदीरबंद जिक्काद चाया. - नदीरबंद प्रवन व्यक्तीनसाव क्रिकेटच व्यायाय कृतन খাবীনতা। প্রীর ভিন্ন মাছবকে ভাবা বার না, অভানতা ভিন্ন খাবীনতা त्य कि, युक्षारे कतिन । 'पार्थीनका ना चाकित्म 'पुनिनीएक पांधरवन केवरिक रहेक मा, बाक्क्स वाक्कि मा,-मन्त अकानाव क्रेंबा बांकेक ; - व्याचात व्यवीतका ना बाकित्व माध्य, वांकाका पार्वका वर्षेत्र कार्निक पूका करिया-रक्षेत्र सम्बद्ध करिया काबाटक शुक्तिया महिका स्थीनकाटक कृतिया. भागीन बाहुर, गुविशीरक केल भारतक स्ट्री कतिएकरङ, छाशा रक मा रहावरण भारत्यक्त ? आवात काशीनकात्क अनिका, कट माधून, माश्चनत्व केवन कारन नका कविश महिराज्य, छाहारे वा कार्यंत व्यविष्ठ व्यक्ति मध्येन-ভাঙে ভুतिবে, पारीमठा गांग बेरगद्र करत ; प्रामेनভाक विमध्यन निरम मिश्यम बारक देशका त्यांक वाधिमा बाद : बार्क कृत कारे -ब्रहेटकरे uffere b giferat perit bates feeine at. mein men

हिमाद । भूत बहरवत त्रिमन हरेरन,--वाका टाका वाकिरव । वाहिरत--बनव गरे बन्द संबंध कतिरहत्ह ; किछार बेच्डवानी विरम् अबाद करि-(शह । बाहित बढकन चाहि, चदीन बदेत्राचाहि ;-- किंबद वचनके चाहि, वारीन क्रेबा चाहि। वादित चरीनका ग्रेनिएएक :-क्रिया चारीनका चाला बालिश वित्नवरक्ष नव स्थाहरण्डा अधीनला वयनहे प्रवाहरण हाकिएकटक, खबनहे कारीमका, मामव नदानरक चार्नह नरव महेंद्रा पारे-(७८४, -- क्या हे बाक्य, अशीनकारक विरयह आह मतन कतिरकांछ। भारीमहाएक कविशा भवीन हरेटनरे वाकित लाग नात व बालूरवह मुद्दा प्रति । अधीत-प्राधीन मासूर भावास्मान काम वान कतिरस्टह, **भनस**्कान বাস করিবে। কের শত সহজ্ঞ চেষ্টাতেও এককে অপর হইতে বিভিন্ন कविया, माञ्चनत्क विविज्य त्रांच्या नहेवा वाहेरक शाबिरन ना । व्यामान कक वनि ब्हू बुविया थाकि, उत्त हेंशहे बुवियाहि, श्रामि श्रीम ও श्रामि श्रामीम :--(कामात कर गति किहू वृक्षित्रों वाकि, कद कारा धरे,-पृति अभीन : अवश्याबीत । कृष्टी विवतन किया कहेरमञ्ज, अहे कुटेरबक मिनारनर मानद्वत भनत हरेएका । भाष्ट्र, व एवं मा वृतिका वृथा विश्कात कविका कितिएउक् (कम १ व्यक्तवन्त्री माधूर: कृषि चादीमहात छान कतित्रा, मरमास्त्रत छेनकाव विकृष्ठ इंडेबा, मरमारवक भएक या छलिया,---मरमारवक भवामर्ग क छेशरमन ना जिन्दा -- देव हा के बालिक्स मा कवित्रा, ब्यायाटक टक्टनहे कास्ट्राह्य--কেবলই খেলচাটারের পথে চাউত্তে বলিতেও १—ডুমি দূর হওঁ। আর ডুমি হে मानव-नमादसब करू, खेलदम्ही, वा चलाहाती वाका,कृति चालन वाधीनलादक व्यक्तिक वाकारव रवाव शविका, व्यामान वाबीमकारक,-वाक्रवारक कूवा-देश--बीवरमत मृत्रमत्रक विशक्तम विता, जामात प्रकृष चिक्क विकास कविया. আপুন ক্ষোড় পরিপূর্ব কবিতে বা আপন প্রাভুত্ব নজায় রাখিছে বে চেইঃ कहिर्देश, कृतिक मृत १७% त्रवन धक्का पर्यात नव अद्य:---त्रवन चाणकाव चर्म-त्यामान नरमः चरीनकाव महिनाम--- अक्का वा दक्षमः चारीमकाह परिवास-पृक्ति या कान 🖟 ७कता, तरबारक्षत दुर्ग छ। परार्थ । पाक्षां पर्वत प्रमा कितिम। किन्न बरकत विश्वत, प्रमत, प्रमात-मृत्रिक मिनिय-संतर्कत (याचा । छाहे बेलि, अवकात कत्रहे चाच्छा छाहे । मृत क्या, मध्यात्त्र व्यवीमकात हारे, व्यवीम व्यवीमकात हारे । वक्तवीयत DIE. निवानिक पात्रात ठारे-कटन क मासून, मासून: वारीमका बानाब

णारमः, व्यावसा कांस वारात मिस्रारमः, दन वहा वहां महानी वाणाव वहीत स्टेशिक प्राचीतः, वक्का त्या वारात स्टेशिक व्यावीतः, वक्का त्या वारात स्टेशिक व्यावीतः, व्यावीतः स्टेशिक द्रिक त्या वारात स्टेशिक व्यावीतः। विकास स्टेशिक वाक्षितः, आसा वस वा नामाव वन, कांस्त वस वा नामाव वस्त, दक्का वाक्षितः व्यावीतः वार्थितः व्यावीतः व्यावीतः वार्थितः व्यावीतः व्यावीतः

यश निर्दाण।

"Who knows whether that which is called living be not indeed rather dying, and that which is called dring, living." Plate.

व्यक्तित (कारत नशाहे इत्रशीती छान,--इटे दिनतीक एकदन विक-শিত ৷ জুলের মিট হাসি, পাবীর মধুর অঞ্চলি, আকাণের দীবিমার চাঁছের विश्व कृष्टेख (ब्याफि, फेंप्टनंत मुक्-मधून नान्निन, माश्चरंत संस्थात नवीन (क्षायान्त्र मुक्तरे हित मधुमन, हित भाविमन, हित भाविमन : क्षेत्रहित ু নুভার ভালে ভালে কত আনন্ধ, এত শাব্রির প্রস্তান বেন উবলিয়া পতি-(करक् । कवित श्रममी माहेश काश त्मन कश्चित मादन मा-काव काविश व्यक्त निर्देश नारत मा । कुळ कारना-क्क र्याका-क्क व्यानव-इक्टिक निविद्य निविद्य मुक्केश निक्षित्वत्व । किन्द्र शाव, दक्तन वेशके अमृद्धित नक्षा मार्क-हेबाहे त्यव मारह । आत्यारकत त्कात्व शाह अधकात, शामित वारत क्रमान, मानरम्ब बारम विवास, सीवरमधीयारव मधन,-- मन व मधन निका रचना कतिरखरह । कृरमव ज्ञानियम नात की बनिया निक्रिक्टक,--नाबीम महुत कर्क काविका सहेटकटक्-काशायन शास्त्र क्यांकि कीवान-सह आने अविदेखरक । नक्त वालिम्ब निकास मध्य-विवतर प्रयम कवित्रा, माकू चार वालवात छनाहेश क्तिरकाक ;--बोत ध्यायत बनव बाबात कामीत वबरत वित-केशन कानित्त "शाहिएकद्य सा । वहरतम देशिएक, दम बारन दमन, करनव वादन रमान---व्यानस्वर्धं प्राचादव निवानवा _{जात्र}वादे विवास कविरकार । अरे वेदकार, विवास

यह नःतारय-माहर टिनरम नास विरक्त त्यतान कावरत हे- अहे हुन्दतीही सरनत वभीत वहना माहर टिनरम एक कविटत हे आमिकि अनर देवतारताक निक्त उकते नवरत नाहर टिनरम नहि जानन कविटत हे सीरन अपर सबूर्यय महत्तात अकते नवरत दिनरम साहर मिलरन है अहे कवात छेवत रच विरक्त नारत, हम है अन्य दीत-हम दे सहस नामु, हम है साहक वालिक।

तकत बाह्य कि बरे वह जवशातायत विक्रिताक कतिएक शास्त ना । त्य भम नावेकारक,—त्य टक्वणके थम छात्र,—चाटका छात्र। कादा छात्र। कि এ शक्त निभागा , खादात ब्यादन अवजीर्न, त्म किसूक्त अध्यक्त अध्यक्त हि क्टिंक नाहित्व मा । माहीव हाका माहीत्क निष्ठित्रा पाकित्व, माहीत ट्राइ चनात तिसीन इटेरन,--चाणन धरा कार्ड चीरानत लग काश्मी निविद्य, क्षक्या में बात, मंश्चितात काशा कारण कारण वस, रम किन्नु कि से सम-मध्य । इंक्टिंव नां। बाक्य निर्णामा-किष्ट्राक्त यात्र नां। कांश्रांत्र শিশাসা বা যায় ; খন শিপাসার ভাষ ভান-শিপাসা, সৌক্র্যা-শিশাসা, युन-निन्ता--देव-निनामा, (अम-निनामा-- कान निनामात्रहे नाहिक নাট ;—ক্ষাণতট রাবণের চিতার ক্লার বৃধু করিয়া জলিতেছে। মাছব জপ (परंथ, चारता रहरव, चारता रहरव,-विष्क रहवात नाथ किहर उहे चात विक्रि ना :---क्ररवंत बाना बिक्क्ट्रकरे पुरक्र ना । माक्ररवंत এ या कि शासन गारि, "वृत्ति मा---पासूद विद्वाप्तदे मासूरवर्ष मन-काफा वरेमा - नाकिरक পারিবে লা। "রুণ দেখাও, আরো দেখাও; স্থান, কোনার পায়ে ধরি, দ্বে বাইও না। । ভাম-শিশাসার ভোর রাধিকা কেবল এই ক্রাই-বলি-(७८६) अवर्गन कीकरान किव्रटकरें वाशाव खारन महाना। चारता दशक-विवित्र छात्ना, चादश हारना—चादश यारका, चादश मारका । कृतिरम क चादक क्रूर : कृत नाहे, बाढि मार्ड --- किहुहे नाहे;--कात्मत कक तार्विका मर्माच वितादह । हाथिकात चान्दर्भ गाठिल क्षेत्र समाध्येत समा लि एरेवाटक हुन्त्रकनवास o भानकित वह प्रश्नुत महबान-लाटक बखरे निनानिक श्रेता शक्तिहाटक टर, भक्ष निष्ठा उहे उत्त यस महि । त्य वांच मही, त्य भारताता वाहे--द्य बाहीन भारीकी बनान विकृते मेरिकु मारे वा पाकिन! छात्ना भारता खाकि, --- हात्याः चारवा यतिवा--- चारवा ययका । तिशूत चेटलकमाव वाकांती चाव কোৰায় আদিয়া প্ৰভিয়াতে, কে কাৰিতে পাৰে ? কুল বাট, কাতি আই---काकि नारे, कुष्टेंत नारे, त्यायक गांद्र नारक, क्षित्रत वाद्य पांतानी-आविकास

নাছবের আবে প্রকৃতির কথাছাত সমতে সমতে বৃত্বই হাজে। এবন করিয়া কি মান্ত্রীতে বর ৮ এই ল্পন, এই জানজ-এই উৎসব, এই জরা-নংসার,—হাল, মৃত্বতের মবো এ কি হরন টু আনীর পার্বে দ্রী হানিচেছিল, হঠাৎ চলিয়া পড়িল। নাভার কোলে সজান ভূটিতেভিল, হঠাৎ মলিন হইলা বাইল। আজ আ, কাল আমী, আল পুঞা, কাল-লিভা—ল্বের সংসার ইতে একে একে কভ আজীয়া, কভ আজীয়া এইকলৈ আলে লেলাছাত করিতে লালিল। "মাসার কি তবে হাথের ৮ সংলার কি তবে বিহালের ৮"—বক্ষে করায়াক করিয়া নাছব অবচনকে এই প্রারই কিজাল। করিছে লাগিল। আমার্কির কীবে পৌছিয়া, অবশেবে হাছব, বৈরাপোয় কিতবে নামা বইলা প্রবেশ করিছেছে। মান্ত্রের উল্লান, উল্লেক্ষ্যা, সাহলু, বীর্যা—নর নিবিল্লা বাইতেছে। আল ভালিয়া পাছতেছে। মান্ত্র, বীর্যা—নর নিবিল্লা বাইতেছে। আল ভালিয়া জীবন এবং মহলের মন্ত্রা কিলা, কেলানে ভোলার, বেন বাইতেছে। ইবিচিল্লার ভিতর বিল্লা আমনই করিয়া কেনে কোবার, বেন বাইতেছে। ইবিচিল্লার ভিতর বিল্লা আমনই করিয়া কেনে কোবার, বিল্লাক টানিয়া লইতেছে। আনার ইল্লা জ, কেনন পুন নাইলা আলি । কিল্ল প্রকৃতি তা সের কই ৬ ইল্লা ত আনক্ষ ব্যাবের সংসার করিছে পিছিল তা পার কই ৬ ইল্লা ত আনক্ষ ব্যাবের সংসার করিছে লোক লোক বালা আঞ্চাতি তা সের কই ৬ ইল্লা ত আনক্ষ ব্যাবের সংসার করিছে প্রকৃতি পোড়া আঞ্চাতি তা সের কই ৬ ইল্লা ত আনক্ষ ব্যাবের সংসার করিছে করিছেছেছেই কনে না। মান্ত্রের বিল্লাক ভিতর কিলা আনক্ষ ব্যাবের সংসার করিছেছেছেই কনে না। মান্ত্রের নি

CARE ALL -AL WARE AND SEA SEA ALL SEALS WERE COMPANY OF THE COMPAN wfrege eife nie? gure ce we Cierce, Die aneit effen viele CH HERCERT - HIPT CO WE THE MINE MARK WHAT WHEN TO र्किरकेश "मेरहार, गारे, नारे, गारे-गरे, गरे, गरेर-गारर क्रांक्व द्विता कुरत सङ्ख्य वरे क्या गान । बाह्यक स्व दक्तम वासीव हारा, कांत्र कांत्र बांक भार दम भारक । यहरनत विकास मीक्ष साक्ष्य कांत्र आ कर्थ राहेटक रहा। त्याक द्रारवत कीक अवावाक बाहर महिरक कांत्र आ खबु । महिरक हवा करवहे तक, बाहर कर व्यवीत । व्यवीन हरें एक व्यवीत । मानुव बाकुकित नागामुनाम । चाबीनणा कि छात मानुवन नाई है चाहर । आवश भृत्य धक अवंद छारा द्वारेश निवाहि । वारीनछा छ अरीनछा, ६३६ बाइरवर चार्क । इरे जान, इरे बनरे टाइडिय । रक्षण चारीनछा नका मद ; रक्रम क्रदीनजांश नद । मागून चारीन-क्रदीन । माजून, महर्गद नात, हारबंद नहस्त, देवबारगान नात, जानन देखाद यांत ना । महानह भरत, इः (वंद भरव, देवहारंगात भरव-चनक कीवरमत चातक। अनक कीशतक नरम, मासूम हेका कविया नाव मा। मासूम नीमांत नरम, काहावि-(पत नाव-नात्नत नांच-मानन हेम्हात दात । (पत्कात क्यूंत वह चाटन । वाशे विश्वनान आवास मत्र, छीशांदक्षे मासूब जाननात ভाবে-जानन हेकार। बाहा विर, छाहारकहे ऋशा छातिशा हुवन करत, त्यांक जानन वैकातः वाष्ट्र वन कार, वाष्ट्र पन कार, वाष्ट्र मःमात्र कार्य-वास्ट्र दिश् চরিতার্থ করিতে চাঁছ। অ সকল কদিনের বলত ? আল আছে ত, কাল मारे। এक निरम्दवत बन्न शांश, जाशांदक नदेवारे मानूव बाकिएक हाव। **এই**गान (चन्नामुनक मासूरक चौरीमछा । अहेन्नन (चन्नाहाविका न्नासून्यक न्तरकत गरब महेता विवादक् - चारता वाहेरव । चाचरमङ्क चन्ननकि-- रक्षम (पक्षा-नृतक पाथीमछात्र । ताथिकात पूर्वि — (क्या (पक्षाव्यक्षाव्यक्ष) । (व রিপু ছদিন চপছিন বই থাকে না, ভার পরিচর্বার ব্যক্ত থাকে বাছৰ বেজার। भार के तर भड़कार-वड़ीय प्रदेखन वड़ीय-वम स्टेडिंड वनखर, के दर चाडमामार्थे मानरहर छोड़ त्यांक झाव, के दर चानान चाकन करर कार्ड निश् यहा निकारमञ्ज्य यहानाई निविद्धारम, छेशाव किकारम दम मामून कृतिरक छात्र ना, डेशाई विकृत्य कि का सान १--डेशारे नव सीवत्मत्र जातक। कि नाम निविद्स्टर्-वाकन कानिएक के वहा देवहारतात कनान १--नांव करें-- वृति

वावित रवना पात- वनक कीवन-गर्व केद्रमक केवा" आरबाक क जीवार करे त्रवारेश त्रव-वानकि क कुलत्वाचे गहित्य त्रवा । अ वक्षक स्टेश त्रवत वित्रकाम कृतिरकः शामिता राज्-अवस्था समीरमा कावियो परम, देवसंबा व्यवस्था प्रति देव देवा देवा विकास वितस विकास वि वासकः। भारतान, पानीवसात गका : अस्कात संदीवसात पतिवात सारी-नका बादकात करेक मायुवाक वार्वत विटक है। निरक्षक, -- वार्वी नवा विटक चारीन धरे कार्च रर. रन बारवन करीत । विशापत मधीत। कहकाश दक्षती --- नशासनारन माम्यावा शहिनाम श्वास्त्रम कानिएस निविष्ठ कहेर स्टाइ---्ष्यनकै। व्यन्त कि पू ना, बायुन गांका शादना कविटक नाटव नाव अहन कि ? मां, मालव गांडा वृक्टिक शांदर मा । अमादश ह्वाहेबार अश्व आह्या-८कत बाटन व्यवस्थात । क्यानटश्चन भारत महेदा शहेतात व्यव्य, क्षीत्यदेशक बाटन मदन । भनत्त्वत जब निवाहेनात सक्ष, मरनाटक टकाटन कनाम । फर्मटस लका क्षित्रविश्व सम् - सामक्षित ट्वाटन-महानिश्वान । सन्दक्षत काहिनीटक निमय कतियात सञ्च, चाबीनका मलिश प्रतीवका । (कामात हैसा बाक, वा ना चाक, छाहे, व्यवदाती, मरमात-वामिक्किनियह माध्य, त्यामात शृतिनाम d mein. E uge, wie d majug ein mu vent fo uige figmint कुष वाक्टिन। मा--छ। मन्। समास्य निक समास्य नव पहिटको सन्तिन। व्यानिक नव-चर्च नव व्यात्माक नध-नीया सब-किछूहे मास्ट्रवत शका नव । तका- वे खुनक । नकी, शहा बाहुव बादन मी, कार्डाहे । नका, यात किछब माछप बाहेरछ जाब मा. छाहाहै। दक्षम करन मक्किय १ दक्स चार्याक वा छव, धन वा वन, चारताक वा तीमा, रचकाहात वा नवक शहेबा क्षित्रा वादिव १ हाई मा, किहुई हाई मा। मरमाइ या'क, बामकि याक, श्रव याक, क्रोंसक राक, विजस बाक --नदीत नाक--किएटे छाड़े सा । क्रावात करे हैका, चाबि वामाप्रयाम वहेश-- ब्रास्टन द्वारम बाबा बाबिना, चक्क त्रत त्रहन केटिया, के कानव बरन्तक अनर्न केटिया छनिया एकि। कार्या हैका करे--- गणन देविहित्यात भामक्क करि : वताभीतीए बाबाका वृक्ति : वाबीमछा द महीनहार पर्द (तर करि। 'बार चनान, बार इ:न, बार (नाट, बार बनन, करन क्षांत्र चाह, चाहार कारह करन चाह ।' (क्रमांक्रम नान कह, श्री मुख्यत चानकि निर्मान कर्। - मानि नः नाद्य शकिया बाकिया कात्क हुवन

अविशा महा देवतारवार महा भारतीय महत्तव वृत्ति । हेव्ही, महानिसीरव आत्रक्रिक अशेहेश-कीवनक, त्ववक, तरनादवब अञीखक वांका विक्र शांशह नाम करि । हिन्दकारनद क्रम मीमारक मका रहेरछ अनंश्रेष्ठ करिया अमीरमा बान बहेश वाहें। हैका, जन्म बहेश बाहे। छन्न कि !-- छातमा কিংসর । মাটার ভিতরেই লোগা। জীবনের ভিতরেই মরণ। মরণেত জিত-(बहे अम्ब कीरामत आदश्च । महाकाली, महामादात काल कित कविता, खेशsei, वहत्विमें, डेमाबिनीरवरण विकृष्टे शांति शतिहा क्विम अञ्चलका मान कहिएक्टम । प्याप्तव भवाकिल कहेरव ना १ दिश्व शक्षमा निविद्य मा १ चाबीमछ। फुविरव मा १ मारहर हैका चावक शुर्व हहेरव । महाकानीत महा कालिका चरण पूर्व करेरत । माध्य, मुग्राय ता कालुब्ययक पहिलात-करिया (प्रवेष मा क्यायक नाटि व्यवक्ष नामा वहेंदि । मासूब, व्यवक्ष दक्र। भहिता। यादे वादे बता, यामव छम्ब अक्सिम मा अक्सिम समरकत शिक शांविक क्टेंबिट क्टेंबि। वित मात्रीय विता-सञ्जाह वा वात्रकृत. अ मकत ठितकान माप्त्रक श्रीनरामत नथ हरेएक छलाहेबा तानिएक गातिस्य मा । , महान्यनात्मद किछत विश्वा मार्थत (महे त्यांक, (महे न्यांत्र पिटक गारेटबरे गारेटव । आमध-नदान आवाह अवीज श्रेटव । हाथिका. শাশকি দুবাইরা আবার,বৈরাদ্যের দীতি গাইতে গাইতে ভগবংভক্তিতে नुर्व बहेया, महा निकारनय नर्य डिज्ञनिक किटल बाविक क्टेटबड़े क्टेटव । माखन, , . जियान नारा कि त्य, कृषि धरे अनितिहानी विशासन इन्ह करें डिका भारति ? नांवा नारे दनिवाँडे, प्रश्चानिकांव-ताक अक-त्नहें शैक्तिक । ताथा, श्राक्ता, वनी पश्चिम-वक काछ पर अकाश्वाक, के यशामिकाए। मानाव किंद्र कतिया, श्रीवानित आकर्वन छिनिया-यास्थ यात्वत कारल छलिया परिया. के (एवं, दिस्ता प्रश्निकान महत्र मीकिन स्टेडिंड । माँकाक द्वारण करे निक शामिरक्षिण, र्वामिरक्षक्रिया करे त्वथ, प्रतिशा निकृत । चानी, त्यामातिकत्म कीवमत्क कुछार्च कविटकहित--कात शाह, थे त्वन (बायन छात्र किया चामीत त्कारण मुखीई त्वन प्रका-निर्मान आय । नम्ब (क्यन देशात मुडिया विराह्ण । बाह्य समा-बारम मक्न बद्दम दिव कविटक्ट । किएमर खोनार १ जाहार देशिए १ व्याना मी द्रावित्त कि त्यांकरक सब कता वांच र व्यानारे मुकासद तीक वक्ष । किरमद माना । जीवरमङ माना ;---वश कीवरमङ वहां जानाद वहा

भागक्तिक मात्राक मानामामिक मानुष, पुनित्यत्क । त्यात्मक मृत्य त्यारे व्यानात रावी-महाबोरन-काहिनी नवा निमानिक हरेएकरक । वदमहे माक्रप त्त्रहे छवा-विजिक्षिक चानाव काहिनी कनिरठाक, क्वनहे व्यव कि किया, ट्य-क्कारक दुवानेता, बहानिसीटन कृतिरक्टक । धक दिन मा अक दिन, दह बाक्स, ट्यामारक करें महानिसाट पुनिएक्ट स्टेटन । महत्वात, काम दृष्कि, क्षेत्रश छन, नैर क्रकाकात स्केटर । शहर खनान, सन्दर खनान, चाकारन खनान । छङ्क्षिक चेंककात,मशा चककात!—वाष्टु त्या त्या विश्वतक, चाक्तर हुद्दू कतिका विनिट्डाइ ! अक्षिम देशा जिकार आवन करियाहे हदेव । अक्ष प्राप्तर डीबाबा, दीबाबा अहे अनितिवादी बहामिकीन-छत्त समग्रम कतिया, नमव वाकिएक बाकिएक, कीवन, यदन, छव कृत्व, व्यानक्ति अवर देवतातारक अकड़े भाषाय चालिकन कविरक भारतम । कहे कर्रोत मः मारव- कहे जारमाकन भर्द मामाद्व, धडे निकी शामिस्रहायय मामात चनादन पेवाता खड़क सर्था-वित सवस्था कतिया. एकत्क में महा चक्रकात्वत चाटील चाटम किताबेटक लाटबन, डीडांडाहे धळ। चामस्तित काल देवबाना, मःमादबर दकारम श्रामान, श्रीवटनत टकाटल भव-माधटन मिछ स्टेशाहे, मसारमव, मुठामह स्टेशा विकारणंड क्रम कामवड गांस कविद्या शिक्षारकन । अहे महानिकाशित इचन कविट्ठ मक्त्र श्रदेशके शिक्षे वित्रकारणत सम्ब सम्बन । नव-माध्यन निक्रिमास कता हाहे. यहानद काठीक बलवा हाहे-नदीव-भाषाटक विशक्तिन दमल्या हाडे। (व डेक्का कदिवा आखक्का। कदब, (म भागी, मटलक मार्वे : किन्द्र (व डेक्कारक वित क्रिया, चानदिवाया बादयन विश्वास त्य मनगरक चालिकन केन्द्रिक लारब. त्य कामब. त्य कितकडी महालुक्का । चाळ्या महत्त्व विकास त्य कीवन, बाह्रीत किछात है हिवा कैंड, चानकित बढ़ीक है परामार्थ, चाटि मुद्रेदक किताहेबा यह बिम नका-निद्द करिएड मा नातिरद, कक बिम किष्ट्रांक मानुरवत मत्रावत कर गहिरव ना । अमन दन है, दव मुक्कारक कर करत मा। श्रुवी दन है, दब प्रत्य कांछ्व एवं मा। अक्रूछ (अधिक दन है, दव Cantuico .- facusco na oca al i Apia ma, picas na, facucan क्ष्याक व्यक्तिका कविशा- अ मकरनार व्यक्तीक देश्यार केवेराहबन, क्षाहाबावे प्रशासिकान बट्ड मीकिए। नामाद्य चाकियाध छैलावा नामाद्र सन्। मैत्याद्य मा बाक्शिक काहाता मत्यादी जाटकन । हैर काम, गढकाम, वर्ष, पक्षा जिल्लाक जावनक करिया बाहाबा किन्द्रांकी चनक कीनम-नद आंख

ভটবাৰেন— প্ৰকৃত ভদ্মবন্ধ লাভ করিবাছেন,—তাঁহারটি মাছেন, তাঁহাটি জীবিভ, তাঁহারটি দেবতা, জাঁহাতাই অমন। তাঁহারা পৃথিবীতে থাকিয়াও মোক বা বৈক্ঠ লাভ করিবাছেম। আর সকলই মৃত, সকলই জাসার।

একাকীয়।

क्षक्रीक्रमासन, मुक्य माथनात मत्या कर्रात माथना। वहवानी वीर् भःभावत्व ना क्रिक्ति पारित्त,-- भःभादद यन-मुखकत यात्रा त्याद्वत रख इंटि निकृति ना नाष्ट्रिया—यन निकादक पुष्क कतिएत ना नातिरण, अर्थेडे नम् आत देवलकेहें दम, मकनटे कक्षमा। आमि यनि छक्क देव छामान ्योलवी ्यब्टिक वा टकामाव मृत्यव शानःत्रा क्रिक्टिक निमग्न प्रक्रियाम. फरव चात्र चामाव कर्तवा भागम घडेटन कि अकारत १-कामि यनि मर्सकन एकामात खारवडे विरकात त्रहिनाम, छटन खात शतमार्थ विश्वा कति कथन १ ---আমি বৃদ্ধি ভোমার চিস্তার খনিজে নিম্ম ছইয়া আত্ম-ভারা ভইরাই हिवकान शाकित, उटन काव कालन हिकाब छैथकर्य मानित रहेटच किस्राल १ किक मास्य अस्ताद्य क्राकी थाकिटल हात ना। मास्य, मास्टर छवित्रा व्यास्तिष् ७ १ हे बात व्यक्त शांतासितः। माकृत, मासूरित धानःनात व्यक्त है शिक्षितार्थ । हेशांक त्य माँगुरस्त (कानदे जिलकात वस मा, काना नहत् । निविधिक आम काम कल अमरना हम (मना वाहेटलटका आहे देव मन, कर कृत्यत में मा अध्यादक प्राप्त । त्यो बादक प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प सत्र कहे त्मालाई मध्मावत्क सद्ध कवित्वत्क । आक्ष्य, आगृत्वत्र कवित्व कार्या बाटक छुवाहेबा खूबी कहेटलटक । (न्नेक्सटबब क्रम, छात्रकेहेटनत केश, बिटनत भग, कम्हीर मण, बर्गमरण रमन खनझात । भाकृत, बरक्कत श्राक्तिकात कालंब करिएक गारेशा आश्वित्यक प्रदेश याहरण्डल । श्वासीम हिन्दार आनद नाहे, वाकित्वव मंत्रान नाहे। व्यक्ति महत्र व्यव वा शहद कहा छान, किन त्मके गृत्म कानजाटक बखाब बाबा चाटका कात । नृषिवीत चानि नवत इहेटल व नरांक नृश्कष वा क्रमंकीय मारामा अधि कहा त्यारकरहे वह-शास्त्र, क्षेत्र मृथिशीएक खळ करणव स्टूडिं। करणव स्टूडिं कंशवारक, स्मारक्या, ध्यक्रमंत्र वहरत पुत्र बहेता. जात व्यक्तमंत्र छेरमका कतिराठ विविवाह. -कार क्लाश्रीत महत्र अकृत्व काक्य कृदेशाहक । यह कातरन कान वा एताव. উ চৰই মানৰ ছগৰে বহুপিতা লাভ কৰিতেছে :—ইয়াইডা বা প্ৰশক্ষতা মানৰ ছয়বকে পৰিছাপে কৰিতেছে: হ্যাদ্লি পৃথিবীয় মহা জনিট্ট সাধন কৰিতেছে।

বৰাত্ৰীতে বে পৃথিৱীর মহা জনিষ্ট করিলাতে, ইতা মলুবা কল্ব চুকিতে পারিলাছে, কিছু সুত্ব জাবার বলের জল্প নালারিত এইতেতে। এইরাপে জান্যা জান্যা নোত প্রাচীন বলের মমতা ভি জিলা জাবার নৃত্তন দল্লের স্থানী করিতেতে। ক্রমাগতই বলের সাংখ্যা বৃদ্ধি হইজেছে। জাহার সহিত হিংসা বিশ্বেম প্রনিক্ষা বা তুপার রাজ্যত হিন্তুতি পাইজেছে। মান্ত্র্য মান্ত্রের মহন্ব দেখিবার জল্প সমাগ্রুক, কিন্তু জাল্ল মানুর, জেবল মানুবের দোব ও ক্রাই লেখিতেতে। ত বোগের প্রতিকার কিল্লাল হইবে, সামাল্য বৃদ্ধিতে বৃদ্ধিতেকপারিসেতি না।

मास्य, मास्ट्रिय महत्व शहर कतिएक काणियाटक, किंद्र काणमाह आह्ना . प्रवाहेट प्राहेटम माहे। मकत्मव दावां क्रेमक कहेव वटके, बिक हहेब যে শামি, সৈ শামি পূথক। মাতার ক্ষায়-লক্ষ্ম মাতার লোগিতে শামার रहै, किंद मांठा 9 व्यामि पुरुष । पुरुष वह वहि स्ट्रीत विश्वास मा कहेत, करव नकतरे अकाकात हरेता पारेछ । आश्वाल प्रश्नुपर्या, शास्त्रकत्र पाकिल मा, বাগানে দুল কল থাকিও না, সাগত পাগাড় থাকিত না,—নত নাতীতে বিভি-্ মতা বাঙিত না। ভাহা হইলে তমি ও আমি এক ল্লপ ধরিলা আদিভাম। শ্বংখ্য ভুচিয়া এক অথও জিনিদ থাকিত। বৈচিত্রা ভুচিয়া মিলন ঘটিত। देनवना वा विक्रिक्षण पुष्टियां मात्रा था এकळगढ बाकिछ । किन्द्र स्ट्री-फटब कि देवविटड गारेट हिंछ १ अक गार्डमानाव, उक निकाब सबीत बाकियाँ कड़ विक्रित हरेएकहि.--अभि स सामि। जानक वालिकात कर देववया, वानदक बानटक कठ मार्थका, बानिकाव वानिकाव कछ विविधारा की सबब अकदान नत्र, इति यन वाश्वाण सद्, इति श्रीयम वाश्वाण नव्,--इति कृत वाश्वाण सद् हो। तम अक्रमान नव । नकनदे गुमक, नकनदे विक्रिय । (मेथिव, नःवेद, अरे कड़ अड़िक एडे, किन्न कांशाकित पुरिश्ना मिलन मा ,-- जानुदिन्दर ৰ্থৰ না। ভাতি কঠোৰ সাধনা । ভোমাৰ ভংগভাৰ এটা কতিৰ বলিয়া, ट्यांबीड बर्क छाटन कामांड निरम्बदाक प्रवाहेन एकत १ ट्राबाटक कालनामि বুলিলা, ভোষার সহিত একাছক ব্ট্রা হাইব কেন ৮ কবিল কল্লনা সুবে बाप, क्षित्रांत्र कर्कवा अ चाराह कर्कवा (व नुवंत,---कृषि अ चाहि (व नुवंत

बहेशाहि, त्म कि केहे कहा नव (व, फेल्डावबरे पूरे बहर कार्या नाथन कवित्रक कहें<्र + कृद्ध कृदाकृति कश्चिक, बनाविन वैश्विताई अञ्च नानाविक कृत्रेटक (क्य र प्रकृत वह छालिया हुई कतिया प्रकृत पृथक पृथक क्रेसा शक् , प्रकृत लकात (समार सम्बा मकामा मकामा महत्व शहन कतिया, धकाकीय मायन करिएक लावा प्रवा किया (कावण दिम्पर समकी स्थान वक बाकिएवं, बीड्रीएनव अन की क् /24 किटम किविशक हाहिटर ना + मुननमान टकरन मुमनमान के शास्त्रित, कारकविद्यत विटक मितिवां का छादित ना १ कि खुनात कथा, कि Bicas किंत । मकन पन काकिया मकन गुर्वक गुर्वक रुके,-- मकरन मकरन क्ष्य अहब कक्षक, मकत्य मकत्यह दित्यव दित्यव महत्व अहब कहिया मध्याप्त भाश्च बक्ष बाक्क । किन्द मात्र, छाहा कि महत्क बहेरक शास्त्र १ बाक्किय शाधन गर्वारणका कडिन। यह बरान प्रमा, यह बरानत निका, यह बरानत जिल्हांतरक चालिक्रम कतिएक शांतिरत, खरव क अकाकीच माथरम सरी হওয়া বার। কভ কনের ভালবাদা ছিল্ল করিতে হর, ভবেত একাকী र 9मा वास । करु सामद अनुरगात के कुछ कतिए इस, करव क धकाकी थाका राव । नकरणत छेनरत कछ छत्नत मांशया छर्लका छतिरछ हत्त. তবে ত একাকীয় বা বাজিয় সাধনে লয়লাত করা বায়। পুরিবীর অবস্থা - धामनहे सबक व्हेश्वा केतियारक त्व, मास्य मास्यरक छानवानात नाम कतिएक ना शाहित्य माश्रवंत (कार्न क्षकांत मांशांचा कवित्क हात ना : त्यांनामनिति চক্তিকে চলিপ্টেছ--দাস-ব্বেস্থার স্কত্তি আর্থিপতা বিস্তার করিতেছে। क्ष्मभन्न अवका बहेश केत्रिशास्त्र, शामक्षरे द्यम मकरणह सका बहेश गड़िकाँछ। भुषक करेवा दाविशाहि, क्या कास्त्रिया दाविशाहि, क्रकृतिहरूकेव त्माक अमिनिहे नवात क्षा कठाहेशा महेशादक, अमिनिहे क्रकृतिहरू श्रीवारा वक कतिया निवादक । जनन वन जनका अक्टकार था कथा वनिरक्ष । सर्ज कविवास कश (क वेक्कृत सक ? (य पातीस वात वृद्धा धतिशा वास्तित ही स्काद कति-टक्टफ. त्मर्क विकास किकास माममानी व्यावनार्य गांच । काकति-सवाटक नानव, वड क्यानक क्रिकिन। यटकत नार्न-वादमां इक्कस्टिक कि क्यानक चाविनका कतिरत्त्व, अक्यांत्र तय । कृति चात्रात्र वर्षा वर्त्वात सात्र त्रात्र त्रा ८१६, छनमहे चामि त्छामात छेनत छहिता गाहे। चक्र निरता बहे अकार ক্ষ খাটাকটি চলিতেছে ৷ ধনে বলে বতের মিল না ছঙ্গাৰ ক্ত বঞা-

तकि हरेएकरह । क्षित्रात बरक ना नात विरत चात कृषि चात्रात नात्राता कतिएक हाक मा। पृथिवीते बाहतिक मरक मात्र मा निर्म, अमनि पृथिवीत म्बाब-कुमैटंड छापि मक्कि बांब । और यथन मकरमुद यक उक्कार कक्क चामनार मक्टक विनिध्न विटक चचीकात कतिरामा, क्षत्र मृथियीत (मारक्य) क्रिटेंड पुरक क्षारतक विश्व कतिया (मानिक मान करित । करा (महे कहेंटक (य कन व्यानन नात, व्यानन मक नहेता धकाकीय वा वित्नवय माधन कहिर्छ -निर्वादक, त्मरे ब्यार्थ प्रविद्यादक । क्क प्रवृत महत्व श्रीदेव वक अधिवीदक प्राविक कतिराज्ञाक, ८० काशाव शनना कविराक नाटव र खेमनहे सबस सबस अरे पृथिवीत। अरे बक्करे दनिएकिनांन, बाद प्रकृत गामना प्रदेश, -अकाकीय मावनहे काँद्रेस । यन-लालुन बलाव क्छ क्रेट्फ बरमद दाख प्रका करा नक्ष, रक्तिनाच बाध्यत शक अकृत्वि कीयम त्रका करा गरम, किन्त मागद-मामादिक पृथियीत यक्षा छ एनका कृतिया बमवाम कड़ा रहते कड़िन। गानिनिक्ष कठ डेनकान क यहना नक कतिया त्यह जान कडिरनन, एक ना कार्तन १ छरवडे एवस, कछ, द्रमाबाछ, कछ निर्वाठन गक् कडिएक भावित्व छत्व विश्वचन्न माध्य वृत्त । क्छ कालव मुन्नी जुलिएक गाविर्देशकारत अकाकी इत्या बाब :--कळ बागव, कळ खान-वामात्क, कछ मांवांबाटक केंद्रभक्ता कबिटन, अध्य कि आन-व्यक्ता नदीश विमर्क्सन ब्रिटल लाजिएन छटन खकाकी क्षत्रशा बाद । ख करहे। ब नावनाव क्यी वरेटक कटबरे नाट्या क्या क्यी वरेटक मा नाव्यक मिन्दार माहे.-पृथिवीत्व चार्यंत्र चार्या नाहे, मक्ष्याच वा त्ववच गात्वत महावना माहे। अपूर्व रहेन, चात अस्तामहे इडेम, खेडेरे कडेम, चार नाकार रहेन, अकाकी निर्मित्रका विकान-गरब मा बाहेरल चात्र निक्कि गारका मधायमा माहै। जर-गार्व छीरन प्रत्न बारना स्था करिया करतात जनका मा क्षित बाद वेजरनव चाला जाहे। बाह्या नव बाह्या बाह्या राह्याहरू, विवास नट्य विवास चाह्य-मह त्वर प्रदेश राहेत्काल,-अवाकी गाहेशात भव, के त्वन, बालूरवह मण त्व वामिटलाक । दा अकाकी व्यामिशाक, दम कि विषयानवे दकार्माक्टन प्राथका, बक्रम कृतिया अस्टित १ वाक्रत्य वर्ष कर्ष कि मक्तरे छटक छछ निटकरनव शांव विवकान दार्थ दरेएक पाकित्व ? मा-क्षेत्र किंग विधान काला महत्। बाहुन कि हिन्द्रांतह बताविन बांधात मुख रहेश विरच्छात्व वित्राताम कृतिका वाकित्र १० छोड़ा अमुख्य। अकाकी ता आमिबारक, अकाकी बाहेबाद

कत टाहारक शब्द कहेरछहे कहेरव। विन पाहर उरह, बचनी कामिर अर्थ रकती मानित्स्तह.--नक्नाक कृतानेत्छ, नक्नाक विश्विष्ठिक कृताहेत्छ। नमक विवन कनवन, वाक्षका, बनका ; दक्ष्मीटक निक्रम, मीवन, क माना क्षात्र। গভীর রলনীতে কলরব-লির পাধী ভাগিরা ইখন তান হরে, তখন সে भारत मामार्थक छात नाहे, फाहाटक भववार्य छात । शंकीव बाटक बनन মানৰ নিত্ৰ। ভইতে আগবিত হয়, তখন কি এক আশুৰ্বা ভাব মূৰে আধিছা कैर्छ । क्रकृष्टिक मीतव, प्रकृत निख्या-त्यम दक्षक नाहे, द्यम किन्ने मोदे--- बकाकी तम विश्व बादक काशिएक छ । वाकाकी तम समक्रावी ही स सक्क न बारत लानिटलटक ! अकाकी गखीत कारत मांजाहेता, क्यम तम तम ति हि देविकामबी मामा मुथिवेदिक आम कतिएकछ, स्मिथ्ड भाष, खाडा बात-করা বার না। অবিধাসী সে নীরব নিস্তব্ধতার দাড়াইরা অস্তত মুরুর্ছের জন্ম विकामी स्व.-प्रारंड कम चुना विस्वत कृतिका यात्र । किन्द्र-तक्षमीत भरत भावति वियम भाविता छै। वे यथन, छथन मकन छात खातात्र निदिशा वाह । धकाकीच कृतिहा माञ्चन आवात नहरवत आंवत करता किस सहाताति ৰা কালয়াতিৰ কথা সাহৰ ভখনও জানিতে পাৰে না। জাতুক বা না শাস্ত্রক, বিধাতার লিশিতে মায়ুবের ভাগো এক আখণ্ড বিধান লিখিত मार्ड, खानात राक बांत ध्रक्षाहै यात त्या नाहे। बहाताचि यथन खानित्य. यथम माष्ट्रवेद मकन (छनारक्रम मुहिन्ना याहेरत--- मानाव जन जनारन खन्न क्केटक- नकत निर्मान क्केंग्रा पार्टेटन, खनेन चर्च गांछ वा क्टेटकुर्क खाखि क्हेरव । त्म विशान रव माछरवड अजारनड त्या नाहे, त्म माछव रकम स्वीवन पाकिटक जकाकीय माधन कविटन ना ? जकतन, जकतान, जक साम, अक नारन निवत हरेरक मा नाविशन महश्यदब नीनाव दक मिला नारक ? नःनार्वं मात्रा, व्यदिनात्र (थना कृतिएक मा शांतिरम एक वशंमात्रारक बुबिएक गार ! नक्रान किंद्ररार बक्रम, बक्र नात, बक्र सात, बक्र नक्रित क्रीका एक मा त्वविदक नाव, त्म दकमाम त्वच विश्मात वामाखा वस वहें त्व नावेदन ? विचटलाम मा बुखिटन, मासूब ट्रमाम चन्न द्वाम जुनिया ? कहे क्षारे बिनाविकाम, व मानम चित्र कार्रात माध्य । विक क्रेक कार्यात. अ नारमात्र वनी न्हेरक मा नाहिरन चात किम्रुत्वहें किम्रु हहेरन मा । कुन मा शक्तिम चक्त अतिरक नावित मा,सब मा क्रिकिटन, बनावित्नक केलाव विच-: अम-नानरंत प्रविष्ठ गावित मा, नश्नात बनकात साम मा विकित्क

लांदित वर्ष वा मुक्तित अधिकारी हरेएक लाहित मा:--माग्रहार आमक्तित मान क्ति मां क्रेटन टेक्ट्र के विषय बाक क्रेटर मां । किस बाइएक कि माना त at ment rituit fall nim water e-Airiei Bucet erie fes nim कतिवाधितमा, फीवाबा मध्यमदे भवावन कविवादका । (म नुक्त नाहे, चात त्य और व नारे। चाच माञ्च प्रनामनित्र चांश्वत्म शुक्तिमा महित्यस्य। मध्मात बाबा विषय बाबा : a बाबाटक क्रिक्न कहिएक मा शाहिएम. क मानमाय ক্ষ<u>্মাক্ষ্</u> সন্থাৰনা নাই। ্ডুৰ-কাইকে আনিখন করিখার বঙ্গ যে প্রাক্ত क्षेट्रांट मा शादा, छात्रांव शाक क नावमात्र क्षादा मक्षादमा माहे । किन्छ ভৰবাৰের কুণা ভিন্ন কে মুকার কঠোর হল্পে পড়িবাও প্রাসম্বভাষর পার্ত্তি-कृत्व बाल्टिक नाटब -- विषटक कृषा बिनिश पंतिएक नाटब, कहे कृत्यक कृष विकाश विकार जारत ? किन्न कशवारमत क्रमा किन्न, दक क्रमारतत किकरतत मानटक बहिएक भारत.-- काशास्त्रात असीक सरेएक भारत :-- मःमारक्ष्यक कक्राचन ८२० कानिया करनेत्र साथ फाटारक केरलका कविएठ नाटन ? हेना-बरबर समात नावमा कर छाउँ कराकी ए सब माहेरव । करवार्ग, कर शास्त्र वक् ए । अकृत शाबार किति आत आधि : (कश्य आधि आत किति । कर कार्यात माधनाम मिछ करेटमरे प्रशासनि या प्रणा विटक्टवत काल करेटक तका भाहेरत्। कक्नामश्च कहे कर्षात माधनात व्यामानित्यत महात स्केन।

বাসনার উচ্ছ্বাস।

यासूष यउदे श्वापनी क्षेत्र मा (कन, तम वधनने मासूद्रत काक्ष्ण श्वाप वानित्य भारत मा । मरमाद्वत मर्कवरे कमा वात्, याश्व सम भारत्व सक्ष्ण मर्कव कालिया विभाग, तम कालिय कालिया कालिय

क्रिकटरहे जाहात मयहूना शकृति दम्बिक काहित्य। धरेमझ. त्याद शकांच-(भ अक्राक्त त्रहे अक्राह (क्राव । अक्रूबन श्रम्माक अक्रमान मासू व्यक्तिः आहरू बबारक कहिएक शादि ना । अक्सम क्रेड लाक अक्सन व्यक्त पर (मार्क्ट पहुंच रूपमा वृद्धिक नार्द मा, अकलम महर वाकि अक सम इहे ्नारक यक विश्वाद (ज्यार वृत्या मा। निका वानित यक, वानक तरब मा। विश्व हाति दश्विश बातक कहना करत, चामि दर्व कारद ामि: कि. मिक्क (मने काटरने शिमाफर । किस छेकायर शामित कायन कड पुंचक, कछ विक्ति। अहे खेकात, पुक्रवर महत्त, दम्मीत कहानात क्रिन महम श्राम शाह मा ; वस्तित पहच शुक्त मिश्र किछ किछ कविटक शाहत मा । पुरुष, औरक पुरुषक क्रुपाश्चित करिया, ठिखा करत: औत पुरुषक और यह भवनाव्याहिनी किर्य क्वांकिया व्याहिक इंडेटक कांग्रं। व्याहा सम्, जानाहे ाहिक छाबादक छादब : ऋाविका गध्म तालातिक वय लचमहे यहा विवास वाद्यः, -- देववमा मधीराउत्र बेक्कदरव मासवक्षे निवीर्व हत्र । ट्यामारक चामि कामान क्रनितक स्थित :- अभिक कामाटक टकामात क्रनिटक दर्शनक हां । माक्ट पत विश्वित अल. माक्टरवत लाटन मह मा । प्राप्तव वृत्त्विता । वृद्ध मा ८व. भारत्यत मक्टम विक्रित मा इहेटन भारत्यातत महिल मिलिल इहेवात ट्कामहे चार्व्य वारक मा । बहे बखहे शृथिवीएक माझरवत श्रवक इवि, माझरवत मिक्षे कित्र अक्षा । ध पंकीत बस्य (क्या १ ताकृति (क्या ध्या ध्येम (व. धक करनद अब्र, व्यक्षानंत मध्य कार्य द्वित्व मा १ दक्षम त्थिक बामी (क भूगा करवन, कानी एकरक उक्त करवन ? काबि छाविश कि खिता कि हे कि শাই না .--এ গভীৰ বৃহত্তের গভীৰ মৰ্যভেদ করিতে পারি না ঃ

মান্ত্ৰ, প্ৰকৃত প্ৰভাবে দেন যানুবের ছন্ত নত্ত, —কৃমিও বেল ক্লিয়ার কল্প নত, আহিও বেন তামার জন্ত নই। আর একটা কি বেন উক্তে আছে। অবচ তোমার কাছে আলি থাকিতে সূব পাই, কৃষি আমার বাবে বলিতে ভালবাম। কি এক অপরণ হবি, কি এক অনুভাৱ বনি প্রভোবের ভিতরে করিয়াছে, যাবাতে প্রভোকতে প্রভোবের অন্তর্গক্ত করিবেই করিবে। কত পার্কা, কত বিভিন্নতা, কত আকাশ-পাতাল প্রভেদ, তবুও প্রীও পৌল্লবের কল্প সামীর ব্যার বাহ্নেল,—মাতার লানিয় কল্প বিশুভ মন বাহ্নিল,—শিশুর অস্কুট হানির লল্প বাছা নালান্তি। ভোষাকে ভালেক প্রভাবে চিনিতে পারিকেছি নাল-তৃতি হবল কোল পাতিয়া আমাকে আলিকন করিতে তাহিতে হাঁ, আনি কৰন কোনাকৈ বাংগাঁৱ বান বলিবা ক্লম কৰিবাছি, কিছ
বল জ ভাই, ভবুও জোনাত জ্ঞালানি নাআৰিও কেন ছ ভূমিও আমার
ভাল জাৰ কইতে ক'ল ব্যক্তিসন্ধিন আমাৰ নাআৰিও কেন ছ ভূমিও আমার
ভাল জাৰ কইতে ক'ল ব্যক্তিসন্ধিন আমাৰ নাআৰি কৰিবা কৰিবা কৰ নিজা কটনা
কৰিবাল, কিছ তবুও ভূমি আমাৰ নাআৰোধ কৰ ক্লম নাই। তাংগাঁ না কইণে
পূৰ্বী পুজ ক্লিয়া আনিক,—লাৰ প্ল, আৰ প্ল,—দেশ প্ল—নগৰ প্ল।
মাজেল মাজুবের কল লানীবিত না কইকে, কৰনই এত কই বছণা লাইছা,
৩৭ বিশ্ব ভাৱ বহিছা সংসাৰ গাতিত নাঁ। এই অন্তিছা কেন ছ—এই ব্যক্তিয়া কেন ছ —এই ব্যক্তিয়া কেন ছ —

बाक्षाव कि नका चाटक. कि खेटबळ बाटक, बाक्ष खांका वृद्धि जो र व्यामात द्वान क्य, अहे द्व देक्क्या, देवावडे मरना मामा व्यारक । आमारणा क मकलटक लुबक लुबाब, (अवाहकात मुक्तटक खक कविशा बेळा-हैटक हाक । ८ श्रम, मक्नरक ध्रमन केतिएल हांव, रबन शाह चौतारव मक्न हाका । ,व्यादात कि १ मा-वनीजृष्ठ हाता । (अप, नदनदक वक वनीज़ ह b:air's लेडिन के बिटक कांव i Celtua क्षेत्र मकानके नानाहिक, कुछवार বৈভিন্ন করবাও লোক একৰ, সমন্ত চাত্র। ভিন্ত ভারার ভিন্ততে যে কাছা चारक, करना क्षत्र तृत्व मा। चौथारतत विकास क्यांकि चारक। कारम रति अक्ट्रे (काहि बादक, दश्रम-यावादक छत्व व्यादवा (काहि व्यादक) किंद्र हेश विश्वाम श्रीकात करत्रमा । आत्म विकित्नाः त्याप बक्का--Colore : Colore biel al Wirte : Mufet Calena Mile Wat-क्षेत्र करेत्रा यसन में क्षेत्र नहें कृत्याय महाव सब, -- मुर्टमें (बक्टक ब्राटस, क्षरम त्य कि माबि, कि विश्व डा, रमहे मुख, रमहे कि पूरे सह, रमहे कावा जावान कटक, (क मा काटम र त्यात क्षित्रक बालिमी, देववयान्मानिमी, क्रमधावमी चौषां ब्रामिशा (मन्द्रिः वन्त भृदिवाटक राक्ष्य विश्वान करन, जनम व्यवस्थ-भूषक मानव आहारही किछान हा कि अब अमृत्र (माण्डि स्थरन, (क छाटा काबा। कविटक भारत र भृथियोव स्थान देवसमाम मनमात्रीक मेरका यात्र कविवाक माक्ष्म दय कि श्रवनाति भार, ८७ मुख र निकास वर्णत्मक कवी अत्व हुत कड़ेक । बारे मुलियी, श्रेष्ठन यह कावाद क्राव । श्रावाद दर दक्तन नुक करन, तम कृषी । कृषि कांका, कामि काका--- मकनाई कावामध । Cकाकाब काशांत्र जातात डेकड पृत्त, जाताद काशाब एकालाद अमाजि वृत कहु,

कृषि ८०, चानि ८० १--चावत कार्या किरतक कार्या असे कार्या शास नन्तरक वर्त नारकंत कात विद्वका नाकिक एक बार्क वाकरेरक গাবে ? ভোষাৰ কৃষিত্ব আমি ব্যাখ্যা জীউতে পাত্তি কা, আফ্লাক আমিত্ত वृद्धि मुख्या--किन कर्व भागत भावि। राग भावि, छारांवरे केर्यक भावि, काराई नृत या किछूरे मह मरह । कि चारक, रूक बारक, शकीन कारव कारिया (क्व, वृक्तिक नावित्य (व, सामान नन्तित्य क्व व्यक्तिस्वय क्विमार्थक :- व्यक्ति क्षांबाटक बाबा खाँएक । (कबसरे क्षांबा किन्न खान किन्नूरे कि जनना किन्नूर ' পার 🕈 ভাষা ভোষার অসাধা। "ভূমি ভোষার ভার-বই আর 🌤 👳 ই বণিতে शांक मा। याहा दर्शिएछन्, जेहा दय क्लामात दर्शावरे अनुसन, जाँद। क्रिक वित्रक नाम मा। वाश क्रिकिक, काका (व (छामात क्रमावरे मक, क्राका जिन्ह जान ना। कृषि गहा त्यवन त्विर्टेड, मामिश व्य छाहा हिक त्महेंबनहे त्विट्विह, छाहा कृषि निक्य देशिए गाँउ मा। छात्राव হুশ্ব আনার নিকট বে কুশ্ব বুর এবং আমার ভাল বে ভোমার নিকট মৰ নয়, ভাগা ভূমিও জান না, আমিও জানি না। ভাল মৰু সকলই मरमत ककी व्यवहा :-- भाभ भूगा मरमत व्यवहा वह व्यात किछ्टे नरह । कर्षा एक - नक्न हे छावाद छात्र,- वदशारक्राप, भावत्क्राप, नमग्रहाखरण, বায়ুকেবে, ভাৰাই, ভিন্ন ভিন্ন কালা ধরিতেছে,—ভোনার ও আমার निकारि । अवन्। कामात किछत कहेरछहे कामा मृतियां शृद्धिका । शतन-एक्षी वरेतृक मा शांकिट्ल केंछल छात्रा कथमहे शृथितीय खामाखि करन कति: छ शांतिक ना । जकन सामात्र शकाटकरे कात्रा नुसाहित । तारे काहीत मात्राटकरे बामना पुरिर्देकति, ऐक्टिकि, विनटकति । त्यहे कामाः मात्राटकरा আমরা সংসার-পাধারে বিচরণ করিতেছি। কাছা ভিক্ত ছারা আই-कृषि मार्डे-माबि मोडे । क्युहा क्रिय काबारकत क्षित्र कामुक्त । किन्तु काया कि १ तक कारन कि १-- कृत पाप्य रकमरन कानित्य, कावा कि १ किस अक-क्षन ८९ कारक्षन, कारक मास्क माहे। এक क्षत्मन, अक कानानहें काना-के गुविबीट अन्तर्था कीर क्या, गल गकी, जिह कित क्रेम धृतिहा नवक बृतिहा ्वकाहेर छर्छ । छर्द किरमत अक्षात ? माध्य पति दुवेदनाहे कातात काता, पर्व मासूर्वत घरवात किरमत ? सश्यात -- क्रवाळ कावात । कृतिरम द्रय अवषात थारक, काहा किसूहे नरह,-काहा नवक,-काहा अगात । श्वात यहारामाधिराच विश्वनक्षित छाता कृति, हेवा लाविया वृति आश्वा-

कितानी करेंका जांक, जांक, वांका वांका जांक। जीवक कांक्रिक तांक्रिक, कृति वांका वांका, वांकिक कींक्रिक कांक्रिक कांक्रिक

मानाव वक वेका, मामि (य कावा, देश चावि खेल्क नरक विर्देश गांति । काशांतक दश्क्रम त्मांतक मुख बनिशा यत्न कटब्^{के} व्यायात्र बेक केका. चांबिक त्मरेक्षण गुळ श्रेश, चांबिए खुनिश गुळ्या वाकि। स्रोतारक कृषिया भागीत नकारे मुख हरेया पारेटर :-- भनत विकेशायाटक विक्-शाया विनाहेश गाहेटन । नामना अहे, चामात मुदद दान माझा नच माहे,---श्रीत जनम गारे,-सरह एवरिनाम बारे,-त्वाक कृत्व मारे, देखा कांबना नाहें, डीहारक व्यक्ति छवाहेबा गढ़िया थाकि । हेका वहें, नकरनव लार्ड छनिया,-- अनुरक्षत्र स्थरत्वर प्रक्रिया क्षत्रम क्षत्रेया गारे दर, त्कर स्थानिया क त्यतः चात्रक्रियतः शृथकक् ता शाहः। चात्रिकेश्वत्यतः स्टेशः गाँदेव---काशाव lacus faut alfeite at i minte wiete Sietes wies erbifes seta, minie fectivita Ginieb ufent elffin pete : mim-unte केकादेश मैं इस प्राया करेश बनिया चाकि, धरे हेका । घाशव काम, प्राथित आन-मद सरवारीट्स टेकरन बैंडन करा। चार्यार हैका, धार्यार क्षेत्र ष्ट्र(होड़े क्केक) चाबि कति, चाबि कावि,वाबि केंद्रि, चाबि वनि, कडेच्याकार ना कार्रिशा, छार्विय.-किमि कहान, किमि कार्यान, जिनि कैठान, किमि वशासा आबित जिलि कारा, आणि छाता । छोताटक काहाक समक छात त्विष्य ; किन्न शांत्रारकरे कांता विनिव मा: कांता चारक विनिवार माति-कांदा आहि, हेड़ा कार्रिय : किंद्र कांद्रा मा पाकित्म कांद्रा बाटकन ना, कैंद्रा क्षताहे साधित सा । बादाने क्षेत्रा पहिरक हैका,-क्रिक मानात सन द्विद्व नां, बाशकिनव पश्चित्र द्विद्व ना—बागंद श्रेष्ठण कांश्रप्त विका

सक्ताहरू स्थालि, जिहानस् कृष्टित-स्थानहरू मान विशेष्त्रस् कृष्टा स्थानित । अ क्वन सामास्य क्वन हरेटा, अ सामक सामन-साक्ष्य मार्टा र्यानित १९८७ । सामाह जिन्दिय सक्ताहरू समाम स्थानस्य कृष्टित । भावत क्ष्य भावता विश् रमें दहण स स्थान स्थान स्थान विश्वित विरक्ष मा भावि, करन साह कि १९११ । अरे समाह स्थान-विनियद क्षि सामाद्रित क्ष्य सामा भावि, करन साह कि १९११ । अरे समाह स्थान-विनियद क्षि सामाद्रित स्थान । भावि, करन साह कि १९८० ना भावि, करन साह कि १९४० । स्थान सामाद्रित स्थानस्य

ন্ব্ভারত ও রাজনীতি।

"We protest, then, against all inequality, against all oppression, where essever it is practised; for we acknowledge no foreigners; we recognise only the just and the unjust; the friends and enemies of the law of God." "All inequality brings after it a proportional amount of tyranny;

wherever there has been a slave, there has also been a master; both directing and corrupting in all those who see them, the idea of life." Marcini.

শবাধা নাই তার মাধা বাধা"—আমানের মেশের একটা প্রাচীন কথা। নবাভারতের রাজনীতির কথা বখনই মনে বর, ওখনই এই প্রাচীন কথা। নবাভারতের রাজনীতির কথা বখনই মনে বর, ওখনই এই প্রাচীন কথাটা আমানের মনে জাগিয়া উঠে। যে দেশে রাজা নাই; জ্ঞান নাই, গ্রেলা নাই ক্রিলাই ক্রেলার জ্বালার অনুনানের পূর্ণে, প্রকৃত রাজনীতি কি, আমারা ভাষা বিশ্বিক ক্রেলার স্বেরার প্রাচারত রাজা বিলি না। যে রাজা প্রেলার ভাশবামা বা ইমানিটের মুলাক্ষার করে নাই, বেরালার আমার জ্বালাই নাই, বেরালার আমার করিছে চাই, বেরালার নাই ক্রিলা নাই ক্রিলার মান করিছে চাই, বেরালার নাই ক্রিলার নাই লাক্ষার নাই। প্রাচার নাই লাক্ষার রাজনীতি ক্রিলার নাই লাক্ষার নাই লাক্ষার নাই লাক্ষার রাজনীতি ক্রেলানার নিব আমার অনুনালিত হর নাই। বা স্বর্গের আম্বরার বারুর প্রালানিত নার বার্যার বারুর প্রালানিত বিল্লার বারুর প্রালানিত বিল্লার বারিক সমানোচনার দিন আমার অনুনালিত হর নাই। বা স্বর্গের আম্বরার বারুর প্রালাহিত বার্যার প্রালাহিত বার্যার প্রালাহিত বার্যার প্রাচার বারুর প্রালাহিত বার্যার প্রাচার বারুর প্রালাহিত বার্যার প্রাচার বারুর প্রালাহিত বার্যার বারুর বারুর

अनम् अप। निविधार गुर्ख, वरे अपने प्रशासिक करार समय प्रशास DIE I WINICIA CACH MERRO IN MERIO ME MILE. MINICE BENIE बीडिय' बारमहिमा मगर गयर रहता छा। अस्तमकति जना साहर eietere Cemm dentmalifer mitmina unt i mieten namitab maren maren bigiotafen am afolie ettete i efectete किमी रह नवा प्रसंते हिन, नवादि बाराई अकी मुख्य नहां वार्डिहेड स्टेशरह : केरबंक गंबरगढ़रे এक क्षकांत, मुक्ता गंकरगढ़रे अक प्रकृत व मक्रमान के के प्रमान-हिश्यासमीसित कार्यामा स्था ।" अस कारम अक डेल्ड नरेवा अक्टान नका (कम १-- अक मका ना काट बादाव मक्स महा लाहितिक वहेरकाक (कम के-विवाद कड़ी) कांत्रन (कना बाय । अकड़ी कांत्रन धरे,—काम मछा उने चने हैं निष बहेरहर मा ्बिकीय कावन, नवन्तर व गरिक नदल्लादव विम जाहे। धनी प्रवित्त स्नामी यथं संभीताव ताला निक्कि अनिकारका (स्वारका कुक्का नक्षकाय आवष प्रतिरक्षा । दक परनद (नार्कंत महिन्छ व्यक्त परनद जिल माडे--- दक माला प्रश्न माला प्रश्न महिन्छ lafere ofes i en misen faffe biebern geniftenn miften देखियास करमानिद्यम्दमय मही. (महे काय्रवहे देखियास करमानिद्यमस 'बाकिटक डेक्टियान रेडेनियुम्ब मुझे, बाबाब (महे कायुटको वहे किन्ही मुक विशासास साहित्छडे जावाद "त्यमसाम बिटनद" चटाचार इडेसारक। इंटाटक में|हाडा मकरवार किक मिलाफ हैका करहत, मनुता चामना किस de man ale det de Cerul ein abices atel auf menene for त्वविटक्षि । त्यम्बोन-निग वृषि क्रियोटक विवाहेश अक्षीट्ड पनि-नक कविरक नारक्षकः एरव छरवत नदिभीमा वाव्यस्य मा । एकविन कारा ना नाहित्वन, छछन्नि चायवा हैशाह मत्या अमलत्यत हिन्हे त्यैचित ।

नृत्सं त्य किनहीं नका हित, तम किनहीं मकावरे के एक हैं हो बन्नी दिव ममारमाइना कहा। शृंदक विश्वास ममारावरे इकिसाइ, लाइरम्ब दाक्रक सकाव वाहा, छात्रा वरा किस किस पाहिएक्टक। अने प्रक्रमांव किरण स्वाया-तमक कार्या करेंस कि है सालद्वन के स्वायान मिस्के स्वायास्त कहा। वर्षेणव दाक्रक वम वाहादा, कालादाव केपूर्व स्वत्र मार्थ, त्वारमंत्र केपब मार्थ, वस्त्वारस्य वीक्ष-वालिये निकाब केमाव मार्थे लाक्ष मार्थ, मादि मार्थ, क्षेत्र नाहे, मीकि मार्थेल्ट विश्वास कालादा मार्थ स्वाया লয়সাৰ সে দিকে বাৰ করিব না, আর্থ পরিকানে করিয়া অক্যারক আহালয় অকান আরণ করিব না,—কেবল অকাবের অক্ত আবেরন করিব।
আনেলনের উপর ক্রমারক আবেরনই চলিতেকে। অক্তের ব্যা উক্তেজিক
করিবের করু চেটাই সইকেছে। কই শোচনীয় অবস্থা বে আন্মর্য করুকান
নরাল্লারটের অন্থি সজাকে হির ভির করিকে সেমির, কে বলিতে প্রারেণ্
সংজ্ঞারসার দুলা বিধেব ক্রেই বাড়িভেডে, চরিক্রইনিকা ক্রমেই রুজি লাইভেছে ইলাসীনতা ক্রমেই সংক্রামক হইরা পড়িভেডে, অনাজীরতা ক্রমেই
বেপরালে কইল পড়িভেডে।। আলা কোধার, কে বলিতে পারে ই আলাল্ব, ইন্দেলা-প্রা; তর্ব সভাবনির কার্যা চলিভেডে। হার হার, কেবল
সালেবের সম্পান থকান ভির, সাহেবের নিকট পরা লেখা ভির আর ক্রমন
কোন মহৎ কর্যা পাওবা গেল না, যাল কইলা কই সভাবনি কার্যা করিতে
পারেন। রিশনের গুণগানেই মন্ত হও, বা কটনের ব্যা ঘোরণাতেই বছপরিকর বঞ্জ, বত বিন ভারতের শক্তি ভারতে না হইবে, তেরিন কিছুতেই
কিছু হইবে না। ভারতের কোটা কোটা মরনারী জ্ঞানিন মরপের কোলে,
ক্রমানের ভব্য করিবা বাজিবে, তেরিন কিছুতেই কিছু হইবে না।

কথাৰ ওনি, এই সভাগুলির উদ্দেশ্য, দেশের উন্নতি সাধ্যম করা; কিছ লাজে থেখি, ইংবাজের ট্রান্ডির প্রস্তুই বেন সকলে ব্যক্তঃ একটা দুইান্ড বিকেটি। দেশের কোটা কোটা লোক বে ভাষার অনভিজ্ঞ, দেই ভাষাতে সকল কলার কার্যা নির্জায় হইজেটে। নেসভাগ-লিবের আবেশ একট্ট উদীপনার বেগ উটিয়াটে, ভিমি করেকথানি আবেগপূর্ণ, ভুলার পৃত্তিভা বাহির করিয়াছেন। কভ আলার কথা আম্বা ভালাতে জনিবার কিছ ভাগা, বংরালি। ভারত সরাবের নিকট বে ভাষা প্রত্তির ভাষা, নেই ভাষার 'একটা নামক পদাটা লিখিছ। কছজন লোক পঢ়িবে, বলত ও ভালা লোকের অনহতে শর্পা করিবে, বলভাও সূর্যে বলি ইংলালি ভাষা, গাবে লিখি ইংলালি ভাষা, গাবে লিখি ইংলালি ভাষা, গাবে লিখি ইংলালি ভাষা, বল্যাক করি, দেশের। এ ক্রেমন কর্মা, বলভাও

क नकता-वर्ग। कथन पांकुक । आमारणत निरंगतमान, म्राणके निष्कू कूल वित्या निवारक । त्य देश्याक-मील्डि नश्रामान कमारे आमारणत केरकती, करे केरकरणा गांकन कम प्रविचारक वित्या आमारणा निवास । आमारा स्त्रित, रेक्कारणप आदेशकान प्रविचारक वित्या क्षा केर्यारक स्वर्ण अकारणा व्यापका

पवि क्षतिक स्टेंगा यात्. देश्याक पति द्वारंगत भागम निकान कविएक जातक करका, एवं ब्रापित निर्माण करत वाकिरत। काकीर निक्र बोबरे -काकालक मका । देशमध्यक मकाकात क्रिक वहेरण यहा मानारवह आधीतक ग्रहराई केनाव जारत पुरत महिता नहिरत। जातातात, जारत जाताता, जारता चडाडिक चानरकर नगरम कक्षरे हारे । चडाहार बहारिक वह, हेहा हारे : किन गरानाविक एक, देश कार्ड मा । अवस्थ सुवय-मानी पानाहारवय कीवन काकमा केटंड नाहे। केंद्रिंश-मकन मध्यमात विनिश् अक स्केश शहेक. नक्म गाँक वाक्षि प्रतिष, नक्म याकि वाक्षित प्रतिश क्रम मार्शकोय अक्कार (क्टब स्टॉर क्टार विशिष्ठ) (य याकमाई वाश प्रेडिक) पटर सर्व नाष्ट्रम रह. तम बाजना आवत केळ नाहे. धारे दिवस हाव। नाहाह व्यक्ति रहित्त, एक वित्र बर्स, काशिक रा वास्क्रिक नरेवा क्रित बर्स वित्रक वाकिएक गारत र तम मध्य मकनारक विकिएक है वस । दन्दन दमहेबन ब्यांक्स मा नानित्व छाटाङ विवस्थानस्य । भारत्य विवस्थि (म भारत्य नानाहेश त्वत. फाड़ार में प्रमा कृति के भा । बा दिमार में प्रिम कावर क्षेत्र कांद्री, कि विमन जैनकारी, जाहा सानि ना । दिनने चक्रि डेक्कन्टरत (नाक, शक्तिक, चलाक्रि-शिष, भावका बका छात, महत्वव वाकि, मृत्यक मावे, किस अक किमारेब कावर करे रक, तिथव चार्यका चारीज्ञा-नावक बीडेंज । काश्व बीडेज रवश्च चारवज्ञ नाबाबेटक मक बक्र, दिनन रक्षमा महत्ता । अक्षा चरमहरू छान नाकित मा, कांद्रा ब्रामि । किन्द्र परवर्षन देवित कब्र, बाह्य क्रिन विवादिता है। काका मा निविद्या भावित्या ; का कानहै वन, बार्व प्रकृष्टे वन : बामारवर चित्र विचान-चापरवारका चंत्रणान्य प्रवार्ट धापरवेश साथ मळ नळ त्मारकक्ष र्याणिक-मांक पवि है:तासका मा कवित, करन के बक्रणामा रहेक wim and meen wifferm milem al i niffhat mulem neare ma tionet eife wiem Gierfreite mie wlast uter ebe :-- mun Gien चक्राहार वा क्टेंटन देवानि चाल चारीम्छार यथ (श्वित वा : चौक्राहार . यक बारक, क्षत्रहें (मारकस एक करते। यक्तरे सकान (नाम सरसा, क्षत्रहें साजान एवं कविशास (छते। वह । यह कावकरार्य कवड़े कीवत काव दाविवासि-दा दिस बरहर सुमक्षान सुरदक्षमाच सनिन-पाकीत कुछ ग्रंट कावद स्वेदावित्ननः चाप बीरक चार त्विशाकि-प्रथम प्रवृक्तात वार्क छहेरकायहरक राजी करें। क्षेत्राकिता । अवस्त्य अवना क्रियाचैन नाकि मासरकरे चीकार कश्चिक হাইবে, ভারতের বৃদ্ধ জাতিকে—নানাবিকে বিজিক আতিকে এক শ্রের বাহিবার প্রহান হল্প, ইংরাজ-ক্ষতাচার। বাঁহারা ভাষা গংলোধন করিছে বছ-পরিকর, আমাবের বড়ে তাঁহারা প্রায় তাঁহাবিগকে বিহিত্তবী বুলিয়া প্রহান করি, কিছু ভারতের বছু বলিয়া কথনই তাঁহাবের পুত্তির প্রথমের পরিতে পারিনা। বিবেশের রাজা—কোন মতেই বাহুনীর বর । ছুই চারি বিনের কয় বাহুনীর হর, হউক, কথনই চিরকালের কয়, জাতির করা ভাষা হইতে পারে না। এই কয়, আতির করা, ইছ্রাফানীতি সংশোধন হইতে পারে না। এই কয়, আতির করা, ইছ্রাফানীতি সংশোধন হইতে পারে না। প্রা-প্রায় ভারতের সর্বাহ্ব নার বিদ্ধান বাহারও অধীনভার সময় বৃদ্ধির কয়ই চেটা হইতেছে। ভারতের পরিণাধ বি, কে ব্রিবেণ

(मधिवा कृतिया आमर्या किছू कींट हहेवा পড़िवाहि। ³>२৮० नारन দিল্লীর রাজপুর বজ্ঞের আবোজনের পর্বে তীত্র মনালোচনা করিয়াক সম্পা-वक्तन निमन्न गावेश, दाहे जीवन गर्क माहुडि विटारे छेतारन, ताहे वार्त-न्त्रनी माजाक-एडिटक नमाय विद्योदि शिवाहितन । चात अपन द देश्यक-নীভিত্র তীব্র সমালোচনা কবিছাও খেলের বস্ত বস্তু বিতৈবীলন একট আৰৱ माहेरन, अकड़े मधाना भारेरम निश निमिक स्थान मुख बहेबा हे रहास मह-बारमत क्रम मामादिक रूम । अ वृह्येश वित्रम मह्म । अ मुक्न (वृद्यिता अमित्रा चायदा किंद्र कीत हरेदा शक्तिंकि। कवाद अंदर काटक मिन नकुरे कम। मःबांद्र भारत गांदा अकान दत्र, देश्टरायता छात्रात लांखि जात्क्रमं करत ना, eine wiejn mire, Ceinigel eitent nere mien mien us शक्तित विरक्त खक्क : कात्रन कात्रांत कात्न, मध्यान भरतात बहुक्त बाता वक अक्षा अ (क्षेत्र (मारकहा छामिक है। ना। चामारक चेक चार्च, हाका : बाद कर वार्ष, दन्। की हुई चार्यत बाबाएक बाबक कारबंद परिहानक। (वशास क्षमधान (वशास निर्वाचन, द्ववास कीव नवारवाहन, द्ववास शहित्त व वावता कृष्ठिक । अवन कत्रकन विदेखरी व्यावादवर द्वार व्यादवन, बाह्यता, यान वाकियान गरिकाान करिया, बीनबीन वाम्लीहे, कुनबहे, नय-बीन वर्ष केनवर के बार्टन करका महिल कशका हरेगा गारेए करेंद्रेड नकृष्टिक मन ? क्यकम निकिक लाक, चनिकित्वा निविध प्रक्रिक नव १-कार्कन वनी-विशिक्षत महात डेनारनम स्थित अन्देश निवास मन् । अवन रकाशांत हे फाला कारत । अवनेक बनरवत पत्रिक रागिरक गांव. के जाता है है। जिस नाइय कामान कामान । सुद्धा नाह पुत्र, भगावा जावाना पुरक करणांक करिया, सरकात ना कांबाबांक करिया अवी दीत नार्शियांक नमक बाका, क्रिकेट देशामिकेस्टाबर मार्ट्स केश्मन क्रिका, से ट्रबर, शरिदान (बटन काटबाहात (Caprera) क्रिकिश गाउँका एम जानना कविना विज्ञानाक कविरक्षाकृत । वश्यक केनल वस्त्र । तक्तिक क्षेत्र केनश्र वानिरक्षक् nntaffet, um nun nfamin olesi, miet muta eren mittele mien Enfauferne marte um vibibet fere affencen: c4 winnes कार्तिहार क्षेत्र विश्व काहाद मसानदीर प्रविद्य अवत वरिवाहित-वासारक भागव अञ्चाहारत आनश्चिता, युक् नविनी विनिष्ठात अकाग मुखानश्चात श्रीत aimais Giete goula eten centen, metens wet nam Ereie गांताहरक बक्किक्टकमा बीवक कि बाहिबक्कित बाहरक र मा, बीवक-शाहिनक्षित क्षत्रतः। कात, वात, (म मुद्रोक्त- वक्काशा कात्रत्व क्यांचार १ बीदबर बीतक-शरबीत शरबक-नव मनारन कक रहेता निवादक। चार्चाक इक्कांत्रा काराज्य मन, अकला कतिया, नामा कृतिया, वर्ष कृतिया, सीकि कृतिहा लक्ष्य क्रिया (स्वारेश) वेहारत नृका कृति:वटक ! लटाव कृत्याय मध्याम शब शुन,--प्रना विरयश्य चाक्रम पत पत प्रतिरहरह । जामा माहै. क्षका नाहे, श्रमाक नाहे, धर्च नाहे। किहुई नाहे। बालगीकिंत कथा महन बहेटमः चामारमय बान चनित्र होत । किरमत चारमाठमा कतित ? कात कथा विवाद ? किछ्डे मार्डे । अवद मार्ड (व अन्दात कथा वित, अक्ट नवांच मार्डे ্বে সমাজের কথা নিখি। সব আশান, সব ভখ্মবর। ভারতের বর্ত্তবান শৌচ-मीह व्यवका द्विता उन्नाम दा व्यामन किन्नूहे करिएक हैका वह मा, द्वितन विश्वा कैंक्टिक हेक्का करता। काहे गृहह विश्वा केंब्टिकड़ि ; ब्यांत्र विश्वा-ভাকে ভাকিভেছি। বাঁহার স্থপ। ভিন্ন ভারতের আর গতি নাই, তাঁহারই চরণে প্ৰভিয়া বহিয়াছি। জাহার ক্লণা ভিত্ৰ আৰু মঞ্চলের সন্ধাৰনা নাট।

ৰশ্ব আৰু রাষনীভিকে লগতের পোকেরা ছই বিশ্ব চন্দে বেগিবা আনিবাছেন। বিশ্ব নাট্দিনি একগার তীত্র প্রতিকার করিবা বিরাহেন। ভিনি ধংগদ—এই ছইরের বনীভূদ্ধ বোগ—বেগাবেলি ভাব। ধর্ম ভিন্ন লাকনীভি—বেজাচার-নীতি ঃ বর্ম কি ঃ না নানবীর সকল শক্তির বিকাশ। কর্ম কি ?—না জান, প্রেম আর ইক্ষার বিগন-বিকাশ। প্রেম ভিন্ন গ্রক্তা

नारे, काम कित मात्रा भगवर-रेका कित कार्या पाने ना । भार लहे किता विश्वत विश्व, मानव, गरिवाका भाग ना-उद्यावान् वहेर्छ भारत मा । अबहे किन विशिवा देव सवदय अने वरेशा निहादक-त्यरे सहस्य प्रशीय अकि अन-होता द्य कृष्या काल्य क निरमत विकत्त समय कृत्य सात क्याकूक क्टेबा बाहेरक गारव । कान किंद्र त्थात्रव केंद्रा जनस्वत, जात त्थान किंद्रक शक्क साम माठ वय मा . चारात साम ७ दशम--दवरक क्यलांक चौकिका वाब, वस्कृत ता जांका काटवा लिवनक क्षा । साबटलक फेक्सेटबब सस्कृतकरे हित्य जिल्मा, मायकच-माध्य वक्टे लालाकनीय। एक्नाटक मान कवित्क, देशमा स्थाहेटक -- এकडा चानिएक, के सान, त्थम, चात हैका चित्र चाक्रमिक नाहे । अव्यान देव महात शासायन नाहे, मध्यायनावत आज्ञायन नाहे, अवया व्यामहा वित्त मा । अ मकरणहरे त्यादासन व्यादक-दिक्त स्थान व्याद द्वार क्षांतिक क्षेत्र । हेरताक काश्राक्षाय निर्वातराय क्षत्र के कि वह कार्याक्य नाहे । * अक्षा कविद्याह यथि, छटव या छ, आहम आहम खन यमा छ, माध्येतन निकास कक वक्त केलाब आहरू, अवनवन कर । महित्यात केवर (वालाहेबाद संस अहरू आहरू ডিদপেশারি বসাক,-প্রিরভার অস্ত নীতি বৃক্ষিনী সভা কর। কান ভিন্ন, baa जित्र, त्यंत्र जित्र काजित क्याचान क्रमक्षतः कतानी विद्यादव स्नाह-मीह कन (क्षिया अवशा तकहरे अधीकात कतिएक शास्त्रम ना। बाठीह धर्म, ध्रवर काकीय कार्यांत केविक नांवरन कारलंद नव्यन्तिकय एक : कार्यन शार्चह विश धनः काषाव विश. बाकीश धककाश मक धकार्क खादासन। बहुद्दार अधि উপেकात कार एक विन, ककविन अकुक कार्या किहुई चातक क्टेंटर मा । टेररास्मद मनिक दर युक्त दानिद्द, काशाह अपन क आहन्त दिनक mirs. ann ficer Matita, ficers ceres new mirs und se mirs श्रभा निकार शृद्ध थे अवा गडार कानरे मूना नारे, कानरे कर्य नारे । छेशात पात्री उनकातिका चिक सब । जाशात कि बूदन, कि सारन ? यहेbहे क्वांदेवा वाराक्षति दक्षाहैटनहे दक्षण फेंद्राव दक्ष मा । बाह्रि खिनिम काहे। शांके किमित्तव कक नकनत्कहे तहते कक्ष क्रेकिक≱ बाकावाव कांगरेनन निरंपन अकृत्यान (प्रविद्या आश्वारमत खार्थ-अक्षे आयात विद्या वनिहारक, कारे बक कवि व्यात्त्र क्या विकास। व्यात्त्र कृत श्रीका श्री बक्ट्रे वाणिशाह, कारे केक्ट्रारन बक्ट क्या निवित्तात। अञ्चलक शाहिता, काशीय निक पोर्टन गया छात्रिक प्रकेत । बाविक प्रोटसक कुटन

Country fen wieles ette : dies ent a mites nien fem wiel वामकर । कान व रवारमा परन परिवक्त हारे। यह मस्तर्क क्या करिया, नका, कान, देखा क स्थापन आवर्ग दिन विवाधात बाव प्रवन करिया mane ebe : feme wen wince : ein date un antagen ner कांत्रका, कटकाब क्रमकांत नियुक्त वृक्तेन । अक विदेश मटन, कृतित मटन, मक बरम्य गर्ड करव माधमात सुक्त क्विरित । देवता क व्यवादमाहरू महन कतिका, नार्व ७ वन मानाक प्रवाहता, अहे कार्यात प्रका वहीं प्रहेटन, अवक wen where I mes clan mate hate well estite. Beie wille क्षांशहें वहेंद्र । जन्मवात काक्षिक पहिंदा देशहें बाद अब्दी बन्नावाद क्टेट्ब,—देववया मान कविट्छ राष्ट्रेश चाटका देववमा एवं कब्रिटवण वाक्टिक क्ष्यूरंजक विटच-अन्तरमात्र विटक्, वेरबाक वीकिक किटक पृष्ठितक ना किश्रहेश मका बाखीय मक्तिय मृत्य क्यार्गहरम वाक्ष बर्वेम । दिनाक-चारकानस्य कि स्टेस्त, पृत् रिक जानामदै प्रदिश शहेल । कांवक-जानास्क भूना व नविक्रका रहन वरबाकित राजकात कवित्रा मा कनिएक नाहित्न चांद बक्त नाहे । अहे जब महाएक चटनक खन्त्रशान त्माक चारहन विनदा क्षक्र वा निविनाय । क्षक्रिक यनि कथा क्षत्रि कारण नारन: रनरन व वक्त जिब्र कारकन वहेटन मा । विश्वाका राजनात-मिनवान-विराध कारन और उक বাৰ্ট্টা প্ৰচাৰ কৰিব। মৃতসভীবনী শক্তিমত্তে সভনকে বীক্ষিত কৰব। ভাৰতে **७७ विस्तर बकुारद विदिश भागता भागत्य मुख्य कदि । किन्न शाह, त्य** विव कि सामित्य ? तास्त्रिकानिक मित्रानात मधीक नाहेवा बरन-नाव, व्य विन कि सामित्व ?

वाघारमत्र निषद्वनी ও दुर्छिक।

बहाबर मधीन क्रियाणिन गैकिएयत विश्वाम, नवारणत वैद्यस्य व्याप वेत्रस्थ वर्षस्य, सरस राज्ये वेत्रस्थि, व्यानायक मार्थावरणत सरसा व्याप व्यापत वरणा वर-स्थापिक क्षेत्रा शरकाः स्थापन केत्रस्थ नास्य, क्षीवर्यक व्यक्तिक व्यापतिक नामा विद्यासम्बद्धिक व्याप्त्यक करताः विद्यस्य स्थिति विद्यापतिक व्यापतिक व्या CANCEL WITH THE RESIDENCE OF THE PARTY OF TH fat ster, -fonefine uten, Bucafte fanefanbunfferenn रहेश देरों । जो नामान विवादना परनहें, जासाराय जोतीय जनवित्र man bullen ftotere more einerfall abeliteren viete क्ष्म । प्रवास्त्री त्यनित लाटकता संनिक्त नांक कृतिक सहसास्त्राक office rice, reif at cotis fen ; einer fen, Guetafte ffin कारम निवदत्वविदेक कृतिरके तकन वरेरव । किन वर्षकांची वाठीक वरेरक ता क्टेटर्ड दिवा तान, बातवनप्रात्मत्र व नावात्त्व न्या, क्ष्रेणाता प्रावनात जुक्त अगर कदिन मा । केळिनिका गारेशा कार्याय प्रशासनीय कारिकश विश्वस्थित लाकविशरक कृतिएक छाडी कतिरव, मा, संबंध रंत्रज, विकाद লোবে সভাতা ও উন্নতি লাভ করিয়া, তাহারা ক্রেমে নিরশ্রেইকে আরো মুৰায় চল্ক বেৰিতে লাগিল। কেবিতে বেৰিতে অৰ্ক প্ৰভাৰী অভীত হইলে, বেবা বেল, লিকিডপ্রেণীর মধ্যে, ভয়ানক স্থলা বিবেবের সুত্র চলিকেছে। নিক্ষিত্ত শ্ৰেষ্ট্ৰ, নিয়ংশ্ৰন্ট্ৰয় লোকনিগকে বান্ধন স্থণার চক্ষে বেবিতে লাগিক। এই একার ভাব বেশিবা, সভ্তয় বিব্যাসাগর মহাকর একবিন বলিডে-हित्मन,-"वाणानात निवासनीत चावात छेत्रकि व्हेरत ? वाशक्तिक बाबरा नक्ष कार कार कति,-चार्च मागरत छेनाव चलन बरन कति, खावाहित्तव खाबाव निक किविटव र सारहरवत्रा खावाहित्रदेक प्रमा करत विक्रि খাহয় হত আকেণ করিয়া থাকি. কিন্তু আহবা নিয়প্রে**নিংক গত অংশ**কাও খুণার চলে দেখি গু খার, বিকিত ত্রেপ্টর এতই অহতার, এতই অভিযান : cecen नकि बाहाता, आमा छत्रना देश बाहाता, छाहातिशास सहस्वान (अनेटर थना कतिराजक कृष्ठिक इत । हात्र, खडे मनना अक्टरेंड व्याचार छेश्रकि क्षेट्रव क्षा बनिट्रक वनिट्रक विकासांत्रक स्थानटक्क करें लेख बहिता ठरका का नहिल, वाक्नकि क्रब प्रदेश । वाखिकहें देशला व्यवसा अहे क्षम । बार किविया आर्मिया काविया त्वविमान, कीवाब बारकाय आकि व्यक्टर নুতীর সভা সূভাত্তিত বহিত্তাহে। এই বে আমিরা, সিচনেইর উর্ল্ভিক কর win wie witmina watt foletole, winn fo fintafte tule-क्तिएक प्रमुखान त्यक्तिक नेना कतिया वाकि ? यहन कति कि त्य, वेंश्रांका ब्रह्मां क व्याचारम्ब व्यापको व्यापक कार्य क्षेत्र मुकाविक व्यारम् १ प्राप्त करि कि त्य, कार्राह्मक मानाक अपन निरमय कार्य चारक, सामा चार्वादिनार-

AN AFRICATION LABOR WILLIAM TO CL. THICK WIND arana, sincres cente accine i est selle fe co. M due miero foi, mani flore com mente seus ferte de la नारेवार एड व विद्यालके स्थित जिल्ला संदर्भ देश स्टब करि के ? बी क्षात मा करि, क्षात केश मिलक, कोशक्तिकारक क्षात क्षात वारता टाविका चाहित. त्ववय त्यहितके मान मारकत क्या, काशास्त्रत केवकित तहें। करिया वाकि » ain, Aipres medien gefere pres un sein an si : ce femis त्मर बारे, त्म निकात चारात कवियान ? करे बेंग्रेड चमकर १९म सारि. क्रवस बहुन इस. बाह्य बीजनकारण कि कार्रे निका कडिटक नाटक !! अबता नक्यमुर्व मासा भगरमत भारम स्थम छाविता स्थित, कथम मासूरपत निकारक নিতায়ই বিজ্ঞান বিভে ইছাপ্র। সাহয়, কট কগতের অভি অন্তই পিজ। कतिरक मक्का वर्ष क असामीय निकारे, कि निकार किहरे हार ? न्यारंक कामात वार्याक्स, क्याक्स कि वार्याक्त मारे ? कामात निकत निकार किमिन चाटक क्षत्रका मिकावे कि मारे १ करने काशकिताक टक्स ছুণা ক্রিডেডি ? ভবে ভাহাবিপকে কেন আমার নাডা বলিয়া আবিজন করিকে পারিতেছি না গু ডিজা করিলা বৃদ্ধিনাম,—বাছবিক কি বেন একটা चत्रक चक्राप्त प्रस्थिति. यात्राष्ट विस्तानेत्र काठि वक्षेत्र प्रसार wie, dobi fereien wie, minia frais frais wor afeste ! आवारकत प्रवासनक चार्वभूनं जारमानस वार्थ हरेन,---व्हेवाहके क्या । अहे व्यक्तारंत. (5हे। व चारहहे। त्र नमान कम कमिन । चार्क पकाची हिनहां त्यम. खन्क इक्काना, मध्यभारमकी सक्षमात्र निश्चतिय गक्ति कितिम ना । याचाय टेकन जाहे, केंबरत बाह जाहे, नहीरत यह माहे-- मानिकिक मिहाआहे अवहें कार्य वृद्दिम । निक्कित पुरक्रावद केंब्रक्ति कक त्राम त्राम महाम प्रदेश, नुष्ठामत्र असिनास्य राजनारका केन्न नका व्हेंत, साथनीकित व्यक्तिका काविका गरेवाह ब्राक्ट गणा रहेग--- अभीवात ७ तालात्यमु वेत्रवित वक्ष गणा वहेग ; क्षत्रन कि, क्षण्यानिनी वाषणात्र विवतारक विवास विवास सम्राज्यां स्थान ্ব্ৰুল, কিন্তু আৰু পৰীত, নিয়ক্ষ্ম, পরবুধাপেনী, গরপ্রয়নিত কুবকলেনীর উন্নতির মঞ্চ বাজনার অপবাত কোন সভা হইব না ৷ বে সকল সংবাদ भन बाह्यानिक व्हेन-काशांक नगांत्वत वेद्यक्ति कथा, शांकति वेत्रकित कवा केंग्रेन,-विवय-विवाध, बान्त-विवादय प्रभटक व्यव टक्नेनिया व्यवहर

feste and utfer ett. - frant (mar etret et weite affin e for bie wit eine fange pere any fin tellere unter करिताः सूर्यात ताला किया तालाक वाला करिताः, वार्ताः गाविनाः सम्बद्धाना oficute-tere bufes cuin ver cuin Afteria Bun mis ann गत्क, मिद्यासनी ता गमान उकाह धाराम गहांत, छात्रा आक्रम निकिन्द अध्यक्षत्र पृत्तित्वम मा । अमर्गदर्क देश पृत्तित्वम । पृत्तिका नार्गात्रम वत्वा वाशास्त्र विका विकृत कत, काशास आत्रासम कतित्त्वतः आवीस আবাৰের ভাষাও সধা ধইল না। সাবারণ শিক্ষার বিক্তমে কত কথা বলি-लात. क्ष क्या निविताय । सामना अपनहे सार्वनत-स्वराम क्षक (Salt' dute) जानावन-नावादानन वज्रानन कन्न कविन.---प्राची नदिस्तात अकने निक बहुल, श्रामता काशात विकृत्य व्यवक निवित्रा विश्वकात कतिनाम । कुनात क्य (Import daty: क्रेडिया (शन्म कामना छोडात विकटक कारनामन कतिनाम। अ अक्त क्य (Indirect tax) नावाबवक चानामक नावाबवदक विटक क्या क्रमात कर केंद्रिया (गाम अ) चानार कानक । अ-व्यानाय नावेश विश्व-(अमेत (मारकश स्वी क्रेंट्स, केशक आयामक गए क्रेम मा ! निश्चलिय क्षत्र आशास्त्र हारथह कावन । आस्मक निकित नाकि नमन नमन आरक्त कतिका बरमन, --माधावन रमारकत जेविक करेरक क्रिमन, चाव रमरम रहेका कार । अपने पार्वनर बापता । अन्यन्त हारवर,क्या बाद वनियं ना । Bieliges wei (* wiefe, wieje mie a non wut wie niffice ? कवियात (साम गरमनाविक वानानात माहै। चाकित्व वानानात मेकिः विक क्रिक । आक करवक दरना, इस्ती क्रवारक वसानत महा. बर्कारक openien nerita vertit beit betrefern-viele fiere at गानिवारक, बाक्रमात जावम त्माक कृष्टि क्षत्र ! निक्षित क्योशातिक मणाहे वत्र, बाह्य निक्छित् बदावधी-त्वपेक ग्रहाह बावरे यहा, नक्न नकारे प्रका किया नश्य अवाद्यत वाश्यक नवन ना वह कारांत्रहे कारें। कविवादको । ्कार मुखा मोतरन वाकिया मासरका कवियारणन, रकान मुख्य (क्वा) कविया stanten | sigt maint, mainte wiet affit ffeite : amiter नवीताण नावातः सङ, जूनी लाखुनिति नदिवर्षिक स्टेशः व्यवश्यकः विविवद paulfenten ungen unwung almein fammit if ber geiter. क्क शित कार्राव नव नविकास व्येशाक । विवाका बांशामन अकि विवय---

uper speices spein affre at min mild i demission affe folleune und Geffe allen bil : fantarbuggeft, fortinten unter fante wege geneus fast as mais fiels venten,-wie er it wies. (wal gratten war mifete ; wie wie en en farmid caula with. con greiten gunt cefen bifete ; min gibm, bie neinife,neis नवर्षि छेनविक बहेवा, कामबावदित्यत त्यम किन्यूबत्यत कावा मानम केवि-(कारका प्रतिक रहार्न अकशिय नव मी। अनावृत्ते अवति क्षतिस्मात सावाने कार्यन इंडेरफ नारव मा :-- अक्षा कि इंडिरका अधाम कारन, -- केवीकावह इस्टिक्क मृत्र बीक । अक्षा द्वम केवक वद, उदन नामा काकाव छेनादव कोबिका निकार करिएक गारव । भारतक मचा त्रार्थ काराव करेरकरका निर्वाप সেবা করিবা, কর্ত্ত কেনের ক্ষত লোক বাহিছা যাইডেচে। অভুলক্ত বালানীর श्रीविका निर्वादित अब माज जेगात-कृषि । वहें अक नरपत कान निर्वद मुख छेरलझ सा क्टेटलके, दक्टल जन्मसाम छ शावाकात छेनविक व्या ३३० क्षेत्रकात कृत्य व व्याका मृत्या ठाउँम क्षत्र कविटल वहेत्यहे मुख्यान उपस्थित । ছর্তিকের প্রকৃত কারণ অর্থাভাব,--অর্থাভাবের মূল কারণ অনুর্ভি : বিছ-শ্রেণীর সামরিক অভাব দূর করিবার হান্ত আনেকে ভাবিতে পারেন, কেছ কেছ ভাবিধাও ঘাতেন, কিন্তু কি করিলে হতলাগাবের খারী উল্লি হইবে, জারা অতি অনু লোকেট চিন্তা কবেন ৷ ধেৰিয়া গুনিয়া অনেকে এনে কৰিয়া बाटकम, बाठिया यावांचा टक्यमहे कहे भाडेटन, फाडाटमत्र कीरम बाहन तुना । ষ্ঠাট বেন ইংগেৰ একনায় আলছ ও স্থ শান্তির ছান ; যুকু ভির বেন · चाल हेरारम्य वर्षु गाउँ । त्यहे मुक्का चानिरहरक-कृष्टिक ७ महासाति,---कमातृत्रि, बारम्बिया ६ खनास्ट्रीः "शृश्वीय काना, निवाल्यस्य कारमध्य অনাকৃত্ব, ভৰে ভূই আৰু, ভোৱ সজে ভোৱ ভিত্তসন্ত্ৰী ছুড়িক আল্পতঃ মহামারি ভাঙাবই পরিণামে ঘটুক, বাজালার বিশ্ব হৃঃধী ক্ষকলেনী শান্ধি-बबीत ट्रांटिक विद निर्माय गांक करूत्र, श्रावीत्यत नाबु कृत्राक । स्वतीवादत चांडााहार, निक्टि (खरीत इना निरंदर, छ हाकार चांडाहीत बाहर हरेदी কুষকদের চক্ষেত্র ক্ষণা লোধণ করিতে বিধাতার আবেশ জোরা আসিয়া সঞ্চয় ছ''--এমনই করিয়া দিন বাত্তি কবকেল আবাংশের কলে বলিনা সুকুটক ভাকিকেছে: বিধাতাৰ কৰে বুৰি ধা এডবিৰে ভাইচেৰ ছাবেৰ কৰা উট্টেরাছে,--তাই আৰু এবানে, কাল দেখানে ছবিক্ষ ও মানিবর উপস্থিত

phenen : 451, aufm ge until mann mimtern men gentaute : 40 40 Cale, at telula es, maigle ale allicates des mais ही अधिकार्शनबाक बाहारण मुद्दार क्रमानवत वृद्ध वर्गन वर्ग विकार काल्यासक Den giften | fein ften-om enten uneinte CHEST OF COOR WIR. COOR WIN HISCORY WORKER WINESE COLO (क्रकि-वांत मान करमिनि बालानात नित्रदानीत गाँव पार कृष्टिक क्रिकि-(क्र.स. --वातवान विश्वत (भारतेत चारतत क्रम करे वे विका :--वातवान. (शामित केस्पत सम्र जानात्त्व शामन मत्त्व (यहना । केस्पाकारक सामानांक প্রভিবংসর ক্রুত লোক মহিতেতে, কেই কি আন পর্যায় ভাষার ভাসিকা সংবাহ कविवादक र-रेनवा এदः कळारावं चलाद्य कक त्वाक मुकाव मृत्य निक्कादकु त्कृष्ट कि कृत्कृत सहस काका निविद्या वाविद्याहरू ? मसन्त्र वाक्ति कावाद दर, व गर्कम मनिर्द ? वाणामाव विटे उदीनन, रमरमव कानहे चालांव स्विचित भाम मा :- आक्रीह धमकाशाद कि कार्या वाहिक क्रहेरव, क्राविहारे **व्यक्ति** ।। चार गराव नवन ना भारेका चला हात-नी/एल, चलकीहे, हःवी यात्रानाव अकारमं, मुझ्रांकरे खुब छ नाश्चित हान विनिधा वृश्चितारह,- मुझुहि रिम भागाय करा, मुखाई दान अधकत जान । क विवाय-माना किंक नमकृत्वी नामा-नीय आत्म प्रविष्टिक मा, छाजांश है: बीएवं क्षत्र कि द्यम कदिर्वन , छाविष्ट- तमानात निकित्यनी माम नावित सस्तत है। विरात केवादित सम् याक व्वेतारक्षम । मस्वत्रकार कि यथुत किछ । व्यक्तिक खान नैकन व्या क्षि कर साथ किया विवास आधारमत समय कार्किया बाहेर सरक । कार्के गाउँक, वर्ष बिटड्ड,--इंडिंक नीडि डिविनटक दांडाहेशब ८५डे। क्रिटेड्ड, खान कथा .- कि है है। दिन अदिनाम कि अकतात आहे जमार किन्द्र केहिए मा १ nille mice fem wfeel con, boifence Gibibent nun munt cen क्ष कि जा र बंग है।को, यो नकाम है।को श्राम कृतिहा चाल बेबादिनटक ट्यम क्षिया तथा विश्वति कि कमाकात कथा कि कहे मयह आविद्य मान कार्यका क्यकारो हेक ।म (व विष्य) (ठामारवड अनःमा कवित्र मा । लक्ष्मीयम शावन बंदनका, बुका, महत्व खरन दक्षके। इंटकांगा, नव-नाव्रिक, नक्षमयान क्रमा कंक मार्थ बाब नावित पारम ठनिवारक !! यनि वेशारण প্রিণাধের উল্লাডির করা না ভাবিরা ভূমি সাহার্য করিকে আসিরা बाक, करन कारी, हृति हुव एक । रकाशांत अवकी नवतांक वान कविनांत

ufe ein eine Belle file Beiter aftenten befentente Gefalt winces with most when he spect of street the filles wie Miffelier -- min Mitte miffele i fie Beiter men ben minim bi "Ale, fermin aunt wiegt gifte beiffe eten.-कारते कवित्र कारीरका करि बारत (बादन कवित्र) प्रक्रिक केमिक्क परेटन, त्कम विमारतिक । हाविया त्वन, मुद्रा महित क्रिक विक-मामन cifunt wifer albei aferice : nu vollen um afere, fenu ब्बेबा निवादक, टक्यन बाक आल्यान काबाटक मीरवान कविटन, टकाकाव क बानमा कथमडे शुर्व बहेरन मा । मनीरतत प्रक मतिकारक छैनात प्रक्रि क्षाविशान्त्राक, क्षरव वाक-वारमण विष्कृत, त्यक : मरहर कक, जकरवेनवनी, **छति कत्रशादिकारक दीहाहेटछ द्रवा वद्र कत्रिक मा। आंक दारक, काम ८४** पुत्र मुखाक्षारम शक्तिरत, कक निरमंत्र कक नक कीवम बाबरव जाहाद कि बहेट्र । अलाक कार्मन नगला , केनकित बहेबाटक । आप बालागी । क्षत्र नक्षित्र भहीका जातक क्षेत्रात्त्र.-जाब वाजांनीत व्याह भहीका बाइस क्रेब्राह्म ।-क्रांप व्यक्तिकार,-बाद वार्षात अला. जिताम क्षांत्रीका कशिक्तात । इस धारे नगरत, नरहर क्षतारे मरह। निकित-(अमेब पूर्वा विरयद पुठिता निवादक, मत्म कवित, पवि त्वचि, चाकरे वाकाशांव क्षेत्रकृत निकात क्षेत्र, खाद्य खाद्य, शक्तिक शक्तिक, मधा लाखिक क्रोटलाक, यनि व्यक्ति, आधारे मध्या मध्या नाम, द्वाबीरमव উद्यक्ति क्षत्र वृष्ठ काविका करिएएएका । अक मिर्ट्सन, अक बहुरसँव नवास-क्षिएक भावता कृतिय ना । अकृतिरमत अकृतुहर्णित- (ठहेरक भावता चल्लार्य संक्ष्य अविय:--विष त्यवि, काबी देवित कावना काहाबक किकटन नाह । निकार त्याने-काहे नवनांत्री, यति युनिना नाक-- (मानन निका याबाबा, ভाडाबिनाक छाडे दलिया कारल कुनिया का महेरत रहाबात महीत अक्रतीय क्यू :--वृत्ति वृश्चित्रा थाक, निवक्त क्रथकत्तिंगर केंत्रिक मा बहेदल प्रकृत श्रीकार वर्ष क्या वृत्ता ,--वृति वृत्तिका बाक, लाका खाँतिवनीत सवत मन काल मा बहेटन, ट्यांमात परिवादक संबंध मन कवनहै क्रिकान काल वाब्दिय जा :--मःमर्व-स्थाद्य मकत माह्य क्षेद्रय,--वर्षि वृक्ष्मि वाक. पडीद्रवर तक कारक शाबि कारन मशक महीत बाल सहैदन ;- दनि पुविता बाक, (कामात्र निका व्यवस्थानं वाकिटन, यति (वटनत व्यानायत-मानारटनत जिनकी

हहेत्र विक्रित्र दिवद शहर मा कर :-विश्व दृतिहा शक, छोश्टिक माशहा सहन बीलद ममास हमा हरूँब :-- करन अम, ममझाबी बन्नवानि, करब अम । तातात कर्य साहक, कर्य गरेवा अम : माताद महीद वाहक, महीद वहेंकी, धन । मानाव आवा बाटक, दम कावा महेबा अम : यानाव चव बाटक. दम चन महेबा क्षा शाहात कान शास्त्र, (म कान नहेशा क्षम । क्षम, मकान चास खाल প্রাংগ মিলি। ক্রবক্ষিপতে আজ বাঁচাইব-কাল মাতুর করিব,-বাজলার छित छडिक-कन्द्र पडाहेत, धहे अछिछ। खढाउ दाविदा, धम, मकान मिनि। लहरूनारक क्रांकि यानि (काम प्रता विश्वव भारक, फारव क्रांके नाकिन्नवीकात क्षक्रित्म, द्य मक्त शन्दारक शक्तिश वाक् क। शवन्द्रमण कि कतिद्वम. मा oferen, wiete fere sifest ettiffen and i mian mintre eiter-बिनाटक मांडाहेव. चामदारे माध्य करित : कर्खना चामारमन -- वक चामारपन । हैवार्णका संस्कृत करना बाद नाहे। हेवाई अवानीकि, देवाई बाबनीकि। लाका, साठांत कहे वृक्षित मां, जरव रक दुक्तित ? साफा, साठांत कां मुझा-हैत्व मा. करव तक मधावेटवं र लाहा, लाहाद खेदलिब (हहा कदित्य मा. करव तक कतिरव १ हिन्स, पुनर्णभान, औष्टांन, उत्था, तप त्यवारन थाक, भाव पुना विषय महत वाविषा क्रम. मकहत कुछरात दिनिक बडे । शरीकाव जिल्ल ह भरत थाकिट्य, छाशास्त्र- अक्रुड छ, काशुक्रन, दम्दलत केलक भरन कवित । अक-कारका Chel कविरक- यूना विरद्धायत मन त्यागाहेश हतिए हरे चामारम्य चर्निक हिन कैंदिया शिवारक, कार्य मा । इसक-तक मिक्किल (खर्गी क्रम काक्ष काकारक aimi en i narn onen fuferei-nfam wie - eierne frumfte प्रेष्टीक भावत का करिया काल वहेंव का -यह बिन वेवादा व्यानमा क्षेत्र भारत केलद व्यानमाता काकाहरक ना लादित. उत्तमि मदीहरक दिलीय किर ना । की बटनत मनका कामारेखा, शरितामु कतिरंग कान कानी चनामा नारक १ ७ छ हेक्षांदर्क मध्य कविद्या किदम्ब अन्ति बादक र दहहात अमाना कि आदं र "माह्य मागन विका नदीर शहन,"-शक्तिका कहा। शाकाद शहा आहर. शामिशा (१६: महिर एक महि प्रकृत सहेशा. आलबार नाम कानाहेशार क्क, चाक क्षत्रविचारक देशिका यक बाजिका बाक :--- नविनादमेर 'चेविन अस्तिम ब्राप्त का विषय का अस्य कारिया बाक, काय महत्व करिया,- वसकामा विरमत क्षेत्रकाटनक श्रविषद्धं (कामका अलकारके कडिएक: कावन, गक्त-कीनम बातन कारणका मुक्त में तथा परन रखेंहे । एवं इक्तिक बाकगांव बांव बान विकासने,

ভাচার যবি কোন বভি করিতে না পার, তবে বুঝিব, বুখা রুভুগ করাই ভোষা-रमत तक । रम्मरक केंबात कहा, चिक कंदिन कार्या, चकि करहात तक । रमामह उन्निष्ठ कथा नवेशा वाशाबा टक्यनवे चाटकावन कविटलायन (अक्षेत्र नवर्गcures find agelica bes vaein felben :- freit aant efe क्रिक् ठाहिता (प्रविष्ठम, खार अवन्यादिक मिक्के क्रिका मा ठाहिताल, त्यान्य व्यान कार्या कदिएक गाहिएकत । वाक्साव निवस्तानेत व्यवको वर्ति वृत्विर्क्तन, करव देश्वीक निमान्तीकि व्यवस्थान मा कविशाल, व्यत्न महर कार्या कडिएक गांतिएकम । दश्यान मकि बाहाबा, वम विकास, काशासन क्षेत्रकित क्या स्थानित काकीय चारमानन, चनात क्रमात कीस्क दहे चार कि १ वृत्रि आखित्र केर्ताक bie-(शत्मत केर्ताक bie; करन मानातन (लाटकर गांबाटक डेव्रकि वस, जारांत कल छाड़ी कर । धारे कल्कर नविक अक विनि शहन कतिरवन, छाहात कीयनहे थक ठडेरन । कनदारवर उप, नामा-वन लाटकवा मा हानितन कवनहे छनित्छ शांद मा । मार्वाहन लावनित्यव উদ্ধান করিতে ধাও-নাবারণ লোকদিপের উন্নতির কল আলকে ভাসাও-श्रीवनत्क केरमर्व कथ्र । कृष्टिक पृष्टित-प्रशासाधि नवायम कवित-त्रम वर्त इटेटर ;-- हाइक पूनात्कज वा जिल्हा परिनंत क्टेटर ; बर्बंड नाम क्रगटक महीबान इवेटन । ।

আসাম ও বাঙ্গালী।

আসাম প্রকৃতির 'কংমা কানন'—বাদীন কীবের দীলাকৃমি। সভজিদী বিশাল বিজ্ঞত হিমালবের পূর্ণ-শেশ-সীমা চইতে কলেই স্থলগা সূত্র সূত্র

এই আৰক্ষী নৰাজাৰতে অনালিত চইবাৰ পত কালান মুখুল কৰেলালন উটিচাছিল।

লালিবানাল বলাৰত কাত কিছুই বাবী ছিল না। জনেক পতিকাৰ অভিবাদ উটিচাছিল। প্ৰ
সম্প্ৰই মুক্তিক্ত ক্ষমান। বৈ অবক্ষে কোনে আনোলন হয় না, সে মুক্ত অবস্থা। এইকল গালি
গালাক বাইছা লামতা গৌইবাছিত ঘট্ডাছি, কিন্তু বুলিনের জন্তক ভাত বা স্কৃতিক উই

লাই। সভ্য কৰা মুক্তি বেশক্ষে লাভ ভাত ভইবাদ উপৰে মতি বালিতে লাগ। আন্তালতে
ইক্ষ্মান উপাছিল ক্ষ্তিন, একগাত প্ৰনা বিভাগিল। কিন্তু আন্তাহে বিভাগ কাল, কালা নহ

নাই। যে নহুৰ উন্ধান্ত অবস্থান বিভিন্ন, তালা বাৰাৰণা সিংসা বিবহৰ বলত আগতিত

नातात (जने तेवूत स्टेशाफ-काशांक ककरे मनका वांधीय माकि नकाला विश्व (का प्रत्यक्तिक श्रविवाद्यः) कार्याक्या गाराकृत मर्स्साकृत पुत्रत-वहीर बिक्टबर नाट्य के छाहेटन, आजारमह कि अक अनक्षण पृष्ठ दिया बाब : काकाकाः नाश्टास्त नामग्रत कनवाती, चकियत अवनुत्व कृत कृत बारक बांबर करक --- कालाब वक विवीर्ण कतिया खेमामण भाराक चारान् मधक महीत्रक क्टेंटक केटकामन कविवादक !--- त्मानाव त्माकाना, - करन व्यनक्रन विकिश प्रतिवादक । प्रकारन बादक नावाक त्वांचे, भूच विकास धनिया भाशकत्ववित त्रपृष्विक यन सम्बत्तक्षित छात्र मरनाश्त्र सृषा, वेखत शक्तिस क्षित्राम्बर्क (कांक्रे मीबारबंद नन्न-रक्ष्मे खकांक नर्सक,--नक्ष्मद बरवा व्यवसाद शक्कि वनरवा कृत कृत गाराक (श्राव) वराव वादर कृत- वस वाश (कार्डे, मात्रा वाश काल, कत्रन मात्र कर्डिन वाकरख विनारेश काकृति त्नवात्व चनक्षन वरमार्थावन नार्यः नाकिया बरिवारकमः। व्यक्तिरवेशै चालमात चमाकार (यन क्रांक स्टेश चालाटम श्रृतिश अधितारहरू । चालाटस्त व्याकृष्टिक (मोक्सर्य) वर्गमा 'कतिएक भारत, अमम कवि रहाँच माहे । ज्याना-त्यत्र (व नक्न महनायत्र मुना व्यविद्याहि, खान चुनिका, खनप छविद्या काश-दक्क बुवाबेटक शांति, तम शक्ति मारे । दकान दकान शुक्रक शृतिहा चाना-(यह वर्गना लाई कहिबाकि, किन्द लाहा (यम साधाद निक्र किक्ट-सह বলিয়া বোধ ক্টরাছে। আদি আবার চেটা করিয়া অস্তের ছাল্লালয় करेंच (कम ? किंद्र समारवा केम्बामारक एक मकन मयाब क्षानविक कविवा बाबिएक भारत ? काबे वा टाडी।

আমি বলিয়াতি, আসাম প্রকৃতির কাষ্য কামন। আসাংখ পোডা গৌদ্ধব্যর অভাব কোবাও নাই। বেখানে যাব, যে বিকে চাব্র সেই রিডেই অচুল শোভা। গোভান উপরে,আরো শোভা,—ব্যাসক উপরে আরো

বুলিচে পাৰেন নাই, ইবা মুখের কবা; কিন্তু সময়ে জাতা সকলেও বোলসমা হউছে। আলা করি। এই এখন একান হউরার পর বসিবালেন উর্জির জন্য আলক রুব্যবার থাজি সেবারে বাইবার জন্য উৎস্থার ইবা পত্র নিশ্বিধিকেন; প্রাজ্ঞসমাজ হইজে বনিয়া-নিমন জাতিপ্রিক ইবার, জন্য উটিয়াছিল। কিন্তু মুখের বিষয় এখনত কোন বার্ছালী সেবারে বান নাই। স্কর্তান এখনত এই অব্যাহ্য আয়োজন আছে। আসায় ও যালালী নামজ আব্যাহ্য আভি-নামে যে অব্যাহ্য ইয়াছিল, ভাষা পাঠে জ্বেল একটা যান সংলাম্য অব্যাহ্য আলোজন ইইবাছে। আন্ত্রা কর্ত্যবার অস্ত্রেশ্য আবার এই অব্যাহ্য অভিনাম ।

बन-बनीवृत्र-विवक्षित । वष्ट्य बामारव त कि बनवन मीना रविन-एकरक्त, कि मधून कानरे छानिएकरक्त, कि बातम व्यक्तन कतिरकरक्त, रह का त्वविद्यार्थ, त्व कांदा बुविरव ना । कामार्थ्य केवत एवरक विका नवास क्या-वाविक वक्ष्म्य व्यवस्थि, केवर मृत्य भाशक (अवे-क्ष्र्य व्यवः विकार । **क्षाचाकु अवस्था भारारक्षत्र भारत्यम कविरक्षत्वन, क्षाचाक भाराक्षरक बूटक** कविया विश्विद्यम्म,--द्याचा अनावाक्यक चानव चटक विमय कविया शामिश-(क्न । भारादक कमरीटक अपन (कृताकृति, अपन ठानागति कार चाह (कारा आदक १ (बबारम केवब कृत्व शानाक, मिबादन मक्कित वर्वेडी-क्यी (बन शानाक व यम् काम कतिहा निरंत्रकम ; कात तथात्म भावाक व्यत्म वृत्तः, त्रवात्मः ऐबारमञ् क्रांत करण-विद्रम सनदरक चार्या कामनिक कविया पूछिरक्रकम ; --- (वन गावाक्-विवरत cकारवाक्षत्तः। गावाक् भाव अक्ष्युक किया एव नक्त त्रान चारक,-काका ब्यावरे चत्रनामक । मर्केखरे मणीव नमशाब-विशाम २६८७ विनागखद। चामारमध्नान थरन वस दक्षिन, वस स्तूम, वस दााज, रक्त महित्र वा यक रशाह,--- धरे गठन चारीन कीव एकामात कीवन मारनत कछ विद्वान कतिरक्षक, दनविरक नाहरव ; किन्द त्नारकत नमानव वक् अक्टी (पविषक शाहेरन मा । वाक्रलिय दर वामुख्यम काश्रास्त काम क्रम भारेबाहित्तन, त्रं कार्यक्रमध्य आगाम आब लाक नमान्य-शैन, (करन पारीन **भगका बोर्थम अवर रक्ष दिस्त गलत भा**राम कृषि। नगीरक श्वारीन बन्द्र कीव, अंत्रात्ता शारीन रह बन्द, ग्रांशाय अनात्ता शारीन षग्छा वास्ति।

আসাদ তিন ভাবে বিভক্ত;—এজপুথ উপতাকা আনেদ, পাংছিআদেন, এবং ক্ষমা উপতাকা আনেদ। এজপুএ উপভালা-প্রথেশ সকল
ভাষাৰ উপৰ আসাম এবং নিম্ন আসাম নামে বাচে। গোলালগাড়া, ভাষাকল, তেজপুর, বিষয়াগর, নকগাক, ভিত্তগড় আছুহি—এজপুর, উপভালা
ভুক্ত। গালো পাহাড়, বিদ্যা এবং ক্রিছা ও লাভার প্রয়া-উপভালা আনেদ
ভুক্ত। এভত্তির আতা, নুসাই অভুক্তি নামধানী অসংবা অনংবা স্থানীন
ভীব-নিষাল আছে। সাধানপত আসামের লোক নংবাঃ নিুকার আছে।
আনেক হানই এজনে পরিপূর্ব;—আবাধ, বহু না, চাব বহু রা। এজপুর
উপভাকা ভূবিতে বাহারা বাল করেন, ভীহাবের বাহরা কের কের আন

काल हे शाबि निविधा, महानम्, मिहेकाची वहेगाएन, क्या दिन का कार्क (काहे शाही क्षेत्राह्म करहे, किन्द अधिकारन अधिवानी है अवस्ताह्मकारन नियम । यह महादिक कामी त्याक्त छूटे ठाडि कर त्यांक्यान, किन त যেন সমূত্রে শিনির বিন্দু ! হাহারা শিক্ষিত, তাহারা সাধারণত সভারিত্র বিভ (शामक अध्य खाकारमा अध्य खावि मामाक । विश्वित्य गरेवा। चुन् खेळा (बन्दर बाजानडा व बन्डाडा विवह्नित । डेक बाठि नवन जित्र बन्न कालिक माना विवाह लाना अपनिक माठे, वृत्तित्व किं कना बना हव । दिइ-ताथात करें। लेदेन कतित्व नकत्वदरे समृद्ध प्रवाद উत्तिक क्या। जक्त अवा . काकिया बना बाह मा । कटव हे: । बनिटमहे विरयहे कहेटव दव, माबायनक अधनुष डेनडाका धाराराव निष्ठांक्षित राहिकता नीजि-शैन, हतिवशैन, धवं हीत.-मध्याच हीत । वालिहात निम्नात्वीय मध्या द्वार बिनवाई गया बाह -- निका कक्षात्क नवर्गाया के के किन्य-आश्र वर्ष त्यात्कत महर्गात হাবিতে পারিলে সন্ধান বোধ করে। পুরুষ জাতি সাধারণত নিজাব-चानानक.--श्रीत्मातक नवानक । जी-चाबीनका चानारमत नर्वकह तथा ৰাষ। জীৰোকেৰা উপাৰ্ক্তন কৰে, পুৰুষেরা ঘৰে ৰসিয়া খায়। পাঠকগণ क्षतिश व्यक्ति शहेरात. कामाध्यत क्षतिकाश्य शत ताकाल त्यां नाहे :--क्षाबात कात्रव, वाकीटक करनरक के प्रविक्त विश्व कावत्रवन कदिशा बाटक। व्यवना निक्कि उन्न भड़ियाद्वय मध्य अक्रम (मथा यात्र ना । व्यक्टिकन (मयान निम्नात्मधिक भूकंपकार्थिक इदिश्वक महत्त्व अद्यादिक (मान नाहेशाह्य) व्याखित्रा-लाया (कार्याक मार्ड, रख सब्द शांक (कामाद लाग याद शांकेक, कद दकह लायाक वाडीरक थान वित्व ना। छत्व कक्ष-अनव बुनिएक माहिरन, बाव व्यवातिक। वाकातीत शक्ति व्यामामीवित्यत खदानक प्रणा । हेलाव कांत्र किहु स्टब्, शुट्यं अटन के विज्ञहीन बामानी कामकरण बाहेबा टक्का वहेबा ए मंश अभिहे कविका किनिशास, तम अभिरहेत केवा देशता जहरक कुनिएक পারিতেছে না। आई के ठाकारा এখন बाकामीत कावर्ग পার নাই, বাছা (बिबा गठ कवा कृतिएक गारत। काहे विकाजीव द्वता। कांगारमक व्याद-क्तिक (शोकरा दर्शवता वहारे चानक नारेत्राहिनाय। किन अवश्व-छेन-कारा-शामी कि अवित कारकत हरिज-शीमकात कथा अमिता आस महत्व कहिरक गार्वे मारे। काबनरत् वचन कनिनाम, बाजानीशिरवह अकि हेशांभारतय विकाशीय प्रता, क्षत्रम आनि वक्षत्रे अस्ति वहेता। दर्व वासालीय

वृह्यात किंद्र आशासिक पांच नकरान एवं नाहे. त्यहे दावाहित साह हैशा-त्यह विवाहित होते आर्थि पहुँहे पांचल विवाहित। वर्गादक नायाहितार वाहानी-विवाह हैकन विरक्षकन, क्रतिया भारत वह वहेंग। भारती क्याहित राह्या कादा हैहेंग्रि एवंच करिया केंद्र काहित नामा तक वहीत समझीत इत्यहारका। कृत्रेशकनी द्विष्ट राज हुए ताहिका, कारवाह हो कावि राज इत्यहार तक ना हुए। तहे गुरुष राविका, नेश्वर भारतक सक्षणांक करियाहित विवाह करियाहित स्थाहित स्था

জনানে ভাতিবা, প্রধা নাই বলিবা পরে আমন করি কই পাইবাচিলাম, স্থানেক বিন উনতে আন পতে নাই, স্থানেক সমর কেবল প্রাকৃতির
চলাভা বেবিহাই সম্ভই থাকিতে হইরাছে। ছগ্রহারে চৌহন্দার পরীর লইবা,
চুকেঁররীর মলির, বলিটাল্রম, জবজার্য গ্রান্থতি পাহাড় স্থাননৈ আনেক
সমর ক্লার যে কই পাইবাহিলাম, ভালা কবনও ভূলিব না। পর্যা বিরাণ্ড
আনেক ভানে কিছুই পায়াজ্য। পাগুরা বাব নাই। প্রাণারেও লোকেবা
কারাতেও সংহারা করিবে না। বাহুসা বাবিলাও ইরারা বুবে না। বাটা
আনামীর হারা পরিচানিত লোকান আম্বরা উপভারা প্রান্ধ না। বাটা
ব্যানামীর হারা পরিচানিত লোকান আম্বরা উপভারা প্রান্ধ না। বাটা
ক্রিবিলাম না। পর্যান্ধ বাহুলী পরিক বলি আসামী গৃথীর গুলে প্রান্ধি হুব
ক্রিভে পারিত, ভবে অনেক সম্ভব্ধ হালিকিত বাহুলীর অন্ধর বে ইলাকেব,
উন্নতির জল চেটিত হুইত, ভাছাতে সংল্ক নাই। আসামীবিশের সিকট
বাহুলীরা বেনন বাবহার পার, বাহুলীরাও আম্বকাল ভেম্মই বাহুলার
কুরে। কেই কাহাকে ভাকিরাও জিল্পাস। করে না, করিবেণ্ড ইহাবিগতে
প্রান্ধ উন্নতি কেমনে হুইবে, জানি না।

পাছাড়ীবিশের নথা পারে, থসিয়া, নাগারাই প্রধান। পুর্নেই বলিরাছি, আরো অনেক সামার সামার পাহাড়ী ফাতি আছে;—ইবাঙা প্রাছই
নানাপ্রকার অভ্যাচার করিলা থাকে। ওনিরাছি, সবিলা ভূইছে উপ্তুত্ত
(অগ্ন্যুরের উৎপঞ্জিলান) ভীর্বে বাহার। গমন করেন, উল্লেক্তি অনেকেরই
ভালো অবেশ-প্রভাবর্তন ঘটে না। শালাকীআভিবিশের অভ্যাচাত নিরারপের অভ্যাবর্তন ঘটে না। শালাকীআভিবিশের অভ্যাচাত নিরারপের অভ্যাবর্তন মুর্লিই চেটা করিভেনেন, বিস্তু আছের সমাক ক্রডকান্ত্রা হইরাছেন, বলা বার না। ভবে অনেক্টা বে ক্রডনার্ক্ত ভইরাছেন,
ভাহাতে সংক্রে নাই। পারো পাহাক, সুনিয়া পাহাক এক প্রকার প্রপ্রে-

cat milita militatio i mini fileto annie mentralitation diese ्रम, कश्च अवस्त माहीम। अरे क्रमका आधि पत्रमें नायक अवस्तिकारिक mile gerne. Tetal au gwie nielle i alfiet mitten met at main minnt fon feine minnt tiffe infint einem minn minnt नायक कारन शानादवत वानान कवित्रनादवत शाकियानि शानिका विशेषा नाशक (अवेत कोशमित निरकत जान जतनामन, बेक हिराय जब नितिन्ति। विमा नाहकूछ (करन चानक महत तुक दरविष्ठ नाक्ष्या योज। देशकाव estes fen: 63 wien nu : mitig feft, seite Mes 60 mien nu : क्षे प्रवृत्त ग्रंद आवता वाविशा केशीर्थ करेवादिनाम । (मोवाकि करेक विनः बाहेटक वर्तिहाहे, संरत्भा, अवायालमा व्यक्ति करवकी चाट्या चाटिह। 'लाकाक बाक्काम नवर्रावालेंद्र छाक वाकाना चाहि. खबः ठेखत लाकविराह হয় এছ এক বানি প্রকাশ্ত স্বাই খ্যু আছে। এই জনপ্রাণীহীন ভীবণ अववायम श्रीहार ग्रव्यामे जात्व चात्व व्यक्ति सहाहे म्हाश्म कहिंदा संविक्तिरत्त व कि पहर डेलकात करिहारकम छात्रा अक मूर्व बना वाँ मा। बद्धा महमा এवेक्सन बाउछ। ना चाकिएन एक एम जीवन नरव हिना नाहिक मा, दकर वस कक्षत क्यांत शीन करेंद्र सम्मीटिक आन वीहारेटक *लाविक मा । आमेरक लो शक्ती कडेंटड निन: गर्यास टिल्काटड धक विस्न शयन करवन : है।बादन कारण आहि कि त्रोंनची देवन बढ़ि कि ना. सानि ais able face en emeller Gere annig on en ma, Antes सह सह मुक्त, अलाक-माणीय नम्ब कार्केड पांचीन मन्नीक- अन्नक्ति मानाहत्र क्रम त्वितिक (विविक्त, क्रेल्ट्डान कतिएक किरह दर्व क्रमन व त्म ियन नार्य याब माहे, त्य मीवन अभरत्व शाक क्रिक त्य गडीव त्योक्की व्यक्तित ? आवित अलाकाव क अभिमात भन कहे गठनके सुनिवाहिलास-अक्टिक म भीवत करें है भीतव, की जिन् के भने मनुमन ल्याकार मनुदिन्त উপজ্ঞान कतिमा। কৰ্মত পদুৰ্গ চুটুতে খেতাত পাত লা মেছ ভাগিৰা উটিতেছে,—ক্ৰমত चन गंडीब काल (यस श्रीयद्वार जाकिया खुकिया छुकिया हर्नेक कविया स्कृतिपक्रक,-क्षत्रक बुरकर क्षित्रत निवा स्पर-रक्षित कृत प्रतिशत क्षति बुरक बुरक पिछ-Cutte. (काला 9 अवनाद कम कम नाम, खर्चकरकरी जीलाटक कर-जर स्व काकारण केडिएकरक । नव अंडे के एरसब कथा, जीवरमब मनम कंडे, महाग छ:व करण के किरान के के कित्यादिकार . त्मरे निगा अवर दिसान किय विकास नार ।

विकास सम्बद्धाः स्थापाः स्थापाः वर्ते । त्यास वर्ते वर्ते । feinem alle ant sage nit, vent de ait i bette fein fun filens fre minn fon einig fein nur ein eiten um mital तिक्कू (मीजिनातः) प्रमुक्तिक मान तुष (सवे त्यो दर्ग) गार शाह करा त्वतिश्री प्रतिशा कका कि त्यम महुत काहियी प्रतिश्वत्व, - कक कि मिनक mis pifecote, we for mees ven einte viereren ut fon fen शास्त्रित आमहा द्वानकात कृत शानकति द्वारिताय। यात्राती स्वाध्यातारी व्यानक वेक्षेत्र महिता वाराजा वाक्षित । त्य करतकान कर अनाक तिवारत वाक्षेत्र श्वाबक्का प्रातिष्ठतक, काश विश्विताय । निगर-निक नायक मध्याक वादन अधिरवाहन करिया अन्छ, शासक्ट विषेत्र अनुके शोलकी व्यक्तिमान। व्यक्त बाक इकमा, त्व लोक्यी कथात यह इत्र मा, छाहा बाह्यविक्ट अम्बा भाशात्कृद नित्त भाशाक, फोबाब नित्त भागाक, फोबाब नित्त भारता भाषाक. '—ক্ষাগত চতুৰ্দিকে ক্ষ-নিম্ন খোলা পাহাড় লেখি পোডা পাইছেছে। भाशराष्ट्रत खेलत क्रतीत तन्त्र अधिकलिल, मक्टलद्रवे उल्टल वाह केरमबट्ट প্ৰবাহিত,-তাহার উপরে আমর। কোধাও ইক চুরীজে গড়ে না, --- त्रव मृत्र, त्रव अमावृष्ठ,---त्रव अमक्षः अमक्षरण्टव अमक्षरण्टनशास्त्र कृतिहा कृतिहा त्वम पश्चित्वहरू ! व्यक्तित व्यक्तित व्यक्ति होतेन,--শহরক পাহাক্তকে ঢাকিছা দেবিধ। শহেক সুনর, ধেবিজে দেবিজে त्याच कृतिया भाराङ त्यथन नमुस्यत स्थाप श्रेषा यासः तम विन त्यथम स्रेश মা। পুষ্টের বলিমাধা বায়ুর সহিত মেখের জীয়া বয়ুই স্থানশত্রৰ ব্যেষ হইরাছিল। শিকাপিক বেথিয়া খনেকেই ক্ষয়ে সৌশ্বীর কাম্বর্ণ म्बर्फ बानक बाब केलिएंड क्ट्रेंटि लात, िक बाबार घरन छात्र किह्नुहे इस माहे। आयात मन এक पानील काकित कानी हेंग्रॉडट शिकाम স্বাই নিম্ম ছিল্ঞ ৰে জাতিব নাম থবিয়া মাতিঃ ধৰিয়া পাথাড় জেগী मस्यूरी कर जनांत प्रतिम । क्षेत्र कृष्ट (प्रमुख शामः प्राप्तः, काराजा कारिकक करर कामका, किस बारोम । अल्लाहा न्यान्यकाल (काम वाकाद कत त्वस मा, विठाव चाणांत विदि यावणा मिट्यबाँहे करते, करवे हता। बाकुकि क्षमण्ड व्यवशास्त्र विष्ठात काल त्रवर्गास्त्रेत जैवन काशता अप करता क्षणाता मात्रक त्राचार करीन : किंद बाइठ शक्क कांकाता मेंकानहें कक व्यक्षक चारीन । शकारक क्ष्मीय बाबना विरुष्ठ दव ना - ग्रादाव वठ

केका (नाना नाहारक कांच कडिरक नारत । निगर मनस्वक मक मर्थ-(मक् कडका) चान बालात निक्षे स्टेटक खदन कवितारक्न :- का तमकह शकाब स्थी। जिला ननाव वाशाया वान करत, छाशांतियास नृष क्रिमारन किंकू किंकु विटि रहा। धनिता शाकारण वरगरत्तर व्यविकाश्य गमस्हें व्यक्ति हात नहेंचा थाटक । आमश्र टेवाडे मारत निवाशिनाम, खर्चन व्यक्तिमाम, ें कान कान करें के क्षेत्र का चानु जुनिएल्डि, चात्र काचा अ वा तालक करित्क्रक । बोहिराबाडे कहेरेल किशामुक मनाव व कममाप काकर ছটটেছে, তাহা শেষ চটলে বারমাস কলিকাতার আলু স্থলত সুলো পাওয়া दाहरत: क्षी शुक्रव केंग्रह हार करता (काषां काषां वासां हाब के हम । जिला बाकिएक बाकिएक है, शाद वाकाद, बाका चारक बनिश्रा ती शुक्त (मधिमाम। छाड़ामिटणत विनिष्ठ कवालके संशीत (मधिमा समरह वर्ष्टर जामक लाहेबाचिताम। हो शुक्रव केठबके श्वतकाब,-- वृष्ट, कचाँह । ही भूक्त मक्टलडे छान बाम कवित्रा बाटक, कार्र काटने, अलाल आवसकीत मधक कार्गाहे करत मुहेर्गानिरगत मरेशा मालिएक वाचा नाहे, वाना-विवाह माहै, विश्वा विवाद स भूमिनवाह आठिवा आएक । आमार-उक्क्यूड-উপত্যকার নিয় জাতি সকল যেমনই সাধাবণত নীতিহীনভার পূর্ণ বিকাশ, चनिया बाडि कियु (क्रमन सट्ट। इंशास्त्र निक्छे मजीटवृत धूव चामव कार्ट्या कृत्यत विषयः निया नगरत, मार्ट्य अनः वाकामीत कीर्याका. त्कान रकान अभिन्नः वैभेषे देवत्थित प्रशिष्ठ नायमा व्यवस्थन कंतिनाटक । समिता कार्तिय वर्ग केवल - टका द केवल मानार कार । वस्त्रीविरणव महार त्रकंड सम्मत्री सत्यक (प्रतिष्ट गाउँश यात्र। वेशता गुकुल **श्रुवः) अस्ति** मर। क्षणां का के के बार करें मारत । मुझा कार्यना यक अवता करवें मां। हैश-िल्ड के के बर्ध को लि ह करियों में स्थाप सामक निक्षां के देश किमानादि पनियाणानाएक बार्न कविरक्तरकन । देशविरणत छिडेक पनिवासाणिक आसारक निकास आरतीक शाल वहेबारक अवः मखाळात आचावन् नाके-बारकः करमारक संवर्गकारकेत्र देश्व कनान महिनारकः। बक्क क्रिके विमानाहित कीश्रम, बक्र गरिकृष्ठा, बक्र व्यवारताता

ক্ষাৰ্নাপ্ৰিণ চন্ত্ৰ চেত্ৰাপুঞ্জি ৰখন বঁওখনো ক্টনাম, ভবন কোন ২ছু আমানিপুলৰ সহিত ছুইজন বুমনী-মুটে সংগ্ৰহ কৰিবা বিশ্বছিলেন । ডংগদিংগৰ ভাষা আম্বাৰুবি না, আমান্তৰ ভাষা ভাষাৰা বুমে না, অধ্য

minai melalbe airei teifeine niem sfemia i femin at fan (१, हेशांत क्ष्मक व्यवस्था ना वांकना कतिर्य मा । स्वतिर्वत मकरणहे विवाहित्यम, देशांत व्यवस्था कवित्व बार्य मा । अभिशाहि, कार्याशकाक विक्री-करवरी मतकांती स्वनवाना क्रेटक मश्रद मश्रद मनावस करत वर्षे. किन क्रोबी त्येव स्टेटन चालमा चालि बाराव क्रिकिश चालिश बाटक । निमः इटेट्ड (ठवाणुविद नथ रहते समय-दूष तीय, माठा नेव दीय-अल-. कि विश्वीत निषय कार्रव पूर्व । अधन गठीत की रक्ष विश्वयक्त वीर्षिक शाद काषा क दशक 'बाहे। शिक्षि मक्षा के बता किया, शाहारक शाहक शाहक शाहक टिक्स मध्य मध्य कर्ता दहाँ। दर्ग। मूच दर्ग निकस्ताहरू एक करिएक्छ, छुना बाब। रन त्य कि जान्त्री शामान, चाबि निर्विद्धे नावि मा अने পথে বিভীয় দিনে কিছু জনতা দেবিলাম। বন্জিন নামক খানের রাজার वाझीटक नृका बहरन, मामहा शुरस्ट खनिवादिनाम । शर्यंत्र मरना स्वित्ताम, क्रान क्रान जी मूक्य, दक्ष वा क्रांतियां, दक्ष वा क्षत्रभूतं, दक्ष वा स्नारकत शृष्टं • समुक्तित्मत हिटक वाहेटल्ट्ड । अनिष्ठा त्रम्येकिटभव बच्च वाबकात প্ৰশালী মতি আশুৰ্যু, মতি পৃথিপাটী। কোন সভা কাভিব মধ্যেও এছৰ কাপড়"পরার বীতি মাড়ে কিন্তা, সম্বেধ। মতক ভিন ইবাবের সর্বাচ বল্লে অপ্রণালীতে আত্ত । ইত্রাপীর মহিলাগণের বক্তরণ আতৃত বাকিয়াও বে প্রকার কুৎরিক্ত কচির পরিচুর দের, ইছারা 'ডাফা দেখিছা ছাক্ষ সংযুক্ত कविश्व भारत मा । देशविश्वत त्याम समर्थ क्षेत्रण कुक्कित भविष्ठत (पत ्रमा । अमरिनिशाक अकृत, वनिष्ठ, छन्न, विश्वेकारी sa विनदी विनदी स्थान क्टेल । व्यानक्टित शिक्टे देशनियात प्रश्नेहे तामामा क्रिनामा व्याहरू-वर्ष । अमेका साकि धनिया अभी निगटक पातीन लाउन निव्यून करिएक, कार्या कतिएड (सर्विहा त्यारि एर कंड मानम क्षेत्राहिन, छाशा माह कि अनिव? cufentu, counte betat wie onitiere, coinie uif gibrute. ८क्षाबाक द्यांने वृद्धि वाहेटकट्य । आमता अहे मानव जैनाटकान विटि ह कब्रिटक, भागादकत केनव विका भवजदक गया गमदत दक्तामुक भीकिनाम । क्रियामुक्तिक मृद्दिति मुक्ति सन् चालका चनिक पृष्टिगांक क्षेत्रा वाटक । क्रहेबारमहे ३०१३२ वरमह मुर्स्स संबंदारकेंद्र क्रवान बाक्का किमुनिक बछाड

[্] বিজঃ অঞ্চল, বাধিয়াবাট প্ৰায় খোৱাৰ চলৰ আহে ল ক্ষান্য ক্ৰ-লোকে ব্যৱধান ক্ষিত্ৰ আছাৰ দলাইছা প্ৰিক্ষিপাক বুচৰ কবিছা লটড়া বাচ

BRAICES DES Sedestes Bufente Bari Fent fenten Grange eftenferen gene ufe i metra Mbinferen auf ma mice, wartel witte einbifen with gifen iben Gift gotte णा दर्शामाला । ज्यूनिक कर पहेशिकार अवस्थि करेसक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक Plas allefes (rifer script) melte mis bis big fem fes केंद्र बाटक । कटबनांव वनि, कृत्वत थनि, क्रिवार्श्विटक स्रोहत विकास द्वरण शाव । किशानुविद, चवि निकामे नृथियोत बावा वर्तात्वक प्रवृत्ति क क्षणात्र। इक्रकात देशाव नवान सनकाराफ शृथिबीएक चार्च वाहे हे माहि-চাৰাট বইকে চেয়াগৃত্তি পৰ্যাত টুগুৰ মাজা পুঞুত বইকেকৈ সম্বৰ্থই প্ৰিৰে। ভাবে ভাবে ট্যুব অভা ২০০। ৬০০ শত ফিট আয়-লখভাবে উটিবাছে। क्षकाव है। म পृथिनीत मर्था चात रक्षण चात्रम् शर्मरण चारह । दश नक्ष शास्त्र ताला आर नश्जाद रेडिशाह, ता नकत शास्त्र राहेफ विक-त्थाना ছাল গাড়ী টানিছা ভোলা হইবে। টাম রাজা পুলিলে চেরাপুঞ্জি একটা ু বাণিশা নীখান ভাল হইয়া উটিবে ৷ চেরাপ্রিডে গ্রীটান মিসনরিগণ প্রভূত कार्व। कविशाद्वन ; बारमक श्रवित शतिवात्रदक औड शर्म् में किड कविता बक्छे मुक्त नहीं मुख्यान कवित्राह्म । हिवानुकृत चारीन टाकाद लाखा के वर्ष अवस्वन कृतिहारकन । बाहाता ब्रीडे वर्षावमधी, छाहाता चारणमान्छ » महा। बेशामत्र मत्या वड़ एक्कि एक्नाएकन नाहे;--क्रांस अदिवादवर (प्रश्वत नवीश बाकारत वाहेवां क्रव विक्रव करत । वाहाता खेडीन क्वेबारक, आहारितात मेडिड अलड विमातिरात चामान दामान खरा चाहाइ विमात हिला बारका बनियादा दहार माश्य शिया अरेक्स वेशामिनात व्यक्ति काशांत्रक काशांत्रक सुना (१४०) यात्र ; किन्क हेरास्टिशन चळींब छात्रिक वक् काल। बामहा सम्योत शास्त्रवा-मुद्ध कात्मक कालानी देशक्रितक महवान-नानाविक किन मोधासिक मानदाब करव दक्षे देशमिनादक ताकांक कारव विवाह करिट्ट अकड नह । अत्रिहे-गामी अक कर मधाव अहेववानगरी महाश्वा (करत शकात्मा बनिया महिनात मानिश्रव कहिमारबन । कीनात क्षकती क्षा एतेवात् । चाकिक छावानित्यत स्थित वस सारे । चनियान वड्ड वामानी उक्त-वामानीविशत देखता वड्ड सदा करत। त्व सकत धनिया निक्कि प्रेमारक, छावाधित्मत हैका, पाकामीत नविक चासान खनान हरत,--राकाणीय महिक विराहानि निरक कान्यरक्षेत्रे देखा । वाकानीरक

Chair affred Accor Mibrers upon wrend After Counties ex MAIN HA ABBREAL COM NINKS HE CAL MORE CONSIDER MAD un und experient and also elles electively elect THE STATE OF THE PARTY WHEN THE PARTY CAND uterfalle bei beiter biert alle al nece anne after finifiente, fog eint mer eiffen feine all : all mant mifen मरणा असम मारमण परत्यत केल हैं सकत (स्वा नात, मानारक मही बहत es, miffine eten, un colvin, feel aface exist bien cut wife ifen affeifen ebre eite aues ein ebet affen, beifecas diniffic winte einer fofete differin at : ains faite लाहिक मा पाकार, देशविराव बर्ग मरमामवश्च अना बरक विवास अन्तर en : fatte-em aufa anfere wire : fes wefen atein bire विवाह कर ना क्टें(व, फर्ज किम केशाता कर यातावत महवान कर्य मा। मुख बुक्तित क्रिकि वेंड्राएंत वेड्रवें मुखान । शतिवादतत दक्क मतिहा, बक विम नवस आसीत बाद्यव मिनिस्त मा इत्. तक्षतिम शाबात आसातिकता मुमाना हु। मा। बाहे क्षेत्रांद्र क्षम व क्षम क्ष ब्रूक बर्गत क्षम व ना कहे वर्त्रव नदीक, मूछ-एएट ब्रक्तिए हव । तमाबित छैनदेश देशाता वस वस क्षक्र बच्छ तिहू चक्राण शक्तिहरू करत । देवादा मुख्य नमत्र कीव वसक वावशास कविशा बाटक

আধার বনে পাতাঁও অনপের সমর এই গাড়ীর প্রায় উচিত চইগছিল, প্রথা আঁছাও তাহা মনের মধ্যে আন্দোলির চইগ্রেছ,—আমানের ব্যব্য কেই কি প্রথম ব্যক্তি নাই, বিনি আসানের অসংখ্য আঁতির, বিশেষত এই বসিয়া আঁতির উপ্রতির অন্ধ জীবনক্ষর করিতে পার্থেন চু আমরা আঁল কাল বড়ই সাহেব-মুগা লিখিরাছি, কথায় কবার সাকেবলিপের নিজা কবিরা থাতি, কিন্তু পার কেইবা আলিয়া ভারতের কৈ কত অসতা আতির কর বছুব উপ্রথম করিছেছেন, তাবিলে অসাক হইতে হয় গ্রামানের অস্কালাতি সকলের স্ব্রোহার করিবার কল কর সান্ধের মহাজ্য বে আপের বন্ধ ভারতেছেন চেবিলে বিশ্বিত কর্মতে হয় । নালী। পাহাড়ের ভারতেছেন ক্রিয়া পার্থারের বার্থার প্রস্তা পার্থারের পার্যার বার্থার পার্থার পার্যার পার্থারের পার্যার পার্যার পার্যারের ভারতেছেন প্রস্তান পার্যারের বার্থার পার্যারের পার্যারের বার্থার পার্যারের ভারতেছেন কর্মার বার্থার পার্যারের পার্যার বার্থার বার্থার পার্যারের বার্থার বার্থার পার্যার বার্থার বার্থার পার্যার বার্থার বার্থা

वर्षा हैशायक महीरवत केमत विदा हिन्दा वाहेरक्टह । यह हैश्तीक कालि,

a miner minites cofficeren wie foge office Mife die Mis हैशाता, अंक्यांक शार्वत आकर्रात, कछ हुत तान एकेटक आणिका कि वृक्ष कर्त्वा-भागम कविटक्टकम। वाकामा व्यवस्य (माक गरकाम क्यांकिक) आविक्षित, किंद्र जागांव कत्राना निविश्वर्त, हाव कत्रिवाद लाक मारे i स्कृ मृद्य कावित्यम मा, चामाम प्रमुखंड क्या । चामात्मत काव वेर्कक क्या बाबाबाब माहे। - कहे जानात्मत्र कार्फाकत्रक अधिक जान जनायांनी প্রিরা আছে। বলিরা পাছাত অনেক স্থানেই অনাবাদী। আমাদের त्वराचेत्र दकाम दकाम सकाचा विष चारामदक कीवरमङ चच्चा कडिएक भारबन, करने दन मकन रनरमत्त्व डेशकात हत्त, आमारमत माहिछा • पूर sar किस कि शक्तिशालय विषय, धवस्त वाशानीक विश्वनाम मा, हिति बातारमद छेवछित सस, विरागत छेकात क्षित-स्का विश्वितिष्ठ উत्तक्ति क्षक किष्ठ करिएएक्स । धा कलक, बाक्टच च्यात त्राचिनात क्षान माहे। शुरुद शार्ख, शालक (कारम, चानारमत करु चकार्य मिविया चानवा किहुई कटिएकि मा ! (करन कर्याव कि तम उद्याव क्या यात ? सीवन-क्रक हालिया विदा परि जागारमत देवित बस स्वर रहते। कविरक शास्त्रन. स्टट किनिड (सब देवारदन बीकमंत्र रशन कतिहरन) अमन देखेंत्र कता-बिन (क्रांत कांतरकत कांत रकांचाक कारक कि मा, नत्मक। धेरे नगरत (कह यहि कहे विकारण कर्कवा-क्रक्टक किवान, करन स्विध्वन, दुविध्वन, कांकात बाहा कि महद कार्या नाथिक क्टेंदि । (beinface अक्री पून कालन कविधा, बनिवादिशंव मध्या धनानीकि लिका विदा केलाक कविएक भावित्त अवर बाक्शभीय हरेक चनिवाय वक विकित बहेत्म दर वरन केंद्रभव कहेटन, कार्बाह्मद बांका क्षेत्रिटका कात्मक ककान वृत्र वरेटक गात्रिदन : (53)-शृक्षित राष्ट्र (काम कारण रावक्रियक कारणका मक महार । कारका छ क्रमीहे जाहे । . बहे चारम यथि मार्शिहता श्रेष वाल्लाव वरिक्र पहिचार मक्त बाहेश वामगृह जिल्हान करतन, अवर पतिवादिरमत महिक मृश्याणिक कांश्रत बाहुबाद विभिन्न सम, कदन कहुन बालामीत कामार्ग, देशविद्यत men Brigg este, att pien beiferna ein mene att wift जाविक क्टेट्र किंद्र बाक्समात्र अपन त्यांक दक्षायात्र १ अपन जनवत्र,

সামী ও স্ত্রী।

यांगी क श्री, रुतिय अक अनुसं किसिन। अनुसं-व्याप्तीत निक्छे श्री, अवः श्रीत निक्छे यांगी। अहे सक्तितित निक्ति स्विधित स्विधित

 क्षेत्र जनकी गरेकाक किछ कारणालन देवियांच्या । जनकीराज दक्षण कारणालनाविक्र जिक हरेंबाद बेलिया (कह तक 5 र बहिटार-) आहर्त-किस अहिए सबाई जाबाह . लका। मबाद्य दर कुनीकि क्रनीकि काराय ठिलाकाक, खावांक दय दिन करिएक व्यापन कवन स्मीन क्यारे मारे। मनावत भानाकत विचा क्या नावन, कुछताः विचा क्यांडरे क्यारीकिंग केश्रिक प्रदेश कि है बार्श्न किल बाहिक कहाई बाधान है बार्श न Giel men mant i femte mul-con ims eleistige en, wente i Chinamaratere i अववात-त्ववित कर निविषक वरेबारक। अक्रमानित मत्। हा कोनामामान (Fines loves) वांशांका राष्ट्रणाठी, छाताबार केशारीनकिक (liberal) । अम्बादक कामान करिक क्रिक বলিবাম বাই। ক্ষেত্ৰক বলিমান্তেন বে, প্ৰবৰ্তীতে ভূজতি আছে। আছি কিয়া বে कवाके। विकास मा । कि.- तममात्र शाकानात्र कांद्रस्तात्र विभाव सिर्वत कांद्र । अंदीव क्वारित गांकिका की अनः गुजरबन समनगांक मंद्रक (र मकन वक्क का कारक कारा विक् कुक्ति सर । यम कार केमीलिक कहिएक देशाहा (क्ट्रें) कर्डक, केलाबार अधिक क्षेत्रक रवत । व्यक्ति कार्य कृषि नाई । अ मक्त निवादन व्यवसायना कृष्टिक स्वयस कान कान चनविश्वार्थ। कथा ना श्रीकारे चाक्तिक नावा यात्र मा। वाहावा, बाटक "कु" तार्थन, क्रीशास्त्र सहदे चानका चारकः अहे किन्-चानि-मूर्व गृथिको क्रियायत सहस्र बारराणा (कन : बार्ग पुकारेका बनिया बाब नवकार कि ! श्रीकार सक्तेंपकारक

करे देक्वविश विनित्तरे कहे देवित्वाह शंकीत उर्घ केस्वाहक स्वताह । गरमात-महम-मांगरव व्यवद्या वांता, व्यत्मक्त-मध-गृह-महम्बुद्धिक अरु यांव नावित वांता—पानी क जो । केव्य केव्यत्वत वांता वींक, केव्य केव्यत्व पाना विश्वक, केव्य केव्यत्वत वांता केन्द्रम । प्यर्गत मन्याकिनी, वींवन-केव्यत्वत क्रमी मध्य वांता,—पान्यका त्वाम । प्यर्थ, मखा,—पाकाय नावान—मन् वांश करे व्यत्त त्वारम दक्षाद्य । मान्यक मन्याक—स्वाहरू व्यव कर्या।

শূল সূটে কেন १—পান্ধী গার কেন १—খনগা চলে কেন १—চারা হালে কেন १—খলর বার কেন १—এ লবলের এক উন্তর, এ শকলের কারোজন আছে। পূক্ষের জর্ম করিন কেন १—নারীর ক্ষম কোমল কেন १—উভরের স্কৃতিত বৈভিত্রা কেন १ উভয় উভরের নিকট মধ্ব কেন १—উভয় উভরের স্কৃতিকে চার কেন १ • প্রিবীতে তিপ্র স্কৃতি কেন १ ইহারও একমাত্র উক্র, প্রয়োজন আছে। পৃত্তী, বিভালের জন্ম লালারিত। এ সকলেরই উদ্যোজন স্কৃতিবিভাল লাখন করা। কাহার ইলিতে, কে আনে, সকলই ক্রমার্গত কেই বিভালের প্রথম চাইতেছে। প্রশার সকলে ক্রমার্গত ক্রিনিকালেরই সহযেতা করিভেছে। হাল্পভা-ক্রেম, স্কৃতি বিভালের সূল বিশ্বা

কি আনি কেন, যাসুব, সমরে সমরে স্ট-বিধানের অভীত হইতে চার।

কি আনি কেন, যাসুব-প্রতি ঘটনার, প্রতি কার্যো, প্রভাকে বিধানে
কর্মবের পূচ্ উদ্বেশ্ধ বৃদ্ধিতে চার না। উক্ষ রক্ষের ক্ষোরে যাসুব মনে
করে, স্ট-বিধানকে অভিক্রম করিবা বৃদ্ধি পবির থাকা বার। হাস্পভা-ক্রেনকে ঘাহারা স্টের অপতিহার্যা বিধান যদিরা না বৃদ্ধির স্থান করে,
বা উপেকার চক্ষে দেবে, ভারারা খানানের জীয়—মস্ভুদ্ধির অভ্যুক্তনা,
পূথিবীর পাপের ভাঞার। ভারারা করিতে না পারে, এমন ক্ষোন করিই
নাই। ভালবারা ভারাকের নিকট অয়। ভালবারা ভারাকের নিকট
ক্রেনেরির। ভালবারা—চার্যের নিকট ক্ষম। স্বালানা ভার্যের নিকট
ক্রেনেরির। ভালবারাকে যাজ্বর স্থান করে, ভাষারা অহলার-জীত যানবল্রীরের
বঞ্জবিধ ভালবারাকে যাজ্বর স্থান করে, ভাষারা অহলার-জীত যানবল্রীরের
বঞ্জবিধ ভালবারাকে যাজ্বর স্থান করে, ভাষারা অহলার-জীত যানবল্রীরের
বঞ্জবিধা। ভারালিরকে মান্ত্রের আন্তর্গ ভারিরা ভূল করিও বা।

भक्षाची, केविहा (द अ अवस्तित्य प्रशांत त्रप्य विविद्यम, क्रांशिक अस्मृत सम्बद्ध सारे । किया बहारायत समा कामात कियुरे कविचात या प्रतिवाद सारे ।

ব্যাহে নীহার বৃত্ত নত -- একত ভক্তির পার তিনি । ভক্তি, আপরীর রুখ্য-উৎসের সমূহ কল ।

विक्र विचारत वक्की क्यां व्याह्म । वीशवा विचारकार साम व्याह्म व्याह्म करतम, कीशारत क्यां व्याह्म । वीशवा मध्य व्याह्म व्याह्म

মাধ্ব বছই মূর্য—মাধ্য প্রেয়ের আর্থ-বীজ নোপণ করে। যে কোমে আর্থ আছে, সে প্রের প্রেই লয়। প্রেমের পণ, আন্ধা বিস্কান। আঞ্জা প্রেমের করে আর্থ মৃত। এপ্রেমের অন্থলেরে, বাধা-বাধনভার মাধ্য বেধানে সর্কার ডালিরা দিতে পারিরাছে—আপানার জল্প আর বেধানে বিস্কৃতি নাই, অঞ্চেড রেবানে বিস্কাতি নইবাছে,—সেইবালেই প্রকৃত প্রেমের বিকাপ হইবাছে। প্রায় আরীছে, আরীছে রিবানে বিস্কৃতির, মেই থানেই লালাতা-প্রেমের অভ্যানর হইবাছে। ব্যক্তির ইবিরাছে, আক্সান্তরার রিবাছে, বেবানে বিশ্বতির, মেই বালেই লালাতা বিরাছে বেবানে, সেবানে বিরাহ হর নাই। সেবানে লালাতা প্রেম নাই। ভারতবর্গ লালাতা-প্রেমের আবর্গ বিলয়া বানে। গীতা, সাবিলী, রুবনতী, বেকাল ইবারা বানব-স্বাদে নরবাহ বেবা-ক্রমা, ইবাছের নিঃমার্থ প্রেম অন্তর্গ আবর্গ। কিছু প্রেমের করে প্রকৃত্ব আবর্তান, প্রমের ভাবের আবর্তা আবিলা করিব ভাবের মার্থ্য অনীরিবার্ডিত বাকে নাই। এ বেশের রাবিকা ক্রমণ অবর্গনী—প্রেমেরই ক্রগার্ডিত বাকি অনীর ক্রম্য আই ভাবার আবর্ণ।

নালভা-কোৰ পৃত্ত বে বিবাৰ পৃথিবীর বাবুকে কর্মি করিয়েছে, ভাষা নয়কের ভিনিষ। ভাষা বিপ্-বেবার উপকরণ সভি। সমাজের

ades मारेशमा प्रशाप कामरे मुना मारे । अकुछ मछीत स्वरमप क्या-"এ ৪৭২ তোনার, এবেছ ভোষার,এ দর্মস্ব ভোষার, স্থারি, <mark>স্থানি ভোষারি</mark>, ক্তৰি আহার, ধাংবের বেবতা, আমি ডিইকাল ডোমার বাসী ি আছত वाबीव किरवाशास महीत कीवन कार स्वाब क्य-त्यक्या. माविसी क्यांकि है शह पहील । ताहर प्राचीत कथा, "मण्डि, फुमि फुरमन सुनाम, करकन wan, horus gen, mila fonein coinia wickes wifen : coinia कछाटन कामि मुझ, समित कामात समग्र हानी हैं मजीत कहारन महारेशरणत धेमाक्षका बढ़ारे का शाबिक, बढ़ारे मधुत किया। अक इरखद प्रति मुख्य अक नाथाइ कृते भावी, अक मनीएक कृति कृतक । (वशान अकृति माहे, रामान अबडी १ नाहे,--वाकियात राम माहै। मान्न हा (अमेडे। रा कि, काश लाहक यित्य रहरे कण करत । यात्रीत अकारत श्रीत, धवः श्रीत अकारत यात्रीत शक्तिका बाका का अतिका पारकात वार्व मनान । (मबारन ना अबारन-(बबारमहे बाकक, करवर मन-मिलन काहेंदे। मरन महन मिलन, महीरत महीरत भिनम,-- अक्टे व क्यार-तार्थ नाहे- वह मिनिया अकी कहा। अकी कर ही। श्रम् । अपनेश---त्मिरिकड माक याम् । छत्रवानगृष्ठ त्यान बाद, छत्र-बारमंत्र क्षत्रमंत्र रण महिएक भारत ना। याभीत्याना खी प्रामीटक वा खीत्याना লামী শ্লীকে ভলিয়া মোটেই থাকিছে শালে না। ভোলা অসম্ভব। ভলিয়া वाख्याहे (वन लाल । जीवन मन्न भाव कि १- विटिए वाबिएनरे सीतन, क्रिट्रत मतन । वाबीटक कृतिया वाश्विकारिय श्री :-- के त्रथ महरक कृति-(करक । मृत्र श्रीरक कृतिया के तनव चामी रकान गाँएन कृदिया सहि-(कटका नाट्नरे माध्यक मटना नुगाचा मविवास कीविका वासीटक कृतिशा नहीं श्री बाक्टिंड हात मां, बाक्टिंड नगर मा : श्रीरक कृतिया कार्क वायी जीतिक वाकिएक काममा बाटब मान केंद्रे जबर टेक्क्ट मंत्रन-अन्ति-अधिक । अर्थनी, द्वारिक छत्र, अर्थक छत्र । द्वारिक दी अर्थन विकासीन थाक्टिनहे व्हेला के क्र 6 मान्नका ८ श्रम द्यवीदम, दम्बादम प्रामीत प्रकादन ही बहुता, श्रीत अवाद न्यामीत मुद्दा-अवनासाती । चामी महिवादस्य, वयत हो विश्वयाम चाहिन, देश कृत क्या । वाबी दरवारन नीहे, नहीं क ्मवादन महने, वीविक वाक्तिशक माहे । मठी दक्तादन माहे, कामी दमवादन विर्ताहित | रे हेराहे चालादिक। अरमन माजार मन्द्रस्य माजिक मन-क्षता पारी के अवतवन मही, महीव अवतवन कांगी। पारी-तृत मरमाव

नकीर निकड़े अनाम । मही चार्च त्रांत काबीड प्रमुख कुर्व डाइ हा कर्ता बाद । यांनी यार्थ विवादक्त. विक अक्रम मंत्री मरमांदर वंगदक वाविका सांवि-सारकतः हैन। नक्षव रनिता सर्वा कविरक भावि में।। "शाही विद्यारक्षतः विद्या क्यां कार कामां कि. कावि मानाव कडि"- अबन कथा मधीत प्रवाद मधीत वेका आबारम माहे। वेका पहिता बढा करक लाल। वेका वा बाबमा विवेषिक मठी कि काटन कांच देशिए ग. अवारण क्षम वे विदेश भारत मा । बालाब cost केंब. किछालके लाव मन वेशिया मातिया माति (म (लामाह मानाह बाद हार नां। देश के बाकारन, के विष्कित्तहरू प्रविद्व है। है हार केंग्र-्टबरे विश्राम । जामी निशाहन, त्मक केंचात्व विश्राम, **श्री** देव नम्बाद-বৰ্তিনী চহ দেও উৰয়েও বিধান। তিনিট স্বামীৰ সঙ্গে সংজ্ঞ প্ৰত্য সভীক্ষেত্ৰ लहेंद्री यान । मरमात 🐗 कतिरव, शाब कवा ८क मालन कहिरव, ज किमाव मकी श्रीतरक विमाय सा। बारवत ब्यारक माल्यम कविवा रम रक्याम वादिश्व न त्म चाकित्क भारत मा। छात केका तमनात्म माहे। महीद चाबी किन चात किहें है मारे, अल्डार चामीब किरबाशास महीब बाव कि बारक ? अरक्ष किटबाराटन ज्यापदात अखिक विवासाम (वंदाटन, त्यादाम कान्नका-द्यादमह weis : Ton Blas lengenaie Berage uin i dies fante Blate amaig nim en : fanglie fante, faunt fante, au fantengt mu वित्नव। हैंबा चलाच प्रविक । अभारत क्षेत्रक विवाद बहेरफाछ ना बिनवा, अमारकात क्याब कानवादमान क्या क शंकन तिमुम्बाक निर्वाहर wurd Gewifen Giate wiele big, as, fou beite cettes आवर्ष बनिशा कथनहे कृत कदित सा। वह विन व्यक्त शामाका त्याया गृहे मा प्रदेश्यत्म, जानव विके व्यवस्थित । व्यवस्थित विश्वति क्रिक्ष व्यवस्थित क्रियम स्वतः । विदाहि ताकृत बाम्नका त्वात्मत केवत क्य नाहे, व्यवक विश्व क्रतिकाव क्रकेटकटक, तम विवास च्यादम चुनाव क्रिजिम । नामा विवास विवासी जन क्रकार बाम-विनदीक में बानविषया क्यात क्यातीक पूर्वीवर्गत मर्सन्।हे timfes i a nere einige mirfe nit, att uibet mies क्षा । श्वादी महाब-माश्रादकारमा श्वादीनगढ क मश्का निर्माण कुछत्रार के मुक्टक चार चिक किंदु अमित्त हारे मा । कि मही, कर कामी, देशहे व्यावनी वह दिवार, कान्नका दशदम दिरहाती कवा

बाब्द्यव चार्व-द्रम मा जित्राविक रहेता, आहक व्यान-छक्त केरिक रह मा। अवश्व वार्व बास हरिता जात कि बाकी बाकिटन (व, व्यनहर्क निरन ? शास्त्रक त्यमन कृष्ठी शांका नाहे, कृष्ठी भिका नाहे, त्यहेब म कृष्ठी जी शासाब mner : du an mine Goit Gineinie de de un fer feben. बदानहे जानाव त्यन बन, कुठताः जनक कान चानी जीत मक्क । नर् चानीne alla fatte aut not all ge untila fatte. Gont Bita क्रित्र। (श्रावत करक समाव क्रातिक (क्रमांक्य नार्दे, नव नेवात। शालाहा-(अप शाशा धराप आफ हिंछ, त्म अक प्रवर्ष वा अक सूनरवन वाकि क्यारे कृष्टिन नवत्न छ।काहेत्स लात्त मा । छ।काव निक्षे अक्यान ক্ৰমৰ ভাৰাৰ ছী. বা ভাৰাৰ খামী। সমাৰ বাস্পত্য-ব্ৰেম্থীন ঘটছা effente, um fagiete fagie nich wiefem um perme. fagiebt विश्वादानात वाक्षा केलकान हरेबा केंद्रियात. वह शक्का निवास जी भूकत्वत हुई किन्न विधान गमात्म छनिद्वत्त बिनाइ विधा-विधादत्व সপক্ষে কথা বলিয়া থাকি। সাম্পত্য-বেমহীন বাদা-বিধাৰের জ্যোত व्यवादिक बाकिया नवाक्यक कन्यिक कविटक्ष्य देनिया नुमस्तियार युक्तिनिक हरेखाक, नाइर शूनविवाह दर्गन माखरे मुक्कियक नाह । अ**वाहक** दिवाह अक्बांत कित्र भाव व्हेटक शास्त्र ना । विश्वात शत्म उत्पर्वाहे भावमें विश्वात । किय यक विन नामा निवास कार्तकक, अवर भूमावत यह विवास (बाक कार्या-विक,कक्षिम दम कथा बाटी मा । शक्तवब वक्षविवाद केंद्रिश त्याम कथा वाला-विराह निवातिक हरेल यकि वाक्रक कानवाना-यूनक व्यक्ति विवाह कान्तिक en, the stare einer Catten wiging en, wei faut faiten confint व्यासामी क्षा वाविष्य ना । वहविवाद महास ध्वर (क्ष्मवे क्यांसक इगंडि इटेप्फर्ट । देवविवेत स्क्री, मन्मरहेत स्क्री, विवाद-निविम्छात हत्रम क्त । विवाक-निविध्वको वा बाहरता शाल्यका-त्वाय किरशक्ति हरेशाए । फाइटक मजीकान जिवाबन प्रवेशारण त्व किस प्रवेटक, त्ववे किस प्रवेटक विवाद-वक्षम निवित क्षेत्रादक, संस्ताना (श्रादक मन्द्राक वस्त्रादक का

[े] गरंबर भागी तथः ग्राहेर क्याधान क्याध्य ना करितंत्र ते क्याहित्व त्यांत्र त्यांत्र त्यांत्र त्यांत्र त्यांत्र त्यात्रक मर्गोनीहेत्र निर्देशको केहित्य । व्याहरूका, क्यादे गान, क्यादं त्यांत्र देखा व्यवहा यात्र ; व्याहरूका क्याव द्याः, क्याद वेपांत्र व्यात्म पूष्टिका त्यांत्र वेदाः, व्याहरू क्याद्र वेद्याः व्याहरूका देखाः व्याह वात्य वात्र वेदि के रिजाइक वेद्याः निर्देश वृद्यात्य व्याहरू वात्यक्ष व्याहरूका, ता क्या व्याह्माः

অবন বাশ্বিকার কিরোবান ব্রিরাই নহাপ্তা রাজা রাজ্যরেক্ত রার নতীবাহ-জ্ঞা-ক্ষপত নিবার্থে বছপরিকর হইরাহিনেন এবং বেক্টিড 'নে কার্য্যে করিবাছিলেন। তথন প্রকৃত নতী ক্লিন লাঁ বলিবাই, জাঁহার। ও কার্য্যে কুজনার্য হইরাহিনেন, নচেও ইজ্ঞা-বজ্ঞিক আপ্রত্যাধ নিবার্থু করে, কোন্ আইনের বাবা ৮ তবন সভীবাহ হইত না, বিচা-বিশ্বির বাহ হইত, তাই আইন ও কার্য্যে সমদ-কারণ আজও বে বেক্টিক ওবং 'রাজা বার্যেহিন রাহকে ওপত্ত পূলা করা হইরা থাকে, ইলাডেক লাই প্রাথা বার্যাহন রাহকে ওপত্ত পূলা করা হইরা থাকে, ইলাডেক লাই প্রথাব পাক্ষা বার, আজর লাল্ডা-পেবেরপ্রকৃত্যান সাধন হব নাই। গাল্ডাভা জ্ঞান এবং স্কৃত্যান, আর্থা বিষয়িক লাই। পাল্ডাভা সভাতার ওসবত্তে বে কি বহা অনিই সাধিত হইরাছে, ওক-মূবে ভারা বদা বার না। হা ভারত। বা বাল্ডাভা-প্রের। হা সভীবা হা প্রায়ীয়া।

বিবাহ-শিখিণতার আর একটা প্রধান কাবণ, বালাবিবাহ, এবং বিবাহ-চার্ফলা। মানুবের বালালীলা বেধিবা ভাবী কীবন-গাঁচ নির্ণর করা বছট কঠিন। বালা-কালে শিশু বালক বালিকার মন অপরিপক্ত। অপরিপক্ত মন লইয়া ব্যন উচারার অভিভাবকন্দের উত্তেজনায় পত্তিপীত হয়, তথন ব্যক্তা পরম্পর পরম্পরকে একটা বেলার সামগ্রী যাত্র মনে করে। শ্রীবিজ্ঞে বেধিতে ভালবানা গাচু হইতে পারে,—এ নিভাস্ত নিভান্ত প্রমণুক্ত। খেলার সামগ্রীর প্রতি বেমন কর্ণভাবী ভালবানা, বছত এবেশের বালক গালিকারা সেইরূল অপুরাহী ভালবানা লইয়া জীবন-পথে অগ্রসর হয়। ভারপর ব্যবদ প্রীরের সহিত্ত মন মুট্টারা উঠে, তথন বনে মন নিলে না। উভারের জীবন-ভাতি সময়ে সময়ে উভারের প্রতিকৃত্তে ইছিলার। প্রমণ্ডের জীবন ভালি সময়ে

यांत्र है या कि है क्यांनी देश्वित करा मान- रिपानीय निकंध केकबर्ट स्थान । वेशवाद ना कि है क्यांनी देशियक देखा कराम ना, यांत्र देखा कराम ना। केशवाद कथायां कायां —सेवाद है क्यां पूर्व न्यां प्रतिकार ते वार्त्य, त्रांत्र त्र क्यांत्र त्रुक्त ; क्यांत्र देखा क्यांत्र त्यांत्र त्यांत्र त्रुक्त ; क्यांत्र देखा क्यांत्र त्यांत्र त्यांत्र त्यांत्र त्यांत्र क्यांत्र त्यांत्र क्यांत्र क्यांत्र त्यांत्र क्यांत्र त्यांत्र त्यांत्र त्यांत्र क्यांत्र व्यांत्र व्यांत्र व्यांत्र व्यांत्र व्यांत्र व्यांत्र व्यांत्र व्यांत्र व्यांत्र क्यांत्र व्यांत्र व्यांत्र क्यांत्र व्यांत्र व्यांत्य व्यांत्र व्यांत्य व्यांत्र व्

MEMICES FARE SIZERM REG ER ! APRICAT BIRE SECT MICES আৰু অভিনাৰ বাকে না। এবিকে পাশ্চাতা-বভালা অবিহন্ধ-বিজ্ঞানীকৈছে. वास मा सान. श्रीटक शृहकात कर । विवाद-कश्व-कश्वा मार्का मार्केन-विक्य, कुछश्राः छवन पुरक प्रशीता नदन गरन मन छात्रिक्षा जालन जालन (क्षकांत्र भाव स्थाप कविटक थाटक । एक विदाहर क्थन गांकन शहर केर भाव इस । बाह समाजित मालन मानिया किछ । देवविषेत सम शहे इस । जन्महे-कार महिल दुसार किएन अवाहिक हरेंटि बादक । वामाविवाह कारनेव- अक रियम अमिट्रे ताथम कविटक्टक । यस यक विवाद सा दक्षात प्रकृत, दक्षाति । विशान्ती (कदन विशा-दनवात देनकार करन वायकात, काशास या गृहकारिगृह क्रेमक्ष्म अर्थ दावकृत वृदेश क्षामिर्काए । इंशाइट व्यवक्रश्चादी क्य---वास्त्रित्व वा विश्वास्य । देशवरे अवस्त्रस्थी कन-(श्रमशीनरा । देशवरे व्यवस्थाती कत-व्यवसीमछ।। हेबादहे चत्रश्राची कन-लक्ष । अक्र দাম্পতা প্রেমের মন্তাবে পিতা পুত্রত ভালবাদে না, পুত্র পিতাকে নরকের দেবভার স্থিত ভ্ৰমা করে, প্রছা করে না, প্রছা করে না । এই প্রভারে সমাজের পরিত্র প্রীয় সম্বন্ধলি পর্যায় ক্রমে ক্রমে অপ্রিত্র ক্রপ ধার্ব कतिएक । देशवरे भविनाम-शृक विवास वा वार्य माधानव सन्न वाशीवला-विश्वक्रिया । अ शक्त प्रथम छैल्डिक इश्. एथन त्वल नहत्वह क्रक्रिस प्रतिश ইয়া মানুবকে পশুৰে পরিণত করে। তথন যে মানুবের চেহারা বে কিন্তুপ क्याकाक वस, माछ्य छाहा क्याना कतिएछ लात्य ना । धहेक्रण विवाह शाशास बाठनिक मा रह, धारकाक ठिकामीन शाक्तिवह छ० नहन ८५दी कता छे 6 छ । अञ्चल विवाहत्क विवाह सारम् अखिश्विक काला छ छ लाल आहा। बहर अकल विवाद-स्टब्स आहेर्स या नामाध्यक जिल्ला थाका छेक्कि । किन्दु पूर नावधान क विठात कहा छेकि । विवाद छक् (Divorce.) अवा व्य-मठकं ठाव महिन अवव्यक्ति मा वैदेश महाद्वार चारहा अभिडे १व । बाना दिवाह धावा छनिया निया चावर्न-दिवाह काखि-Be wai bles : mirf fatiet ein min fatte-wie ein muffen ताथा दशारहे है किक सब । विशेष-एक ध्रांचा पुगलमान नमाक, अकान न्यात्म कशुनक अभवन प्रतिशास । आर्थानमाम सहेत्व यानाविवाह इतिहा बिटर्-भावित्म, श्रांवर्ण विवाद तावा विकिष्ठ विद्राप्त भावित्म, ্ৰিবাৰ ভক্ত প্ৰত্যুত কোন কলেই প্ৰাক্ৰয় বেৰয়া উচিত নয়।

ेचार अने अमान दिवार-का नवारक (क्या निरक्तक, खाराटक दिवारcioni ciani affice ani cie i maier fem ciantente des मुख्कं कृतिका विचारक, बानारकका नांबाक्षक ब्याव ३६ वर्गरक शरका विका-क्रिक वंद्र मा १९ ३७ परमंद्रित नव कार्रावित्तव अवहै तिनुहासना सन्द्रिक eben uten i ab nure feetent aute uben, wiele femifen कान-नरक्षत्र क्राप्त (क्रमन बाक क्रम (क्षित्र) मध्या मध्या मध्या क्राप्त क्रमा क्षत्र विकास माहे - बास्टितन क्षत्रहे अहे मध्देश क्रामानक विवादनत स्रेमेकतन विनद्या तालीवमात वृद्ध : १०/३५ वश्यादव वागक मानमिक शोक्षमा कि शृद्धां । आक्रमा निष्क कृष्कार्थ (क्रमविश्वाम, व्यावाणी क्रहे, केष्क्रण नामिका, क्षेत्रद तीकाल का वहत करेका, वहत कानि, शामितक व्यक्त, वापूरक (कारमक, ाडे मकतहे वांसाक्त मम काफिश मह । वालक खबन क्यींत हरेंगा लाफ । विका वा क्रेब्डिश शृह्य वार्त्त गड़िश कात । विकास करून क्षेत्र गहुन गड़िश शह मा चक्रतामय मध्य पहेंचा छिटि । लट्डिट लत मध्य गढ । शिरिक वरेटक भारती की क्षाबाद दिश्व-ठाकरणा कर दानक रव व्यापाबीत महिक श्वतिक क्षेत्र (लट्ट काम्प्पांक कवित्राह्मन, दक कान्यत प्रमा कविदक भारत १ (बोदन श्वन क्वांकि दिस. हैं। न्यूंश व्यन निकास क्य. स्वत व्यन श्वम इत् अम्माद्य अक्षाम व्यम्दव वाशिकात द्रमानात क्रम यवन मिविया कांश्र हाब हाब । कर्नन कठ गुनक, शृहदक, श्रीदक स कीरदनद कांब महन कार तक काकांत सनमा कतिएक भारत १ मन कवन सक्का शिक्षा भएक. अस वनकीत मध्य कड़ाक क्रथम रहते थिते ! अहेकण विश्वकि केसरवाजी व्यवस काशीर मम तथन छाविया भट्ड. छथन कार्ययामः विश्वीत छात्र कार्यास्य विश्रीत-माण्य अवत शक्त । विश्राम अवत अम । विश्र शास्त्रात्म अवत कति औ वा अभित आम विकास नात क्या, छट्ट अस्तिक शहस शहस शहस सहस পुछित्र। यथन कथ इत, (क्ष्म्हे छाहा निवादन कतिएक भारत मा । अहेस्त्रभ বিজ্ঞেক কত বোলার সংসাত অলানে পরিগত হইবা পিয়াছে, কত বোনার क्षोतिका निनाट्य संडा-नियाम श्रेषा दक्षिएम । वश्कृषि व्हेत्रण श्रीवक निर्नीटिक ब्रीशारधनात आम अनिमें। वश्रतन् करेशन निर्नाटित तृत्छ। बाक निरम्भ व दीनक्षत्र !!

" नामाजिक वक स्रोति आर्थ चारक, चामारतत मरक ककरतर ादुरान कय नैसारनका कृति । अहे खरमह कानकन मीमान्त्रत केनतर नहारकत केंद्रकि मन्त्रात निर्धा करत । जुड विनित्त अक्त्यानन, व्यावक निर्धा वर्ष ।

अहे नावरन कानिकिट रा वर्षमान ननारका हीनावर्ष ने क्रिकिटीनकार
अधान कावन, अक्त्या कावानक कानीकार कित्रात रा नावे। क्रिकिटीनकार
अधान कावन, अक्त्या कावानक कानीकार कित्रात रा नावे। क्रिकिटीनकार
राविक क्षेत्र कानीकार कि केलाव विद्यान, वी क वावीय अक्रिकिटीन
गाविक क्षेत्र गाउन, अक्त्यान आत्रात नी मार्थन स्वावक कावानकार
काविक्रकार वर्ष कित्र नक्ष्मात काविक्रक ना व्यवस्था क्रिकेटीन क्रिकेटीन क्ष्मात काविक्रक ना व्यवस्था क्ष्मात क्षमात कावानकार
नावान क्षमात कावानकार नावे।

আৰু কাল মানুহ বড়ই স্বাধীনভাৱ পঞ্চপাতী হটৱা পভিয়াছে 🕫 স্বাধী-नका नार-प्यक्राविका । धरे प्यक्राविका-मूनक पानीनकांश्रेयांन मुर्ग- विवादक्षण व्यक्ति नुव्यान वक्ष स्टेस्ड क्षक ट्यामित लारकत स्मै ठाव मा। क्षमध्य प्राप्त पात्म उप्रिटिक ल, विवाह-वामा कृतिया निमा व्यक्ता-ভালবাদার • প্রধা প্রতিষ্ঠিত কর। এ সকল পার্ল্ডাতা কুশিক্ষার এক-(सन्दर्भी यक मान्यात अति भावतिक पूर्वा अवस्ति कताहे केठित। अहे प्रशिष्ठ यटक्ष कार्रमाञ्चारकस्थान भाग कार्रकः। त्यामनिका मानर्रश्य अविमाज লকা। প্রেম-বিকাশের প্রধান আগ্রহ পিতা মাতা, ভাই, ভগিনী, এবং जकात्रव देनाव श्री करः पात्री। क जकत कामराजार देशकर्य जायन क्ला - नविवाद । नक्षमभीरक नविवादात मधुरका आहे । नक्षमभारक नुबहे সমরে মান্তার স্বামী দর ৷ পিতা মান্তা, ভাই ভগিনী, স্বামী স্ত্রী — এ সকল अवृत मध्य केंद्रिया बाहेरन बाग्नरवद काराज नका, नमारवद मुका भतिगाय-- (चांत अक्काराव कृतिया गांत । **এই मक्त मस्दा**त मस्दाका--मुन्देश्वरण विवाहसून वारीम मुख्यान मिवस । विवाहकनः व्यक्तिकः वार्मिक मा .-- भिटा, माजा, कारे, क्तिमी, वामी ही - व ममक मक्क क्षम किस : -- डचन माझूर बात नवाक कानरे नार्वका नाहे। खेरे नवन देनिक चनार करार चार चरिक नमारनाहना करिए हाहि ना, चायरा करे नदी ह वित, दा काराव चारमित्रका अकृष्ठि द्वरण विवाह अवा निवित हरेगा गंकितकरक, (महे मुक्त कारन कामात्मत त्मरन केनविक व्वेटन, व तारनर हात्यह शरितीया शाकित्व मा । एकजाना जातत्वह ह्यिन आहा निक्रेauf sint unferen

কেন্দ্র-ভাগবাসা—Proc love এর বাজনা অভ্যাদ। শরীবের সবিদ্ধ, রিপুর সবিক
বহি সক্ষম বা বহিছু, গ্রহর ক্ষেক্র-ভাগবাসাকে ক্ষেত্রের বানিয়া পদা করা বার কা।

CAMINI-LAND RELIGIOUS WALL ARRIVE AN ARRIVE ARRIVE ARRIVE 198 Mara: En mit fein gent mitagt mit melnei- auf neter iffen bie i Cuter frain Cots-mit-बढाइ : अदीवकार रा दिव दक्षाचे ता व शालका दक्षाक सक्षक किवित मान कृतिरवदे; कारक स्थान कृतिक क्षा है कि दिला मानक मानिका laus art ferint milaus die i. centes fente art laus mit, -- त्वादन व्यक्तिका मध्ये. त्वादन त्वाप्त मात्रे । कालवामा मानक वह भार कियूरे नव । या नथानदक सामदारम, कार कर्य कि, का साम र---चार चर्च, जानमादक जुनिया मखादमय कक वाहिया वाहिया car विश्वका CREST ! जो चामीरक कालवारम, कांब कर्य कि, कांस + कर्ब, कांग्रीव मन्द्रवर वस जीर जान विवर्कत । अभीतका क्रिक्ष दर्शन जाहे । अनुवर-ভঙ্জি, বেৰ স্থীনতা; স্থায়ী ভঙ্জি, দেও স্থানতা; যাত ভঞ্জি, দেও भवीनका : दान ककि. दनक भवीनका । भवानि (कार्यानि, क्रवि वा बनिदर्य) व्यार विश्व काश काँटाक नावि"- ब काब ना इतेल कामवामात्र काबुडहे क्त मा । जाविकांत (सन् रक्ष । हाविका कम्बिनी, फांड कुन माहे, बास नारे. काठि नारे. वर्ष नारे. नका नारे. यह नारे, श्वास्त्र कक मर्नाय (म Difest festes : aces wa ace-etes au : tielle ex-ejuis खारन नवारे (रन वाजिएक:क, ता चात कछ चत्र कमिशारक, किस के काम-वानेतीत यहत-स्तनि किछाउन्हें क्रियाक शाद्य माहे। चात किछाउने छात मन मारे, चात विधूरे छात निकृष्टे मुख्य नव । वे सामक्रमरे ठाव तार्म्ह व्याबाद्यत बच्छ । काम किछ व्यंतितमहे काल लाग व्यक्ति वत---त्र करमन महारा द्यरचत अञ्चितिक त्वविता मचीदक केलिया चटन--- करनव महता द्यव लकारत बाबाक मुनि : आयात माठि भाग मधान देखा, जान वैक्तातन छेनाव कि ?" दिशास त्मवास हावा के क्रफ बनवे तरवा ने काम-बानकीव करते करता। के करते हम कमिटन, के कारवर्षे हम गठिया परिटन । मान, काहे, बाहा हेका कर, किछाबरे खाय-अन्दरर विवास माहे। क्रकetie, ameine, amenin - amedien, nifemie i Cetten bien siene मसंब विमुख्यिक हरेशाइका अहे अबीह कालवामात बावग्राहिकका मका कडेंक, विकार क्केंक, क्षणबाटनक केंगब क्यम आहें खन ट्यायन केंगब कत. क्षत्व मानुष (बर्का वह, क्षत्वहै ताहक क्षत्वित बाहावत हत । किक द्वारमध

क्षत्र राविका स्वास्त्रमी ; क्षेत्रकात्र क्षत्र मत्र, मान्यकात्र अक्रमात शका यहत दशायह सक कामा समिताएक, फुरिकाएक,कुन काफिन्ना चानूरण कानू श्वित्य । ताथाकक श्राम् व्यवना मान्नका त्वाम नटर, काराव व्यवसाधिक erint wice ant Giel eiffle sebrice i uniten dat eradla cettes प्रश्लेष्ट वार्थाल क्रेड्स । किंद्र श्लेखा, नाविकी, नमवंदी, क्रेमीना, (बहुता से महत्त्वासरी क्षेत्र है अहिलाग्रह्माय मंत्रीय वा मंत्रीय दशरमंत्र है जिहान क्रमा व केक्टन । अहापत का माहे, मक्रांत जब माहे - खरापाद छव निहें -স্থানীর অস্ত স্তী অভয়। স্থানী নগিন্দেরের মত শরীর লইনা স্তী বেরুলা জবলে তাপ কিচাছেন, স্বামীকে বাচাইবেন, তবে ভাতিবেন। জনে সভ পানীর দরীর পচিয়া উটিল, ক্রমি ভীট জামিল, কিন্তু বেচলা প্রেম তব্ অবিচলিত গ বেছলা তখনৰ অকৃষ্টি ভভাবে চৰ্ণন্ধনৰ আমীৰ শ্ৰীৰকে কোণো कतिया त्रहिशाह्म :- उथम 3 की 3 खार माही वाहिया टक्निटफ्ट इम ! मीडा, मानिबीब कथा चाव कि उलिव। डाहाबां छ खब्नावाम वा वसक्ट , एवं करतम नाहै। चर्ग, कृषि এहे शास्त्र। चर्ग, कृषि आर्रेडी चर्तेकीर्ग छथनहैं, रूपन अगर्य चार्थ माहे। आवटड कांत्र कि तम चरर्शन काविकांव मक्षत बहैदन ना १ वर्तमान एटन्ड ्लाटकरा अक्यात डेस्ट निट्छ अमार्थ ।

খানী খ্রীব সথক্ষ, বতপুৰ সন্তব, পজিল হইনা নিহাছে। বিপুর উত্তরক্ষমা নিবিহাছে, ভালবাসা বাজিহাজে, ইন্তিবের সথক খুচিরাছে, কিন্ত
ভালবাসী আবো সভীব হটুতিও,—এ দুল আক্ষমাল প্রায় বেশিতে পাওবা
বান না। প্রী চলিনা গিলাছেন, কানী প্রখন্তর্য অবল্যন করিবা মৃত
নতীর বাবনে নিমগ্র আছেন, কিন্তা খানীর খণাবেংকে জী জাবো
সভীব, আবো ভালবামা, খাবোপ্না সক্ষয় করিতেছেন, ও স্থান অবি
বিবলা ভালবামা, ঘোলো, খাব সেকালে। এক কনকেও বে প্রাণ বিয়া
ভালবাসিতে পানিমাতি, অনক গেনান। এক কনকেও বে প্রাণ বিয়া
ভালবাসিতে পানিমাতি, অনক গেনান বীক ভালার ক্ষমে অক্বিত
হবলাছ। কিন্তু ভই, সেকল গভীর বিশ্বপ্রেমিক ব্রক্তারী কোলার ল বিজ্ঞান
বেলা ভূলিয়া যাও; প্রী এবং খানীর স্বন্ধ বেন আর নাই। চতুলিকে এইক্রেশ ভূলা। এই যে গার্থ মূলক, ইলিবমূলক কবের, ইরাকে ক্রন্তই প্রস্কুর
বিশ্বতিক না। ইনা আস্ক্রিক, ইলা মোক, ইলা নারক, ইলা পঞ্জুর।
সংসালে প্রস্কির আভিনত—বল্লনাধীন বিশ্ব প্রিচালনার। প্রেমের বিকাশ
মাহবের লক্ষ্যী, বিশ্বত বিকাশ নার। বিশ্ব ভ্লিক বল বিনের বেই নারঃ

্রের অনত কাল বারী। অনত-বারিখের সহিত অবহারিখের বিভা বেলে मारक. चीकांत कति. किन्द क्रवशाविष्ठरे मका संब । द्वीण व चार्योरका सका---चनवः त्यानमायमः। वर त्यान मिलि मिलि मुख्न वर्षः, बाकारक भूतावसक त्वारंग्रेडे नारे, त्म हे चनच त्वाय गायम । (स्थात्म शक्ष्य क शक्षालहे क्रेडा Moste, nima cavita no. Masta caute aso i caute appri-त्वत्र महिनदर्ति मंद्रक कामक कविरस्टक । वर्तमान मध्दक की कामीत अवक तिणू-पैतिहासमात केमकदन नहे काद किछूडे सर । अहे पश्च प्रशास साहक लांब. वेदां क्षेत्रवे मक्ष्य मद। अहे शक्षक्ष (का्य व्यक्तिक्ष क्षित्रात सामाम याशाता विवाह-वक अष्ट वा कुमाउँअफ श्राहण कविकारकम, काकारक उटकेल नयः श्रीकात कति : किस महर नत्र । यहे नय तक सहन कतिरानहे नशास श्रविक क्टेर्टर ना। यहर चारता केक चनका कृषि शाहरत । विवाद-ताशः, राजार ज मान्नका त्याम नामनाव केन्द्रशाचि करेटक नारव, मानामक (5की . ক্তিছা ভাতারই সভারতা করা উচ্চিত। বিবাধয়প শৃষ্ঠান আবছ লা क्टरेंस ट्राम क्रिका এकतम चलकर्य: अकतार वेशाद वृताय करक का केरण-कार हरका ता (कथिया हेकारक मध्यमध्यम कवा छेडिक। विशासिक मान विकासक विकासिक, की बादक करिया (साम माधन एक ना । जी वायर पामीत प्रमाद्य विश्वमाखिएक प्रकारेया (मध्या छारे। त्मरे मिक्टिस कुनिएक मा अर्रिटन प्रांत्रहरू माना कि. दिल खिलका ट्याबद रमदा कविटन ? टमह জেমট আসল জোম, দাশাতা জোম, যাহার শক্ষা সেই শক্ষি। সেই टलटमत माधनाव कवी रहेटल दिले लदिहालमा हत, इंडेक, कि**व** टलटमत लटके जिल्ल क्या चेत्रित्सके विलय। काक्र क (क्या, वाक्र क्र का मा। द्वाम (क्या क्रिकटहरू क्रम या धमक (मोरूर्या-पिमानि है। विवटहरू मक्कि क्रमिता नाक (भोक्दरी विदाह गुरु किम निवक, एककिम ्यापन कक मासून दिनाकित कहै। Cutte मा, मिन्छ बंबिटन। त्यं प्रवक दक्तम शहिरवर वन स्थिता चित्रक हात. दम बच्च का मीलि, दश्चम का शुना, a मकानत किसूबे बात बादत मा। त्त्र (क्षत्रत नामन पृष्टि नरिहानमा करिएक होता । क्षत्रन विवाह नक्षत्वरहे कार्यक त्वका अवन निराद्यत त्यायकता कता करमहे क्रेटिक मह । मान्यका-त्सरम्ब प्रतिष्ठत (प विवादक माख्या बाव मा, दर विवादक मूल क्या वर्ष माध्य सब, दम विचारत करी दमार कई त्याना दमका केहिक सब। अनक-त्यात वहते अभिदेशमक । दाप, जानि कष्ट वकुरक ता धरे दिसारक लिखा

त्यान रा अनुसाय शासदेरक दरनिया प्रात्मनांक अविशाहि, गृथिवीय अवनाती फाशन किहरे सारन मा। बढ़ कड़ नकिरतन नकन स्टेरकरक, करें कनकcates | feca face we use, we seem, so meets -- at coice is कृतिहा बाहरकरक, दक जानिएक लाटेंत ? कठ दबन्य, लक्ट्य लेडिनक करेंद्रा वाहेटकटक, अहे क्रेनकटबाटकड क्रमनात्र । चाठवाव गाँववान, चाननावु कक्र সাৰধান, স্বাজের কল্প সাৰধান । ভাই, আপনি মঞ্জিও , না. সমাজতেও म्बाहेश्व मा । द्वारात भरत वाहेरक हाँ के, छान कथा, व्यवसह एवं किंद चानवादक छविद्या नदीचा कतिहा महेक, दिशु धदा वास्कृत चूनिएक नीविcos कि मा, भरीका कतिरय-जार्थत अबूदै पुराहेरक भावताक कि मा, পরীক্ষা করিবে, বিশ্বপঞ্জিকে রম্পীর ফুটরে বেশিতে পারিতেড কি না ? বঙ্গি না পারিয়া থাঁক, অপ্রসত হটও না। বিস্ফান না বিলে, ঝীবন পাইবে না। স্বামীপ্তক ভ্ৰাইতে না পারিলে স্ত্রীপে মিলিতে পারিবে না। স্বামী धाननात्र महत्त्व (करण श्रीत प्रवृष्ट बगाहेत्यन । श्री धानन अन पूर्णित्यन, ८ करन चामीत अन विवासिन अतन कतिरदैन । * आमीष, श्रीस खरर श्रीक স্বামীতে বধম ভূবিবে, তখনই একাশ্বক প্রেম উত্ত হইবে। ভাহাই স্বর্ণের यकाकिमी। छाहाहे मरमारत नाखि-मनिन, छाहाहे याकृत्य व्यवस्थाना । काशहे बायूरम्ब मक्या । न्डाबाइटे क्रिकटर विचलकि मक्तिकटम विवासिक। ভাষারই ভিতরে ভগবতী বিশ-বিকাশের মূল বীঞ্জ রোপণ করিভেছেন। দ্বি कांत्रे, व्यक्त एकारमा सक्ता कारम प्राचित्र ना भावेश बाक, मानशान,--मान-भाग ।। अश्वास डेर्गामन---(श्वारमत क्या मा क्रेका द्वान विश्व क्या वृक्ष, खबन मा इ अक्तित चारन मधारनत मरन चुनात केरलक एवं । " व्यक्त कुनात के खुरकत म कि या जात माला भारत मालात व्यक्ति वानक वानिकात व्यक्तिम साह्य । क्यर भागान देव क श्रेषात्क, श्रेतक गात्त, आहे विश्वानते मखात्नत मतन ७४न बाधक इत्। अहेबान अवदात विधानशीनका, ८ श्रव-हीनका दर कक्रवृत लाल्य भार, काश्य भरितन काश्वीतक भाषाका मयाक ममृद् । शर्वाय काश्वीत efest ales cointe force micel whice, micel whice, al fea fea चारता चाहिया विराहरण । अक अक्यत लारका एन नमाही नशामहे हैंदnu utemm : an feetces nu nu au Tanet etcucu: was भाग्यका-८ श्राद्यक शतिक श्रावादवरे भावका बारेएकतक मा । श्रीविद्यारत श्रादन वन्ति महान महेंदा याथी विक्रीय की अध्य कविएक्टक । क्लान क्लान नवारक

वनके मधान नरेवा दिवस बीट विकीय वानी तरन विश्वतालय । पुनस्थान नर्गारक वर्षक, अनर भाकाका मनाक मन्द्रक निवित करका वस्त बहुत त्म. युरंग नेवीह व्यवस्थ प्रदेश गील :-- विश्वा विशादक गरक व्यांक त्यांस करी पनिएक देखा वर मा । युक्त कथा, शाबी हीत प्रथव महत्व वस्तित मध्याद्वय यामेश विनिम,तिशृष केरश्यमा शक्रित, क्फरिम विश्वदक्षे बस्ताव मनुषद वहेरवं मां । 'बालाविवाद (व काहरन द्यारवह, त्योवत हाकवाविवादक टनके कांत्रदर कारकत । ननात्कत विवाह खेशात कांक्र नश्कात बाद्याकत । वासादिवार चाकिएक सम्मास्त्रात्वय-पुत्रक दिशार चेत्रीहर, देश उक त्वनैत लारकंत्र किसा कहा क्रेडिका: क्रमस-त्याह बाहिरन त्योवम विवाह वित्रकातक, देशव चांत कक (अमैत ब्लाटकत क्रियात विवस) अध्यक क्रेरिक, ধৰ্মের মাছার যোহিত হট্যা বভরিন স্ত্রী পুরুবে মিলিতে না পারিবে, उछिन विवादर (करत प्रवृत्त हेश्यव हेरेदा श्रीक क्षेत्र वाशीरका श्राम नःनाद्वत च ठीठ किছ विकासाम । त्नहे भागावाकील किছत भारत संक्रीत्क ना किंदानेया बारावा मामाद्यक द्वान महेवा खेलिटक छाडिएन, खेमा बेक्टिन, काराता जाननाता छ तमहे, मयाबदक कुवाहेश बाहेन। वामीत किछात, जी गरि वामीत वाभीतक ना त्यर्यम, कत्व जक्क वामी त्या वामक्षव : व्याव चामी व विविद्यात अवस्य अक्टिकिनियेक ना स्टब्बन, कर्ड श्री-(मना आरहा भगञ्चन । উভবের মলে বে অধিতীয় শক্তি বিদ্যান থাকিয়া করি-क्टाइन, कीशत वित्यवक केथलकि कहा हाहे, मेटक विवाह महक। केस्टाइड माधा परेव व वामिका बाता का निया किया किया विभि नवन्नत्वत खासि नवन्नत्व हानिएकत्वन, वाधिकाद्यन, विशाविकाद्यन, काशांक विभा विभिन्न, कें|हाब के अर्थ जाना विकृषना यात्र । आहे मिनटनत मृत्न कथः त्रेचत रिशामान । पृष्टी मशीरक विवादेश अक करवन-छिनि । काशबरे अक्षत करना श्रदोष्ट बनाइन रावादिष्ठ । छीवान करनाटकर चानी बीब डेनारावि, बी बाबीब डेनाराजिमी,-बनरब सनव, क्लांब काव. Mice Mie 1. Gent Cuten meicen unes, Gent Gete meiten (क्षा अटबंद कीदान चाराइड कीवन । शामीनलांद चनीनला. क्याप्त . (श्रेष, (श्राय कर्ष : सिम्म, मन्द विमन : विनाह-मन्द्र विदीह : बाहे-क्षम चार्नत किएक हजूरक किरावेश, केवराक चत्रन करिया, चार्तरक रिमक्किन विश्वा शाक्ष्य चननवे नेका नात, बवे दिवारमैं प्रदर्श ना

cufficute, und un eten uniffelie affen utterte & mige fig. क्षांतरक रमन गुर्व स्थरकरक्-रवारम्य क्षेत्रीरक स्था प्राणिक क्षेत्रस्थ रिय नृट्रमहिक अरेक्टन कुले युक्ता निमारेकी अन कविका निम्बद्धक : अरे mire-feete nietes fice gice alfolien en, antener neuens ge ben (हर्षे कहा हैकिए। हिन्दिशाद बाहाटक द्वारण व्याह्म की गाव, कार्यह तक रमत विराम रहते क्या चारता देशक। विवाद विवाद विवाद अधिकार अधिकार अध Cक्ष क्रिके चौकिन, करन के बिनारक व्यवस्थान कि ? विनाद समि क्राणका COCCUR (कारण) में किवश (पण्डाठाराव विका मिणान केशारेक (पण्डाक हिम् बाबान कुनावेटक मानिम, कटन व्यानियाहरत एक व्यक्तिय जिल्हा है (अन् कृतिको निजारक । लान्डाका निविन-विवाद व्यथा तक जनसंस्कृत व्यक्ष जनुटक बारवण कविकारक। विश्वत काल्याकारक शृक्षक अवश्वकी शक्षरक शक्षिक ভইবাছে ৷ তাব ৷ সোণার ভারতের আল কি চুৰ্মণা উপস্থিত ভইবাছে ! ৰাভিচাৰ প্ৰশক্ষেৰ নাৰে বিক্ৰীত হইছেছে, বছবিবাহ দাম্পতা-প্ৰেমের নামে থোবিত হউতেতে। ধর্মের পুরাঞাবাহে দেশ আমূল ধৌত লা হউলে, এই পहिन महाद्वित विदारतत आत छेनात नारे । दक विन भवास कादणम्बान ধর্শে অনাসাধান, ওড়বিন সমাজ্যকার আর উপায় নাই।

সংসারে বন্ধন আন্ধানিবাহ প্রবা প্রতিষ্ক্রিত হবৈ, তথন মানুব আধানিক কগতের এক গভীর সভা-ধামে উপনীত হববে। সংসারের অনীত এবং প্রীক-অর্গের মধুর সম্বন্ধ কগতে প্রতিষ্ঠিত করিবার ক্ষন্ত ভগতে বিধা তার আন্দেশ বর্তমান। প্রকৃত সভী, এবং প্রকৃত অনী—সংসার সাল্লান করি কইয়া দেখেন – বিশ্বেশর আনীক্রপে ক্ষার-সভীকে আনিক্রাভারিকে বাই বিভার করিতেছেন। সংসার কবন নিবিহা সিয়াছে,—গভী ওবনকভারিক রাছে,নয় প্রাণে পতী আনীকে পাইরা উল্পত্তের ভার আনিক্রন করিতেছেন। কি মধুর চিত্র। পূর্ব অবভারি মুলাকিনী প্রবাহিত। সভী তথন মহাবেবের ক্ষন্ত মুলাক্রপ্রতি নাভারিক করিতেছেন। কর্মান করিতেছেন। করিকে করে লাক্রান করিতেছেন। করিকে করে লাক্রান করিতেছেন। বাহানকে পৃথিবী নাভিতেছে। বাহিলা ভখন কুল ছাড়িয়া ক্ষার্ক্রপ-কলছে বাগ বিয়াছে। তোমার সংসার পাক্, জোমীর অথ থাক্,—রাধা সে সব কিছুই চার মা। সে অহং বিধাভার প্রথমে ভখন উল্লাহিন। আইন কাছ্ম, স্মাল পাসন, সব তৃক্ষ ক্ষাঃ বাহিয়া ধরিলা কাছ্যকেও কুলে রাধা বাহু না, সংসারে বাধা বার না। ব

and and engine degrade course and office and the analysis of a character of the state of the sta

পাপের অনস্ততে আমি।

পৃথিৱীৰ উক্ষয় অঞ্চাইবাৰ কল্প আমি ক্ৰমাগত চেন্তা কাঠতেছি, কিছ কোন মতেই ক্ৰডনাৰ্থা হইতে পাৰিছেছি না। নিজ্ঞ প্ৰচানকাৰী বজ্জ বাৰি, আৰু স্থাতিল বট-ছাছাতেই বিপ্ৰাৰ্থ নই, কিছুকেই পৃথিৱীৰ কোণা-হল—পৃথিৱীৰ উক্ষ নিংখাস—খুণাবিংবংযৰ বাহুল উল্লাণ আমাকে পৰি-ভাগি কৰিল না। এখন আমি ভোখাৰ ঘাই—এখন আমি কৰি কিছু পৃথিৱীতে এখন স্থাপ কে আছে, যে ভাই খীকাৰ কৰিছে। বলিছাঁ দিবে, আমি কি কৰিছ

আমার অবস্থা, ভাই পাঠক, ভোরাকে কিছু গুলিয়া বলিকেছি। আবি
ক্ষু পালী। আবার প্রতি নিবাবে, প্রতি প্রথানে, প্রতি শোলিত বিজ্তে
বিজ্তে পাপ,—কেবল পাপ—অনক পাপ বিনিপ্রিত—বিজ্ঞিত। বেটাকে
বধনই পাপ বলিয়া বৃত্তিভেছি, তথনই সেটাকে পরিত্যাগ করিতেছি বট্টে—

क्षित्र अस्त्री नविकाक बरेटक मा स्टेटक क्यांतिक स्टेटक मनति सामिता त्यकि ত্যে। বন্ধ পরিভাগে করি-ক্রেডাধিক আক্রমণ। একটা ভাতে, গ্রশীই আরে। हन्दी बांद क सक्ती काल्य लड़ । अमनदे कविया कामि वसके लालाक्य-क्रिया क्षाम करियात संक्र दहते। कविरक्षि, क्ष्क्रियोज्य त्यांकि सक्ष्रे वृक्षि नाहेटल्ट्रक । अनेक नान-कृष्य-अनेक अकार-नानरह व्यक्ति नक्तिक हाव-क्षम बाहेटरिक । कहे विभाग भनक भछारवत्र इस क्टेट्ड (व माणित्रका नाहेब. चारांत (म चाना क्रमंत्र हिनना, चालत नाहे। धरे छ चारांत्र चरेत्रा। किस कोशोब अवका आमात लोड नाइ ? यउड़े नान त्यांच अखित्व, फड़हे নকৰ পালের সংখ্যা বৃদ্ধি পাইছে। আৰু একটাকে পাপ বলিয়া ব্যৱহাতিত कना वन्ति वृक्षिय---वन्ति वृक्षा त्यव वहेट ह ना वहेट व नहीं। नान-त्याव अक्रवात कत्रित कांत्र कारांत्र (नग माहे। - किंद्र এके क क्रम्ब हतिक-नान-की है सामता वहिशाहि, सामता सावक्ष कर कश्याद मन । (कार्ड नानी আৰার অংশারকীত হক্ষে কন্ত বড় পাপীর প্রতি ছণ: কটাঞ্চণাত করিছেছে। भागीबरतंत्र भावात वड़ रहाछे कि ? वबर देशहे क्रिक, टब दफ बार्चिक, टब भागनात्क वरु भागी महत्त करव, कार्य डीहाड भाग-त्वाव मकत्वा महालका व्यथिक। किन्द्र पृथ्विति वर्गामा शिक्षण सरहत छक्ट्रे वर्ष्यव वाजाम बारब गानादेश गानीदे. शानीदक छना कविटलटक ! व्यमुक शास्त्राती,-अबुक भड़ीनमूक--अबुद अभीताही, बहे अकार कछ एक्साटक्टमर मृष्टि कविया कर प्रयक्त-कर केमच वृद्धि कहिए हिं। किन्नु अक्याप्ट स्वादि-कि मा त्व, आमात गाम-त्वाधरे अटका भाग-त्वाध्य कावत महर । will wie cefice nie eftet garife, wie neces auffe reblicet nin afent glecote, bei Ibe aie etie mita : Bulle Bingailunies min-cerces Bingut marces mares विकश्चिक साराटक नाम 'बलिया बुवियाफिरनन, आधि व्यक्त दम जकनदक वर्षवान चवणाव लाल वलिया त्यादिते बादना कविटक लाकिएककि ना । अते व्यक्ति अपन चानक गान चातक, याहा जूनि व चानि कृते कित कातक क्षितिकृष्टि । अपन भारतक पहेला भारत, यादा क्षाचांत क मानाव जिन्हें हरे विकित्र-मानारव वाकानिक स्टेएक्ट्ड मानुरवह क्री, अवृति स्वतन fen fen, je o errei effe cente por gent nigen Gras गुनक, कर्वरा मुक्क, वस गुनक। गुनकक पुत्रिका सावेदर (व. किन, दमरे

fen coluis mir migis faus fier efest cein peram germ nice ; मरहर मरह है ज़िब बिलिट, टक्स, असेन के महत्तक नान दाविरकारि, बाबारक कृषि के व्यक्ति क्षक बारका नान बनिएक्षति । व्यक्ति वृष्टि, व्यक्ति वृष्टि "पृथितीय की क मामन-पून-प्रावश-ठावति जाव आकृति मुक्त कृतिया शाब. करन क्विरन, राखनिक ,णिवरी शांबारक गांच बनिएकाइ, खाशा रखाबान कार्यक निकर्षे मकन मध्यक भाग मात्र हहेटक भारतः मुस्तिहेत आहातिक भागरका देव मकटम भाग बलिया बारबा कट्ड, त्म देकवस छट्य ; भागरबाट्य मदेश। (व नार्त्त द्वीत करणा. ८७ नार्त्त तिश्र इक्रेटक कांत्र बाक्टवर मार्च बैटिक मा। नान द्वार करम मा, चवड पूर्व नान बीकाइ करत विवाह मार्थेय नारम निन्धं हत । नाम त्यांध मा हहेरण, नाम, माझ्यव निकरे नीन मटह । असम दकान पुरेनी मोडी बीका नक्त निवदबढ़ नान । बाहाटड मागटवड चाकात कनुकात हैव एका नान। द्वान्त कथम कार्या ्निक्क लाल, खाश विटनक लाहे रिल्डा दश्या व्यामात्र विटवस योगाटक नाल बटन मा. मधव बिटनटक ट्रामाझ बिटनक फोशांटक नान वर्षन विन-शांडे छाहा नान नटका विष्यु ध्वयर श्रीहाटनव दिटनक कछ विकिश्तनब-शाथी। छवा, এक सबदा छवा, अक रमात्र संत्रन। शहन, जानाव यहेमा नदम्भदाव अक अब सदमद मिक्के सुनार स्नाव करेरहरक । भूरव नान वता. ও क्षमत्त्र भाग-त्वार अक कथा मत्त्र। व्यावीत वित. भाग-त्वार साबितन, बाह्य बाव दम भारम कबार निश्न बहेटक माहि मां। यह दिन ट्यहें वि नीन-(बारमा केट्स, फलिसड़े उन्हें दिस सामूच व्यवस करत । बेरस नीन (बाब ज्याने फाटाटक मनिकाम कात । चात्कर राथ समित्तर नांन दश्य इवं मा। भुविधीत मानु दमारकता विकास कमा बनाएक भागे बनिया विवा-(क्या) चामित बेसिएककि, विवार बला मान । बेसिएकि बर्फे, किंद्र शंचात्र वांत्र लाकार विवास कथा विनिद्धिक्त अहै दम आधि विवास कथारक नान विनाइडि, हेश्रंड मान-द्वाव माह । नानद्वाव विकत व्हेटक वर्षम बदम. स्वत मासून बात छाताट जिल बाक्टि गाउ मा। कर क्षेत्र विटिक्त मुक्तिक हुनाकता त्व कावा करिएम्टक, आयात मिक्के खाना मान क्वेटक . नारव, किन पृक्तित लाकविरात जिन्हे कावा गाम जान वहेरिक गारव। रेड्ड बाबारमका बातक देवत किरमम, दिमि वीव बीविक वाकिरकम. खरव इंस्ड बुबिएकम (ब, बामि बाहा कविएककि, तम मक्नेके नान कारी। किस

था दृषिता जानि गांदा कतिरकदि, कारा प्रधानात नाथ जाना जाता जाता शहाटक नान विका वृदिशक्ति, छोश ना क्यारे महेबाब वर्ष । मी क्यारे for er feets girt ente ett, en finte feet unter unteren unter क्षित्र करेका । द्रशास्त्र त्यान बाहे, त्यवादन नानव बाहे। अक्षाक जबवाब, जत्वाय जबकाब बाहर वाटा करत, छाटा कुर्वनदे गांग बहेरक गारत मा । शाल बहेता मरर, गाल बरमद बदही चनशा माता। উद्वाधित चान क्षमाणुतास मानत अवका जित्र सून क्षम । विस्वक कथन केव्यन इस्ता अरे बदाब व्यवका बाहाई दश्यान, दम लानदक क्षित्रक दश्या । दम लान, व्यव-कालब निकड़े वहा गान; छाहाई अक्सात्मत्र निकृष्टे भूगा दहेटल गारत । व्येटक शांक महरू , छात्रा शृथिवीएक अध्यक वृश्य शृशा कहेरछह । अवन विधा-त्मक संस्थ साम्र्य कथमक नादी इटेंटके गाँउत मा । विटवरकत म्मडे चाटनरम বে বারা সরল ভাবে বৃদ্ধিতে পারে, ভারা আদিন করিলেই ভারার পুরা হয়। त्य भारत त्यां करण, त्यत्र भारत माम्द्रीय चात्र मनि बांच मा वटि, किन আলো দ্ৰটাকে তথন লাপ বলিয়া বুকিতে পারে। তৃমি অবিক পাপী, কি कानि कविक गानी, छात्रा ट्यामान कामान छानिनाइ कविकाद नारे-साविनात निक मारे । कारन त्यांबाद लांग बाबाद निक्र लांग विद्या त्यांच मांक करेंटल भारत वायर सामात भाभ कियात सिक्डे भाग विविधा त्याव मां प करें उ मारत । वित्र भारत यथन आदिशा के दिशा करिशा दिशा दिशा क्षेत्र विवास वित्रिक नाति दर, भारता कौहारक पूरा कतिएक शांति ना । मार्यात बढारहरे सामदा शंदाह वरेवा शहे । आयवा अकाम अवावाय कतिएक्कि. किन्द्र करे अवादात Ceinia नहीरत (य केनकार स्टेट्स्ट्ड, आंगाँड नहीरत रव क्रिक ्डम्मेटे क्षेत्र (काम विक्रान काला मिन्छ कवित्रा बिलटक शादत मा। दा खैरद बाहेबा CSINIC MBB क्रेमकांत कहें केएक. दमहे -क्षेत्र रामशान है जायांत जानिहें कहें कि नार्य-हेश लाखि विरवद प्रमा । वह बखरे विकास जावन क नक्स विराद विश्व निकारक (भोदिक भादिन ना,--- धरे क्यारे विकिरमानाञ्च व्यावक व्यान न्पूर्व बहिता पाहेटलटक्का च्यामका आहे हिमादव समस्यक दम्पिटन, भागी चात्र প্ৰয়াস্থা, এই ভেষাতেৰ স্থাৰ বাকিতে পাৰে মা ৮৫ক সামু কে স্থাৰ, কে नानी, दक पुनात्वा, बाहब चानस मुख्य छाता हैक सरन क्रायनके पुनिष्क गारक मा । आनीरे मदरक मासूरका निकंड भूगाचा वरेरकरक, भूगाचा क भागी बांगवा औरीवयान क्टेंटक्टकम । अटे सभ निर्वय कविएक गावेशा, बाकुम,

trans anieres des aineaux, com afrecest mus ficacies: क्रांतक विन्द, पृथिकी कहून र वरे अवहारक पूजा परिकार करिएक पादिन मा र , जरे बीमानन अधार मा बनारकरे त्वान मासून केनत्वत व्यवहार हरेगा नुका मारेग, द्वान प्राप्त बाह्यक त्वानिक नाव करिया क्वानिवामा विकृति sfang ww. einte fer, uier eine fen ufent ateruce, ceices करण, किन्द दशायात वारेटकरम् १ व्यक्तावास्त्र, क्षत्रश्रमा, वास्त्र गुमा आध-किर्य बार्थारके बावक कतिरहरक । बावक काकिन जानन वृद्धि विद्यारक नानी ७ मुनामा, नाबू व समाबूत विভारत बावुस पाकिरने, क्रवतिन बसाव वाक्टिक्ट वाक्टिक क्रिक चामारक विचान चाटक, अवन अवस्ति चानित्व, रवन करे अकार, करें करिकांत, करें करफात मुका मुबिरी व्हेटक किरवा-रिक हरेरव । यथन यक रहांके, लांके लूनााचा, अनकन रक्षनारक्ष्य चाव माह्य धनित्व ना ;--वयन गरम वश्वराज्ये क्ष्मवारमह मीना खकाक कतिश शाकुव ्रतिष क व्यवद्य गांव विदिक्त गण्य ११८५ ;—वश्य व्यवक्रम व्यापन मृद्धिक अर्थ करन विচाद क्षावृत्त ना क्षेत्रा प्रशः छात बहेबाव सक्षरे वास बाकित्व ; -- वश्य माध्य जास्त्र अरुका कृत मा (विविध नित्यत स्वत विविध के शक् शाकिका श्रीवसक त्मर कविट्ड गाविट्य। यथम त्माक विमाण-विश्व क च्यान-मानदत्तत्र मरश्र पश्चिता योद, छथम ब्याव कि किष्ट विद्यात कविवात क्षत्रमञ् थाटक १- लाल त्यांव क्षत्रिएक क्षिएक प्रश्न मान्य लात्लव व्यवस्था मिन्द्र क्षेत्राहक, वृत्तिहरू भारत, क्षान भगुन्तुन माकृत्यत अक आत किन्नुके भगनात वामना बाटक मा । अबन दक्षण महन इब--दक्मदन केवान मार्चन, दक्सदन उका शाहेर हे अकृत शांतरह नहिंदा दक करने करवा काविरक नावि-बाह्य ? नान त्वाव क्षत्रातं, जिन्द्रवे नानत्क व्यवक वनिवा ज्ञान कवा अकडू अकडू कान स्टेटक ब्टेटकर स्टार स्थानक समस्य मान स्व । नाम हरक चल्लान्त्र विवाद ना चानिवाद, वादाव नत्त्र चल्लव वेदादवव विवा मुख्यनंत्र स्टेट्ड नाट्य, चीकार कति । किंक त्य बाटन, मान्टव कृतिहर काव केंद्रिवाद मक्ति मार्डे, त्म निटक कृतिदा क्वनरे चात्रप्रक्रिका करिएक भारत मा দাপে ভূৰিয়া গালী অঞ্চ গালীৰ লাগ কি পৰিবে গ কোন শাল বোগ ছালিবে ্দৌ পাপ করা বেহন অসম্ভব, অঞ্বাপীয় কথা ভাবাও ভেষনি অসম্ভব : এট পृथिरीटक व्यक्तांत्वर गडीप्र मानव बनिवा त्य मा गुविवादक, त्य व्यक्तव व्यक्तव त्विवारक नारक, क्षिक रव 'वृषिवारक, रव ,चाननारक नहेदीह । वाकियाक

affeit (v.pfatt, ce beit affet,-eiffen tunn ub font करून भाग-आना-कृत साहे, किनावा बारे । अकारत केंद्रेड, Course शक्ति, दश्यान श्रीवन मारेव-मानीव मामन्द्राय समिदम दश्यी वहे , हिसा fraifale mifece : minis an pin, mile chfant, whitie fefete गारिएक्ट वा । भाग-मागरव महिना बद्धत भाग स्वितार किसिएक्ट sि श्वि. श्विटक भावि मात्र भावे. भावे. निविष्ठ भावि मा । अनिवेश प्रकारक आवत कविव--- गुक्ताकरे विश्वचात्रत कवि विविद्या खार्विव.---मक्तरकरे मक्तमारेशव एक्के बनिवा महन कविन, कवि. किन्त भाषात मध्याहतत केळ डांव पाकिया मेव श्रीमेमाल प्रदेश यात्र i. प्रती विद्यारम कीवन देखकार आयांन तान यात-धीनन वात-नन नात । आरकात, आचा-क्षित्रारन-बागाव बीवमवद्रशिवमिक इहेन । अनस शार्थ प्रविदा व्यवि शांका शहे । कि कवित्व चामि कहे मध्याह-छेखादनत कछ कहेटछ संका नाहें र विकार भाग-मनका भागि मात्रि निक्य निक्या के खब के अक्षरक प्रमान हरक दमनिएक हिं। या दाराबा खेबध कि र खेनांक क्षम किन, क्ष्म Gae क्रिन, जारा आबि शतिष्ठां परित् नातिनाम मा । दुवा चाउपटें, बाक चारमानदम माणिका चामाव त्माबाव केवरक समरह পাইছাও ধরিতে পারিলাম না। আমার প্রশ্যনিকে প্রানে পাইয়াক श्विता बाबिटक शाबिनाय ना । ये।हादक शाहेरत भव काकारवा काकारक मुख शाहेश किविटलिंक, लाहे भाइक, उमि अकवात स्वर । अहे भाविक, शामिक, धनि । महात्मक केशांद्रत क्षेत्र मकाम करनात्र लार्थना कर ।

হতাশ-কাহিনী।

"I affirm with the greatest seriousness that the union of the soul with this terrestrial body is mover better than the dissolution of them."—Plate, "Through he slay me, yet will I trust in Him." "Islam means in its way Denixt of Self.—Annibilation of Self."—Corfyle.

वृत्करेष भय-भीमा नारे, द्वाबा नारे, शाह नारे, शाबा नारे-किह्ने नारे :--दिवन, धनव,--दिवन धारात, द्वाबा,-दिवनक-मान्न नीतवता । भीवि दिवसमें बकाबी हतित, का किह्ने स्विटिक ना । जना

un affaile-affant fonce bifenfe : wege une nene uige पृष्ठित्करक् मा-त्वह नाची नादे, त्वह अन्तवह माहे-अपूर्ण गावाह,--विवयं मानावाक वाक्ष कारक क्रिया, कार्या एवंन एकाम पार्च-बीवाश्यक क्रुम व्यक्तिकार मुक्तिकारक ! कालांका कानिएककिन, काला विक कृतिकारक, --(क कारम द्वांबाह, जारमह शामित्राचा यून मुनाहेबारक : जाता नार क कारबड पूर त्मिद्द मा,-कात्रा अनात्म मांची स्केटर मां १ कामरामा विविधारक —चार्तिक छुविनाए-- दबनाव मञ्जा इतिहाए-- अर्थन कान्य क्षत्रक महेशा क्षमरकः कीरव जनिकाः विवासिनिः, काविरककि---क्षमरेसः अके कक्षण भागाव नाव श्रेव १ . मण्डा द एवं अस्ति क्षा क्षाविकना समिश्विक, स्वीवश्व cefette, coices facute, pie, wiei fafest feuten cuiele con क्षांचात्र त्या. विवश क्रमानक वृक्षित्कक्षि, क्षित्र किक्टलके त्यांच नावेटलिक मा । परमें होत अखनिक बहेबाटक--भूगाताका अविवादक । लकारक रक्ट माडे. मक्टब रक्ट माटे। कारक परिवा हसिन, वा बाब अर्थ की पक समाप्त करिय ? कडी छ माना, काका किसिट आह क्षतिगारक वांशा, कांबा कांबाई कांगिटन ना : त्यांदि कांगिटन कि मा, कांबाक वां दक कारत १ च्यांत्रि चाकन चालक चनीम नावाद्य नहिता हिवांतिक काविरहिष,-मापि परि कि १-मापि करि कि १

পূর, এখন একটা করা চাই—বাদের নহান আবি অবজের পাৰে ব্যক্ত আরু
নিক্তে চলিতে 'পারি। ছাই—একটা আবর্ণ পরিবার। এখন একটা
পরিবার—বাতে এই সকলের মিলন হইবাছে। সকল বেবার্ট্ট একাড়ক।
সব নৈপানে মিলিহা মিলিহা বিহাছে। কোবার বলত ? মারের বাবতে ।
আবি সামের হলতে প্রথম করিতে চাই। আবি বা-শৃত্ত পরিবার,—বী,
পূর, ভাই, ভাই লইহা এই অক্লকাবারে কি করিব ? তারা বে, মরপের
করাই বালে। ভারা ত বিশবই কেবাইনা বের। তাই আবি সব ছাড়িছাছি, অববা আনাকে সব ছাড়িবাছে। আবি নাকে চাই, আর নাক্ষ
প্রকৃতি চাই। মাতৃহীন লিও কেমনে সংসার করিবে, ভা বলা ? বার
সংগার নম, ভার আর কে আছে ? ভাই বৃষি আবি একাই।।

মান্য প্রকৃতি, কথাটা বড় সহল, কিছ সাধন বছই কঠিন। মাতে কে পাইবে ? বে পৃথিবীকে ড্ছে, করে ?—বে পৃথিবীর ভালবাসা ভূলিরা বাকে ?—না, কবনই নয়। পব—এই সংসার,—এই জনস্ত প্রকৃতি, এই জন্দ সংসার-পাণার। এই জন্দ পাথার উত্তীর্ণ হইলে তবে ত বীরের সহিত সাক্ষাং হইবে। যে প্রকৃতিকে শ্বণা করে, ভূদ্ধ করে—না ভার নিকট্ হুইতে জনেক দূরে;—জনগুরে পরে জনস্ক, তারও পরে, ভারও পরে।

wind flemm mich's nint foll mich en mitele coining powers-पुछ, कामनाना-पुछ मुककीन । मुकामन क्या प्रशिव का । एक कावन क्रि eica ejfau mileu etcuce ? ceet au : mire fou mis .- afe. eits all mei, nuten al mei, cern al mei, uten al mei i une. रामात्रा, चार्चनिवित्र अंक्टी खेलाव चल्ला रहेशारक । चर्चा नरव, कर ८काल कामयामा माश्रम। महत्त १ ८० महात्र १ ८० जालक १ माटक कवि वक्ष विशेष (कछ. टेन क्लामावरे नर्गनारमद कर्क स्त्रांभरन शहनवाचा मानिक ब्रोक चन्न बादन कतिरहात । बादक कृति चाहे दशिरहरू, (म' (खादाह मण्डाह केलक प्रक्रिया कामान त्यां लक्ष्म त्यांवरत्यको । क्षार्टक व्यक्ति व्यक्ति त्री विविद्यक्त, त्य व्यानित्य समय आति मास्त्रव शास्त्र में निया विद्याहर । खन्दम क्रमह. मुद्रारक क्रमह, दश्य क्रमहा क्रमहत बीक्ट्रे इन्हाँक्ट्रका क्षिक कारक खान (एक माहे, ट्यामाटक दकर खान एक माहे। खान-विभिन्न कृतिक बहेबा जिनाक :---- वानमा कांव हरम मा। (म विभिन्नक शाकार्त्त होता थय वहिंबादिक । लावान-कृतव वद्यान्य। दर मुख्य चार्यात वासात वभावेषात्क, दशकात्म : कर्यम श्वरागत : यथा विषय शिवरिक । दशकारम दिश्या कार सहरत्रका शास्त्रिष्ठ वहेबादम । वात्र, श्रुविदीय कि ल्याइनीय स्वयक्षात

কিছ একটা অবভার চুই কিত দেখা উচিত। সকু তোষার চুইবাছে কিনা, এই কথা ভাবিষার পূর্বে, তাবিয়া দেব ত ভূমি অভের চুইছে পারিয়াছ কি না ৮—আপনাবে অভে বিস্কান বিতে পারিয়াছ কি না ৮ আপনাবে অভে বিস্কান বিতে পারিয়াছ কি না ছ বিল লাবিয়া বাজ, তবে অভ্যতে পাইছর, সে আপা কেন ৮ জেও নাই, তাই পাও নাই। আনিও কেই নাই, তাই আমিও পাই নাই। বাজ আমি তাই আমিও পাই আমিও পাই আমিও পাই আমিও পাই আমিও পাই আমিও পাইছছা। বিজ ভাব, ভাবা কিছে গামি যি কেপের চুইতার, ভবে বেশক আমার কুইছ। আমি বলি কেলেছির চুইতার, ভাবা কুইছ লাবি কই ছ অনিমের নরনে কুটা ভাবিয়া কালা ভাবা আকালের পাইল, পারি কই ছ কই, লোমানের পালে চার্যির চারিয়া আজ্বাছার চুইয়া বাইতে পারি কই ছ কই, লোমানের কুলা ভাবিতে ভাবিতে বিবামিনি আমা-বারা হুইয়া বাকিতে পারি কই ছ কই, লোমানের কুলা ভাবিতে ভাবিতে বিবামিনি আমা-বারা হুইয়া বাকিতে পারি কই ছ পাই পোল মাই, আমাতে ভূবাইতে, আমি পারি নাই। পারি মাই, যালিয়াই পাই

माहे : आमि कामरामा-पृत्त, मका-पृत्त, सका-पृत्त के कीका जासास काली : बढ़दे हृष्टिन के गतिक : कामादक दा नहीं, दकामात्रक दावे कर्ता, मगावातक दावे करा : आमिक कागन मुख्य कृतिहां काटक संस्टावन गुवा कतिदर गाति मा : क दा राज्या मगावा, दंगावा दारण कामक महेवाहि, क मगावा, कार्यक्रक दम कार्य गाहे मा : निवानीय मंगीक कृत्यिक । आमर्ग मगावात गाहे मा, कार्य वाह्यक गाहे मा : कामि वति कि, कामि कहि कि ?

विनुत्रतास, तृत्रत्राम गतास, ब्रेड नदास,---गव माखिल--कांडव अकि वह नशास्त्रहे बावर्न परिवाद बारकः नव नशास्त्रहे छाहे छाहे हैं।हे हैं। कांक्टर्बंड युव (काश्रांत्र) चावर्न प्रवत्ना या (व शतिवादत खांकांत्रेक हुन माहै,-दम পরিবার আদর্শ নর। বেখানে মা-বেখানে বিভিন্ন পথাবদখী कारे करी नद धनी हुठ-नद भिनिक, तारे चापर्न-पहिदान। किस ता वर्तत किय व रक्तामा तरन नारे। रिकृत मेचत स्वती निवास्क्रम, -- डाहे हिम् नमात्मव कठि (लाइनीव कदश केनविक ! धर्मवर मार्थि ् माणिकता, अभवेता, अवकता अलब माहेरतह ;-- त्मकि वाका बाकाव हाबाद प्रतिश्वा पहेंदिए। पात्रद अक विकृशाच यकि नाहे, अक विकृ । ভागवाना नाहे, भाषाय विद्या बाहाता समृद्ध वैधिकाटक, भवनिक्या etsta बारबत बाबना, जाशवारे आज विस्पादबत नाखानिति कतिराज्यका सुनन-मार्ग्यसम्बन व माहा विक्रिक कृतिवारकः;-कारे त्य नवारक दक्तनहे काठाकाठि ब्रष्टादिक छ्लारकदम् । अदेशत्नव औडे चाँचारक युव छाकिसारकत, ---छाडे बेडारमत बुटक विमदवत शतिवदर्ख टकवमडे ल्यानिक शिलामा वाकि-(काइ) कि कानि (कन, करे जागरक धर्य अधन काकी मार्चीरकत अख इरेशा क्रिकाटक । कामणत रिक्ष, पुणनमानक क खेडीनक क्रीकृक करेबाटक (व निव्य-(१) वर्षन्याक, काशक्ष लाइनीव व्यवहा तक । वस कम त्माक. का मुद्दी (गाक, ८०० काइक मून व्यक्तिय मा। काइक महक चानहार धानक. क्रकंत जेपना चलाइत क्रकंत मृत । नकामरे य प्र क्षतान ; - चानन शक्कि महेदा वाडियाछ । वदा वाहित्वद रंगात्कत व्यवस्त्रा कृतिक, क्रवूक क्रिक्टलत (मार्टनंड चर् पान कहिय मा । (कन्यकास्त्रत संस् पहलाई मणा कहिय मा, बनः बैटहेन कर करिय : --कक देशहरू। अवादन निवस्त्व खन्तेनीत नारम बाक्ष, अकारिनवारे विक्रुक रहेटकार । कारे कारे, शहे शहे, इकर

SPECE CACA MILEGE MINIS AND BLO ME CAS SINCE SEE ME mirie Billet Miriel ace i coe vielce coin cee alle attent eiten Ben feche wift i biger wien wielen eiten eites विश तक कामना वरेटक नाटक के मध्यारका नाटक त्यार नाटक मा वक्तारक गारव न£। अरे केश गरवरे भवन्मत्वत महरावा कारे & महावा किल कारी. त्यविकः क्यों, व किष्टदे एक्सा माद ना । कात, त्यम कु क्य कि feming mien uts at :- a nacht moite femin munit fefte बारकः 'मेंबरे करें'। अञ्चित्रे भवः अञ्चलित्र माहावा भट्टक गट्ट हाहे। त्मारकत मार्थाया. त्मारकत गरंद गरंद छाते । त्मारकत महत्व क्षत्र के। अहिरक मानव मास्वत वहेंद्र नारत मा १० छाहे मा १---विमय ६ विचारमह अविविधान औरवेड माश्रां किंद्र दक विसवी बहेरक शादत १ (अप-निश्तामनि देवकरका गांकाका किंत एक एक्सिक हरेटफ गांद्व र हिहादकत कीवल बाबदगढ कवल norma muires meres uet Beate parice : anischiefe fanta-त्त्रति, कीष्ठे म-- अ नकरत्वत्र बाता । केनकाद वहेवारक । अधिका मकरता ! मुद्रीरक्ष मंत्रांबन क्षेत्रकात व्हेरकरक । मक्त्यहे कि निही व्हेरक नारत र मकरमहे कि कृति पहेरव नारह ? मकरमहे कि मानिक पहेरक नारह ?---वा को नदा अकबन पाना, व्यापद कांका कहें एक गारव मा। रव कारमहिन कांत्र वीकेट्ट, कांकाटक कम्बरमार सिकडे अञ्चलका कर किए एक क्रिट्ट । एक विशासिक नाथ संवामत क्षेत्रक क्षाहित, खाला क और छ देशकात विक्षेत्र मखक चारमाठ कविटाउँ केवेट्र। अक अकस्म मश्तानुक्त अक अक नश्च चानिकारकर कम्र करकृते, चर्चना कक तक विकारतर भूव विकास, वा अर्थन CHR किवान- तक तक्कार। प्रशासन्त । कर्न फलिए जा। प्रशासका मकरणहें।। आश्रम आश्रम विर्मित्य मकरणहे बनायुक्त । किन्नु क्रम विव-. (इब बक्र (कांक्रे जनमां कहा बाहा। नकन निक्रोड मध्या अन्त्रम (साह निक्री). मक्स कवित बहुता अक्षम ट्राई कवि. चैंदा नदा यात । एकटनरे किय कालक कांक्षित्व मां, श्रेष्ठवार त्याणांव चारित चीकित्य। मकासर्वे चेतिष्ठा निधित्य मा, कुठवार कानिकाम उद्युष्टि काउठि करिय आपत्र वाकिटवा मनदमके

He is himself made higher by doing reverence to what is really above him."—Carlyle.

etfefe eter ei, monte St. mat "gu, unme mat touten mies वाब्दिक मक्टनरे विकास्त्र क्या मरेवा मावा स्वारेट्व और जुलकार प्रमृति अन्त हिट्यालक सामन वाक्तिक । क्षेत्र अस विकासक सामाहि अस क्ष्मत । (सर (शहनक सरवात, एक्ट आहमत सरवात व क्षाक विक (सबु मूर्त विकास अरू क्षुरू मन । चरु विकास माविष्ठक क्रेडाएक, त्यु अरून क्षेत्रारम्य बक्षम चामनं मश्त्रम्य-मधीर मुखारमञ्च छेवछ स्वारक्य अकाश्यम स्टेट्ड नात्त्र, जनः अन्तरु डावी ब्हेब्राट्ड । छावाबादे आवर्त । जावन कि मक्त भव निवद करें ए भारत मा । जन के विदेश अक क्रक सन-न्यातन्। आवर्ग भूतंत्रत अञ्चाचान क्रहे पृथिवीत आञ्चिक निश्च-विकृष्ठ नह । अक काम कतिएक कतिएक, अक लाब, हिनाएक हिनाएक क्षेत् अक्षम मक्तम नेमात उठिया (मन । पृथियोत क्याहे विवासिक । धक बक भव बधुमुतन कर"—कड मंडःमहस्य (मास्क । कि**क (मरे** भार्याः गर्वात्वर्त व्यावर्त कक सन् । , व्यानाक दमोका भाग हनिवादक, किन्न मकरनहे आ(मिबिका आविकांत करत नाहे। कठ कन कठरात आठा-वडनं स्विकार्क, क्षि मक्टम किन्न मानाकर्गन मिक्य चाविकात कतिएक भारत माने। यांका कृषि मापि श्रकार अशाक कति, अकार दिथि, काशंत जिल्द स्टेटिक विवि कछ कि शाबिक करवन । धक अक नमटब नमाटक अक अक अक अकार बायू (atmosphere) शक्ष इस, ८२३ वाष्ट्र फ्रिया मिल्या क्रक क्रम महाशुक्र कृत कवित्री, काव देशित स्वम काशिता केंद्रिम । दम्दलत अक्कात पुछिता यात्र । तक तक स्रान्त द्वारा तक तक्ती मरणात्र वाक मृतिवी बाव । हेनी-(कर अवलाव बात । वासू शक्ष क क्टालडे मकाभूके (वह अध्यापान शक्रात) (महे बापू-ककार मनक। कवार, कवार, (करेश ककार-कर बन बापू वनन हैटरे-प्रधमहै (कान क्रेडे, कान बुक, क्कान माहि निक्कि, वा क्लान न्।दिवन्दिव अक्षानाम हो दक देशविद्यार महत्त्वर बाहामा अवस्थात करत. काशहा रही-विधारमंत्र मिशृष्ठ वेरमञ्ज न्तर मा । यात्रां मश्यक्य मन्य मृत्य मा, कृष्णिको काकि मीह त रक्षण वृत्तिमु ७ किहू वह मा। मश्याक कीवन na wei bie a cipial wiel al mich, wielces mutas uis Guje

^{* &}quot;Nature, when she adds difficulty, adds brain." -- Emerson.

t "No midder proof can be given by a, man of his own littlement that distributed in general "-Circlyde."

वकार स्टेरकरे वास्ति,-वास्ति वास्तिकारे बातान बादसा वास्ति क wie of an i woie fin effette wiel guren wie gelene mini femite uniquenties benfe : siet fog at ente wite, munt काम मा दकान चामान पुत्रदेश करू या दकान मुखा जाविकादश्व करू करे realite : () and and anciet fag for fereng ferien ufente : क्षि कारे विनया अकं विवाद मुकानरे आवर्त मन । अहे, सबाब अवस्त दृष विकास, माहितिनि वक्षत्र । दि श्राहान-वादुरक हैशायह हुना एन क्रकार-शत्र कांक्रके ध्रवाहिक हरेरेर मा, श्रुष्टतार क्राव्हिक क्राव्य (सारक्रम चार चन्नावान करेटर नाः चन्नावान करेटर राक्षत--टम मुख्यः मुख्य मृत्व, मृत्रम चावर्ण सर्वाहरू सक्त काकि मृह्दर्श शके । अकाव विका मृत्यम, लक्षिक मिठा न्हम। (महे कक्षत्रे निया नियम, यूप्त मुख्य बशा-प्रदेश अञ्चावान करेटकरका डीकाश एक वक्ष. ८क टकाहे, ट्रेन विद्यात हत्व मा। धक विकास्त्रत (शाक्त्यत महत्वा Caan कृतंमा हहता, किस क्षिक किय विकारतक रतारकत मरना कृतका अनुक्षता , धारे रव कृतिका, बारे व कारा-नावत, अहे त्व त्वावशीमका, अहे ता काकृत नावाव मक्दल अवश भक्तारक-देशाव क्रिकेट हरेटक मुक्त पर वर्ण वीरवर चक्रावाम स्टेटव । भावनं किंद्र शहर टिक्टिक नाटक ना। भावनं छाडेहै। भावनं क्रांब 5ाहे, जावर्ग छानदाता हाहे, जावर्ग यासूद हाहे। असम जावर्ग त्रकृत्व भाका ठावे, काबि वचन लाटगांत्रम लक्त भाटण भाइका वातुकृत नावे, कवम (व जामारक कृतिरक भारत,—गारक जाँखन करिन्ना, वात पुरवत विरक् हारिया तका गावेटक माहि। अकटे दिन्दर कामारणका द्व वेबक, दन दिवदय टनरे बाबाद बावर्ष। भूद बावर्ष प्रशन्ता । किन्न मारक दिवाद निक. करे कार के के कि । मुखाबरक पहिट्य माटक भावना बाब, काराह माटक प्यतिश्व मक्षान कानजात कार्रे इक्षा मा किस ताकृषितन कामक्ष । वाकृषि funn fund umpfann membi fann biet i fon fon fente न करणहे नकरमत काश्मी। कुकडार दिनम डावेडे। विश्वासत कमा काव्मी वना-कारेके । अस मनद्व मान नाद्य छाडे मनाव, बास मनद्व, मा अमृत्विय मुक्ति मिनदान महात्र। वह अवृति, मह मा। धन्यमदक हाँदैवै। मा च अक्रकिटक दनि चानर्नेक्टन माधूब मा बहिटक नाटन, कटन माधूब वैक्तिटक भारत मा । आपने स्तम मण्य स्तिष, करमहे माझरवत । नकत । बाहे

क्षित वाबि अवन वृद्धि कि । चावन गायुरवत वहन एडि व्हेटव, छथस क्ट्रेंट्स, चामि अधन बंडि कि,-अधन कवि कि १ दय त्याम नागांद कृतित बाह्य रुखा बाब, दम मानदब कृषिटक शाबि मां, कांडव आबाब अङ्गिकि-मायम वह माहे। आवर्न रह नाहे, आवर्ग कर नाहे, आवर्ग छाहे माहे. आवर्ग क्षी माहे। मुद्धारे नाहे। या चारह, छाटा चानांत्र पिन इति मा। चाहने ही नाहे, चावर्ष पूज नाहे-चामात शबीद जानवातात दत तर किहूरे নাই। অথবা আমি কাহারও ভিতরের আন্তর্গ চিত্র ধরিতে পারিভেছি না' **এই अबल एक्टेंटर जामि जन्म गांचात कतिया ज़नियादि । नक्न बार्किछ ह** ক্ষার বেন কেহ নাই-আনি কাহারও মহবু বুরিতে পারিতেছি না। चामि प्रथम काइंड नहें, प्रथम (क चात्र चामात्र हहेटव १ जकावी चार्मि-ब्राह्म-अकाकीरे ककृत नावाद गीकृता कांत्रिका । करे-दम कांत्रवाना दरे,-गांत क्य धन लाव याम त्रवन , प्रशहेरक नाहि १ करे, 🌋 त्राय करें-यात क्षष्ठ कृता कृषा कृतिहरू शादि १ दुराम कानत्कृत नेव दश्वीक नवे १-- तम अनम् अवे १ कृतित्व कृतित्व आत्मा कृति कहे १--मिन्छ मिक्टिक चारतान्त्रकि कर्षे १ चामित्र पूर्व वा के नेत्रक पूर्व वा, चार्च निरंव मा । कदा भाव कि क्षेट्र y दर्शन, दंशन, दंशन, -- मादश दंशन, मादश (वित, चार्टा (प्रति, -- असस कितिश चनिरंत्र महत्त काहारक छ द्वविट्ड ठाई का। **भारारक ७ रक्ट (क्रम कविया (क्रम का। स्वति** स्वति, भारता स्त्री, भारता स्त्री - अपन कहिता करे, भाषि स काशावक स्था-विविधिक मधुर क्या वा नशीक अतिरक हाहे मा । व्यविष्ठ द्विविद्य, क्रमिटक क्रमिटक भागन क्ष्में करे ? चाकारमंत्र होन, वानारमंत्र कुन, कुरमंत्र

west, strikes wert, mann entites collect callete sargette et wit t were not unlike unlike put-uput at ut ; come क्या अधिक वाहित्य कामुसाई पार्च, यत, शाव अभिका दिन दशकी करेत per fanitie mit mit mile unterfung et mit e mutet वादि शैतिक दिशादि। 'कारे ब्रापि वास देवन अकांकी करून प्राचारक गविका कै।विरवहि । अरहर अहे अम शक तूर्व दक्षा आवाद करेण, आहे will frem minicob elest afrie, minte note ubm: miffe von काशाहत निकृषे वहा एवटे बाहे,---भाषादक बचक भाषि विक्रव पहित्य गाहि नारे, उपन निहान अन्यन जानाह हित तथन। जानि जारे किए जाना कृतिस्य गारि मा । त्यर णायात बारत चामिए मा: चारि अवारी अहे ্ত পাথাৰে পঢ়িব। কাৰি। আৰি বৰন সরলেঃ প্রিবর্কে পুরা-বাধা ভোল विटलं नाडि मारे-विश्नात दिश्मा, चार्च चार्व, मिन्नात मिन्ना दिवाहे बचन वाबमा छानावेदाकि :-- चटकात्मक भविवटकं चटकाव विवाकि, व्यक्षात्मक वहरण · এইার করিটাছি, তথন আমার আর আশা কোবাছ ? আমি ব্যব একটা लार्यस्य चन्नमार्न चनकरक कांच समाहेरक गाहि जाहे-कवन कांबाब क्वा चार तरक कृषिक मा । व्यवक्ष, क्वी, द्राय-क्रमंद क्षक्षामा नाचि-करक रकर हुँ देव ना । पूर्व छ किछात यात हरेसन, छात नशिनाम चार कि रहेरद ! बहे अकुन मानात नावाद जन्मन है आताब महस्। करब कैशिया कैशिया cole कुणाहै। कैशिया कैशिया प्रतिश पाहै। अनक त्अमनावन, का बहे त्अम-कृत्तन क्हें स्नीता । , बहे अमक अकृति नावरन करे रुक्ताना मिदि बाहेंद्र मा । बहे बारीमहार मंत्र बाबि बाब हारा-देश मनश्च ब्राकृतिक माना कृतिस्त शाहित मां। श्वकार मासूनर्गन मानाव क्यांद्रम नाहे। अविश्वानहे आयात गढिनाव। आदश्रवे आयात अमारमव नवत । चलकि वामात किरांत चातांत । चानि वावित्व चानिगांकिdiferie uit : mile ulen eisen-wurt nom mille micha शित्व अकवात भागीनका । भाकात्रात विश्वविक्रिती (१) मणीक कृतिका कानत्कृत सानि करिक । कानारहरे कामात मृक्ति, तका देवकुर्व मिनिएक। रठणनाव मुविनाव बाव कि रेरेटर !

घश-घिनन् ।

"laun fecen aice, fann mellen," माध्य क बानपुक इति वस व्यक्ति, निकाणिक एवं।रनाक मुख वदावर्त, एशबारक जानाटक वह जनीय चलका" वरीतामाध :

विश्वित विश्वित करत कतिराजीक, किन्न किन्नराजी विश्वित भौतिराजीक मा। त्म आहम आहम, क्रिन्ड काट्ड त्यत्म मा। त्म काम क्रिन्डा खब्दा विज्ञास्त मा बिनास क्यान असकात बादका स्थम किया वाह ! ভাতে आमात्त कठते मृदेव हदिता शिवाद्य ! अक्षू शांतिया, अक्षू छाविया, **এक्ट्रे मेर्ड छोलिया, ट्रा कार्यात ट्रकाबाद मृक्ट्रेडा बाद। ध्यम कविना** कि परक्ता की छात ! - शंत्र, अमन कतिया कि जानवानांत्र तांवा विजीत: इस १-हाइ, ध्वन कहिया कि स्था नात ? किया त कि हा की सामाव थन मह, - विष्टु (5 दे जामाह कथा शत्म मा! किन्दु जामि विष्टु (5 दे काब बन महै। काब वृद्धि मिलन चात पुनिवीटि परिण मां।

आपि विन, वृति विनिद्द, उटन कृषि ভোষার के वाहित्वत्र श्रीवाक भृदिक्ष्य, के (भीदन-बाष्मागन, के डेकि-वृकि-ठांदनि, के मचार्छा-वश्वयानि, के बन्द्रात-गृहिया, के नव्या बात कत्र, गर मुद्र दक्षित्रा क्या । क्यांबार माचात्र में विकास त्याचा, त्यामात नतीद्रत में खेचवा-कृषन, क्यामान क्रारंपत के कुछ हाइबि, नव किलिबा अन-नवन खारन, रवाना सरहा, केनल नवीरन क्षत्र। को त्र किप्टाटरे केरने ना । पृथिशीय विन अपनि कवितारे लिय क्रें(छाइ। इजान काहिनी मुशरेट मा मुगरेटक,-कान क्षित्र। सरह क्नाइटिंड में। क्नाइटिंड, ट्रिक्टांस दकन, व्याद्यक व्यक्तिमाक्षि कामाद्र मुकाहेबा बाहेटछटक । काब, छटव विश्वम दक्षमान बहेटव हे बाब, छटव (यनायिनि दक्तरम बहैदव १-मानि छ। किहुई दुनि मा ।

कृषि क्रोबा, कृषि कब वा माकिएक्केंक,--चामि होन इस्वी शहित वाका--আৰাৰ শ্বৰ-খৰে ভোষাৰ প্ৰবিক্ষেপ অসম্ভৰ। ভূবি বিধান, ভূবি জানী --वावि वृंदी कक्षान--कृषि व दशिष्टत वृद्द वाजित्व रक्षत कृषि एका,

कृति गामांत्रतः पूर्वि भूगासा,-साति सूर्यतिर गांत्रस्य -मानी, सामान विश्व काश्रिय त्कत, भागात परव वित्य त्कत र ब्रांट, केंद्रक, कार्ड, ब्रांटक व्यविद्य हारे, वात विदय हारे, स्विति-सानि मानिसा त्यरे आमारक स्वीत मित्रा छलिया यात्र । वामध्यक द्वारामार्ट्यंत्र मात्र विष्टक मात्रे, विश्वेदक मात्र छहुः मितक ट्रेन्यरमात कामायग—दम्ब कारक छात्र मा,-दिव कारक धरत मा, त्कर कारक परत कुरन मा, प्रविद्या प्रविद्या ककान मधील साहे क গাইতে-ভোষার বিকে নয়ন পেল! কি কানি কেন, ভোষাকে কান চाहिए। कि स्थानि त्यन, त्यामात वह आन अवि। इहेन। कि सानि त्कन, त्यामारक पद्ध चानियार कक नाय गावेश। क्रिक है के क ভাৱাৰ্য না ি আনাৰ প্ৰাণেত পিপাৰা, হাৰ, ভূষি জ বুৰিলে নাঃ इपि किहाउँ रवितान मा । श्वामित्व श्वामित्व राम, किंद्र अम् केहे हु--ভূমি কেবল ভূমিছু দইয়া এল কই 🎮 ভূমি ভিতৰে খাটা বংলা, ভালা নইয়া এৰ হুই পু আমি ৰপ্টতা ত চাহি না, পোৰাৰ পহিছাৰ ভ চাৰি না-चांत्रि अंडादना, इनमा, हाकव क्षम क ठाकि मा। चात्रि ठाके-अवनका-माना श्रामाद पुरुष, पर्धाः कृष्णमः-देशामात श्रवत्यानि । च्यामि शिका शाह मा, विशा हाई मा, अश्याव हारे मा, केंच्या हारे मा--व्यापि हारे दशमाव गतन सम्बन्धान । किंद्र का नामें करें १-- कृषि किंद्राकरें द्वामात सामश्रव छाजिया आमित्छ वासि हरेटम ना। छटर आधि कति कि ह

सिनन कि कथा व कथा ? कमरत कनत्र, त्यारन त्यान, भतीरत भतीरतन सिनन दमका कथा नत्र। मुद्द जिनन दमन,—मने मिनिनाटक मानदिक महिला ;— शक्त किरन-या। भिनिनिनिक् मिनिनाटक मृत्य करत्र। मानदिक मिनित किर्यक क्रिकारक, कृत दुर्गानक क्रिकारक। स्थानिक क्रिकारक क्रिकारक। स्थानिक स्थानक क्रिकारक। स्थानक स्यानक स्थानक स्था

মান মান্তমান নাই, কাইবেশ আছমবালো বজা করিছে বন নাই। প্রেছ

আই বন সকলে বাজ। কিন্ত ত্নি, হার,—ত্নি অনেও তোষার মান
টুক্, সভাতাটুক্, বিলাটুক্, জানটুক্র মনতা বিসর্জন দিয়া এ জুনিত, ক
পিশাসিত অনের প্রতি চাহিবে না! হার, তবে আমি করি কি ? জুনি
কিছুতেই তোমার উন্নত অবছাটুক্, স্জাটুক্—পোবাকটুক্, পরিজ্ঞাটুক্
ছাড়িবা আসিতে পারিবে না! নিলন কি সোজা কথা ? হলরে হ্বর,
প্রান্ধ প্রাব. জীবন—মিলিয়া এক হইরা ঘাইবে। লে কিং সামায়
কবা ? উচ্-নীচ্-বোধ, প্রে-ল্রে-জ বো-ল্রে-আরো-ল্রে রাথে যে প্রকলনপোবাক বা জ্বলার, এ সকল পাকিতে মিলন অসম্ভব। তাই ত মিলন নাই।
ভাই ত অসংপ্রে বিজেপের হাহাকার। তাই ত সাহ্ব বসিতে না বসিতে
চলিব্রা যায়। তাই ত মান্ধ্র অসমরে নরণকে শপ্ল করিয়া নিবিয়া যায়। ভাই
ত মানার গ্রাণ আন অবির ও চক্রণ। নিলনই যদি,না ষ্টিল, তবে এ পোড়া
প্রিবীতে পাকিয়া কল কি, গাভ কি ? কে বলিবে, কল কি, লাভ কি ?

माञ्चर माञ्चरक वक उन्न करता। माञ्चलत निकृते माञ्चरक वक्षके अर्कि চার। शीन देवहाती, दकान काटण हाला निया गाहेबात সমন अकृतिस ध्यक-জন প্ৰিক্তে পালিগাণাজ বিদাছিল, তারপর ভার কত অনুভাগ অঞ্-পাত হইরাছে, জাবপর সে কড জনকে মিষ্ট ভাষার সংখাধন করি-बार्ट्स, किस बाजन मीन देवतायात कवा छित्रित्य त्यादक अनुक्रिक করিরা বলে—"নেই ড দীনা, ভাকে ফানি j" মাছব মাসুবের সামার মণ্ডাধও ভূলিতে পারে না। আবার অন্ত দিকে, একখন লোক सर्ग छ्विया महिवात नगत, सनाह नाबू छाशादक वैकार्यवादिन। ভারণর জীমে জ্রুমে লগাই গোপনে কত লোকের দ্বার আখাত कतिबादक, त्यालान कड़ बून कतिबादक, किन्न आजत कताहै मानू बनिवा জনতে প্ৰিভ । এইকণ, মাজুৰ মাজুৰে বাজকণ দেবিয়া মজে। জগতে मसंबर्ध करेक्षण व्यविष्ठात धर्नारकाकः। अकारक व्यवधी व्यवहास कत---वित्रकारमत क्रम मासूरवत करक कृति प्रतिक वित्रहा जिल्लाक स्टेरेंट । मुचि-ৰীৰ ৰিচাৰ অননই। একটা সামাল কৰল কাল কৰিবা কত লোক যে विवकारणक क्षक माश्रवत निक्छ शैन शक वरेता जिलाक, -- कठ श्यारकत धनात नाज परेवा विश्वादय, कांद्रव बुवमा एवं मा । अहे अधिकादवद करव,

बांक्य बांक्टर विकर्त करत पुनित्क हात मा । अहे बार्रहादात करत मान माष्ट्ररावे जान ननकित । अहे भरिहार मह करिएक मा नाहिता, हाक सक. त्माक कृति कोष्ट्रांगर झार चनमार कोस्म-नोबार यसका झिन्छि।छाड । अहे व्यविठाद्वत सद्य माध्रम कड बाक् ल्याबाक विवा क्रमद्वत प्रकृत ठाला विश्वा वाचिट ठ. कैंदि। क्रिकटब टकामाई चक महता अनव, क्रिकटब कृषि लाटण्ड কটি, কিন্তু বাহিবে দৰ্ঘের পোষাক পরিয়া সাধধান থাতিও, জোমার আর Cकान कर माहे । पाश्रारी मायाधिक भागरमत एकणाती, काशाता ताकरिश-करत अरेकरण मास्याक कमडे हाती क्षेत्र महामर्ग तकता सकता महाक कामारका मनारका काराम कवार कहे-- वाका देखा कर : किन साकारक क सानिट्ड विश्व ना ।" कई क्या चालकान (नाक वेच्ड ठकत क्टेंबा केटिट्डट्ड) त्यारकत प्रदेश प्रति निरुक्षण कतिरक शाहिरशके शहेश । कांकि (बक्दा अवन-कार किटम क्रकें। रायमाय ब्रह्म श्रमा हरेश देवित्रक माध्य लक्ष्म लाखादन बाहा मन, फाहाहे बागावरनत निकड कालिनत कविष्य मण्ड (हरी wielen unang fein, bien miene wiele en, mieine भागात्या । अभगकात मिर्ग, प्रतिक अकिलय करिएक स्थ, द्वारक देवामा-मुनी शाता। कृमि क्रिकटत वाशके रक्ता दक्त, त्यादक कामारक काम বলিভেছে ভ ৮ তবে আই ভোমার কোন ভয় নাই। খেন-ভেন-প্রকারেন त्सारकत मृत्यंत व्यम्शमा भागत्महे स्टेम । त्यामाम्बीत सामात प्रतिविदक विविद्य विद्यारकः अलावना, क्षणमा, ठाउँकावित्या, ठिविद्ध-विभियदक तनाटकवा किसिया चटक फिटिएकटका आस कालकात निरम चाही माल आत विकास मा । यारणत वाडी मारलत वावना, काकारमत घटन वात्रावाणी, करे छते लाक-श्राह्म भूव सिंगा विकालन एन्द्र, तुव भारकालन एतक लिहे (७, १४८ वह জ্যোর প্রামাল চলিয়া বাইলং খুব পোনান্দী কর-ভবেই এবাছা कृषि तका नाइटल । अम्हाना नाइटलई इन्त, का पनि वक द्वाटकड इड् कटन क कांत्र कथाहे माहे। भगीत कमकारमंत्र कक क्रमानक स्थानमहिन, वाहिर-ठवेन:कार या व्यकारमा छनित्राष्ट्र । वर्षे मनाव मीम मान माडका बड़दे कविन । ठाला. ८४७. गर्गम ठाला ८२०, मनीव झंटका, -- वन, चाव हुकि जिं? अहे अबने स्मारकता चारम भारम, किंद्र गाम मा । अमिरमक, বে আদে, টিক ভাকে পাই না। আসিচাই সে বেন কেন্দ্ৰ চইছা বাই। (म त्वन कि शक्टिक, कि झाणा विष्टिये काखा। कि सानि त्वन, त्व नार्वका

कि एक्स मुकाहेबा आमारक मोकि मिर्टि है हात । छात हांस्निट्ड देवनहें कलाड़ा. — कात नाजवामाह देववनहें चार्यक्रिक वा (धामामूनी। देन किहू-देवट में का चान विभिन्न करिवाद क्रम्म देनाकों करेता, खेनक हरेता, इन्हांक लांक्स हा छात्रिया आमात समस्य वृत्तित्व आमिरिय मा। साम, छर्द आदि करेता है

क करारवा अधिक, लारकता आमारक विकास करियारक, उमि मिन-्राके गढाव बाद ना रकम ? मिनटनत गढा ? ना —टन क देवयमा वा अभिट्राव महा । अक्जी (मारक्त महिल ता आरण आरण मिणिएक भारत माहे, अवजी (लाक यात खारगंत किनिम सहेव। यात्र माहे,- अक्की मनम आर्थ एर प्रतिहत णारंत मार्चे :- ८५ अस अम, विक अम क्लाटकंत्र मरना क्लेस निरंत, कुविरत, मध्यत १ - मगस्य कथा। मो, स्थाबि द्यवसमा कतिएत, नाम किनिएत के शहरूनाव महाव बाहेब मा। श्राबंह माहम कश्य, भूरवाह माहम भाग, चिल्द्रेन नाटम अभिमवाम, शारमांत्र नाटम देवसमा किनिएक आमि माहेव ना । भारत मक ग्रांकिश. वाहित क्षेत्र खहर मक लाहात कतिएंड, (कांगाएमत यागडहार्च, व्यक्ति वाहित ना । त्वानकाना विकास १ व्यक्ति वाह्न मान्स् हिंदिया पाटेश मा । अवकारा वह कि १ जातीन मेट्डव ८वं ट्याटकवा ब्यानद क विट ल लाइर मा. बाब्फिटक सका वा काफा गावारवंड करक माडे :-- वाशाता ब्लाटकर मामान करी करिएक लाइत मा :-- बाकादा डिज्ञाटम लविनका लाहात कटर वा विकासकटर्न अविन्मा अवन कदिया शास्त्रज्ञ आणि विज्ञक कथ् गरहात देशीय विशेषकीम एकास्यय मारम कराव चामवन करिवाटक : आक ८ भारत । नाम जाङ माजका-भारत क्षत्रहा (भागन करिकाटक, कांक्राकृत मधान हेक बहेदा बहुरें रू-वटर अशानिक, बढन बरन बकाकी छुविशा शिविशा शहे. १८९ अन्त. अर्थ में शावकानाय कामि स्वाप निय नात कास्त्र महिन महिन केलकाम कतिनार कक्क रह यमिशा प्रक्रिशाएक, कृषि क्षेत्रके सामा करिएक कार मा (वे. ्म (कामाव निकड़े कांद्र महिना शाम किनिम बाहित करिया मित्त माति किनिय बार्रिक करत कह कर मुक्त लाहुलक बाजि क्या करण क्या समा १-- (क्यम वाहित सहेता हात्मा, इक्यम टाव-क्यांव वित्यत वहेक सक्ष दिल्याय क्या (5हा कविरक्ष, कवा यांकाल वांकाड लाव। (5है। सम्बद्ध अपनः मात्र विश्वित्र। विश्व वैश्रादक किका (उद्दे। बहुत हम, कृष्टि करका क्षमात विहास मा, अकुरक क

তোনার দ্বতে বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বাঁণ ক্ষেত্র ব্যৱহ প্রতি একটু ও সহা বিশ্বে না, অন্তত্ব একটু ও ভালবাসিবে না, অন্তচ বৃধে নলিবে, তেই। কলি। এ কিরুপ চেটা গ বিশ পঢ়িল বংগর কেবল একডা-সংখন করিছেছু, কিন্তু বংগর বেলা কৈনি—শ্বা—মিলনের বেলার কেবি, কেবলর প্রত্ন তারাক্ষরে বিশ্বেছ। বাহ মিলনের কন্ত বাজিবাল করিয়া কৃষিও নাং করেটু প্রে, একটু নির্দ্ধনে, একটু দ্বন্ধ একটু নির্দ্ধনে, একটু দ্বন্ধ একটু করিছে আমাজে বিশ্বেছ করি, তবেই মূব দেবাইব। হুলা হই-চই করিছে আমাজে বিশ্বেছ বিশ্বের বালিও না। একটী হল্পেও যাহার ভূব দেবতা ঘটে নাই, সে কেমনে এ ২ই-চই, এ চভূগে ভালখাসার বালারে হক্স কিনিজে বাইব গুলা—জানি তা পারিব না।

यात्मत त्माय जूनिवात कक रेक्का रहेटकटक, फाल्बर मिक्के पहेटक अवदे मृद्द शाकार छाता। आधि मृद्द मृद्ध शाकिया, कामादम्ब के महल शामि, क्षे नहरा अनवश्व अधिक विदर्शनव्याय महत्वी बंहन कवित । कार्य (विन्दर्श क्षेत्रिक रेवन ठाणितक, छ।किरलक रुठक्किक कता छाकिरव वा मा तकन र প্ৰিবীতে বৈ অবিচাৰ দি আনি ভ ভোনাৰ নতেৰ স্থান কৰিছে শিৰি माहे। आधि च ट्यामान द्रशेष चित्रिक नाति माहे। आधान काटक वितर्श रभागात प्रकाशिक काला कारा क कामामटक क्रिका महिर्दे । एका के करायक हाता. हाब अकड़े कल । मामुरसर्व चर्लन मलक्षि, हाब अकड़े बकुत चारन. लक्षेत्र रक्षत्र हेरलाव-वाकि। का विज्ञ मक मधीय क्षा मा, बाहर मा, कमरव बाटक मा । डिल्क ब. ब्रीमान्दर यक देएत मा । काब, कामान कह प्रदर्शन मक त्य क्रेक्टण धनावद्व महिला विश्वास, लाव माथा क्रम ना ! करें क्रस क्षत्र क्षत्र मात्रान एडेवा विमालिक । कार क्षत्र वाद क्षत्र कार वाद श्रीतरक्ष शाबिरकृति सा । अक्रीतरम अक्रवादवरे क मक्रम वक् क्य मा । ममीय ८ श्रम मा काइन। क मात्र विषद्यान कल नरह ना! कक्ट्रें कक्ट्रें, विष् विक --- नृत्व क्रमक । एकक पनि मएखड आनंतके ना कृतिन, करन बलिया नासरे का कि र शहर दे ते कांब कहरत र काबि का युकि सा । काबि युकि---(करन बिट्रबर देलकार्ड। चास्त्रंत देलकार चाबि करित.-- a चक्कार मसमारणह अतः। आधि नित्व काहार 9 किन्द्रे कतिए क्ष गाति का । आभीत नकत कन्छ कृति महिता शहरत पृत्ति है। काम केनकार स्ट्रेंटर स्तिश कामि कामि मा आधि मक्किशिक मधीर शामित्य ठाई। यह क्षि वक्षे देव, अक्षे केंद्र- সাজ-বানিতে যদি সজীব থাকে, ভবেই মদণ ছইকে। আদ ইউক, কাল ছউক, পাঁচ শত বংসর পরে ছউক—সে বুক্সের কর ভক্ষণে নরমারীর জীবন লাভ ছইবেই ছইবে। এখন আনি কেবল বাচিতে চাই। আমি ছেবল অথব এইতে চাই। ডোমার মঙ্গনা, লগতের মঙ্গনা, এসঁব করনার পেলা লটরা বড়মান্ত্রন হটনা। বাহা আমি মই, ডাহার বড়াই তুরিক কেন প্ আমি না বাঁচিলে এ সব আবারর, কর্ম। আমি না বাঁচিলে জগ্মতের মঞ্জলসারম আনলাক-ভুক্স। আমার মতগুলিকে রক্ষা করা, এবং আমারে সগ্রী বাবা, একই রবা। মন্ত ভির মান্ত্রন নাই। মই বার আছে, সেই বাঁচিয়া আছে। ঘাহার আধীন মড় নাই, কে ক্ষানানে ভক্ম হইরা গিবাছে।

কি সকলেৰে, কি ভয়ানক অংহজ্ঞান !! কি ভ্যানক মান জীডিমান-, মূলক অংকার !!!

करें मक श्वनितक मुक्षीय हाशियात कम्न कक्त निकास. क्रके अवन हारे। धक है चौरन, अक्ट्रे मतन ठाकें। " अक्ट्रे चाँखाँत अक्ट्रे चारला ठाटे। अक्ट्रे সংগার উত্তাপ, একটু মেখের বাবি চাই। নিক্ষন ত পাইরাছি:-এই বিশাল একাও গভীর হইতেও গভীর নিজনতামর হট্ডা গিরাছে —্য দিকে চাই, হ ছ করে কেবল গভার নিজনত। গভার হইতেও গভার। চতুদ্ধিকে षु व करिया भागारमञ्जाखमन्यहरवद त्यय-काहिमी लिविएडएछ । फुनि माहे, त्म नाहे। त्यक् भविताहरू, त्यक पृत्व भगीयन कविताहरू । विश्व आकाशमान मुक्ष प्रक्रम किছ्र कहे भाई सा। तम भारत भारत, आतम सा; रम कथा वटन बरण, बरण मा । कि भानि दबन, तम भाषात मराधत शक्ति अकड़े छ केरमाय-वारि छाट्य, छाट्य, छाट्य मा । (म वक्करे व्यवसमञ्रा दम रहके वक्करेका लिविशादका दूम वक्के मास्टावत कटा क्रवा ठकिएकत काव ना दवनिया, मा মজিলা উটিলা বার : ভার প্রাণ সরবভা মাঝা পাই না ; দে আজ্ঞ দেহ कांकिया, आन कांकिया आयोव शहर निहक काव । मासूरवन अल्झे क्या कामात काम तम कामान काएक ताल काम ना । अकत्मन कुरण ना ! कि मस्त्राम । करुवन सान-विभिन्न करते मा। यत-मिल लिएक बाडाहे-बार क्या उठ है चक्रानर शासाक्रम, अक्षेत्र आगामार कररावीन, अक्षेत्र प्रश्-वाध्व सद्याधन। का किछूट के लाई मा। कडे मामाव महिलाद कडेकारक, with Coint wie nit, fon upwin uter (on ? at ferin-fer b পुथियों नीहर रहेत, खा:ड ६क्ट्रेंड फडि नाहे, किस जेक्ट्रे महत सबद भारे

मा (क्य १ औंकड्रे कानवामा कावेरे। धाववानि ना वाविनाव काम कावेरे। Cकरण अफनात दर्शवत । Cकरण अमनात मिलिया अपन फारन मिलिय (व, अक्वात प्रिट्ण समित (आस्त्र समझ तात्रा केस् अवात प्रदेश वास । त्य अक्ट्रे मारतन तरिवाह, त्य अक्ट्रे श्राध्यक्षक विवेशाएं, केट्रेक केलिया त्थरमहे स्थ। छरवरे आधि अभरकत सहेरक गावि। छरवरे आसारक জগতে বিগাইতে পারি। আবার প্রেমেং চাবি খুনিরা বিজে, আমার श्रुष्टेर्गमण श्रुमित्व वीहारेवा कृतित्व, श्रुमित्व श्रम श्रुमाण: स्व कृत्य शहें शा याहेरळ--(करण करकी (काय-अहिमा आहे। आधि बारम करा नेट सह हारे मा- धक्यात अरु प्रवर्त करवरे भागाव मुक्त जात भूव क्षा | fout माञ्चर अवनहें छोड़ बरा छड़ेंत--(यान) आन महेंगा, प्रश्न मर्नदार साह प्रश्न क्ट्रेग्रा, श्वाभट्यत्र मिलिटक्नात्र स्रात्र केस्या क्ट्रेग्रा, टक्क्ट्रे स्थानमं वाकितिक प्रथाहेट छ छाइ (यदा मा। (त आहत बाहे, किन्नु बाह्यत्वत क्रद्र सह टम व्याल चूटल ना । मामाजिक लामन, ट्याटकंड लामन, व्यव्हाकंड कि अवानक क्तिके माविट्टाइ । भविद्यो व्यवक्रमात श्रीतारकात वहेवा छेत्रिशास्त्र । कान-पांता-च्या, चनीक, चांताव । जिनज-बिर्छक-रान जिल्करन क्षत्रविकत्र : -- मबाब. विश्वा विश्वद्यद संबोगतल क्ष्णोक्क । भःगारत करन चाव यखि कामार बाका हटेन जा। एमंद्र कामित्व जा, कामिक वाहेव जा। कामाव ष्मक्राम्, अवः कावं ष्मक्रकान-वृद्धविनात्मव ष्मस्याव क्षेत्रा विवेदारक । भिगटनत लागान माक भारतकान । अवेडेकु ना कृतिरत भिगन भागधन।

"We must be lovers, and at once the impossible becomes possible "

আর প্রকৃতি, ছবে নিঃ হার্ব প্রেম দাইয়া ভূট আমার কালে আর । আর আবার, আর আলোক, আর চার, আর হার, আর হোর, আর ভোর। সকলে আমার কাজে আর। আর প্রকৃতি, ভূই ভোর অলাভ্যন দাইয়া আমার কাজে আর। আবার, ভূই আরম্বাকে চাক্, আমার অলজান নির্কাণ কর। হুর্বের জ্যোতি, ভূই জগতের উজ্জান রূপ সন্থাব বর। আবারে আবিছ পুরাইয়া, আলোকে ইবলগাম প্রেম প্রকাশ বর প্রকাশ বা প্রকাশ প্রকাশ প্রকাশ বার্বির। কালের আলীত হুইয়া বাইব। ইবজাল বা প্রকাশ প্রকাশ প্রকাশ বার্বির। কালের বারা পাছিব। চার, ভূই ভোর বা আমিয়া বারা, বা প্রেম-জ্যোম্যার আমার ক্রম্বাক্তের ক্রেমা দেও ভূই বার্বির বার্বির ক্রম্বাক্তের, প্রাণাশ স্কৃতিয়া

सन्तरका, मामारकक राज्यमहें कदिवा त्म ! आह एवं। रहींव के मनस केकारण बाबारक की तस मक्तिवरण बाधाहेबा ट्लाम । कीयमी महि-এক্ষাত্র ভোরই আছে। ব'াচা, আমাকে ব'াচাইয়া ভোল। জগৎ कामात नाई का क्रेन, त्वर कामात शाद नाई दे। कामिन ;--कामि ट्रालक ्याम शैक्षिक हरेंबा के सगरक वाहेब,- के सगरक नामिव, के सगरक सभ हातित ! छात्र सक्ष गय जूलित । रिक्री हत्तन गमान श्रेटत । आहे हैं। व. भाइ कुई। (अरमद के भागने नद-हैगान, जानमम-नमाम-क्रास्तद उक्काव শামাকে মাতৃাইয়া -দে। সাধে কি প্রাকৃতির মিট হাসি স্থানার ভাব मार्श १- करना कान शृष्ठ फेरफना कारह। मार्स कि श्राकृष्ठि कामारक है। नि: अध्य १ (क (यन कारक ध्यमके कतियाँ भागातक है। निक्क व'रल विश्वादक । कामि, कामि, त्कारमद के,सिष्ठ कामि सर्थक कामि सम्र । के कामित भारत आरम्ब काम का काम वा (कारत के मानाया, के मधुतिमा करकना-मुल नहा बाह्यत्क (काम शकीत छत्व महेशा यहिवात कछहे (छारमह क्षण अन्य अन्ति । अन्य के के कात कदिवात संख्या, (श्रम-विश्वत कतिवात-कब दशास्त्र जक माहूनि, बात जक शति । त्यापात्वत्र शतिकता त्योक्सी. টাৰের স্থানাথা খাসির কোমগভা, পাপীনার মধুভরা সন্থাছের কমনীবিতা, উংগের জীবনভরা মৃত্ মধুর তান, মেখ-ভরা আকাশের ক্পবিভাৎ-ভাষ, मक्य मिलिया आमारक भागत करिया छतिल। आमि कि शाकिट भारि १ -- थाका बुरेन ना। ब्यान काश्वित क्षेत्राष्ट्र। अन्त्र क्रेक्टे कदिरत्रकः। कि त्यम आत्वा ठारे, आहता ठारे, किन्त लारे ना। रेम्हा रह, प्रविदा इतेश के बानक गंगरन देविया, के ठानरक, के विद्यार्थक का निवन अदिशा এ তাপিত क्षत्रदक सेठग कति। असद मां हु हैरन आमाह अले आह (बाल मारन मा। अनक काणिकत्तव क्छ धान नामन स्हेबाटक। आमि क्षक्षित महत्वारम मक्षिक्ष कि त्यम स्हेता शिवास्ति। नाय, नाय, व्यमक नाय। निनामा, निनामा, अनक निनामा । नमछ नृथिबीटक आनिथन कतिएक भा गाहित्य कार तका माहै। मा--(करत हाटड क्या मिटहे मा। करहे हत करें ह शांत्मत कान बाहेरल हाय। अहा मतरनत शृहशादत के दे काश्वामक सन्द. अ सन्दात्क माहेटल हाहै। जात साथि देवसमाटक वाहै, जात सावि প্রভশ্তে তুবি। তবে আমি অনত করতে এমবিশু নিলাইরা বাই। चिनित्रकता मानाहत विनिधा पाउक । कामपामा ना नाहेशा कामपामित,

দ্ধন্ন না দেখিব। মন্তিৰ, প্রিচর না লইয়া ক্ষরান্ত্র পাত্তিৰ,—বে মধনের প্রশানের তাকেও সনান জাবে আনে কাবিব, আমি এই চাই । আন্ধান্ত্র গাইরা যে ভালবানে, তাকেও সনান জাবে আনে কাবিব, আমি এই চাই । আন্ধান্ত্র বে ভালবানে, তাকেও লাই বে আনি ভালবানে আনু ভারা-ভারা ঐ আফুডি। কেও ভালের চার না, কেও ভালের ভালবানে না, কির প্রানা নকলের,—ভালের ক্ষর সকলের কর্মই যেন অধিয়া। কেতে চোরে, ওবু চুবে চেরে নারানিন, সাহা বন্ধনী—আসে আবি বারা নকজে ভালবান, এত উলার প্রেম—আর কার আকে । আছুডিয়ু অব্যাহান অন্তে প্রিমান

কিন্তু লোকে বংশ প্রকৃতি হয়। প্রকৃতি কি ভবে আভ-প্রেমিক দু স্বন্ধি अहि स्त्र. जटन कामावक सक स्हेगाव मार्थ। कामि Croni हाई मा, कामि कीयत प्रक्रिया। कीटन-मचला मुख ना बहेटल भावित्य क्रमत जिल्लाई ্রোনিক হওয়া বার না,ভাইত প্রকৃত্তি হড়। আমিও হড় হট্টা অহাতে হল্ CER कहित । सक्र मनि अंक समृत, अंक कीवनलाम : अंक ट्रांस विश्वस, कटन জাভ হাব্য মহত। জাভট মহজের প্রেট মহত। কেনা বলিভেছি গুলুক্তের निरमत (कामहे हेक्स महि। जात शांति, जाव हेक्सक छ मधा। जात कमान. चीकि-शास्त्र महा। छाड विचीविकायम् कल, **भएकार-शक्छ । यात्रेहें** सम्र काशत अधिकारण दान दम हत्या, दम कारम, दम कारम, दम कीरम कर्म बरहा। मास्टावत शालक मनक कवनते, गणन (म है काटक कवारेवा (महे मक्की केकाव व्यक्षत्री रहेवा हान्दर, कास्टिक के इलिएक लाइडा साध्य केस खबनहे, यथम चिटकार महिन्द्रस मसायुराम, निद्धात है आहे । प्राप्त महत् अमनहे, वर्षत (महे सक्की हेकाव चाहनकी बहेबा (म शकार, (म क्रामा क्रास्त हेका माहे, कारे कक मन्दाबर पनि । वाकृष्टि कक, कारे वाकृष्टि वेळामदवन हेक्स-महरकृत व्यक्तिकृष्टि । कार माहत (58मा भाहेशास क्षत्रि क्रम. क्षति भीत. यथन तम सिक हकाथ ज्ञान । कान यथन देकाट केका विकिटना. कटलर साम, मान्य केर्र कार्यकी दव, स्थम माद्य महाम एरेटल कराम। मास्य खबन अंकिंकिंदिका :--मान्य खबन स्थापका स्मार्थ । हे (मथ. देखा दक फ्वाहेश, और मानक, टेड्ड्स, मंद्रताहारी क्तरफ कि व्यक्तिका, कि तावक বিস্তার করিতেছেন। ইক্ষা-বিস্থিতিত স্বৰংজ্ঞান-নির্কাশিত সার্থই আক্ত ट्याविका करण्य साथ ट्रायिक थाट मारे ।—मा; करू, करू मुख —करकृत मृत्न, चारतः मृत्न, चारता भृत्व याध-त्रवारम चानिनकि व्यथना त्यास-स्विमी या त्रिवारकन । व्यक्त क्षक मह, —क्षक मारतबहे निक्कि, मारतबहे क्षण-मारतबहे (टारसब नीना ! माश्च वयन चहरक्षाम (egotiam) विमुद्धिम विद्याः व्यथमहे करिता नीनामधीत कारति पूर्तित क्षात क्षात - ज्यस माश्चन, — ममश्च पृथिवीत पानकात्रनात वश्च, वे धक्तित कात, व्यापन चेनात्र क्षेत्र पालिता त्यस । माश्च खयम व्यवस्त परिवार्ख । माश्च व्यवस्त व्यवस्त व्यवस्त व्यवस्तात । वातक व्यवस्त व्यवस्त व्यवस्त व्यवस्त । हेव्यान पर्तकान, व्यवस्त व्यवस्तात । कातकि मनश्च व्यवस्त विद्यादक ।

শৃত্যুক্তির বাস হইয়া, ঐ অভ্যে জার, অহংজ্ঞান-বর্জিত ইইডে, করার বাসনা করিবাছি। ঐ চাঁদে যেনন সারা রাজি অগতের দিকে চাহিয়া চাহিরা, তদু হাসিয়া হাসিয়া চলিয়া বার, আমিও সেইয়প ঐ চাদের দিকে চাহিয়া চাহিয়া, তদু হাসিয়া হাসিয়া হাহিয়া আছহারা হইয়া চলিয়া বাইব! আমি সাঁলরে ভাসিব, আমি পাবাণে মজিব, আমি চাদে জলিব, আমি সুলে তুরিব, আমি বিশ্বশাতে বিসজ্জিত হইব। এক মুহুর্ত্ত যদি তুরিতে পারি, একবার যদি জুল এক বার যদি এই প্রকৃতির ভিতরে ভ্রিছে পারি, একবার যদি জুল অহুত্র যদি তুরিতে পারি, একবার যদি জুল অহুত্র স্বাহত করিছে পারি। একবার বিশ্ব ক্রিছ জালবাসার ছবি। একবার প্রকৃতিতে তুরিছে পারিলে ক্রমনই স্ভীব নিঃ স্বার্থ প্রেমের উদ্যু হয়। একটু প্রেম পাইলে—আর চাইশ্রিক গ্রুত্ব বিশ্ব ভালবাসা, কেবল ভালবাসা ভিন্ন ক্ষয় এবং চে হনের প্রাণ্ডের আরামের বন্ধ আরা কিছুই নাই।

(8)

তিচাথ মেলিলে জাঁধার দেখি, চোধ বুজিলে সলক হয়। পাৰণা কানাইর মুখণ করে, নাইজো কোন দ্বয় ভয়।"

প্রক্রতি ক শুবুই প্রকৃতি নয়। ভূবিতে ভূবিতে, মজিতে মজিতে—এ
কোবারী আসিলাম ? এ অম্বজ্ব। এবানে দব চিলাকাশ, দব অভনন্দর্শ।
কালের হাসি আনত্ত মিট, স্বেরির বল্লি আনত্ত তীবনপ্রাধ, কোকিলের স্বব আনত্ত মধুর, দ্বের বাস—আনত্ত লিখা, সাগরের জল—আনত্ত স্বতিল। এ আনত্তপুরে শুবের পরিমাণ হয় না। তাপনান ও পরিমাণ্যর এ রাজ্যে মিধার বৈল্যা। বে না ভূবিহাছে, সে পরিমাণ কবিতে পারে। কিছু বে

श्रक्तकित विकास निवय, चाचनक्किक, गरिवान कडाटक (म. बांकुटनर क्रीका वित्रशं स्थान करतः । भवियांत्र किष्ट्रदरे कत्र मा । भावन (भारीयात्रित सक-नीत्क मार्काल कारिका दार्थवाहि—दाबिदक दाविदक मृथिरी मृतिकाहि, আপনাকে ভূলিয়াছি-সৰ ভূলিয়াছি, তবুক বা ছোজিব পরিয়ার করিছে शांति हारे। त्म त्मोचर्ग त्यन चनत्वत्रहे श्रव्यवन। अत्र, त्माम् त्मोच-(वांत वा शतिवान चारक ? वांत त्ववन कांच, तम क्लूनके स्थाप । वांत всयमन खनव, तम (खरनहे छारत। बाधविक खङ्कित तमीवार्वा मीवार-বন্ধ মোটেট নৱ। কুলের কাছে সে কুল, নংটের কাছে সে ক্রিভি महर: तीमात काटक ८न तीमा, जनत्वत काटक ८न काटक +: দাপরের জল পাত্রে ধরু-তাহার আহুতি আছে: দাদরে ফেলিছা CF 9. CF अकृत्य भिनियाँ शिक्षात्व । क्षेत्रमा (क्षाक्रिक भारक धर, শে আফতি পাইরাছে: আকংশে ছাড়, দে অন্ত হুইয়া বিশ্বছে। চুকু मिलिङ क्षतिया है। दिव मिटक जाकांछ, है। न दिव बाकारण भारे, दिशाहि निविवादि : এको उक् ब्लाम, এको এको छात्रव भारमा दस्य भूक्षेत्करण, दिशादि । एकाटक चाटना टकाडें। क. चाटना टकाडें। क. के टक्क, फाटन Cuite काकारमहरू डेलटर टकान करने बन्द एविहा करेंद्र कानि-्टर्छ : † यात्र (यमन छक्, तम (उमनहे स्वर्थ। मीमा क्रहेर्ड गाहे--- मृत्हे हिमाकान, मृत्हे अन्छ। अन्छ--- वशः श्रेवतः अन्य ल्लाव अकृति, समस केवरवर समस क्रमा के समस्य कार्यक মাকুষ প্রেম ভিকা পার। মাতুহকে বধন মাকুষ ভালবাসিছে পারে না, क्यम अम्ब क्रक्टिक नियस व्हेश मास्य द्विमिक स्टेंग क्रिट । अन्या वस्त मासूरवत काम्य काव्यादा क्षेत्र, मुख मिलन, कीरन मुख्य काल, क्ष्यमहै প্ৰকৃতি মান্তৰতে ভাকিয়া এই গভীৰ তত্ব শিক্ষা দেব।

. "Nature always wears the colours of the spirit." - Emerson.

i autora tinguta. "Standing on the bare ground, may head bathed by the blithe air, and uplifted into infinite space, —all mean egetism vanishes. I become a transparent eyeball; —I am nothing; I see all; the congress of the Universit Reduction in the through me; I am part or particle of God."

Truth and thordness and beauty, are but different faces of the same

নিবের অন্তর্গের যে অন্তর্ভু আনন্সলোভ প্রবাহিত কর্ইছেছে ক্লান্ত্র আবেল কে আনে, প্রকৃতির গৌলাগোর ভিতরে যে প্রোমন্তর অন্তর্ভার বেলিকেছে, তারাতে মাধ্য ভূবিলে তবে আনক্ষ প্রবাহ প্রথম মাধ্যের ব্যান গোলে কের। প্রকৃতিতে মাজিরা মান্ত্র মান্ত্র ব্যান প্রথম প্রথম প্রথম বিশ্বর নাজেরারা কর, তক্ষ্য এই সংগার তার নিকটে অর্থির ভার। পর্কান্ত প্রোমন্তর মাধ্যের মাধ্যের গোলারা, তার্বারই করতে পূজ্য। প্রকৃত প্রোমিকের নিকট—ভাগ মান, ক্ষম হংগ, মাবিন মরণ সমান। তেলাকের সেবান আকে না। মাবের ইন্টাই তার ইন্ডা। মাবের মাধ্যের ইন্টার জর স্বত্ত সে প্রতি ঘটনার দেশে। তার প্রাণ মন্তরের প্রপাবে ছুটিয়াছে;—ভার প্রাণ মাব্যান মাব্যান মাব্যান মাব্যান স্থানীর স্থান স্থানিত।

क्षक्रिक कथनल लागवात्म माहे, धमन मक्कियत कथा छन। यांग्र मा। অতি অসতা অতিও গ্রন্থতির পূজা করে। প্রকৃতিতে মোহিত এবং স্কৃতিত नकरनहे,--- सह या स्पृतिक लेडिमारन । भारते हिस्स बलिएरहस्स-- केन्द्र कार्या-ाट्टत गराक्रमें क्या कानस नीतिमाधव चाकान जावः कानस देखियानामय সাগর আমার মন্ত্রনগোচর হইত, তাহাতেই আমি শাস্ত্রি এবং ক্লেম পাইতান ; এবং মধ্যে মধ্যে একটা কল পাধী গুড়ে আসিলা কি বেন অমৃত বা অন-তম্বৰ সংবাদ কাৰে চালিয়া দিয়া আমার চিন্তা-কাতর প্রাণ্ডে মাতাইয়া वाहेक।" चामि विक्त तकवेश छाहा सब : — थेटत शीरत के खमछ आहु छिटड कृषिशांचे माहि सिनि ८ शम-मारकाशावा कडेशा त्मरण किविवाकिरलन । कका-चाक-(मानिक्रमाटक वक कामित्रा गावेटकटक,----: मान्यत मक मक दलाटकता চলাত করিয়া ভিতৰ ইমানিউএলকে সিংহাদনে বদাইভেছে— প্রাণ্ডুল্য গাারিবল্ডিও অভিকৃপে পাড়াইডাছেন—কিন্ত ভব্ও প্রেমাবভাব মাটি দিনি रमानव ममना, परनामे जालास्त्र कलान काममा कविराग्टकमा धारे शकीत (शदमत निकाशक,- के अमत बाकान, के बात मागढ़ धार के बात मानार-वश्नकारी कुल भाषी, मान रावित्व। व्यक्तकि-त्मवांत्र साहि मिनि चरमन ररमन । कलिंड चार्ड, खक्रिमाधन-तड गण्न कड कड ररमूत चना-बाद्य बाक्तिया प्रमृत्यान-नाम्य क्षत्रकाः बाह्य कृतिराहिरणमः। क्षत्रहा खाङ्क वाषादि धनेबन वरेदा.-- गणान घटकान वदमर्व अकृष्टि-(मदाक यक शादिका निश्व परेशा अमत रहेता लिसाइम-नाशासाय आवर्णकण प्रदेशास्त्रम । माकामित्र बाजा-छन निराक्तम निया कात्मक नेदान कात्म कान किया

AR II TE EREITECHT : BIT WE-A MAN METER THEB COL **उत्र निविद्या, अन्य-दिमार्थिम शिक्ष गाविद्या, निर्वान-पृक्ति आध अविद्या** Gla amices verifene det blice eifenfeine : Bi useane मक्रदेशर कक व्यार्थमा करिशाहित्सम् - मक्रम्दन्तर प्रशास कक् (सरमाक कतिबाह्यति । हेशालका मजीव त्यायव की वस बहेश्य काव माहे । जहे केरे-- मर्बाष्टि शर्वत्त समात नाम क्षिएकम । अस्य श्राहि है et-২৪ দীকাওফা আনত প্রকৃতির নিক প্রেম গাইছাই, বিচ, জীই इटेंड| विश्वास्थ्य । **बाङ्ग**ित मृत्य **क्ष्य क्षमक क्ष**िमचन मशेलुङ्ग दिनासम् । प्राप्तम यथनहे मानाव-(कालाइन फुलिस) लक्ष्मित निकृष गाय, प्रथमके अफ-अकृतित क्रिकत हहेटक (महे क्षमक क्षमत शुक्रत शहित हहेता माधूनरक আলিখন করেন। মূলা ভবন বর প্রাপ্ত হন। জন বধন দীকাজভ द्विमान्स करतम, और छथम आकारनंद भारताक नारेश स्वाम-शैक्षिक हरेशा. कार्ता हरेटक कितिया मामादित सम्र (महलाह क्रिटेक ममर्थ देग : मिनि कुचन क्रवटकत, क्रवट क्रथन कांश्वत । क्रीवन स प्रदर्ग-क्रम कांश्वत निकृष्ठे हे एक्स्युमिकित क्रथालाविष्ठ वृक्षे चवर्त्त मात्रा । यदिशाय व्यस विमा জীবিতের কার, বাঁচিবাঁও তথন তিনি মুতের কার ইক্ষার্যক্ষিত ক্ষচ মাকু-তিক। ভূমি প্রকৃতিতেও ভূবিবে না, মাছুদকেও সৃত্ধন কৰিবেন না, ক্ষত त्रहें मक्त्रियटक दल्लिटव, दक्षिक ध्टेटव, क दक्ष्मन क्ला है आंख, सन्दर्भ অরণ্য ক্ষলন কর, পৃথিবীর কোঁলাহ্য ডুবাইরা দেও :--বাও, নির্দ্ধন গভীর শীবস্ত প্রকৃতির ভিতরে যাও-সেগানে কেংল বায়ু লো লো বহিংকংক,. আকাংশ কেবল চাৰ ভূট ভূট অবিজেচে, বৃক্ষে কোল পাতা সৰু দ্ব শক্ করিজেছে, পাধী কেবল মধুর গভীব ভান ধরিজেছে, সাগরে কেবল উদ্ভি মালা চলিয়া কলিয়া কানে ভানে উঠিছেছে, পঢ়িতেছে। বাও, এমন ক্ষমত, এমন মন-ভূত্তকর স্থানে অস্তুত একটা বাহি বাদ কবিছা এন, তারপর দেখিব. जुमि क्यम गाण्डिक, त्क्यम अविशानी, त्क्यम अत्यामिक । त्वक्रीक प्राप्त (व असल विष्-लिक विकासन, डि:६)व निवित्त शाकार मा क्वेटन (कांक क्वसन्त विश्वामी हरेंड लात मा। शहर विश्वामी ना बहेरन क्षायिक हरेड लाव ्रमणकृतः अविचात्री (श्रीमक, अक्ट्रेंच मारे: अविचात्रीत (श्रूप, कश्रमतः Cata; वृक्त कीरनव कानारनव करणव महिल्दे छाता दिनीस बहेबा बाव विशामीय तथम समझकानेशायी. अविनयत-हेटकान भावता झाहेता छात

बान, - छाडा बत्रक बनाउ बनव-विक्र छ। बहेबन व्यविकहे नुका। बहे. क्ष । श्रीव कहे वक्ष । अनेक्ष (श्रीव कहे विमान व बहानाक वृत्तिवाहि । अटब (शब, ute दिवान, uta dis ना गॅनिल विकृष्डि रमजन ∡अबिड इत्या बाब मा । लक्कि मानता मिक स्ट्रेटन माधून रन्दे रक्षम, रन्दे विद्याम ---(महे बानक, (महे किनावाम, तमहे मनानकंदक बुदक शाह । बुदक्त धन वरक वरम । लाका एवन वृक्ष हम, विक औड हम, मूना रवानी हम, विमाहे टेंडळके बन । माझन मरिवा छटन बीडिशा फेटर्ट । मनान वर्ष-वालनाटक (डामा। भश्रद्यां छचन छेड़िया यात्र । "भागनात शान" छचन तिच লাদ করে। আনিখের বীল ভবন জগতরুকে পরিণত। মানুষ তক্ষ্ম আপ্নাভিলিয়া অগতের ক্ট্রা গিলাভে। ভাতিতে আভিতে, স্প্রারায়ে मुख्येताहि : (मेर्न (मेर्न छथ्न महास्थित हव । हेरुकाल शहकाल, छथ्न अरू पटा अभिका अका, वस्ता, त्यामावती, मर्चमा, काटलती खदन अकडे সাগরে মিশিয়াছে ! দেশ কাল, আকাশ পাডাল সব একীভত। সংসার उपन पर्दे केरियात्क, पर्व जबन मरमात्त्र मामियात्क । त्थात्मत कांवलातं त्थाम বিশাইতে তথ্য ক্ষাতে অবভীৰ্ হয়। মাছৰ তথ্য প্ৰেমে হালে, প্ৰেমে গায়, প্রেমে নাচে, প্রেমে যায়। অক্ষর নাই, কৎসিত নাই, বিষ্ঠা নাই, চক্ষর नाहै,-- चक्र नाहे, मिक्र नाहे -- बीवन नाहे, महब नाहे, व्यापन नाहे, पह नाहे, --- नव अकाकात्र। याटक भाष्र, (महे देवकुर्वतानी मासूब, छाशादकहे (काल ८मक्ष । बाञ्च भाग , फाटकर बटन । बटन कात घाटमस कल टक्टच । घटनस कल (मटच चारा नकनटक बटक । . .a.क ऋण मकन घटके-- .c.क ऋण कश्यात । . सर्ग-লাৰ বধন শ্ৰীক্ষেত্ৰে আৰিভুজি। আদিতেদ তৰন উটিটা পিয়াছে। কৈইয়া ও (अमारकम क्वन प्रक्रियारक। विरक्षम क्वन किरवाहिक क्रेयारक। अक्षेत्रका-नतक क्रथन फुरियारक। मुकल चर्डि अटकड दिनामानक। अञ्चल कृतिया, ८ शहिक छचन छक्तिमार्थ व्यवस्थन करिया, ८ श्रम दिमाहेश, छक्ति किनिया छतिया वात । जनम मरमादव दक्षम मनुष मिनममकी क कि वत्र, माद्याव विक्रम ८७ ती निवारिक क्षेत्र चाटक, - मामाद्य चर्चार खडी बाक्सिक केंद्र । दमहेडे देवलई. (अहरू वर्ष, (अहरू मुक्ति। अनेबारचर क्रम राविता साक्षत करून एक्ट्रफ जाक करत & चानिवश्य छनन जानारन निर्माण वर्षेश यात्र। घरत घरत मिलन बार महिका नक्षित्रान केक्षिक बादक । सबहे महत्रा, मबहे केनक, मबहे कबल विशिध अर क्षेत्र मिशाक ;- निश मुख्यत दिनन क्षेत्राक ;- वाक ट्रबर,

ভত্তী প্রেয়, বন্ধু প্রেয় নাৰ আৰম্ভীপ ছইবাছে। সৰ আসম্ভব সম্ভব হইবা নিবাছে। পূগাল ব্যামা সপি নকুল—একতো বাস কবিভেচ্ছ। বিংসা বিচুক্তব সব ভিবোহিত ইইবাছে। পৃথিবীক্ষে কর্ম এবং মিলনের রাজ্য অবভীপ ইইবাছে। মান্ত্র ভবন উল্লাহের স্থার অপিত হইবা জগজের পরিত্রাপের কল্প ছুটিকেছে। প্রশার পরশারকে ভূনিতেছে, আপুন পর ভবন শ্রমান চইবা নিবাছে।

[ু] আপনি সিদ্ধ না হইলে, আপনাকে ডুবাইতে না পারিলে, প্রোপুকার कता ज्लामी वह जात किह्नहें मत्र। जनवार्यत महित मान्यार गांत करत नारे, अवत (य वाजिट्डन जुनिया विरक्षक, (त. यहाक्छ,--अवाताबाद (व क माजित्मातत्र श्राम अस माजित्मात्र महि क्षित्यकः आध्यमात्र वर्षभान नमात्र छाहाहे हरेएकाइ। हिन्दू मुनवमान अवृत्ति काकिएक कृतिहा तिहा, नविधानी, गांधादणी क चाहि आक्रमारकत स्त्री केविरक्र ह । ज मक्क छछामीत्रहे हुकां ख मुहोखे, मत्म्बर माहे। विकास किया माहे, व्यवह मामा दुली शाब मिरल हे रामन अक्रड एक इत्रा बाब ना, विचरकाम विक्रड मा হ্টয়ালাভিডেল তুলিয়া দিলেই সেইলপ প্রকৃত প্রেমিক হওয়া গাল না। ভিতরে গ্লদ থাকিলে কিছুতেই কিছু হয় না। সক্ষ (bg) প্রাপ্ত ছইয়া গিনাছে—আরো গাইবে, যদি প্রকৃত প্রস্তাবে সেই প্রেমের অনত প্রস্তবৰ মান্ত্র লাভ করিয়া ভাষতে নিমগ্ন ছটতে না পারে। পোকে লে ক্ষীর হইবে, ক্ষণান দেখিয়া সে ভয় পাইবে,—বে আফুড জেম প্যে নাই। আভিতেদের অভ্য ভাছার মক্ষার মক্ষার বিশ্ব। ত্বণা বিশ্বেদ —ভেষাভেক-হোধ ভার শোলিভ বিশুভে বিশুভে অছকারিষ্ট। সে কি কভিবে । সৈ সব-में का भाग मां — रम करब करब हरता, करब करब कारण । दम मिनामंत्र कान श्रोकात भू क्षिणां भाग मा। व्याणमादक महेशाहे (न वाश्विताखा वस्ताह करेकल छछामीलूर्व, कामनल, कारशासक (बनाई हकुकिएकः (शाम माई -- चर्चड वास्त्रीतित चाल्यास्त्र, -- स्थानास्त्र मार्वे, व्यक्तित्र गहिल्ले इतिहास হায়, পুৰিবীৰ কি শোচনীৰ খবলা! একজন লোকৰ অস্তুত একজন ल्गाटकव खारन मिल्या बाहेरक लाविन मां । लादिरब टक्स १ ट्याममनिव সংস্পূৰ্ণ ভিল্ল কৰ্মত মান্ত্ৰ মহানিশ্ম-পান্ত বৃদ্ধিতে গাতে না। অবিখাস *शांदक शांदक किका (अवन्त्र, काहे प्रकात । वश्चिम माञ्च अन्य मोल्टरीय जाखाद धरे. शकुकि-मायरन मिक ब्हेटर मा, धरे श्रकृतिय सक् ষালে স্থানিত বে বিশ্বেক-শক্তি বিদ্যানান, ছাঁকে শক্তি নিজ না পারিবে, তাবব কিছুতেই কিছু হইবে না। শক্তিবাস বজানিক, মান্ত্রের তজানি । অব্যাহ বজানিক অধ্যাহ বজানিক । আবাহ বজানিক আই কাই টাই উটি তজানি ; ভাই ভাই টাই টাই হজানিক আজি বজানিক আই কাই কাই আই শক্তিব আলি বজাত বজানিক আজি বজানিক। আনিজা জতানিক। আনিজা বজানিক বালাকের পেলা তজানিক। সেই শক্তিসাধনে মন্ত্রী শহরের না আরিবে সব বার্গ। কোন কালে প্রেম ভিল্ল মাতিত গরিত হর্নাই। কোন নিল প্রেম ভিল্ল আবানিক। অজ্যিত হর্নাই। কোন নিল প্রেম ভিল্ল আবানিক। অজ্যিত হর্নাই। কোন কোন প্রেম ভিল্ল আবানিক। মহামিলনের মহাশাল্প এই প্রেম। প্রেমমনীকে শর্পাকর হর নাই। মহামিলনের মহাশাল্প এই প্রেম। প্রেমমনীকে শর্পাকর ভালানিক। হার, মান্ত্র আর কাল প্রেমমনীক ভ্লিলা মরণের কোলে শক্তিয়া কাদিবে ও কে বলিবে, কতকাল।!

বঙ্গের অমর সন্তান।

মাধ্যের হানত্ব বিবভরা। অধাতরা হানর পৃথিবীতে নাই, এমন কথা আমেরা বলি না; এমন কথা বলিশেও পাপ আছে। অধাতরা হানর কালে পাকিলে পৃথিবী বাদের অযোগা হইত। অধাতরা হানর আছে, কিছ ভারার সংখ্যা নিজান্ধ অল,—নাগরের বিন্দু, পাছাড়ের রেপুর্ব। এই বিন্দুর স্থা পাইবার আশ্বাম মাহ্য মাহ্যের জন্ত লালারিত, পিপাসিত। আর, আয়, কাছে আয়, কোলে আয়, এই বলিয়া পিপাসিত মান্ত্র মাহ্যুবকে হার বিবিতে চার। কিছু মাথন কাছে আসে, বাণে ব্যুক্ত—তথন হার বার মাহ্যের ভ্রুববিশ্বে চার। কিছু মাথন কাছে আসে, বাণে ব্যুক্ত—তথন হার বার মাহ্যের ভ্রুববিশ্বে নাহ্যুব ভ্রুববিশ্বে মাহ্যুব কালে বিরক্ত—মাহ্যু ভ্রুববিশ্বে মাহ্যুব ভ্রুবব্যার মাহ্যুবর গালের উক্ষ বাতাস মান্ত্রের আল্র আছিল। বছিলনা মাহ্যুবর গালের উক্ষ বাতাস মান্ত্রের আক্র। হিংলাল, অংখানে, আর্থে নাহ্যুবর গালের উক্ষ বাতাস মান্ত্রের আক্র। হিংলাল, আংখানে, আর্থে নাহ্যুবন মান্ত্রিছা। বিষ্কৃল্যা ক্রিয়া ভূণিতেছে। সমান্ধ বিষ্কৃল্য, নেশ বিষ্কৃল্য। আশ্বীয়তা, বছুছ—আরো বিষ্কৃল্য।

মানুবের দ্বন্যের এই শোচনীয় অবস্থা প্রব করিয়া যথন আৰু মন বিগাংশ মলিন হয়; পরীয় মন অবসর হয়, নির্ক্তনে একাকী বসিয়া থাকিতে ् भूलिबीत स्थान विकास चाविकार्डन क्षत्र, मरहात बाद हैस्याहेड करियान । छ, त्यमंन आक आकलन सर्पापुत्रत्यः शाद्यात्रमः, मृत्र मानुष्टक सीर्वक करिक ।বে জন্তও তেমনি এক একজন মহাপুক্ষের প্রেয়ঞ্জন। । মৃত্র ৫ ৫ । ই रुश्यात मांग.-- (व व्यवसारते मांग-- (व व्यापीत होता । युक्त तक १ त्य व्यापीत अप 8 मर्च परिविद्ध भाव सा—मद्यदि सामग्रीमुख्य मा। मुख्य + य कीवन भारेमा नदरकत्र स्मया करत-द्य श्रभात भतिवर्षा स्मर्ट विष स्रतिका पार्थ ; (म कारलारकेव यमरल स्वर्ध कासकात्र, कुनाकात्र (लागन करह) [याटक कहेक्कम मुख कीटवर मरनाहै काविक । कक किमादव ममाक कामा-नवरे शास्त्रिम । यस बाह्यरक स्थाद कदिवाद कछ, रीटिक ममान्यक ादिय कदिवात कक्ष. टकान खेडे, टकान टेडठक वा टकान वृद्धव क्षाणामनी-श व्यव्यहे श्रीकार्या । इंशामित व्यावश्वकता व्यादक विश्वा, व्याद कार क्रांत्र व्यावश्रक्तका नाहे. a कथा बति ना। पृष्टे की व कथा, व्यव भवशाय. क बड़ा. मकरबंदरे आहासनीवड़ा आहा. ध्वर मकरका बढ़ किमारव বাপন আপন বিশেবছের কল্প প্রশারের চেবে বড়। সংশ্রব স্বংশক अल्लेक्य-कालन व्यालन विध्यत्व असरद्य । निकेटन क्रक किस्स्ट গপুরুষ, মিল আর এক হিসাবে মধাপুরুষ; চনলোলিয়ন, কলো, জল্ট-ার ও ম্যাট্ দিনি এক এক হিপাবে ইতার। সকলেই মহাপুরুষ। আবার

[&]quot;The mass of creatures and of qualities are still hid and expectant, would seem as if waited, like the enchanted princess in fairy tales, for destined human deliverer. Each must be discuchanted, and walk forth the day in human shape." Emerson.

ভূষি আমি, রাম বছ, আমহাও সকলে এক এক হিসাবে মহাপুরুর। মহতের महान श्रीका बहानुस्य। मकत्तव मृद्धेवहे आदास्त्रीवका स्वाह-नक-(सह मारशाहे विश्ववाद विसामान । विवलता क्षवह, धावर ख्वालता क्षवक, धाहे छहे (बाब के आबाधनीयका चारका नकता है महाश्रव विवा नकता कता मत्त्र क्या भाषा । निकेष्ठेन वक् कि मार्केशिन बक्, क्राना बक् कि क्षेट्र वक् १--- हेहात मीमारता हत मा। जातम जातम वित्यवर्ष कालाटक है कता श्रीके प्रसेत कावा विकास चाविकारह कम्. विवर्शन मण चावि-कारवा कक रायम (काम मार्डिः), क्लीम मिक्लियव वा काम खावजेवेरमव कार्याक्रम, मास्ट्रपत्र क्रमायत भवत कृतिया श्रवा कदिया विशेष कक्र अ क्षण (काम और वा मामरकत लाखालमा। मामरका जानवामिरत • ठेळाला माला मीकिए कृतिया माश्रापत सम्माद उप्रत करितात कल आहेत सामात व्यवश्रहे व्यवश्रह कहा हिल । विश्वाहात त्राह्या विमा श्राह्मामान (काम किछ्त्रहे क्रहि इस ना। कामता यथन क्ष्मकरल क्रहिमहरचत गडीतछात छिडरत कृतिया बाहे, जबम विश्वत्य পत्रिशृतं इहे। धहे बगुरत. त्यंतानं त्यजीत कारबास्त्र छित. क्रिक छाराहे दयन श्हेबारछ । क्रिक सगर्छ यथन दर्जीत आरबा-জন হটবাছে, ঠিক তখনই বেন প্ৰিণীতে তেমনটার আবির্ভাব হটবাছে। व्याबात बचन त्यापित न्याद्रीक्षम त्याव वृष्ट्याद्या, खंबनके त्यापित हिटदामान क्षेत्रारकः। सगर्छ प्रदेशाद व्यवदान क्षेत्र (क्वन महनके मृष्टिकरकः। महन-मद्वत वेक्कार्ट क्या ।

বালী কি গুধুই বালে ? কোকিল কি গুধুই ডাকে ? বালীর পশ্চান্তে উর্জ কর্পে রাবা বিদ্যান্যন, ডাইড বালী বাজে ! কোকিলের ডাকের প্রশান্তে বসত পূক্ষিত, ভাইড কোকিল ছাকে ! আকালভরা মধুর পক্ষম হয় কোকিলের—জী বসত পোকিলে ছাকে ! আকালভরা মধুর পক্ষম হয় কোকিলের—জী বসত পোকিলের না । আবার কার্যা না আনিলেও কারণ মুটে না । বিহুলী বালের ছর্জনা—জীই জন্মের অবজ্ঞানী কারণ ! শাক্ত ঘর্মের হীন প্রভাই হৈডক্সচক্ষের আবির্জাবের সূল কারণ ! যে বাস্থুতে জীই এবং হৈডক্সক্ষে মাথুর করিবাজে, জলানীছনের সেই দুবিত বাস্থু কিন্তু ইহারা কথনই কুটিডে পারিজেন না ৷ ক্লাব পথে বােক

e "But I say unto you which hear, love your enemies, do good to them which hate you. Bless them that curse you, and pray for them which despitefully one you." Bible.

बाद्यां छ्यं शहेरव विनेत्राः, यहन (वना कदा मामादत-वाष्ट्राक नवजीवन বে বলিয়া। বোক বৰনুই পাপে ভূবিতেছে, আরো ভূবিতেছে, আরো বৈতেছে, দেখিৰে, তথন নিশুৰ বৃত্তিবে, ভাৰার পকাতে খর্গ আলিছেছে। क्त द्वित्व, अ भडन फेबारवर मूर्स गक्त ! स्वित्रा खनिश स्टूब खरि-ात्री बाक्तित ? स्थामवानदी वाजित्हाक, किन्न हाथा नाहे : वशस स्थापनाहरू. कार्किन नारे : देश बदेएकरे लाउं ना । सन्नारे माबाहे स्विधारक. ্তান্তের আবিভাব হর নাই: বিছবীবংশের পতন «ইরাছে: ভিছ এট≱ त्यम मार्टे, देश अमस्यत कथा। ८६ अत्यव सम्ब, सन्ताहे आशहे अस वत कछ, अदः क्यां हे माधाहेत सन्। १६ इन क्यां विकार वह कारन । (वशास हाम. ८मडे बाटनके द्वारा : ८एशाटन देउक्क. ८मडे बाटनडे मिकाडे का ८मडे रातिके खनाई मानाके। राजाति औहे. ११वे बातिके लिक्क विस्की मधाका यथारन यम छ, दमरे थारनरे दकाकिया। ८ श्रामय मध्य छाटन नवक व अर्थ, वाकाम ७ भाजान, भागी ७ भूगाचा, मद देशा। अमस्य चदछश्री। कारी खाटक.कारन माहे ; खबरा कारन खाटफ, कारी माहे, देश खनस्ता প্তন আছে উখান নাই : अवता देशान चार्ड প্তন নাই--हेंदा चनस्त । क्षत्र कार्ष्ट, छात्र महि : क्षत्रा छात्र कार्य क्षत्र महि, हेश क्षत्र । कीरन शाकित्वहे में का आहे। आहार मुझार भटिई नवकीयन आहि। जिली-নের কেলেট কর্ম বিদায়ান।

साश्चात छन्ड विन्दानाता, कि ह स्यू छाराहे सव। विषय वाद स्थाव व्याद । व्याद वाद स्थाव व्याद । व्याद वाद वाद प्रहिट्छ प्रहिट्छ तथन साश्च १ स्थान १ हेटन, छथनहे स्थात छि। यर्ग १ हेटल लिह्दा। पाह्निको लिह्दा। वास्च वाद वास्च व

चारतात-: कनन अनर डांककृष्क मूर्किएक ! नरमच निकासन सुनि इहेरक ८०वर धर राष्ट्रक कृतम कृतिशाहन । हेटक छानिता चानम शाहे। ८०नवस्य भवत्व व्याववा यात्रक कथा विविधक्ति, वर्षयाम मध्य, -व्यामात्रक मुलकाहे भारत भाक,--भाख, निमंत्री, निटक्काती के टाक्क्क मुखि। खांकाह भार्च साथा, मठीव बारव थायी, -- यहन मिनन, महुव ठिखा। धारे रभाष्ट्रास्तरन नितहकाती छानी, विनशी धनी, अवि:नालबाइन त्यांत्रेब धक्क मिलम-शाबक्क मृतिहरू । शाक्क विवादनव निक्र सहस्रात नाहे, शाक्क छित्रकत निकड़े दिश्याविद्वय नाहे, शक्क शांतित्कत निकड़े मुख्यमाय नाहे, - बाबद्रक पृष्टि कड़े रियल्डा नक्ष्मचारमंत मिक्छे देशवरे कीयक मुद्राय (बेबाहेबाएकमा अञ्चलक मेहिएक शक्षीत लाखिका, च्यांक्यतम्ब व्यवसा विधान, चक्रविम (मन छक्ति, कक्षक (मा) ना नाहेग्राह्य। कक क्षाय, करे ভূঞ্জিনে বালকুঞ মৃত্তির জার মৃত্তির বড়েই প্রেয়েলন জিল। সাহিত্যে के शय अभव की हि-नाना शवक । मनाटक काश्व अध्यक्त की हि-हिका अह इन्हें अब निर्देश, अहे देश देश भूषे आत्माणदात प्रित्न, अहे bविज्ञहीन खाँव नित- এकमाव डेक्टन छिक-अधिकक मृदि। (म स्मीमा, (म स्कीत, বে বাধ্যকের প্রায় স্বল এবং মতাকেরের জার পরিত্র মৃত্তি নাকি আমেরা ष्यात अभित सा । तथरकम इते एवं माकि ताककृष्ण मिकि षाक्षविक इक्षेत्रार्छ । मा --यह निम दश्रामा (देशमा विदेशमा त्रामाद विभागाम, कारकारतव शहासम বিদ্যান্ত আঞ্জ সাব্ধদ্যের অভাব-ভত্তিন বল্পে নিশ্বলচ্চিত্র রাজক্ত कमत्। अत्रतिम कश्रा कश्रा राजदर्भन छछ क्यक्य जिल्हात्रम खर्छि-भमुता धनदक उद्य कदिएठ लाहत । अमन निशाकन सभा मृत्र कानित ना, ध्यम भारभद कथा कामाव कारन छात्रिय सह। आक्काब महक्रिन-चारमा-क ଓ एक्तिन । एक्ति प्रकृतिन, स्तर ५ ७ व्यक्तिन विश्वन स्वतिन स्वत चार्यंत वाक्त्रक समह सक्तिन ।

কাৰি বৰণেৰে জানক সাবুচিত্র দেখিয়ান্তি—কিছু রাজহ্ক সৃত্তি নেবিটা আনাব ধনে যেমন গৰিত ভাবের আবির্জনে হইরাছিল, তেজন আর কালাকে লেবিয়াও কা নাই। একজন ভক্ত বৈক্ষার বলিগাছিলেন,—শীনানু সে, বালাকে দেখিলে ভগবানকে মনে হক।" এই সংজ্ঞার, হাজকৃক্ষ বাব্ আক্তে সাবুন্ধাকি, কাবে হালাব দোমা মৃত্তি দেখিলে ভগবানকে মনে াতিক! কান্ধক বাবুৰ কি শক্ত আছে १—এনন আৰু কি এই বক্তবেশে লাছে, যে বালক্ষ বাবুকে দেখিবা কোন উপকাৰ পাব নাই গু বৰ্ষ সভলেতে দল নাৰাজিতে প্ৰিতেতে ; কিছু বেগ নালক্ষ অবিচলিত প্ৰতিক্ৰে লগা কৈছিল বালক্ষ অবিচলিত প্ৰতিক্ৰে লগা কৈছিল বালক আছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল বছৰ পাতাইতেছে ; যে সময়ে বক্তবেশা কৰিছ বছৰ পাতাইতেছে ; যে সময়ে বক্তবেশা কৰিছা বিবাদ বিস্থান, বগড়া কলছ কিবিয়া নিতিতেছে,—তথন শিশু অপেকাণ্ড সমল এবং পবিত্ৰ প্ৰেৰ্থ বালক ক্ৰিয়া কৰিছে ভূলাং ক্ৰিয়া, যাবে মাৰ মাৰ ক্ৰিয়া লাখি কৰা সম্ভাব ক্ৰান্তাৰ প্ৰেৰ্থ ক্ৰিয়া কৰিছে ক্ৰেয়া কৰিছে ক্ৰিয়া কৰিছে ক্ৰিয

वाकाली कारम (अज ? वाकाली आक्रक महरकर महत्र कीवनगढ वा स्थम है लिए के भीरत बाहे । शक्षावक वायर प्रश्व ्य किन शक्षाणी की समाज कडिट्ड পারিবে, দেই निम ्लाक खळ छका हैदर - एन है सिन अवद्वतः पर्धम हा किटन हे खरत महारास्त्र मुक्ति मांकाल इंडेटन। 'खर्नरे माधून 'क्यंत, 'खन ভিন মাধুষের পুজা কিছুই নাই। আছে সাধুডিয়ে — সম্ব ; ইছকানে किया लतकारण डीवार मुखा नाहै। सन्दर्ध सन्दर हिराकाल माधु विकास करवन । मध्य अहैतनशृष्ठ कवाद व्यर्थ, मध्य हतिहास व्यक्तिमाञ्च कवा । वाजालो ्य तिस दासकृष्ण यायुत छात्र दिसमी, हिंग्ला विषय विकास, सिवह-कारी निर्माण (माणि धनाय, तमरे मिन चानात्मत क्रिकत बहैतक समे द्वाम चामत मधान चामके जा ठाइ भ्रवाक चालिकन कतिएड चारित्रकम । व्यवस्थातम অর্থ আর কিছুই নতে, চুরিত্রে বে ভিল না, জানার চরিত্রে আদিখা বসা। कथिक आदल, शिष्ठे मुक्तात कदशक निवम शद त्यात करेटल शुमकणिक करेंच। निशायदर्शत महिन माकार कतिशाणिदरान, हेनात अक मात्र वर्ष अहे, करवक विवन भव निवानित्तव छविद्ध किनि अधिक व देश किराम । केशव भूटली लियारमय आकृत खेडे-आणि क्य मात्रे ; क्येरल क्यमंत्र कांगारमय मास्य ्रकृत क्षातात्म्य कृत्य क्षेत्रेटक समर्थन कृतिक मा। क्षेत्रेटक क्षात्र कृतेटन -মুদ্ধার পর কলোলা ক্রন্ত ক্লিড নাঃ জুপ্ৰিছ গুজুর জল বিলাগিপের क्षम्य छत्रन वहते पाणांतिक दिल, कारण श्रीशता व्यमंत्र व्यावादक মানত প্রতিষ্ঠিত করিতে পারে নাই। সভে দিন পরে বর্ধন এই প্রিচিন্তির প্রতিষ্ঠিত হইনে, স্কুন নিয়াদিলের চক্ষের ক্ষম বৃত্তিন, তবন এইনাম প্রচাবের ক্ষম সকলে উন্মন্ত হুইরা উটিন। পোক তবন নিরিল;
আশান ক্রম অর্থের আলোক জালেন। দেল তবন পরিত্র হুইল। অক্তর্ত
মহুই পোক্রের মহুর বর্ধন হুলরে প্রতিষ্ঠিত হয়, তগন আর পোক তাপ বারে
না;—সম্কের হুপন আলো। অলে, বিবের ধারে তবন স্থা। হাসে।
রাজক্ষক চরিত্রের মহুর গেনিন বাস্থানার চরিত্রে প্রতিনিধিত হুইবে হুসেই
দিন প্রকুত প্রতিরের মহুর গেনিন বাস্থানার চরিত্রে প্রতিনিধিত হুইবে হুসেই
দিন প্রকুত পাকিবে না। তথন ক্রিলিয়া মাভার ক্রায় সন্তানের গোরর স্মার্থ
ক্রিয়া বঙ্গমাতা আনেন্দে উইন্ত্র হুইবেন। লাভ্-মহুহে অন্ত্রাণিত হুইয়া
লাভ্য ক্রম আনিন্তি হুইবেন। ত্র্বনই শ্রণান স্থাের প্র দেখাইবে—
তব্নই নরকে স্বর্গের হার প্রিয়া গাইবে। যুইদিন তাহা না হুইবে, তত্তদিন সাধুর তিরাধানে বাস্থানীর ক্রম্নন স্থাভাবিক এবং অপ্রিহান্য।

্ দেখিতে দেখিতে, চবের পদক পড়িতে না পড়িতে, অন্মরা অচনক ভঞ্জি काम्या दश्च द्वादिशाम ! (कन्द्राध्यः, व्यानसः, कृष्णनाम, ভादकलदागानिक. অক্ষত্মার, সাম্ভুঞ্ক, রাজভুঞ্চ, পূর্যাকুমার,—ইলারা স্ক্রেট আপুন আপুন বিশেষতে মহাপুক্ষ। দ্বেতিত দেবিতে আমারা এতগুলি অমূলা রক্ क्षरेटक विक्रिक क्षेत्राम । जनने वाहाटक व्यामना देशास्त्र एतिहरून दर्शास्त्राह क्षमात आक्षियक्तिक कविटक माति, काशांत कसहै (5है। कता केंति है। वेहारमत ্পুনর্জন্ম আমাধের জীবনে দা ধ্টণে দেশের প্রস্তুত মঙ্গল নাই। স্কৃতিচিত্র अल्पान अस अपादक दे १६ है। कविष्ठा स्थान । किस मकत्वन प्रश्न है।-रभव महत्रक समृद्ध महिन्द करिया शाका कि केंद्रित सब र कर्ताक, से कान-मृतक काम्रक लाख तमहे मिन वर्ष बहेरन, त्यमिन हैशामा एति जार महत्य भावता हो म ह रहेव । "सक्ष च है-दिस हैदार महें बाल । हिन याहे दाल -मानारमंत्र का अन ए ए करिया अगिर छ एक- कछ दक्ष पुष्टिया रव समामंत्र रहेर्द. ८क कारन १ का हत्व अक्षेत्र महत्व, अकृष्ठ करिका, अकृष्ठ दक्ष पाकार्टक वक्ष करेटल विश्व किस् मा क्या मार्थ धायाल छाकावर ८६दी क्या विराध । कामस मधानविभादक रवि समय करिएक हा थे. खात का है, खात के लिएक करिएक भी किए हक। सम्बान कर कक्षम, कर महल समायाक महानव्यत सहरह बीक्कि क्षेत्रा त्यम वेशवित्रत्व यक मकारनदा क्षमत करिया श्रीवृत्त याहरू

াতে। মঞ্চনমতের মঞ্চন ইজা পূর্ব ছউক। পত্নের পতে উপান, বিবের ারিবর্জে আবার জদতে সুধার ধারা বর্ষিত ছউক। বল্পেন বল্প ক্উক, যোজী পবিত্য কউক।



व्यक्तिक, धक छार, धक अरहा सहेता वितकास साकिएक सारत जा. ছাকিতে চার মা। স্বাক্ষণ শীভের ভীক্ষ করায়ার সল্ল করিয়া বৃক্ষ সকল মুড লাম বইমাছিল, বসংখ্য স্বাভাস বহিলা ধহিল সময়ে জাতাদিশকে चाराद मुझीर करिता। सर्वनात, सर्व कृत कुम्माद प्राक्त चाराव कृष्टित । একবার ওছতা, অবসহতা, হড়তা,—আবার সংস ভবে, জীবস্ত ভাক-ভিত্রত कारा संबर्धातान्य मेठ. रमस व श्रीएकर काठावर काएक। मेर्टकर ক্ষাছাত সম্ভ করিতে না পারিলে বসংখব অধিত সকীব ভাবে কাংগ্রক कीतटम चटडे मा। आदान औरचत नर्गाद निवा अमण विवास द त्यांन পरिकाश करत. छाशांत सारभा । वर्षात महत्र साथ केंगमध स्थ ना । नक कतिटाउँ इट्टेंट्र -- अवारतमायटक मचन ना कविटन आहे उतिट्र मा। cultur नरीका कविया करन राजिशाहि-- मान्त्रादाक मध्य कहिएक मा शांतित्व, मरमांत माधन वा संख माधन, त्यान गांधानहे अस माछ कहा वास मा । काशांत स्रोतम ध्रमन, वाशांत्य कथमहे मेंटबर शांतन कशांवांत्व पृष्टमान क्हें(क क्ष नाहे हे लाल कारनाजनमूर्व कहें क्ष्यमान/त्व कारन कार्यक तिथु कुल्टक मृद्ध नहेश एक करन दिना करहे, दिना छाटन, मास्त्रि करर भूगा. পৰিক্তা এবং ৰশ্ব ব্ৰহ্ম লাভ কৰিছে পাৰিছাছে 😲 প্ৰবন্ধ প্ৰক্ৰোছা চুক্ষ্ম मुक्कत हुए इहेटकहे वा एक करन विना इक्टम चारीनका महारक काकिया भारेबाद्य र व्यक्तिहरू कात्म बीविया, व्यवस्थायत् मध्यम कविया द्य मध्या साकिटक मारत. त्य जान्यक केरमर्थ कतिरक मारत, क्य मांक कानारहे कारता। Cकास करकाट हे क्यींड इक्का केडिक सरह : चटन मामाड डॉमरइकिस---मकरमा पूर्व शामि व्यक्तिका क्रिके क्रिके मामान्य का कि विश्वा. Meatere Binital, meare offen awne Wills meine wien !

(काश्वास त्म्म, cकाशाम (म्म, बनिया পतिवाद क्षे करे पढ़िया पार्टन अभटनर द्वान फेडिन-विक्रानर मानन भाषाट खनर खान छाछित। शक्ति-भरीत अवनव ६३०-निदामा आसिया नव अक्कात कृतिम ।। enicon की अ भाषाक आदि वज़रे राजिन। वाहिट्स किनाम, बदस आजि-नाम: तातात हिनाम, व्याप्त बाहेनाम। चात्रक्तित चाक्ष्यत मिक्क िनाम-देवतारगात निकान कृषित कितिनाम। आरनाटक पूतिएक छिनान, - निवाना-भौधारव कृषिगाम। धान-चरव भौविया, निर्व्हात बीमधा. चौभारत मुकाहेबा छरव स्मिश्यम - व्यागमधी मा त्यशास स्कृत चान्त ৰাণী গুনাইবার জন্ম খনিয়া। শাস্তিজপিণী মা সেবানে স্কল আগাৰ बाग कतिया बागया !! " त्याटक व्य मा फुवियाहरू, काठाउ शत्क दम व्यामाव ৰাৰী কলনা বশিলা বোধ হইবে। এক এক অবস্থার ভিতরে লায়ের এক তক লগ অমনই করিয়া বিকশিত হইতেছে। এক এক পদার্থের বা এই एक घडेनात ग्यारित्र क्षमन कतित्राहे स्थनत्त्रत स्थल कृष्टिक्ट्इ । मार्ग्यत দে লিছ, দে মধুৰ, দে প্ৰাণস্পূৰ্ণী আশার কথা গুনিয়া আমি শিহুরিয়ী केंद्रिनाम । काम काम, मुकात की अ व्यापात्क वस्तु वित्यक्त ना पहिला कि शत-कारनेत निरक मध्मांतामक मन कितिक १ ना- के मुद्दात करूं है। दिनवारेश मा प्रतिरंगन, "मधान, एकवण मरमाध्ये लका नहर, এই हम्ब, च्याहता किष्ठ चार्छ। चामि (मानिनाम, चीनारतत सारत चारमा कलिएकरछ--बिहानाह है। दि काना-भवन छति छ छ। काबि (महिनाम, (महे काना-- আলো দেখিতে দেখিতে আমাকে একেবারে প্রাস করিব। ফেলিল। আমি अधिवाशी दिलाम, आकृष्ठ विवाशी धहेलाम। आमि निश्नाव अभिवाहि-লাম, আশা-বিখাস পাইবাম ৷ মা আমার কত ক্রপে, কত ভাবে ভুটিতে-(छन, चामि कत. (कम्बन विवा)।

বজুবিজ্ঞেল—আড় বিজেল আমাদের সংসারের আত্যহিক বাশার !
প্রশোকের সভিত সন্ধি লাগন না করিলে আর চলে না, তাই দেবিগান,
প্রশোকের বিখাদ আগেকে শীতন করিল, সন্ধি ভাগিত শহইন। পুজক
গাঠে নহে, লোকের কথার নহে, প্রভাক্ষ না করিলে বিখাদ-রনকে পাতরঃ
বার না। বিখাদকে গাইতে হইলে দকন আকার অবস্থাকেই মন্তক পাতিয়
কইতে হইবে। আভাহ দুখন গোক আনিতেছে, আতাহই কত গোক
চলিরা নাইজেছে। কোথা হইতে বা আনে, কোথার বা বার, আনবরঃ

নি না, আনতা না জানিয়া কাঁচিয়া কাঁচিয়া কৰে বুৰি নয়ায়ের জোল চল আন পতি নাই। মাই লক্ষা, মাই আমাধের দক্ষয়।

अधारकत वरण वाहाता प्रन विम २९१व कविडिनिक स्थाप विशेष कार्यस -ভাষারা বৈচিত্রামনী মানের বে কভ জলা দেখিরাছেন, ভাষার ব্যালা य मधा निरमत शत निम वाहर ७ छ। अभिम मुख्य शहीका आमिता हेलांकर ইতেছে! কত বছকে পাইলাম, কত বছকে ছারাইলাম। কেচ গ্র ार्टिक व भौतादत लाकाहेन-क्रिंह मेरमादात का मुक्कि, लाल, क्रमाक्षाद्वस महिल विश्व भाजाहेब। हिंदैकारणय अस अमृत्य ध्हेब यहिंग, व्यापि व्याप् कारारक व क्षिया पारे मा। मा पारेया का कावियाति । त्य वस्तक पारेया त्यात्व ১০ দিন কত আরোম পাইরাছিলান, কত শালি পাইবার কলনা ভারতঃ-हिलाम, शाव, (म दक्क ममाइक काँकि मिरणन -- कांचाव दवन मुक्तिसन । शांत्रि विष्क्राम लिखा कछ कै।निवास । कै।निया कैनिया छट व विश्वाहि. — बाह्य संबंद हिस्मन्त्राम मानुस्य गन्ना नरह, डिल्नका प्रदा मा। क्राcata अध्रद्धारम, वस् अवः लाउ विष्कृतमय मान्य कहे नाहेश, कारिशः कें किया, कटव (मृत्य मांटक स्थितिक भारेशाम । मा विशिष्णम,--- शांव किछूहे ट्रांब लका सब, लका ८०वल आधि। आसार इतिहा ट्रांब ट्रांब আরাম, কোবার শাস্তি। ভোকে কাঁদাইরাছি, তবে মামি প্রোকে বৈশাল भाहेबाछि।" मात्यत (म असामाना मौतत करा क्रिया आधि कर्याक स्ट्रिया खहे निभिनात, कृथ मा भावेदन क्षत्र घटने मा, खाँगाद मा अभिदन आहता-्रकृते मुख्य अस्था वास मात्तः क्षीकात के क्षा करूत है के स

আবার সমাজে তাবের বিন উপস্থিত কর্পাছে। বস্থের স্থান্ত মধুর ভার চলিয়া গিরাছে, দক্ষণ প্রীয়ের প্রকোপ নালিবেছে। ইঞারের অভ্যান্ত সমাজের মধ্যে আন্তর প্রকাশ নিজ্য কালিকেছে। এই উভাপ রে সম্বান্ত পারিবে, মারের ভিন্ন আপ নিজ্য সে দেখিছে। এই উভাপ রে সম্বান্ত পারিবে কে ? আমি বড়ই হুপল, বছুই অস্বান্ত, আমি সম্বা করিছে পারিব না বলিয়া মনে বছু ভর ইচিচছে। তীত হুইরা আমা স্বান্তর আরে মারিবাছি। মাকে পাইবার অন্ত গত জীবনে অনেক কই স্বা করিছে বাছি বটে, কিন্তু এই নিবান্তণ বছু বিজেপের বিনে আমি বছি স্থা করিছে পারিব কি না, সম্বোধ মারবেল, আমি ভার ভার ভারীর মধ্যে স্থিকি মারের করা উনিহাই আনিবাছি। আনেক রম্বান্ত, আনক

ৰাভাবে হারাইরা, আবো বছু, আবো বাভার অবেশন করিভেছি। এই
বিষম ছফিনে কে রক্ষা করিবে ? কে সহার হইবে ? এই বিজ্ঞোন-আঙ্গন
নির্মাণের একমাত্র আশাবারি—মারের শাবিপ্রানার। অনিব, পুড়িব, রাজার
হর্রা বাইব—ডন্ও মাকে ছাড়িব না। মা এই উভাপের নিনে আমাবিপের প্রাণে অধ্যবসার ঢানিরা নিন; আসরা এই কঠিন পরীক্ষার স্তুবহার
পড়িয়া বেন মাকে ভ্লিয়া সংসাবে কিরিবা না বাই। মারের অবিশিন্ন
আমানের সকলের নিরাশানার, বিজ্ঞোন-কাতর প্রাণে ব্রিভ ইউক।
(১৯০ সালের স্থান্ত মাসের উৎসবে পঠিও)

()

वह किया अवः श्रादिवनात शत गनगरकरे धकवारका श्रीकात कतिरक इडेरव रंग, बड़े विलाश अवारख, बड़े यानख अञ्चलित मृतन खक यांच शैव चानि अफ्रि विश्वमाम । वाशव निक्र त्यहे मक्षि व ভाव खकानिक हैंबै. (म छीहारक (भेटे छारबंदे (मरच। (म मफ्ति चमक:--- चमरखंद चांद्रक्ष) কোখার, শেষ কোখার, কেছ জানে লা। তিনি অক্সপ, তিনি কবার, কিন্ত धार धार बार में बड़े धार धार कार्य क्षात्रामिक। क्षात्राकत किलाहरे তাঁহার ভিন্ন ভিন্ন হল প্রকাশিত। বাহার ভিতরে টাহার যে ক্তরুপ প্রকা-लिक बहेबाएक, दन चंद्रेल जिल्ल अक्र किछ्टे ठाटांत वृक्षितांत लक्षि भारे। युवा छकं युक्तिएक, भावन दिना, लाएक निवाकारतत खन्नल शावन कविएक भारत मी। यात्राव किछात छै।बाव कान चत्रभत्ने खाना मिन हम माहे. भव केहार निकृष्टे नथा, कुट्हिनिका,--काथात-कशनात क्रिनिय। क्रकात ८६डी कृतिशां के किएक सर्व कि. छात्रा दुवारेटल लाजिट्य मा । अधिकान चालि वाहात जिल्हार श्रकानिक बन महि, काबार माथा जाबारक मारबर चक्रण बुक्षाहेटव १ दिशा धारा माडे अञ्चय कहा छाएँ। फर्क वृक्तिरफ दिशम मस्मानव विकेष, मरनव नै ७०६, अधित छेक्ष, अक्षमण कार्याक तुवान बाब ना, एक्यान केबारहर चन्न पर बुबान बाह ना। जाल्यापह विहेच किन्न प् त्रहे वाक्षिते वृश्विवादक, दव मरमारनत कालासम शहेबाटक। केचरतत श्रवन टमहे बाक्किने विश्वादक, शांकात दकान मा दकान शाहन टमने व्यवस व्यवदेशव अब्रिक्ट (काम ना एकान श्रकारक मान्याच करेगाएक। नाट्य किशास्त्र एक ब्बाह शादक १ वहे ककरे बाल, बालक मृत्य विचान । विचान-चकरकाम-मृत्रक,-डिशाक्तिक कारन विधान शालम का ना । विधान विधान आहर,

रात् कान बाद्ध बद्धे, विश्व कान द्यशान बाद्ध, विश्वनक दव देशवाद्य किद्रन, वासन देशान कथा नारे। विश्वान कादनत कडीक व्यवन विश्व-हाट्ड प्राटकत नविक नकोदमत नाकाद कर। यांका क भूरवाद द्यानशक् बान, विश्वादनत भन्न करता दश्रमक्टस्थन केश्न कर।

मारबंद द्यारम अकति भरतान कृत निकः बानी मन, विदान मन, अकति ৰোধ পিঞা মাকে সে বাক্ত কৰিতে পাৰে না, ক্ষৰত মাৰেম কোলে वा श्रीक्रिया शाधिया तम निरांत्रण मत्न करत । बादक तम बादन ना. व्यवस रबब ब्रुटबंड क्रिटक ठाहिला चानिएडरे एन ठात । अथवा मारक रन वडाहेक ात. छाङ्दिका कछ व्यविक काववादन । माद्यय काद काद काद, व्यादन व्यान. कं वृक् । कांब, कि शंबीय अधारण गोगा ! स्नान अधारण अरू विमू,---विमू পেকাও বিশু। জ্ঞান ভিন্নও প্রেনের রাজভঃ অধ্বা প্রেমই জ্ঞানের ल। मारवद खारन जान त्रानिक निक कान गाव, त्रारव त्रांचिक कड াবে, বুকে বুক রাখিয়া কত আনন্দ উপভোগ করে। আচান নাই কিছ াখাস "আছে বিশুর প্রাণে, তাই সে নাকে এত ভাগবাসে: আদৌকিক ানন কিছু শিশুর আপে অবভীর্ণ যে, সে মাকে নঃ স্থানিয়াও ভালবাদে। । জানিয়া ভালবাসাতে যে কি স্বৰ, কি আনন্দ, দা শিঙ্ট লানে। জানের ারে যে ভালবাসা আইনে, ভাষা ড বাজিছ ব। স্থাবে দ্বিত। স্বর্ণের স্থান ৰণ ভাগৰাসাৰ স্ৰোত বিশ্বাস-ঘটেন নিমেপ্ৰবাহিত,—ভাগ শ্বৰ্গৰ মশ্বা-केनी। त्य दलमीयानीत प्रक्षोवनी कारिनी। द्य छाशास प्रदेश सके दूरक, প্রম কি, ভালিবাস। কি ? আল্লের পক্ষে ভাগা বুরা বড়ই কটিন ব্যাপার।

সেই অনাবিদ অগীর প্রেম মানুবকে ভিন্ন পথ দিয়া মনুবাও বা মনত বিকাশের পথে কইয়া মাইডেডে। মানুষ ক্রেমে ভূটিয়া উটি-তেছে। শিক্তর মাতৃপ্রেম শতবা হইলা শেষে কি কবিতেডে, সেধাইডেডি।

শিশু, মাতার জোড়ে থাকিতে থাকিতেই নাতৃত্থেন ছাড়া আৰো কিছু পাইল। আগ কি, জান ? তাগা আছে গ্রেম। মাবের গাবে আরু একটা শিক—ভাকেও লে ভাগবাসিল, বুকে ধরিল। খেবিলা, বুকিল, মাকে ভাগবাসিলই তৃষ্ণা নিটে না—আহো বুক থালি থাকে। ভাই তবন ভাই ভন্নীতে বুকে ধরিলা বিলা। ভাই ভন্নীয় নিগন কত মধুব, কে না ছানে ? ঘুলি বোনে ভাগত। আহো দিন হাইল, আহো বিশাল মুক্তীন। পিতা মাতার মেই, আতা ভন্নীয় ভাগবালা মুইলা দে আনক দিন ভূলিকা আ্রিত্ত শাহিল মেই, আতা ভন্নীয় ভাগবালা মুইলা দে আনক দিন ভূলিকা আ্রিত্ত শাহিল

का -वाशव महिक भूटल द्वता छमा वा कामान नविष्ठत हिम बी, त्नद তালতে ধৰিব: টান পঞ্জিল। দূৰের মাহায়কে নিকটে আদিতে হইব — অগীর अब आक्तरी मृत्य रहूत मृद्धि तहूत मिनम इहेन । लिए माङ् द्वापा द सुन हिन ना, जाना नशीत सङ्खिम प्राट्त (कारन द समुन मिरन नाहे-৬% কঠোর বন্ধুৰ জ্বারে পার্বে আবৃত মনত-স্থিত্ব সে অনুতের ভাওতে পাওয়া বাবল ৷ কড আনন্দ, কড সুৰ ৷ আকাশ মধুময় ছইল, পৃথিৱী সে क्वालिए अध्यक्त भाष्ट्रम वर्ग इंडेया गाहेग । किन्न अधारत छ गीलाइ त्मर्य माहे । ভাগধানার নানা ভারতে মন্তা হটল, কিন্তু তবুও হাণর অভুপ্ত। পরে স্থানী कीत प्रतत विश्व इंडेल । तिशूर शक्ष्मात मालिया मास्ट्राता साम्लाना ८ अस्यत क्षतीम क्षम (विविद्ध माहित्वत्व ना वरहे, किन्न धमन कि चाहि (म. धहे मध-भव (सम संगटका सागरम मा लिखा मामारतत अक्रक मोनगी, अक्रक मानगी कैना श्री करिएक लारिकारक ? अन्या यक काँ कि किन, छ।का श्रीदेश-कामा হিটিল, তাৰ কমিল। কিন্ধ এখানেও শেব নয়। মাতৃ প্রেমের পার্ছে দ্রাত ্লম, জাব বাবে বন্ধবন্ধন, ভাব ধাবে দাম্পান্তা **প্রেম, কিন্তু এখানেও বি**রাম মাই। এপানে অংশিবারে প্রাণ অনুপ্রা এই যে প্রেমের নানা ভরক জগতে ८४ विद्रष्टेरक, रूडैशाव (कानज़ीत मैंकिक दंकानज़ित कलना इय ना। सकलबे পৃথক পুলক। জিনিস ইক-কিন্তু ক্সপ-- চিল্ল ভিন্ন। দাম্পণ্য প্রেমব भटत को जांच मक्षाम-वादमरणाव कार्यक्रदम् । भारतिवाचिक (शरमक टवन ्वमाश्व वैत्रम अन्तरण करेका करेता, एथम कन्नद (अम का विश्वत अन्य ু হ'ল ৷ আনেকের জাপো এড দ্ব পৌছিতে পারা সম্ভব্পী নতে, স্করেং विश्व (श्रम्यत) कामादका भारका कामाव किमिय। किश्व अकवा हिक, भावि-वर्षिक एक्षान वर्षन वर्ष (दट्य क्रमाएक क्रांतिक्रम क्रांत-छन्म क्रमेंग्रे व्याद्वा तिश्र वय- अन्देखा निटक काटका छुक्किएक हामा । क्यम आहरी आहरिता त्य वक्ष पृत ः भेरे कियारक, रमके बेका वृक्षितक भावित्य। किन्द्र रम कथा जनस लाक्क । अने र्ग दलस्यव रहते अभावत डेलहि भावहि युरिहारह,---नेदात भूरण भा । मा हे शृथिती मर्गानत अकमात महाय-मारवह अवस हरेटह रंगम में किया किया के मिया के मकत रक्षात्म कातक मिया के माक्रव्यम आरहा भूतित व्यस्तासम्बत्त, व्याद्या कृष्ठित वचन- उपन छाहाहे विषद्वास क्रम र्शति । अतिवासात अधन अध्य पात्र मुक--- (विश्व काख्या पात्र, त्महे দি: এটা মাচুর শোলা – প্রাকৃতি তথন সংক্ষিত হিছয়া নাজুবকে কাণিকন ারিছ্র জন্ম বাঁহ বিভার করিবাছে। সকলেই তথ্ন লাগন জোড়ের ক্রিবিট সভা দেবাইতে বাভিবাজ। দেব, আর মলো, মলিবা মাণার দল্। বেবিটে না দেবিতে আনে আন বিনিম্ন হইরা বার। এক নান তথ্য শতবা, সংল্পা হইরা নিচাচে—বিশ্বন ক্রম জানাল ভিনাছে। তথনই মানুষ দেবে, সকলই একে নিম্মিত সকলই একের জ্যোড়ে চিরম্ম। প্রেম-প্রসাদ পাইরা মানুষ জ্বন দেবে, দক্ষের ম্নেই এক অধিতীয়, স্ত্রাং তাকেই আনে সন্ধিয়া ভবন ক্লাই হয়। একেই তথন সকলের আনে, উৎস্থীক্তত—এক সাগ্রেই সকলে ক'পে দিয়া ভ্বিভেছে। একের কোলেই সকলে মলিভেছে। একের চন্তই তথ্য সকলে ধাইভেছে।

त्यहे अक लिक्टिक लाहेटल इहेटल, मुक्त विक विवाह याहेटल इटेंद्र । द्यं প्रतिमार्ग अधिक सिक निम्ना खाँशादक दक्ष्मा माँहेटव, दमक्ष श्रीतमाटन छ।दाटक च्यातक स्थाना सहित्य। व्यवस्था अवश्रेषा नही सहन। মিলিৰা মিশিয়া ভবে মহা সমুস্তা: একটাকে ধরিয়া বাক, আর একটার মহিমা ব্যাবে না। একলিকে ঘাও, আর একদিকের জ্ঞান চ্ছামার निक्ते आधात बहेबा चाकित्त। किन्दु प्रकृत क्रिक निका पालहा बहुई क्रिन । मुक्त भक्ति विकार्भत करूडे माधन चार्डक, माधन किन प्रदेशक मास অস্তুৰ। কিন্তু এ বডই কঠিন সাগন। জ্ঞান আৰু প্ৰেম, ক্ষ প্ৰাৰ ठेळ्।, এ मकालबर मेमान माधन कहा ठाके। . धका comins क्रिकातक कर রুপু, কত ভার ৷ মাতু পিত বাৎস্থা, স্তাত স্কেছ, বন্ধুর ভাগবংসা, স্তাব প্ৰাণয়--- এ কোন্তী উপেক্ষাৰ যোগা ? কোন্তী মধ্যাৰ লাভেৰ বিলোধী ? পুৰ সৃষ্ম ভাবে দেখিতে গোলে দেখা মাইবে, কোনটাত বছঃ পুথিবীর বছ বড় সাধকগ্ৰ, এক এক জন, এক এক ভাবে, বিশ্বস্থিত আরাধনঃ করির। গিরাছেন, সভ্য। কেছ মাতার্কণে, কেছ পিতারণে, কেছ স্থামীঞ্চণ উট্টেকে পূজা কবিয়া গিলকৈন বটে, কিব পূলা বে দেখানে অসম্পূৰ্ব थाकिया शिवारक, अ कथा श्रीकार कडिटक्र केट्रेट । अकडिय--विश्वनक्रिटक वृक्टिक इन्हेंदम, प्रकृत अकार मायसाय क्षिक विदार वानेटक इन्हेंद्व। सिंह सिंह सिक् किया शहरा जिल्ला-मिवारम अक समेहे विश्वासान। माहाद क्षमध्यक ভিনি, আসার প্রণেও ভিনি, বছুর মুখেও ছিনি, স্ত্রীর বুকেও ভিনি। মান্ত্র কৃতিয়া পড়িতেতেন । আভএব সাধনার একদিক লইবা কথনই পরিচুট বারা
টিও নর। সকল পক্তির বিকাশ হইলেই বিশ্বশক্তির সহিত সম্প্রক্ত
সাক্ষাং হইবে: কারণ ভিনি সকল পক্তির সমষ্টি,—কারণ সকল পক্তির
মূলেও ডিনি। সকল পক্তির বিকাশ হইলেই মহুবার লাভ বা বর্ম লাভ,
ভীনন লাভ বা মুক্তিলাভ ঘটে। আনছের হারে পৌছিরা বে এক স্কুল,
এক ভাব লইবা বলিয়া হবিল, লে বিশ্বশক্তি কি, তাহা কিছুই বুঝিল না।
সে কৃত্র কুক্তির আল্রের শইরা তাঁচাকে ধুরা ধুরা দেখিল – কিছুই কৃশকিনারা
করিতে পারিল না। আভ এব—সীমানছ ভাব হইতে অসীমের দিকে গতি যবনই স্থাতিত হইবে, তথনই সাবধান হইবে। তথনই মারের নাম শ্রণ করিরা
আ্রেড হওবা উচিত। কারণ মাতৃ-প্রেম হইডেই আ্রের স্বল প্রেম উদ্ধৃত।
মাতৃপ্রেম শ্রণ করিব। মারের সন্থান যথন হছার ছাড়ে, তথন পৃথিবী
কিন্পিত হর, পাণ প্রলোভন দূরে প্রায়ন করে, তথনই পৃথিবী মধুম্য হর।

কয়েকটা পরীক্ষিত কথা।

- >। যে সভা সহজে কোন প্রকার সন্দেহ্ বা বিধা নাই, ভাগা প্রাণ্পণে পালন করিতে ঠেটা আর। একটা সভা পালত হইলে ভবে অন্ত সভা পালন করে। সভা বুঝা ও সভা পালন করা, ছই খতর কিনিন্। যে সভা বুঝার ওলো পালন করে না, ভাহার উন্নতি চইবে কিরণে চ
- ২। দশাদলিকে বা অভেন্ন গোৰাপ্ৰসন্ধানে মঞ্জিয়া আগ্ম-হাবা ভইবে না। আগনাকে বন্ধার না রাখিতে পারিশে কিছুতেই উন্নতি হইবে না।
- ৩। বার দোব ভূলিতে চেটা করিজেছে, তার নিকট হইতে একট্ট সূরে বার, আর বার গুণ গ্রহণে প্রশুভ হইয়ছে, তার নিকট বেসিয়ৢ বস। একের নিকটে গোল অনিষ্ট, অপরের নিকট বাইলে মহালভে।
- ৪। অংকর দোব বিশা ক্রমীর বিশ্বর যথনই অব্যে উপস্থিত হউবে, জখনই আপন দোব বা ক্রমীর কথা সনে করিবে; কারণ, অংক্তর দোব আবে ক্রমে অবলা ক্রমের অবলা ক্রমের অবলা ক্রমের আবে ক্রমের ক্রমের আবে করেব। আবের মহলু চিপ্তনে ক্রমের আপনার দোব বা ক্রমী অবল করিবে করিকে অঞ্চলাপ অলপাত হইবে। অঞ্চলেপ অলপাত বির ক্রমের অনিন্তা খোত ক্রিকে কেছ পারে না। ক্রমেরের অনিন্তা খোত ক্রিকে কেছ পারে না। ক্রমেরের ক্রমের অনিন্তা খোত ক্রিকে কেছ পারে না। ক্রমেরের ক্রমের ক্রম

টির বাংলা এমন কৈন্ বত্ত লাভে, বাংলতে বিশেষভ্যর মধ্য নাই। মন মানবই বা কে আছে, যে আপনার জীবনে ক্রটী বা নোম গেখিতে। মনা বাংলা কু আপন ক্রটী এবং অক্তের মধ্য চিন্তাকে জীবনের স্থল কর।

- রিলা। আপন কাটী এবং অক্টের মধ্র চিন্তাকে জীবনের স্থপ কর।

 ৫। মতোকের ভিতবেই কিছু কিছু পাইবার আছে, সংগ্রু রাখিবে।
 হাকে ভরনিক পাপে নিপ্ত দেবিভেক, ভাষার মধ্যেও এমন অনেক
 দিনির আছে, বাহা আর কোধাও পাইবে মাং কাবে ইপারের স্টুড়ে
 কলেরই কিছু না কিছু বিশেষত্ব আছে। স্টুট, উদ্বেশ্য শুক্ত নর ইং। মনে
 থিয়া সকলকেই জ্বর পাতিরা আলিঙ্গন করিবে। পাপীকে খুণা করিবার াবিকার পাপীর নাই। খুণা বেখানে, অহ্ছাবেও সেখানে। অক্তবে খুণা
 বিভিত্ত পেলেই অহ্ছারী হইরা পঢ়িবে। অহ্ছাব মন্তব্যর লাভের আধান
 বিভ্রুক। অহ্ছার, মান্তব্যর আভাবকে ঢাকিয়া রাবে। আপনার অভাব
 ব দেখিতে পায় নাইনে আর কি প্রকাবে উন্নতিনাত করিবে হ
- ৬। স্টের স্কল জীবতেই ভালবালিতে চেটা স্বিবে, কিন্তু স্থাহাতেই দ্বার জ্ঞানে পূজা করিবে না। স্কল শলার্ব বা জীবেই জ্লাবের প্রিল বিধান বান, কিন্তু কোন্স্ট হন্ত স্বিধানর। সাগেবের এক পঞ্ধ বাবি হাজে দুলিরা, কথনও মনে করিবে না, সাগের ধরিখাছা বে বাছা, ভাছাকে ভাছা জানিবাই আবের করিবে। এককে আন্ত ব্লিবা সূপ শুকিবে না।
- ৭। যতমুর সম্ভব, স্কল প্রকার সংকাষ্টো যোগ রাখিতে চেটা করিবে; সংকার্টোর স্রোভে নিমন্ন থাকিলে পাপ প্রবোজন বা বিস্ ভোষাকে স্পর্মণ করিতে পারিবে না। সংকার্টোর লোগান ধরিলে জরে স্বার্থ-কলজের ভিরোধান হয়; এবং শেষে নির্মাণ-যুক্তি প্রাপ্ত হওগ গায়।
- ৮। এটা বড়, এটা ছোট, কথনই এ গণনা কবিবে না। এক ব্যক্তির বা এক বছর কার্যা যথন অপর ব্যক্তি বা অপত বস্তু ছাবা সংগিত ধর্বতে পারে না, তথন কে ছোট, কে বড় চু আপনাপন বিশেষ ভাষ্য-সাধনের করু সকলেই বড়া আবার ইবারের সভিত ভূলনার সকলই অতি ভূজ। সুষ্টির সৌক্ষ্যা—বৈ বিজো; স্তরাং বৈভিত্তোর আধ্যা ক্রিডে শিবিবে।
- ন। মূৰে এক, ভিতৰে আৰু এক, হাৰিবে না। ভিতৰে ও বাহিবে এক-লপ হইতে চেটা কৰিবে। যে সভা পালনের জল্প সর্পথ বিস্কান নিতে কৃষ্টিত হও, সে সভা মূৰে খলিও না; কাবৰ ভাগতে ভোষাৰ অক্সক আছো কৰো নাই। সভা জনাও সভো বিখাস, হই এক কথানেছে।

- ২০। কাছার ও মনে কট দেওবা মাষ্ট্রের ধর্ম নটে, আপন কর্ত্যালাল কর্ত্যালাল করিব। কঠবা পালন করিবেল তুমি বলি মনে কট পাও, নাচার, কি করিব ? তোমার মূরের নিজে চাছিলা আমার কর্ত্তবা পালনে করিব। ধর্মালু-থাকিতে পারি না:—এইরপ নিতীক হইয়া কর্ত্তবা পালন করিব। ধর্মালু-থানিত কোন করিব। ইত্ত পারে না
- -১১। একজনের কথা গুলিরা আর এক জনের প্রতি বিরক্ত হই বুর না।
 মাধ্য মাধ্যকে সক্ষ সময়ে ঠিক চিনিতে পারে না। যে বেরপ চিক্তার ইত,
 সে অস্তের মধ্যে ভাগারই অধ্যাপ দেখে। স্ক্তরাং মাধ্যের প্রকৃত মধ্য বা প্রকৃত দোর মাধ্যের পক্ষে বুরা বড়ই কঠিন।
- ১২। যে কেবলই প্রনিক্ষা করে, পর ডিক্স অব্যবণ করে, সে নিজ্প ভ্রমনক পালী, নিশ্চর জানিবে। আশান পাশকে চাকিবার জন্ত বা আগন মঙ্ক প্রভাবের জন্তই দে অন্তের নিক্ষা প্রচার করে। ইহুতরাং পর-নিক্ষেক ব্রাভি আহাবান হট্যা আক্রের প্রভি ক্রমনই বিরক্ত হট্রে না। যে উচ্চরবে আক্রের হোর কীর্ন্তনে স্পানারভ থাকে, দেখিয়াছি, ভাষার মনের ভিতরে বিষম পাশ-গরল পোষিত হট্তেছিল। নিক্তের ভ্রম প্রবিধন পাশ-গরল পোষিত হট্তেছিল। নিক্তের ভ্রম প্রবিধন পাশ-গরল
- ১০। সংক্ষমণ বা সল্লাণ মনোবেল সহকারে গুনিবে, গুনিরা সার সংগ্রের করিবে। বুলা কৃটংকে ক্থনও রত হইবে না। কৃট তর্ক সংশ-মাবিদ্ধারের পরিবর্টে স্তাকে চাকিরা বাথে। স্তা পালনই স্ভ্য-অবিদ্ধারের মূল মধা
- ১৪। বাংগাড়খতপূর্ণ অধ্নীন পক্তির হাতি কখনই অধ্যাপি ুট্ডাটিবে না। পেলা গিলাছে, বাহিবের অধ্নীনে মাতিরা অনেকে ক্লবর্তে হাতাইল ফেলিয়াছে,—গজ্য ভূলিয়াছে। লক্ষাকে আালের মুলে তালিয়া সাধন করিবে, ভিত্তের নিকে সর্জানই সৃষ্টি অথিবে,—মান্সতিয়া ভূলিয়া বাহ্ অস্ক্রীন্মের তিলা করিবে না। মুল কবা, বাগবজ্ঞ, গৈরিক বল্প, বা বাহ্ন-দীক্ষার ভাষার কি করিবে, যে জান্যে সরল পোষণ করিভেছে।
- ১৫। প্রেম ভব্তি হলংর সম্বিত হইলে মত-মূলক ছণা বিবেষ আর থাকিছে পারে না;—মূপলমান, বৌক, খ্রীটান, সকলের প্রতিই ভালবাসা হার। আত্মন্থেদকান করিয়া স্থানাই জানিতে চেটা করিবে বে, সাধনার স্তিত শুষ্তের ছণা বিবেষ লোপ পাইছেছে কি না ? বধি লোপ পাইরা না

ক্ত কৰে আৰো কঠোৱ ভগদা। কৰিবে। বৰন ছবা বিবেৰ কিলোচিত বে, আৰু প্ৰেমন্ত্ৰের বিশ্ব-প্রেম স্থানে অবতীর্থ ছইবে। ছবা বিবেৰ বিন অনুষ্ঠা, ততদিন আভসংব্য স্থাগ কঠোৱ তপজা করিবে।

२१। यह पर्य छा १, छ दे मा मारह के उपका करिए लिटिए ; स्थान में स्थान में दे दे हैं से स्थान में दे हैं कि साम करिए लिटिए ; से स्थान में हैं दे हैं कि सिन्दा में कहा है हैं हैं कि सिन्दा में कहा है हैं हैं हैं से सिन्दा में कि सिन्दा में कि

বৈদ্যনাথ হইতে কোন বন্ধুর নিকট লিখিত কয়েকখানি পজের সারাংশ।

ি প্রিয়ভাট • • * •

ভেষেত্ৰ গভবানি পাইনাম। · • কেছ মণ্ড বিশ্বাস-অভ্ত নিউত্তেদ

क्या गांत्र विका त्रवन स्वा बहेगान, छानता खेशांत्रक माना शुर्क त्र । मारे,- कातास्त्र (Sices मनुष्य अक्षम परेमा पुरिन, रेक्टर वड़रे धः विक हडेनीय। बाह्य स्क्रेंक, मक्नडे बादबंद मानिकान : सनाशाक केंगुबान-हेंद्रा बारवत्र श्रे श्रीमा । अदेवन कतिप्रदेशा निर्वतिन्ता विना रकत्। कामात्र काणा कारण, अवाव त्यामता मारतद जीवक विधारमञ्जूष शीकिक क्रेंट्ड लाविट्या, आसाद आला चाड्ड, पाटबत क्रुलांत aais ट्रामके किस-मर्द मीकित कहें के अमर्थ कहेंद्र कि कार्तित लड़ी कार्ट कियार्तित लख । नैतीकांद क्षेत्रीर्थ रहेत्व क्रीलवार्डे ल्योहिट्ड लाहिट्य । व्यक्तिवाद्यम व्हे बाब (३२३२) ছটাত অনাপ্ত জ্ঞানিক মঠ প্রতিষ্ঠিত হটমাচে। মাবট আর কিছ্ট নাই—কেবল मा. (करन मा, लिनि बाहा करतन, जाहार मनतात कछ, जाहारक छीठ ना ছঃধিত ভগ্তমা উচিত নতে। এই গভীর সাধনার ভোমরা সিত্ত হইলে कामि कहार्थ हरेव। होका कछित सक त्य हिसा करत. तम छकिया है हरेरर अप्रत्नक मृत्य बर्विबार्ट्य। सारक छाक, मा प्रकर्ण मितना। तक्मन कतिश निरंबन, केंद्रिय कि विधान क्षेत्र, छात्रा निष्ठात्वत कार्याकन कि ! मा शीतामधी, या धार्द्वमधी—शशास्त्र ट्रायस छूनिया पाउ। तकत यातमा লুল ছইবে ৮ ভূমি লিখিয়াছ, ভূমি এবার হইতে কর্মের ভেটা করিবে, শুনিয়া একটু ছাদিলাম। ভাই, আমার আলের ভাই,তোনার আমাব টেউরে কি হইবে? খাঁধরে তেউার হয়, তিনি অবিয়ত চেই। করিতেছেন। ছংখ, নিয়ানন্দ, এসক্ষ शाकियांत मत् लाकिटन मा। मा आमाहक बटनम - आमात निरक कारिया कर्कवा भावन कतिया या १ - अध्यय स्टब्स स्टेशन कार्निया ८४९ । स्थानि यक्ष क्षित्र चाहि, कडिसिन ट्डामास्टर हिन्दा कि १ व्य डात ट्काशाय १ ज्यानहा त्य बाटलाश्वत इहेबालि, छाहा कि छुमि बुध ना १ बाटलाश्वतत कथे विभागी. মায়ের ছাস। মা ঘাব, গুলে কোথার, অভাব কোখার ? যদি তেনোদের तकान किन्नहें एक्ट्री कविटक स्था, करन मार्ट्स क्षारत नीमिर्टक एक्ट्री करा। यनि ८७ है। कहिटल इब, मारबन एक्झारन बाहार है किए इटेस्ट भान, खाहाँन C5क्षे केत्र । क्यांन कात्र (श्रम, हेश्व माधनात छेल्युक मस्त्र अहे । क्यांन আৰু প্ৰেম ঘনীতৃত ভ্ৰলেই ভবিতে পৌছিবে, নাবের অংগাদ পাত aface 1.

বাধানতৰ বাৰ্ধ মাজু-প্রেমের কথা ওনিরা ক্রমী ভইণান। অঞ্চলের ধারু এবং বিশ্বাস্ত্রার বাধাতে মাজু-প্রেমে বীশা হয়, কক্ষর জোনতা সাধানত ইবৰ সাবেৰ কৰক্ষ্মণ সভাবনীশক্তি ভিত্ন বোনীত আহোবোৰ সভা-৷ কোনাৰ ৮

चार्ता वान गृर्ग। भाषि चाक कान ते करेबांव चाकि, क भवका नाव छाए भरतक दिव घरते वाहै। भाषि वाको वाह्य करिवाहि, हो कि वाह्य प्रतिवाहि प्रति

(٤)

লিছভাই • • •

্ভোষার প্র পাইবাম। আমার প্র কোন্সমতে জোমাজে আমজে বৈ, ভাছা বুজিলাম না। আমার মনে হয়, আমার মূচার পরে। অধ্যার ভাবি ৮°

ভূমি মনে ক্রিডাড়, ভোমার ক্লার প্রীর ক্ষর আমি বৃদ্ধি নাই ব্রিটা शिवादिः छ। स्व । अन् द्वियादः। इसायावं से कदवकी करात सरका जरू शहीत (क्षरंपन सार कारण) कार्यि (सामद मरण) दशास्त्र क्षयुव विक्रिक क्षेट्डट्ड (मांबर) क्षाल्झ क्षेत्रींछ । "कृषि भाषात महाब क्षेट्र Lat क्याबार प्रकारकीटम - र जामि करा सार्वपूर्व। टकावरा क क्याबाद tety wise-Acse wi cornifecte point mifnai conten feuten कत । भारत मारा एट पेट छत कत-दिशामा भारत सित मारे । eternoces con magnita minima nome nime, estima, ibn winter (मनाहेय) मा मंत्राहेटलम एकन १---कृषि चानात महाव हहेटम देशियो । आबि का कानि । "बामात "बामतकान"—देश देश क्या । बामान अपृष्ठाम विकृष्टे मार्ड, -- मक्त्रेड मार्राव्य अपृष्ठीम, -- आमि केरवावडे क्रिक्ट ल्क्षिका क्षान्त । जातक (द्वेष, क्षान क्षात्त्व कर्राव्य क्षान क्षान क्षान क्षान क्षान व्यामितम, बाल कति शव छात्रा अन्य करित्य भातित्व । अवन द्विम खिक्रित, আংবো পিড়িত মনে। মাধের উপর নিশ্বর কবিবা দে সম্বন্ধী না পাইবর, ভারার ভাগো সংখাব নাট্টু। মারের উপর নির্ভর কর-মনের আঁবারের পরি-बर्स्ड आहतः कुनेत-वर्तीव त्यानिक त्यनित्व-क्रीक-श्रवाण विश्वत भारतक प्रशासक जात्ति - कीवमाद्यकि विशोध कक जात्मक जात्वाकारीहै। आहातम कर-कीयन अवस कानिया विष्ठ गावित्व । स अवस्थित कान अनर (क्षत्र,-नवीद कान, प्रवीद (क्षत्र। व्याकामन कुछ कान, ভবগৰ্ক প্ৰেম ৷ এই আহোগন হইলে কে কাহাকে বা भारत ? साबि अकि एक कारन भडीका कतिया तिनवाहि,--केट, मारनत bare coiमार भागात कार लाजा ज्योत सीवनाइकि विवाद पूर्व सिटनक-नार्व बक्रमात्र कतात्र ,धादाकन । त्म स्थान दक्षावात्र, दक स्थानक देवव ভটলে সর্সমটে মাধের অনস্তরপ-নিরীকণ করা বার १—৻সট কোনই বা (काशान, त्य त्थात्मत छेनत व्हेटन कृत्रेत्वांश्यक्ष वाक्तित्व व्यानिक्रम कविटक कान नाकुन स्त्र ? जानम-बालम (कदन बारगाज्यान ब्रम्स काजिहिक हरे-सारकः। प्रकार करा, भांत, पूर, 'अथनकात कथा आहे। यथन प्रकारतत (यह সমাপু ধ্রবে, ভার ধারেই দানের ভাগেবছের অভ্যুখান দেখিবে। সে মারের দীবা। মা ভক্ত না করিবে কে প্রকৃত ভক্ত হইতে পারে কে জীবন দিতে পারে ? কে বশমানের কুহেলিকা ভূলিয়া আৰ উৎস্থ কৰিছে পাৰে ? মতভাই প্ৰেন নতে, আক্লালনই পুণা নহে, আলাড়খুৱই যজ নহো। ভাই, ভূগ বুঝিও না। এলেছসমাল দিন দিনই व्यक्तक धर्मालय क्हेटफ लम्मभीक क्हेटक्टकन। সावधान। সावतान। , भारक क्लिका--- चाहेन माहे, भाच नाहे, प्रभाव प्रश्वात नाहे, शकु उथा नाहे। মাকে ভূলিছা ভাদ্ধস্থাক আপন হতে বাঝা শাসনের ভার পইতে চাহে, भागीतक मामन कविटल bice, आयातकात्र नत्राध्यतक वीधिटल bice। खाने, कट्ठांत मार्राना कत---- श्राप्त कृषिता यात्र। मार्यय नाम कतिरत्न कहिराह यथन नवीत (रामाकिन १६६व-- यथम नीवन कमात भन्न १३६व, छन्न वृत्वित, किन्न कडेशाएक । निकारन विविधा भारक कारक लाडेशा वर्धन लाल्या मखारनय साम भर्मद केवा डांव काटक बेलिटक शांत्रित, खब्म वृत्तित्व, किकू रहेबाटक । त्य किछ शहीय-- ठक्काका नेख, कीयन श्रम । फरन १० चिट्ट, वामनाइ व्याखन क्तरम क्राम निविधा बाहरण्डक्-मामादबंब चार्च छलिया बाहेटअटक-दक বেন সংখ্য প্রায় করিয়া কেলিতেছেন ৷ এই প্রকারে যা ধ্বন তোমার नक्षाव क्षाति, लात्वर सूच धरेदन, एचन छामात कीवन महागरक शहरित्व भाषाव शार्वत काहे, बामांत बाना बारक, मा ट्लाबाटक दन कर्त प्रत्ये अधिकाती कत्रियम । आत्रत रेक्टा भून रहेक ।

CE TES WIF-

আন্দ আৰু জোনাৰ কৰু পাইলাৰ না। পৰা না পাইবাক কেইছাই নিকট পা নিবিতে ইআ বইকেছে। ইবার মধ্যে নাবেরই কুপা বর্জনার এ বাবের কুপার আন্দ-প্রেম আবো উজ্জান বইবাছে। আনি জোনার আন্দের কিকার প্রবেশ করিতে বছাই লক্ষ্ণানিক বইবাছি। পারিব কি না, জা নাই আন্দের। আর আন, ভূমি। প্রাবের যার যে ভাই কুপারে ভার নাইভার বিকামে সাবদভ করিবা বাবিল, সে আভ্যানের বিকাম স্থান বে নাত্রকার, ভাতেও বকিছা। ভূমি জোনার প্রাবের বাবিক আমার বিকামে আবোর করিবা বাবিবে পুরাবিবে পি কাই ভাল বে, আমি নিই কবার পরিবর্গে কড় কথা ব্যবহার করিবা জোনার কোনার বেরবাল গ্রাবের না।

मा, आर्म्य कार्ते (कामाद समय क्षेत्र भाषानग्रम मध । आमि साफ-र सम बुक्तिक कुल कृति माहै। आमि (काशादक विभिन्नक्ति। आमि (काशाव महत्व कार्ति, त्कामात जावक कार्ति । करे जानि बनिवारे जानवानि । क्यामात महत्त्वत नविक्रव-मीहर सःह-८वारमः व्यासाव दशास्त्र ममत्, अवस्ति च्याचात हत्क मृत्र वित्रविक्त मा । अधि वाच क्षेत्रा चावात निवरत विविधा हन है। जिस्रा किट क्षिट्रम । हन है। जिस्रा नहरू, -- कामान खानर क एकामान कारनर feste Gifen notweren : mife allete uiten faeb ceinie wollt कामनाश्व कमा बिलाम। अहे (बांटलडे पवि कामांव बींबटमंब त्वव करेंक, ट्यामात के सजीत त्यार गरेवा वारेट्ड लाविकाम। काका क करेन मा । des Course with Colum tofets bie as mein fofete तिथिट करकर कर महिला दक्त महिला, दृश्य बुक्रिंग मधा मा कि क्षिपाटक आहरा ८ लाविक कहिरवस सा १ मा कि ८ शामारक आमाब आरमह काहे कबिटनम मा १--मा कि एटामाटक ककित शासा मानेनाह मनाव केविटनम ना । आश्वात आना-(हामात देशह अव: कार्ड + केशव : आह आना-(कामात · · * केलंब। यदि दशायता कडे कदिया मार्गाटक बाडाहरण, करन मामि बाहारक काक्षक कक हरेरक लावि, कश्रक रहामारनन (68) wiele uble alleie niefer miete auf mietes felba : mire mire at fafette," mires nielet mie eface mire al ! mit

(6)

fereit . .

মাহের বিধান দেখিলে অনাক্ ইউডে তর। আনেক তান্ দেখিরাছি—
কিন্তা এখানে নাবের ওমনই নিচিতা বিধান বে দেখিরা অধাক হইবা
খ্রিরাছি। সমর্ভা ওবেশটা পালাভ্যর—পাহাহের ভবক উঠিতে উঠিতে
কিন্তা পানিরা গিয়াছে—১৯ জিকে জনাট্ট পালাভ্ ভরল পোভিতেতে। এই
স্থান্ত পোভিতিকবিদ্ধান এদেশের গোনি মধ্যে নার ভাই ভাহাদের এজ
স্থানা। এখন কবিল্লা খেল, আর ভোগান্ত নাই।

ক্রীষ্টের যে কণাটা ভূমি ত্তিয়াও, ছাতার উত্তর দিতে ইচ্ছা আছে। বিশ্ব আমি-ফ্রাত ক্রা, তিনি বিবাস রান্যের বেবতা। জানাত উত্তর কুমি বিশ্ববী হয়বে।—